THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 361 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र कृ.10 2081 सोमवार, 24 मार्च-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

संभल हिंसा में जामा मस्जिद के सदर गिरफ्तार

संभल, 23 मार्च (एजेंसियां)। संभल हिंसा के 4 महीने बाद जामा मस्जिद के सदर जफर अली को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले पुलिस ने जफर अली को रविवार सुबह 11 बजे घर से उठाया। करीब 4 घंटे कोतवाली में पूछताछ की। जफर अली को चंदौसी कोर्ट ले जाया गया है।

वहीं, जफर अली की गिरफ्तारी के बाद उनके साथी अधिवक्ता पुलिस की गाड़ी के पीछे भागने लगे। लोगों ने जफर अली जिंदाबाद के नारे लगाए। जफर अली का घर मस्जिद से 100 मीटर दूर है। तनाव को देखते हुए इलाके में 200 से ज्यादा जवान तैनात किए गए हैं। 5 थानों की फोर्स भी जामा मस्जिद इलाके में तैनात है।

जस्टिस के घर के बाहर मिला जला हुआ मलबा

इसमें 500 रुपये का जला हुआ नोट भी

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के सरकारी आवास से भारी मात्रा में नकदी मिलने का मामला लगातार गरमाता जा रहा है। अब उनके घर के बाहर का एक नया वीडियो सामने आया है। उनके आवास के पास जला हुआ मलबा देखा गया। जिसमें जला हुआ 500 का नोट भी मिला है। जिसके बाद यह मामला काफी पेचीदा हो गया है।

उधर, जस्टिस यशवंत वर्मा ने अपने ऊपर लगे आरोपों से साफ इनकार किया है और दावा किया है कि स्टोररूम में उनके या उनके परिवार के किसी सदस्य के द्वारा कोई नकदी नहीं रखी गई। जस्टिस वर्मा ने कहा कि उन्हें बदनाम करने की साजिश हो रही है। दरअसल मुख्य न्यायाधीश ने नकदी मिलने के मामले की आंतरिक जांच के आदेश दिए हैं। जिसके बाद दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय ने

जस्टिस वर्मा से उनके ऊपर लगे आरोपों पर जवाब मांगा था।

जस्टिस डीके उपाध्याय को भेजे पत्र में जस्टिस वर्मा ने लिखा कि मेरे या मेरे परिवार के किसी सदस्य को स्टोर रूम में मिली नकदी के बारे में कोई जानकारी नहीं है। न ही मेरे या मेरे परिवार को ये नकदी दिखाई गई। जस्टिस वर्मा ने घटना को याद करते हुए बताया कि 14-15 मार्च की रात उनके सरकारी आवास के स्टोर रूम में आग लगी। यह स्टोर रूम उनके स्टाफ क्वार्टर के पास स्थित है। स्टोर रूम को आम तौर पर इस्तेमाल न होने वाले फर्नीचर, बोतल, क्रॉकरी, इस्तेमाल किए हुए कारपेट आदि रखने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। साथ ही उस स्टोर रूम में सीपीडब्लूडी का सामान भी रखा रहता है। स्टोर रूम में कोई ताला नहीं है और वहां कई अधिकारी आते जाते रहते हैं। इस स्टोर रू में सामने के दरवाजे से और पीछे के दरवाजे से भी आया जा सकता है। यह मेरे आवास से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ नहीं है और यह मेरे घर का हिस्सा नहीं है।

जस्टिस वर्मा ने बताया कि जिस दिन आग लगने की घटना हुई, उस दिन वे अपनी पत्नी के साथ मध्य प्रदेश में थे। उस वक्त घर पर सिर्फ मेरी बेटी और मेरी बुजुर्ग मां ही घर पर थीं। मैं 15 मार्च की शाम को भोपाल से दिल्ली लौटा। जब आग लगी तो मेरी बेटी और मेरे निजी सचिव ने फायर ब्रिगेड को फोन किया। आग बुझाने के दौरान मेरे सारे स्टाफ और मेरे घर के सदस्यों को आग वाली जगह से हटा दिया गया था।

जब आग बुझ गई और जब ये लोग वहां पहुंचे तो मौके पर कोई नकदी नहीं थी। मैं फिर एक बार साफ कर दूं कि न तो मेरे द्वारा या मेरे परिवार के द्वारा कोई नकदी स्टोर रूम में रखी गई थी और न ही कथित तौर पर मिली नकदी से हमारा कोई संबंध है। ये पैसा हमारे द्वारा रखे जाने का दावा पूरी तरह से हास्यास्पद है। उन्होंने कहा कि एक ऐसी जगह पर नकदी रखने का विचार ही बेतुका है, जहां सब लोग आ जा सकते हैं।

जस्टिस वर्मा नकदी मिलने की बात से ही इनकार कर रहे हैं, वहीं सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार की शाम अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर एक वीडियो जारी की, जिसमें जस्टिस वर्मा के आवास से मिले जले हुए नोटों की गड्डियां दिख रही हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की आंतरिक जांच शुरू करने का दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को निर्देश दिया है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया है कि इस मामले की जांच तक जस्टिस यशवंत वर्मा को कोई भी न्यायिक जिम्मेदारी नहीं दी जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट द्वारा अपलोड वीडियो पर जस्टिस वर्मा ने कहा कि मैं वीडियो की सामग्री को देखकर हैरान हूं क्योंकि उसमें कुछ ऐसा दिखाया गया है, जो मौके पर मिला ही नहीं। बता दें कि न्यायमूर्ति वर्मा के लुटियंस दिल्ली स्थित आवास में 14 मार्च को होली की रात करीब 11.35 बजे आग लगने के बाद भारी मात्रा में नकदी मिलने का दावा किया गया था। दिल्ली अग्निशमन विभाग के कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाई थी।

आंध्र प्रदेश में एसीबी का एक्शन

वाईएसआरसीपी नेता और एक आईपीएस अधिकारी पर 'जबरन वसूली' का केस किया दर्ज

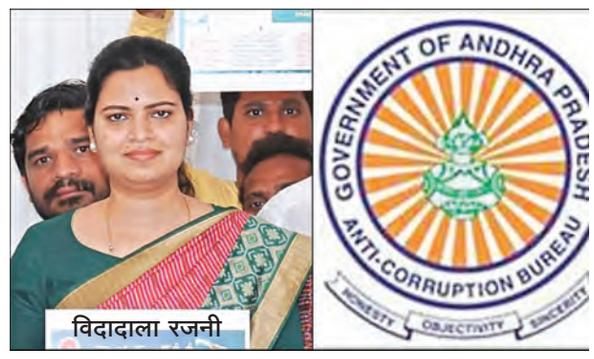

अमरावती, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश की भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने वाईएसआरसीपी नेता विदादाला रजनी, वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी पी जोशुआ और अन्य के खिलाफ 2.2 करोड़ रुपये की जबरन वसूली के आरोप में केस दर्ज किया है। यह कथित वसूली पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान एक स्टोन-क्रशिंग व्यवसायी से की गई थी।

कैसे हुई वसूली :

पुलिस के अनुसार, यह घटना तब की है जब आंध्र प्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी की सरकार थी। उस समय स्टोन-क्रशिंग व्यवसाय करने वाले एक व्यक्ति से विजिलेंस जांच के नाम पर 5 करोड़ रुपये मांगे गए थे। मामले में रजनी के सहायक एडी रामकृष्णा ने सबसे पहले 5 करोड़ रुपये की मांग की।

इसके एक महीने बाद आईपीएस अधिकारी पी जोशुआ ने अनधिकृत निरीक्षण किया। इस दबाव के बाद व्यवसायी ने 2.2 करोड़ रुपये दे दिए।

जबरन वसूली के मामले में कौन-कौन आरोपी :

पुलिस के मुताबिक, इस मामले में चार लोगों को मुख्य आरोपी बनाया गया है। इसमें वाईएसआरसीपी की पूर्व मंत्री विदादाला रजनी, वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी पी जोशुआ, पूर्व मंत्री रजनी के पति वी. गोपी और रजनी के सहायक एडी रामकृष्णा के नाम शामिल है।

आरोपियों पर किन धाराओं में केस हुआ दर्ज :

इस मामले में भ्रष्टाचार और जबरन वसूली से जुड़े कानूनों के तहत केस दर्ज किया गया है। जिसमें भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 और 7ए (रिश्वतखोरी से जुड़ी धाराएं), भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 384 (जबरन वसूली) और धारा 120बी (आपराधिक साजिश) शामिल है। फिलहाल, एसीबी ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। आगे और लोगों पर कार्रवाई हो सकती है।

सामाजिक न्याय के प्रतीक थे राम मनोहर लोहिया : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। पीएम मोदी ने उन्हें एक दूरदर्शी नेता, प्रखर स्वतंत्रता सेनानी और सामाजिक न्याय का प्रतीक बताया। एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने वंचितों को सशक्त बनाने और एक मजबूत भारत के निर्माण में योगदान देने के लिए लोहिया के समर्पण पर प्रकाश डाला।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि डॉ. राम मनोहर लोहिया को उनकी जयंती पर याद कर रहा हूं। वह एक दूरदर्शी नेता, प्रखर स्वतंत्रता सेनानी और सामाजिक न्याय के प्रतीक थे। उन्होंने अपना जीवन वंचितों को सशक्त बनाने और एक मजबूत भारत के निर्माण के लिए समर्पित कर दिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी लोहिया को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी और उन्हें भारत के राजनीतिक और सामाजिक इतिहास में महान व्यक्तित्वों में से एक बताया।

अमित शाह ने ट्वीट में लिखा, डॉ. राम मनोहर लोहिया जी भारत के राजनीतिक और सामाजिक इतिहास के उन महान व्यक्तित्वों में से एक थे, जो जीवन भर देशभक्ति के अपने सिद्धांतों और मूल्यों के प्रति समर्पित रहे। महिला शिक्षा, सामाजिक समानता और राजनीतिक शुचिता पर आधारित लोहिया जी के विचार सभी के लिए प्रेरणादायी हैं।

मैं डॉ. राम मनोहर लोहिया जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

ओडिशा में ओले गिरे, 2 की मौत

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। पिछले 24 घंटों में ओडिशा में अलग-अलग जगहों पर बारिश, आंधी और बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। 67 अन्य घायल हो गए और 600 से अधिक घर क्षतिग्रस्त हो गए। आज देश के 17 राज्यों में बारिश की संभावना है। इसमें बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, गुजरात, केरल और नॉर्थ ईस्ट के राज्य शामिल हैं। मौसम विभाग ने कहा कि अगले 24 घंटों में जगतसिंहपुर, कटक, ढेंकनाल, अंगुल, देवगढ़ और सुंदरगढ़ जिलों में कुछ स्थानों पर तेज हवाओं के साथ बिजली और ओले गिरने की संभावना है।

इस दौरान बालासोर, भद्रक, जाजपुर, केंद्रपाड़ा, मयूरभंज और क्योंझर जिलों में एक या दो स्थानों पर भारी बारिश (7 से 11 सेमी) और बिजली के साथ तूफान आ सकता है। मौसम विभाग ने 2025 में भी सामान्य से अधिक गर्मी रहने का अनुमान जताया है।

संविधान और बातचीत से ही मिलेगा हर समस्या का हल : बीआर गवई

इंफाल, 23 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति बीआर गवई ने रविवार को मणिपुर हिंसा का समाधान खोजने की बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मणिपुर राज्य में हो रही समस्याओं का समाधान संवैधानिक तरीकों से किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि अगर बातचीत की जाए तो समाधान जल्दी मिल सकता है। बता दें कि इन दिनों सुप्रीम कोर्ट क पांच न्यायाधीशों का प्रतिनिधिमंडल मणिपुर के दो दिवसिय दौरे पर है। इसी दौरान न्यायमूर्ति गवई ने ये बातें कही।

मणिपुर हाईकोर्ट स्थापना दिवस पर बोले गवई

न्यायमूर्ति गवई ने मणिपुर उच्च न्यायालय की स्थापना की 12वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित समारोह में कहा कि राज्य में हर कोई शांति चाहता है। उन्होंने कहा कि कोई भी मौजूदा हिंसा या संघर्ष की स्थिति को जारी नहीं रखना चाहता। साथ ही उन्होंने विश्वास

जताया कि राज्यपाल के प्रयासों से मणिपुर में जल्द ही शांति और सामान्य स्थिति बहाल हो जाएगी।

अपनी मणिपुर यात्रा को बताया महत्वपूर्ण

न्यायमूर्ति गवई ने आगे अपने मणिपुर यात्रा को महत्वपूर्ण बताया। कारण का जिक्र करते हुए गवई ने कहा कि मणिपुर वह जगह है जहां नेताजी सुभाष चंद्र बोस और भारतीय राष्ट्रीय सेना ने देश की आजादी के लिए संघर्ष किया था और 1944 में पहली बार भारतीय ध्वज फहराया गया था। न्यायमूर्ति गवई ने आगे कहा कि हमारा देश संविधान को अपनाए हुए 75 साल मना रहा है और जब हम भारत को अपने पड़ोसी देशों से तुलना करते हैं, तो यह साफ होता है कि हमारा संविधान हमें एकजुट और मजबूत रखता है।

बिष्णुपुर में राहत शिविरों का किया दौरा

न्यायमूर्ति गवई ने बताया कि उन्होंने अपनी यात्रा के दौरान मणिपुर के चूड़ाचांदपुर और बिष्णुपुर में राहत शिविरों का दौरा किया। साथ ही वहां के लोगों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि वहां उपस्थित सभी लोगों ने शांति की बहाली की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने यह भी कहा कि मणिपुर के लोग वर्तमान स्थिति को जारी रखने के बजाय संवैधानिक तरीकों से राज्य में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए एकजुट होकर काम कर सकते हैं।

इसके अलावा, न्यायमूर्ति गवई ने मणिपुर उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी कृष्णकुमार द्वारा शुरू की गई नई परियोजनाओं की भी सराहना की।

'मणिपुर में शांति बहाली में हुई प्रगति और भी आगे बढ़ने की जरूरत है'

इंफाल में बोले कानून मंत्री

इंफाल, 23 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने रविवार को कहा कि मणिपुर में शांति बहाल करने की प्रक्रिया में प्रगति हुई है और आगे और भी आगे बढ़ने की जरूरत है। मणिपुर उच्च न्यायालय की स्थापना की 12वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित एक समारोह के दौरान पत्रकारों से उन्होंने कहा, मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद, संसद के दोनों सदनों में इस मामले पर चर्चा की गई और शांति बहाल करने की जरूरत पर जोर दिया गया। केंद्र सरकार राज्य में जल्द ही शांति बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध है।

वहीं समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा, मैं मणिपुर में चल रही शांति प्रक्रिया में तेजी के लिए प्रार्थना करता हूं ताकि राज्य प्रगति कर सके और विकसित भारत में योगदान दे सके। इस दौरान इस कार्यक्रम में राज्यपाल अजय कुमार भल्ला और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश भी मौजूद रहे। वहीं न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के घर से नकद बरामदगी विवाद पर पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए केंद्रीय कानून मंत्री ने कहा, सुप्रीम कोर्ट मामले की जांच कर रहा है... समिति की रिपोर्ट आने दीजिए... हम उसके बाद बात करेंगे।

बता दें कि, न्यायमूर्ति बीआर गवई के नेतृत्व में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों का एक प्रतिनिधिमंडल मणिपुर के दो दिवसीय दौरे पर है। शनिवार को उन्होंने राहत शिविरों का दौरा किया और आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों से बातचीत की। ये प्रतिनिधिमंडल ने चूड़ाचांदपुर जिले के लमका में मिनी सचिवालय से एक कानूनी सेवा शिविर, एक चिकित्सा शिविर और एक कानूनी सहायता क्लिनिक का वर्चुअल उद्घाटन भी किया।

जातिवादी जनता नहीं, बल्कि नेता होते हैं

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के बेबाक बोल

अमरावती, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता नितिन गडकरी ने एक बार फिर बेबाक बयान दिया है। उन्होंने कहा कि लोग जातिवादी नहीं होते, बल्कि नेता अपने स्वार्थ के लिए जातिवादी होते हैं। यहां एक कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने यह भी कहा कि पिछड़ापन राजनीतिक हित बनता जा रहा है। गडकरी ने कहा, इस बात की होड़ लगी रहती है कि कौन ज्यादा पिछड़ा है।

सामाजिक असमानता को खत्म करने की जरूरत :

उन्होंने कहा, लोग जातिवादी नहीं होते, बल्कि नेता अपने स्वार्थ के लिए जातिवादी होते हैं। उन्होंने कहा कि सामाजिक असमानता को खत्म करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जातिगत भेदभाव खत्म होना चाहिए और इसकी प्रक्रिया खुद से शुरू होनी चाहिए।

जो करेगा जाति की बात, उसके कस के मारूंगा लात :

इससे पहले गडकरी ने जातिगत भेदभाव को लेकर अहम टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि मैं जाति के आधार पर भेदभाव नहीं करता हूं। चाहे मुझे फिर वोट मिले या न मिले। लोग जाति के आधार पर मुझसे मिलने आते हैं। मैंने उन सबसे 50,000 लोगों में कह दिया कि जो करेगा जाति की बात, उसके कस के मारूंगा लात। मैं धर्म और जाति की बातें सार्वजनिक रूप से नहीं करता। चाहे चुनाव हार जाऊं या मंत्री पद चला जाए, मैं अपने इस सिद्धांत पर अटल रहूंगा।

भले ही मुझे वोट मिले या न मिले, मैं अपने हिसाब से चलता हूं :

केंद्रीय मंत्री ने 15 मार्च को नागपुर में सेंट्रल इंडिया ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के दीक्षांत समारोह में शिरकत की थी। उन्होंने कहा था कि किसी व्यक्ति का मूल्य जाति, धर्म, भाषा या लिंग के बजाय उसके गुणों से निर्धारित होना चाहिए। किसी व्यक्ति को उसकी जाति, संप्रदाय, धर्म, भाषा या लिंग से नहीं, बल्कि उसके गुणों से जाना जाता है। इसलिए हम जाति, संप्रदाय, धर्म, भाषा या लिंग के आधार पर किसी के साथ भेदभाव नहीं करेंगे। गडकरी ने याद किया था कि कैसे कई लोग अपनी जातिगत पहचान के आधार पर उनसे संपर्क करते थे, लेकिन वह अपने सिद्धांतों पर अडिग रहे। मैं राजनीति में हूं और यहां यह सब चलता रहता है, लेकिन मैं इससे इनकार करता हूं, भले ही इससे मुझे वोट मिले या न मिले।

ट्रेन में भीड़ घटाने का फॉर्मूला

जितनी जनरल सीट, उससे डेढ़ गुना ही टिकट बिकेंगे, ट्रेन नंबर भी होगा

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए नया फॉर्मूला तैयार हो रहा है। खबर है कि रेलवे ट्रेन की क्षमता के हिसाब से टिकट जारी करने की तैयारी में है। यानी ट्रेन में जितनी सीटें होंगी, उससे कुछ फीसदी ज्यादा ही टिकट बेचे जाएंगे।

यह व्यवस्था रिजर्व और जनरल दोनों तरह की श्रेणियों के टिकटों पर लागू होगी। जनरल टिकटों के लिए यह सीमा तय सीटों से डेढ़ गुना तक ही ज्यादा रहेगी यानी किसी बोगी में सीमित यात्री ही सफर कर पाएंगे। टिकटों की बिक्री ट्रेन के हिसाब से होगी यानी जिस ट्रेन से यात्रा करना है, उसका नंबर जनरल टिकट पर दर्ज रहेगा। अभी इन टिकटों पर ट्रेन नंबर नहीं होता है।

अगले 4 से 6 महीने में लागू हो सकती है व्यवस्था

रेलवे बोर्ड के एक अधिकारी के मुताबिक टिकटों की बिक्री को नियंत्रित करने का अधिकार स्टेशन प्रबंधक देने की तैयारी है। वह कुल ट्रेनों और उनकी यात्री क्षमता के हिसाब से टिकट बिक्री रोक सकेगा। सामान्य टिकटों में एक व्यवस्था और जोड़ी जा सकती है।

यात्री सफर से 24 घंटे पहले टिकट खरीदकर अपने गंतव्य की किसी भी ट्रेन में यात्रा कर सकते हैं। इनकी बिक्री पर भी कोई प्रतिबंध नहीं होता। गंतव्य के लिए ट्रेन कोई भी हो, जब तक यात्री जनरल टिकट मांगते हैं, रेलवे उन्हें देता है, लेकिन नई व्यवस्था में इनकी संख्या सीमित की जाएगी। फिलहाल यह व्यवस्था अगले 4 से 6 महीने में पूरी तरह लागू कर दी जाएगी।

पंजाब की जेल में आएगा खालिस्तान समर्थक सांसद अमृतपाल

आप सरकार ने एनएसए नहीं बढ़ाया

अमृतसर, 23 मार्च (एजेंसियां)। असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद पंजाब के खालिस्तान समर्थक सांसद अमृतपाल सिंह को पंजाब की जेल में लाया जा सकता है। पंजाब सरकार ने अमृतपाल पर लगे राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) की अवधि को बढ़ाने के कोई आदेश जारी नहीं किए हैं। इसकी अवधि बीते शनिवार यानी 22 मार्च को ही समाप्त हो चुकी है।

अमृतपाल के साथ उसके 2 अन्य साथियों पप्पलप्रीत सिंह और वरिंदर विक्की से भी एनएसए हटाई जा सकती है। इससे पहले हाल ही में अमृतपाल के 7 साथियों को डिब्रूगढ़ जेल से पंजाब लाया जा चुका है। पंजाब के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अभी तक अमृतपाल और उनके साथियों की एनएसए की अवधि बढ़ाने या इससे संबंधित कोई अन्य आदेश जारी नहीं हुआ है। इससे साफ है कि पंजाब सरकार अब अमृतपाल सिंह पर शिकंजा कसने की तैयारी

में है। पंजाब सरकार अमृतपाल सिंह और उसके 2 अन्य साथियों पप्पलप्रीत सिंह और वरिंदर विक्की को पंजाब के अमृतसर लाकर 2023 में अजनाला थाने पर हुए हमले की जांच में शामिल कर सकती है।

पंजाब सरकार 21 मार्च को अमृतपाल सिंह के 7 साथियों को लेकर अमृतसर पहुंची और उन्हें कोर्ट में पेश कर 3 दिन का रिमांड हासिल किया। जबकि, अमृतपाल सिंह के मामले में सुनवाई लंबित थी। इसके चलते अमृतपाल सिंह, पप्पलप्रीत सिंह और वरिंदर विक्की के बारे में कोई फैसला नहीं लिया जा सका। संभावना है कि सरकार अभी आदेश जारी करने के बजाय 25 मार्च को कोर्ट में अमृतपाल सिंह और उसके 2 साथियों के बारे में अपना फैसला साफ करेगी।

अमृतपाल सिंह के 7 साथियों को 17 मार्च से ही डिब्रूगढ़ जेल से रिहा कर प्रोडक्शन वारंट पर अमृतसर लाने का काम शुरू हो गया था। इसके बाद 20 मार्च की रात उन्हें डिब्रूगढ़ से अमृतसर शिफ्ट करने का काम शुरू किया गया और 21 मार्च को उन्हें अमृतसर की अजनाला कोर्ट में पेश कर 3 दिन का रिमांड हासिल किया गया।

23 फरवरी 2023 को खालिस्तान समर्थक संगठन 'वारिस पंजाब दे' से जुड़े हजारों लोगों ने अमृतसर के अजनाला थाने पर हमला कर दिया था। इनके हाथों में बंदूकें और तलवारें थीं। ये लोग संगठन के प्रमुख अमृतपाल सिंह के करीबी लवप्रीत सिंह तूफान की गिरफ्तारी का विरोध कर रहे थे।

तेज हवाओं के साथ बारिश ने बच्ची की ली जान, पिता के साथ बाइक पर जा रही थी तभी हुआ हादसा

बेंगलुरु,23 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में देर शाम अचानक तेज हवाओं के साथ हुई बारिश ने एक बच्ची की जान ले ली। घटना बेंगलुरु के जीवनहल्ली के ईस्ट पार्क के पास हुई। बारिश के दौरान एक पेड़ गिरने से तीन साल की बच्ची की जान चली गई। यह हादसा उस समय हुआ, जब बच्ची अपने पिता के साथ बाइक पर पार्क के पास से गुजर रही थी। तेज हवाओं और बारिश के कारण अचानक गिरा पेड़ बाइक पर गिर गया, जिससे बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। माता-पिता तुरंत बच्ची को इलाज के लिए बॉउरिंग अस्पताल ले गए, लेकिन उनकी बेटी की हालत इतनी गंभीर थी कि उसे बचाया नहीं जा सका। बारिश के कारण बेंगलुरु के कुछ निचले इलाकों में कुछ देर जल जमाव के हालात भी बने। सिविल डिफेंस से जुड़ी टीम के मुताबिक, इस अचानक हुई बारिश के कारण शहर के विभिन्न इलाकों में करीब 30 पेड़ गिर गए।

कपिल सिब्बल ने चुनाव आयोग को बताया विफल संस्था

विपक्षी गठबंधन इंडिया को लेकर कही ये बात

नई दिल्ली,23 मार्च (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने चुनाव आयोग को निष्क्रिय और विफल संस्था बताया। उन्होंने कहा कि लोगों के एक बड़े वर्ग को चुनाव आयोग पर भरोसा नहीं है क्योंकि इसने अपनी सांविधानिक जिम्मेदारियों के अनुसार कार्य नहीं किए हैं। इसके अलावा उन्होंने विपक्षी गठबंधन इंडिया की एकजुटता पर जोर दिया। सिब्बल ने कहा कि चुनाव आयोग में अविश्वास के मुद्दे से जितनी जल्दी निपटा जाएगा, लोकतंत्र को बचाने की संभावना उतनी ही अधिक होगी। चुनाव आयोग एक निष्क्रिय संस्था है। चुनाव आयोग ने अपने कर्तव्यों के अनुसार अपने कार्यों का निर्वहन नहीं किया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष को संदेश यह है कि ईवीएम के अलावा, कुछ गंभीर मुद्दे हैं जो वास्तव में यह दर्शाते हैं कि चुनाव प्रक्रिया प्रदूषित है। जो चुनाव परिणाम आए हैं, वे कई स्तरों पर हेरफेर के कारण सकते हैं। हमें उस मुद्दे को एक साथ हल करना चाहिए। विपक्षी गठबंधन इंडिया को लेकर सिब्बल ने कहा कि इंडिया ब्लॉक को एक दिखना चाहिए, न कि अलग-अलग। उन्होंने विपक्षी गठबंधन के लिए एक औपचारिक ढांचे की बात कही। उन्होंने कहा कि भारतीय दलों को भविष्य के लिए एक सुसंगत नीति, वैचारिक रूपरेखा और एक कार्यक्रम की आवश्यकता है।

एक रूप में दिखे विपक्षी गठबंधन

राज्यसभा सांसद ने कहा कि मुझे लगता है कि इस विपक्षी गठबंधन को एक ब्लॉक के रूप में दिखना चाहिए, न कि एक अलग ब्लॉक के रूप में, जैसा कि वह सार्वजनिक रूप से दिखता है। मैं राज्य स्तर या राष्ट्रीय स्तर की बात नहीं कर रहा हूं, राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर जिस तरह से विचार किया जाता है, उसमें सामंजस्य होना चाहिए और जब तक वह तंत्र नहीं बनाया जाता और जब तक ब्लॉक के प्रवक्ता नहीं होते, मुझे नहीं लगता कि यह बहुत प्रभावी ढंग से आगे बढ़ सकता है। सिब्बल ने कहा कि गठबंधन के लिए औपचारिक राजनीतिक संरचना को लेकर वह लंबे समय से लड़ रहे हैं। यह कुछ ऐसा नहीं है जो किसी को पसंद हो या उन्हें लगता है कि यह उचित समय नहीं है, लेकिन मैं इंडिया गठबंधन की ओर से बात नहीं कर सकता। पूर्व कांग्रेस नेता ने कहा कि मैं विपक्ष के लिए एक भविष्य देखता हूं, यह क्या रूप लेता है, यह क्या संरचना लेता है, हम देखेंगे। वक्फ (संशोधन) विधेयक को लेकर सिब्बल ने कहा कि हमें देखना होगा कि एनडीए गठबंधन के सहयोगी इस मामले में क्या करने को तैयार हैं क्योंकि भाजपा के पास बहुमत नहीं है। बिहार में चुनाव होने वाले हैं। मुझे लगता है कि अगर वे विधेयक पेश करते हैं, तो उन्हें चिंता हो सकती है कि बिहार में चुनाव प्रक्रिया पर इसका क्या असर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि इसलिए मुझे नहीं पता कि इसका क्या नतीजा होगा। इसलिए हमें इंतजार करना चाहिए और देखना चाहिए। बेशक अगर बिल पास हो जाता है तो इसे चुनौती देने वालों के पास विकल्प मौजूद हैं।

मुगलों से भी स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ी गई

औरंगजेब विवाद पर आरएसएस ने खुलकर रखी अपनी बात

बेंगलूरू,23 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक के बेंगलुरु में आरएसएस सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले ने कहा कि औरंगजेब ने जो किया इसके लिए उसको आइकॉन नहीं मानना चाहिए। दिल्ली में औरंगजेब रोड था। उसका नाम बदला गया, उसका नाम उनके भाई दारा शिकोह पर क्यों नहीं रखा गया? जो लोग गंगा जमुनी तहज़ीब की बात करते हैं उनको ये सोचना चहिए की वो अपना आइकॉन औरंगजेब को मानते हैं या दारा शिकोह को? स्वतंत्रता की लड़ाई सिर्फ अंग्रेज़ों से बस नहीं लड़ी गई, शिवाजी और महाराणा प्रताप ने भी मुगलों से स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ी थी। वो भी स्वतंत्रता संग्राम था। देश के लोगों को तय करना है की उनको अपना आइकॉन औरंगजेब को मानते हैं या दारा शिकोह को?

भारत में किसे बनाना है आइकॉन?

दत्तात्रेय ने कहा कि भारत के लोगों को तय करना होगा कि वो भारत के इतिहास के विरुद्ध चले व्यक्ति को अपना आइकॉन बनाएंगे, या फिर देश संस्कृति, परंपरा और मिट्टी के साथ जो लोग रहे हैं उन्हें अपना आइकॉन बनाएंगे। इसलिए असल मुद्दा ये है और औरंगजेब इसमें फिट नहीं बैठते हैं। औरंगजेब के भाई दाराशिकोह इस आइकॉन में फिट बैठते हैं। उन्होंने कहा कि एक स्वतंत्र देश को ये गंभीरता से सोचना होगा कि हमें स्वतंत्रता कैसे मिली थी? अंग्रेजों से पहले आए आक्रांताओं से देश के वीर सपूतों ने लड़ाई लड़ी है।

कब्र को लेकर विवाद

महाराष्ट्र में मुगल शासक औरंगजेब को लेकर सियासत गरमाई हुई है। छत्रपति संभाजीनगर जो कि पहले औरंगाबाद नाम से जाना जाता था वहां पर औरंगजेब की कब्र है। इस कब्र को लेकर विवाद नहीं रुक रहा है। राज्य में इस मुद्दे पर सियासी घमासान होने के बाद अब पूरा मामला बॉम्बे हाईकोर्ट पहुंच गया है। हाईकोर्ट में भी इसको लेकर याचिक दाखिल की गई है। अदालत से औरंगजेब की कब्र को राष्ट्रीय स्मारकों की लिस्ट से हटाने का निर्देश देने की मांग की है।

चंडीगढ़ में पाकिस्तानी हैंड ग्रेनेड से किया गया था हमला

एनआईए की चार्जशीट में सामने आई बड़ी जानकारी

चंडीगढ़,23 मार्च (एजेंसियां)। शहर में पिछले साल 10 सितंबर को सेक्टर 10 स्थित एक कोठी में हैंड ग्रेनेड से हमला किया गया था। इस धमाके को लेकर एनआईए ने स्पेशल कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की है, जिसमें बड़ा खुलासा किया है। चार्जशीट के मुताबिक कोठी में ब्लास्ट करने के लिए जिस हैंड ग्रेनेड का प्रयोग किया था, वो हैंड ग्रेनेड पाकिस्तान मेड एचजी-84 था। इस मामले में एनआईए ने चार्जशीट में पाकिस्तान में बैठे आतंकी हरविंदर सिंह रिंदा और यूएसए से ऑपरेट कर रहे गैंगस्टर से आतंकी बने हैप्पी पसियां को भी बतौर आरोपी शामिल किया है। इन दोनों ही आतंकियों के इशारे पर वारदात को अंजाम दिया गया। ड्रोन के माध्यम से पाकिस्तान से पंजाब के रास्ते चंडीगढ़ में हैंड ग्रेनेड भेजे जाने की आशंका जताई गी है। इस मामले की अगली सुनवाई 15 अप्रैल को होगी। बता दें कि इससे पहले पंजाब पुलिस ने दावा किया था कि चंडीगढ़ ग्रेनेड धमाके की साजिश पाकिस्तान स्थित आतंकवादी हरविंदर सिंह रिंदा और अमेरिका स्थित गैंगस्टर हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया ने रची थी। पुलिस ने इस मामले में एक मुख्य आरोपी को गिरफ्तार भी किया था। दावा है कि आतंकवादी हरविंदर सिंह रिंदा को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का समर्थन प्राप्त है। पिछले साल सितंबर महीने में चंडीगढ़ के सेक्टर-10 स्थित मकान में विस्फोट हुआ था।

'इस बार गर्मी के मौसम में निर्बाध बिजली और पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करना है'

दिल्ली बजट सत्र से पहले मंत्री आशीष सूद का बड़ा दावा

नई दिल्ली,23 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा बजट सत्र की शुरुआत से पहले शिक्षा, गृह सहित कई विभागों के मंत्री आशीष सूद ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ बजट और शिक्षा सुधारों को लेकर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने नई शिक्षा नीति 2020 के तहत आधुनिक तकनीकों, स्मार्ट क्लासरूम और कौशल विकास कार्यक्रमों पर जोर दिया। मंत्री आशीष सूद ने दिल्ली में पानी और बिजली की आपूर्ति के मसले पर कहा, हम दिल्ली में बिजली के बुनियादी ढांचे, पानी के बिल और पानी के प्रदूषण से जुड़े सभी मुद्दों को सिर्फ 100 दिनों में हल नहीं कर सकते। पहले 100 दिनों के दौरान हमारी प्राथमिकता गर्मियों के दौरान निर्बाध बिजली और पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करना है दिल्ली में शिक्षा मॉडल के सवाल पर उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार की प्राथमिकता एक ऐसे शिक्षा प्रणाली को बढ़ावा देना है, जिसके दम पर राष्ट्रीय राजधानी के बच्चे वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हो सकें। हमारी प्रतिबद्धता है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नवीनतम संसाधनों और प्रभावी नीतियों के माध्यम से दिल्ली को एक शैक्षिक हब के रूप में विकसित किया जाए।

अन्ना स्कूल का जिक्र कर आप पर साधा निशाना

दिल्ली सरकार में मंत्री और बीजेपी विधायक आशीष सूद के मुताबिक, महावीर एन्क्लेव में अन्ना स्कूल के नाम से एक स्कूल है। वहां अपने बच्चों को भेजने के बाद माताएं भगवान से प्रार्थना करती हैं कि वे सुरक्षित घर लौट आएं। दिल्ली में आम आदमी पार्टी के शिक्षा मॉडल यही था। उन्होंने कहा, दिल्ली के स्कूलों में कंप्यूटर लैब की हालत बेहद खराब है। छात्र भविष्य के लिए कैसे तैयार होंगे? दिल्ली के ज्यादातर स्कूलों का बुनियादी ढांचा बहुत खराब स्थिति में है। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद के अनुसार दिल्ली के स्कूलों में योग क्यों नहीं पढ़ाया जाना चाहिए, के जवाब में कहा कि योग की शिक्षा दी जानी चाहिए। बच्चों के आध्यात्मिक स्वास्थ्य और उनके द्वारा झेले जाने वाले दबाव को देखते हुए हमारी सभी पहलुओं पर नजर है।

एक चिट्ठी से अफसरों में हड़कंप! पंजाब के चीफ सेक्रेटरी ने क्या एक्शन लिया और क्यों?

चंडीगढ,23 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब में आम आदमी पार्टी की भगवंत मान सरकार भ्रष्टाचार को लेकर एक्शन मोड में है। आज पंजाब के चीफ सेक्रेटरी केएपी सिन्हा ने सभी विभागों को एक चिट्ठी लिखी है, जिससे अफसरों और कर्मचारियों में हड़कंप मचा हुआ है। लेटर लिखकर भ्रष्टाचार पर बम फोड़ा गया है। लेटर लिखकर चीफ सेक्रेटरी ने सभी विभागों से नागरिक सेवाओं से संबंधित पेंडिंग एप्लिकेशन्स की डिटेल मांगी है। उन्होंने लेटर में लिखा कि नागरिक सेवाओं की एप्लीकेशन की लम्बित रखना भ्रष्टाचार को बढ़ावा देना है। सभी विभाग संबंधित जानकारी 26 मार्च को सुबह 11 बजे तक भेज दें। ऐसा नहीं करने पर यह माना जाएगा कि संबंधित अफसर और सेक्रेटरी अपने विभाग में भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहे हैं, इसलिए बेहतर होगा कि आदेश सख्ती से मान लें। बता दें कि मुख्य सचिव सिन्हा ने लेटर में लिखा है कि जनता सरकारी सेवाओं का लाभ उठाने के लिए आवेदन करती है, लेकिन उनके निपटान में देरी करना सरकारी कामकाज में भ्रष्टाचार है। पत्र लिखकर सेवाओं से संबंधित लंबित आवेदनों का विवरण मांगा गया था, लेकिन उपलब्ध नहीं कराया गया। कई बार याद भी कराया गया, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। इसलिए अब अगर 26 मार्च की सुबह 11 बजे तक मांगी गई जानकारी नहीं मिली तो इसे भ्रष्टाचार फैलाने का प्रयास माना जाएगा। फिर संबंधित विभाग और संबंधि अधिकारी के खिलाफ कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

शरद पवार और अजित पवार की मुलाकात से सियासी पारा हाई! संजय राउत ने क्या कहा?

मुंबई,23 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने अपने भतीजे और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार से पुणे स्थित वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट में मुलाकात की। इस मुलाकात ने महाराष्ट्र की सियासी गलियों में हलचल पैदा कर दी है। वहीं इस मीटिंग पर एमवीए में शरद पवार के सहयोगी और शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने तीखी प्रतिक्रिया दी। संजय राउत ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली प्रतिद्वंद्वी शिवसेना के नेताओं का जिक्र करते हुए कहा, उनके बीच सबकुछ ठीक चल रहा है। हम शिवसेना छोड़ने वालों से कोई संपर्क करने की कोशिश भी नहीं करते हैं। जिस तरह से उन्होंने महाराष्ट्र को धोखा दिया और पीठ में छुरा घोंपा। हम उनके नजदीक भी नहीं जाएंगे। इससे पहले दिन में सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त अनुसंधान संस्थान, वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट की शासकीय परिषद की बैठक में शरद पवार, उनकी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल और प्रतिद्वंद्वी एनसीपी नेता अजित पवार और दिलीप वाल्से पाटिल शामिल हुए।

'पार्टी को बांटने वालों को सबक सिखाएंगे'

बता दें कि संजय राउत ने पिछले महीने शरद पवार द्वारा 2022 में शिवसेना को विभाजित करने वाले शिंदे को सम्मानित करने और उनकी प्रशंसा करने पर नाराजगी व्यक्त की थी। राउत ने कहा, उनके (एनसीपी गुटों के नेताओं के) पास वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट, विद्या प्रतिष्ठान, रयत शिक्षण संस्था जैसी संस्थाएं हैं। हमारे पास ऐसा कुछ नहीं है। हम (पूर्व पार्टी सहयोगियों के साथ) ऐसी बैठकें नहीं करते हैं और अगर ऐसी बैठक की संभावना होती है तो हम इससे बचते हैं। हम राजनीति में संवाद में विश्वास नहीं रखते हैं। हम उन लोगों से लड़ते रहेंगे जो हमारी पार्टी को बांटते हैं और उन्हें सबक सिखाएंगे।

जयंत पाटील के अजित गुट में शामिल होने की थी अटकलें

इस बीच, एनसीपी (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने अपनी पार्टी के सहयोगी जयंत पाटिल और अपने चचेरे भाई अजित पवार के बीच हुई बैठक को तूल नहीं देती नजर आईं। बता दें कि जयंत पाटिल के अजित पवार गुट में शामिल होने की अटकलें लंबे समय से चल रही हैं। हालांकि, पाटिल ने इन अफवाहों का खंडन किया है।

पार्क में पेड़ से लटके मिले दो शव, लड़का और लड़की ने की आत्महत्या या फिर हुई दोनों की हत्या?

नई दिल्ली,23 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के साउथ वेस्ट जिले के डियर पार्क में एक लड़के और लड़की के शव पेड़ से लटके मिले। शुरुआती जांच में यह आत्महत्या का मामला लग रहा है। पेड़ों पर दोनों के शव मिलने के जानकारी वहां के सुरक्षा गार्ड ने दी। अभी दोनों की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस के मुताबिक, आज सुबह 6.31 बजे बलजीत सिंह (35), निवासी हौज खास गांव, जो डियर पार्क में सुरक्षा गार्ड है, उन्होंने एक पीसीआर कॉल की। जिसमें बताया गया कि एक लड़का और एक लड़की एक पेड़ की शाखा पर लटके हुए हैं। सूचना मिलते ही तुरंत पुलिस मौके पर पहुंची। मौके पर पहुंची पुलिस ने पाया कि एक लड़का उम्र लगभग 17 वर्ष, जिसने काली टी-शर्ट और नीली जींस पहनी हुई थी

बेल्जियम में रह रहा भगोड़ा मेहुल चोकसी, क्या मिल पाएगी नागरिकता? भारत का है ये प्लान

मुंबई,23 मार्च (एजेंसियां)। भगोड़ा हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी निवास कार्ड पाने की फिराक में है। इस समय वो बेल्जियम के एंटवर्प में रहा है। उसके साथ पत्नी प्रीती चोकसी भी रहती हैं। ऐसे में भारत ने उसके प्रत्यर्पण की मांग की है। भारत ने बेल्जियम के अधिकारियों से अनुरोध किया है कि मेहुल चोकसी को भारत में प्रत्यर्पित किया जाए। कैरिबियन स्थित आउटलेट एसोसिएटेड टाइम्स के मुताबिक, मेहुल चोकसी रेजिडेंसी कार्ड बेल्जियम से ले चुका है। फिलहाल, भारतीय अधिकारियों की ओर से इस रिपोर्ट की पुष्टि नहीं की गई है।

पत्नी है बेल्जियम की नागरिक

मेहुल चोकसी ने 13,500 करोड़ रुपये के बैंक लोन में धोखाधड़ी की है। वो बेल्जियम जाने से पहले एंटीगुआ और बारबुडा में रह रहा था। उसकी पत्नी प्रीति बेल्जियम की नागरिक है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चोकसी मौजूदा समय में देश में 'एफ रेजीडेंसी कार्ड' हासिल करके अपनी पत्नी प्रीति चोकसी के साथ बेल्जियम के एंटवर्प में रह रहा है। चोकसी ने भारत में प्रत्यर्पण से बचने और बेल्जियम में निवास पाने करने के लिए गलत डॉक्यूमेंट्स दिए हैं। चोकसी ने बेल्जियम के अधिकारियों को झूठे घोषणापत्र और फर्जी डॉक्यूमेंट सौंपे हैं। उसने अपनी आवेदन प्रक्रिया में अपनी राष्ट्रीयता को गलत तरीके से पेश किया है। साथ ही भारत और एंटीगुआ में अपनी नागरिकता के डिटेल्स देने में असफल रहा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वो कथित तौर पर फेमस कैंसर हॉस्पिटल में इलाज को आधार बनाकर स्विट्जरलैंड जाने की योजना बना रहा है।

नीरव मोदी भी भारत में प्रत्यर्पण का कर रहा विरोध

चोकसी और उसके भतीजे नीरव मोदी ने कथित तौर पर फर्जी लेटर ऑफ अंडरटेकिंग का इस्तेमाल करके सरकारी पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) से 13,500 करोड़ रुपये की सार्वजनिक धनराशि हड़प ली। लंदन की जेल में बंद नीरव मोदी, अदालतों की ओर बार-बार जमानत देने से इनकार किए जाने के बाद भारत में अपने प्रत्यर्पण का विरोध कर रहा है। मई 2021 में चोकसी एंटीगुआ से लापता हो गया था, लेकिन बाद में उसका पता लगा लिया गया और उसे वापस एंटीगुआ भेज दिया गया।

बर्खास्त कांस्टेबल ने की डेढ़ करोड़ की चोरी, बुर्का पहनकर घुसा था फ्लैट में

इंदौर,23 मार्च (एजेंसियां)। पलासिया क्षेत्र में पुलिस विभाग से बर्खास्त हुए एक कांस्टेबल ने डेढ़ करोड़ की चोरी का वारदात को अंजाम दिया। अपराधिक गतिविधियों में शामिल होने के कारण उसे कुछ वर्षों पहले पुलिस विभाग से बर्खास्त कर दिया गया था। जिस बिल्डर के यहां यह जोरी की गई। उसकी लिव इन पाटर्नर का बर्खास्त कांस्टेबल जीजा है। महिला ने ही फ्लैट में चोरी होने की शिकायत पुलिस थाने में की थी। जांच के दौरान पुलिस को दो बुर्खा पहनी महिलाएं फ्लैट से जाते हुए दिखी। पुलिस ने लोकेशन ट्रेस करके पता लगाया कि वारदात में फरियादी का जीजा और उसका साथी शामिल है। 13 मार्च को शुभ लाभ प्राइम टाउनशिप के फ्लैट में चोरी हो गई थी। यह फ्लैट ब्यूटी पार्लर संचालिका शिवाली जादौन का है। वह अपने लिव इन पाटर्नर अंकुश निवासी एरोड्रम के साथ यहां रहती थी। उसके फ्लैट से तीन बैग चोरी हो गई थे। जिसमे सोना और नकद रुपये थे। डेढ़ करोड़ की चोरी फ्लैट से हुई थी। शिवानी ने पलासिया थाने में इसकी शिकायत की थी,जबकि शिवाली भी इस वारदात की साजिश में शामिल थी। पुलिस ने उसे भी हिरासत में लिया है। जांच में खुलासा हुआ कि शिवानी का जीता धीरु थापा निवासी डीआरपी लाइन और उसका दोस्त छोटू चोरी की वारदात में शामिल है। दोनो बुर्का पहनकर फ्लैट में चोरी करने घुसे थे। दोनो मल्टी के सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गए थे। शिवाली को लग रहा था कि अंकुश उसे छोड़ सकता है। अंकुश प्रापर्टी के सौदों के रुपये अक्सर शिवाली के पास रखता है। शिवाली ने यह बात अपने जीजा को बताई और फिर तीनों ने मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरी के समय शिवाली घर से बाहर चली गई थी।

जल त्याग आंदोलनः पुलिस हिरासत में डल्लेवाल का आमरण अनशन जारी

अब पानी भी नहीं पी रहे किसान नेता

पटियाला,23 मार्च (एजेंसियां)। किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का पुलिस हिरासत में भी आमरण अनशन जारी है। एसकेएम (गैर राजनीतिक) और किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया है कि पंजाब सरकार की ओर से 19 मार्च को हिरासत में लिए जाने के बाद से डल्लेवाल ने शाम 7 बजे से पानी पीना भी बंद कर रखा है। यह भी बताया गया है कि डल्लेवाल ने उच्च अधिकारियों के समक्ष मांग की है कि जब तक गिरफ्तार किसान, महिला किसान और सभी नेता रिहा नहीं हो जाते हैं,
तब तक वे पानी पीना शुरू नहीं करेंगे। डल्लेवाल ने एलान किया है कि शंभू और खनौरी बॉर्डरों से किसानों के एसी, कूलर, रेफ्रिजरेटर, गैस सिलेंडर के साथ-साथ जो भी सामान गायब है, उन सभी का मुआवजा मिलने तक जल त्याग आंदोलन जारी रहेगा। संयुक्त किसान मोर्चा गैर राजनीतिक और किसान मजदूर मोर्चा का एक प्रतिनिधिमंडल पटियाला जेल में बंद किसान नेताओं से मिलने गया। किसान और किसान नेता पटियाला, रोपड़, नाभा और मानसा जेलों में बंद हैं। भगवंत मान सरकार के खिलाफ चल रहे पुतला फूंक प्रदर्शन 25 मार्च तक जारी रहेंगे। 24 मार्च को दोनों फोरमों द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिये आगे के कार्यक्रमों की जानकारी दी जाएगी।

हिंदू हित का हनन हुआ तो, शिव मंदिर पर पत्थर फेंकने की घटना से इलाके में आक्रोश, थाने का घेराव

आगर मालवा,23 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के आगर मालवा जिले के मुख्यालय पर स्थित छावनी क्षेत्र में पुरानी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में बने शिव मंदिर पर शनिवार रात अज्ञात बदमाशों द्वारा पत्थर फेंके जाने की घटना सामने आई है। इस घटना के बाद इलाके में आक्रोश फैल गया और स्थानीय लोगों में गुस्सा देखने को मिला। घटना के बाद कॉलोनीवासियों और हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने कोतवाली थाने का घेराव कर विरोध दर्ज कराया है। विरोध प्रदर्शन के दौरान विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने थाने के बाहर बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ किया और हिंदू हित का हनन हुआ तो, खून बहेगा सड़कों पर नारे लगाते नजर आए। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि मंदिर पर पत्थरबाजी की यह घटना पिछले तीन दिनों से हो रही है

गुजरात में विसावदर विधानसभा उपचुनाव के लिए आप ने उतारा उम्मीदवार

गोपाल इतालिया को दिया टिकट

नई दिल्ली,23 मार्च (एजेंसियां)। आप आदमी पार्टी (आप) ने गुजरात में विसावदर विधानसभा उपचुनाव के लिए उम्मीदवार का एलान कर दिया है। पार्टी ने गोपाल इटालिया को यहां से अपना उम्मीदवार बनाया है। दरअसल, जूनागढ़ जिले की विसावदर सीट दिसंबर 2023 से खाली पड़ी है, जब भयानी ने इस्तीफा देकर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थाम लिया था। इससे पहले 12 मार्च को गुजरात हाईकोर्ट ने 2022 के विधानसभा चुनावों में विसावदर सीट से तत्कालीन आप विधायक भूपेंद्र भयानी की जीत को चुनौती देने वाली भाजपा नेता हर्षद रिबडिया की तरफ से दायर चुनाव याचिका का निपटारा कर दिया था। इससे इस सीट पर उपचुनाव का रास्ता साफ हो गया था।

क्या था पूरा मामला?

साल 2022 विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) के नेता भूपेंद्र भयानी ने विसावदर विधानसभा सीट से जीत दर्ज की थी। भाजपा नेता हर्षद रिबडिया, जो इस चुनाव में हारे थे, ने आप नेता की जीत को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। इसी बीच दिसंबर 2023 में भूपेंद्र भयानी ने विधायक पद से इस्तीफा देकर भाजपा का दामन थाम लिया, जिससे यह सीट खाली हो गई। इससे पहले हाईकोर्ट ने अक्तूबर 2024 में एक जनहित याचिका (पीआईएल) को भी खारिज कर दिया था, जिसमें उपचुनाव कराने की मांग की गई थी। अब जब कानूनी बाधा हट गई है, तोविसावदर विधानसभा सीट पर उपचुनाव होने की पूरी संभावना है।

गुजरात हाईकोर्ट का फैसला

इस पूरे मामले में भाजपा नेता हर्षद रिबडिया ने 10 मार्च 2025 को अपनी याचिका वापस ले ली। जबकि न्यायमूर्ति हसमुख सूथार की बेंच ने इस याचिका को निपटाते हुए कहा कि अब यह मामला निरर्थक हो गया है। इससे पहले चुनाव आयोग ने राज्य में छह खाली सीटों में से पांच पर उपचुनाव करा दिए थे, लेकिन विसावदर सीट पर मामला कोर्ट में होने के कारण उपचुनाव नहीं हो सका था। अब चुनाव आयोग जल्द ही विसावदर सीट पर उपचुनाव की घोषणा कर सकता है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार

इंसान की नियत अगर साफ़ नहीं तो कितना भी बड़ा बनने की कोशिश करे छोटा ही रहेगा।

कांग्रेस और बीआरएस पार्टियों का असली रंग सामने आया : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज आरोप लगाया कि परिसीमन के मुद्दे पर कांग्रेस और बीआरएस पार्टियों का असली रंग सामने आ गया है। उन्होंने कहा कि संसदीय क्षेत्रों के परिसीमन पर चेन्नई में आयोजित बैठक में तेलंगाना कांग्रेस और बीआरएस पार्टियों ने अपना असली रंग दिखा दिया है।

राज्य पार्टी कार्यालय में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि ये दोनों पार्टियां भारतीय जनता पार्टी और केंद्र सरकार के खिलाफ मिलकर काम कर रही हैं और ऐसी समस्या पैदा कर रही हैं जो देश में मौजूद ही नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया, अभी तक संसद या कैबिनेट में निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन पर कोई चर्चा नहीं हुई है। हालांकि, अवसरवादी दल झूठा प्रचार कर रहे हैं कि दक्षिण के साथ अन्याय हो रहा है और पतित राजनीति का द्वार खोल रहे हैं। सरकार ने स्टालिन परिवार के खिलाफ जनता का विरोध जुटाया है, जो डीएमके शासन के दौरान भ्रष्टाचार और घोटालों के साथ तमिलनाडु में शासन कर रहा है। नरेंद्र मोदी सरकार दक्षिण के लोगों के कल्याण के लिए ईमानदारी से काम कर रही है। यह भविष्य में भी ऐसा करना जारी रखेगी। हम कर्नाटक और तेलंगाना में अगला विधानसभा चुनाव जीतने और तमिलनाडु में और अधिक जमीन हासिल करने के लिए समर्पण के साथ काम कर रहे हैं। हालांकि, कांग्रेस पार्टी, डीएमके और बीआरएस पार्टियां राजनीतिक साजिश के तहत गलत सूचना फैला रही हैं कि भारतीय जनता पार्टी दक्षिण में मजबूत न हो। उन्होंने कहा कि जनगणना अभी शुरू नहीं हुई है और केंद्र सरकार ने इस मुद्दे पर कोई निर्णय नहीं लिया है।

उन्होंने कहा, लेकिन अवसरवादी दल दक्षिण के साथ अन्याय होने का झूठा प्रचार कर गंदी राजनीति कर रहे हैं। तमिलनाडु में डीएमके सरकार भ्रष्टाचार और घोटालों में डूबी हुई है। लोगों में बढ़ते विरोध से बचने के लिए वे परिसीमन के नाम पर भाजपा को बदनाम करने की साजिश कर रहे हैं। चूंकि अतीत में लोगों से किए गए वादे पूरे नहीं हुए, इसलिए अब वे भाषा और क्षेत्र के नाम पर गलत सूचना फैला रहे हैं। कर्नाटक और तेलंगाना में जब भी चुनाव होंगे, भाजपा सत्ता में आएगी। पिछले संसदीय चुनावों के साथ-साथ हाल ही में हुए एमएलसी चुनावों में भी लोगों ने भाजपा के समर्थन में मतदान किया था। कांग्रेस, डीएमके और बीआरएस पार्टियां दक्षिण में भाजपा को मजबूत न करने की साजिश के तहत गलत सूचना फैला रही हैं। देश में कांग्रेस पार्टी तीन राज्यों तक सीमित है। उन्होंने दावा किया कि जब भी चुनाव आएंगे, लोग भारतीय जनता पार्टी का समर्थन करेंगे और कहा कि परिवारवादी पार्टियां और अक्षम पार्टियां एक गिरोह बनाकर मोदी सरकार को बदनाम करने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा, राज्यों में चाहे कोई भी सरकार हो, बिना भेदभाव के विकास के एजेंडे को आगे बढ़ाने वाली सरकार नरेंद्र मोदी की सरकार है। पिछले साढ़े दस साल से वे विकास के लक्ष्य के साथ देश के प्रति समर्पित भाव से काम कर रहे हैं।

वे कुशल प्रशासन दे रहे हैं जो दुनिया के विकसित देशों से मुकाबला कर सकता है। लोगों को परिसीमन पर झूठे प्रचार का खंडन करना चाहिए। केंद्र सरकार ने अभी तक परिसीमन पर कोई फैसला नहीं लिया है। मोदी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है कि किसी भी क्षेत्र के साथ अन्याय किए बिना सभी राज्यों के साथ समान न्याय हो। कुछ पारिवारिक पार्टियां और भ्रष्ट पार्टियां झूठा प्रचार कर रही हैं।

तेलंगाना की जनता के कल्याण के लिए बीआरएस की जीत जरूरी : केटीआर

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने आज आलोचना की कि मुख्यमंत्री की कुर्सी पर सही आदमी नहीं बैठा है। केटीआर ने कहा कि बीआरएस की हार में लोगों का कोई दोष नहीं है, उन्होंने आरोप लगाया कि जनता का मन बदलने के लिए केसीआर के खिलाफ नफरत भरी गई। करीमनगर में बीआरएस कार्यकर्ताओं की बैठक में बोलते हुए केटीआर ने इस बात पर जोर दिया कि तेलंगाना की जनता के कल्याण के लिए बीआरएस का फिर से जीतना ऐतिहासिक जरूरत है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से 27 अप्रैल को वारंगल में होने वाली बैठक में लाखों की संख्या में शामिल होने और यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि बीआरएस खत्म होने का दावा करने वालों के मुंह बंद हों। केटीआर ने कहा कि करीमनगर में उनकी पार्टी बहुत मजबूत है क्योंकि केसीआर के लिए करीमनगर से लोगों की भावनाएं जुड़ी हुई हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा माना जाता है कि यहां से शुरू किया गया कोई भी कार्यक्रम सुपरहिट होता है। केटीआर ने कहा कि बीआरएस पार्टी बनाने के बाद, केसीआर ने 17 मई, 2001 को करीमनगर के एसआरआर ग्राउंड में पहली सार्वजनिक बैठक "सिंहगर्जना" आयोजित की, जिसने तेलंगाना आंदोलन में जान फूंक दी। जब वाई एस राजशेखर रेड्डी मुख्यमंत्री थे और तत्कालीन पीसीसी अध्यक्ष ने मजाक उड़ाया, "तेलंगाना कहां है?" उन्होंने याद किया कि केसीआर ने जवाब में इस्तीफा दे दिया और करीमनगर ने उन्हें दो लाख वोटों के अंतर से जीतकर अपनी ताकत दिखाई। करीमनगर की धरती अन्याय, भेदभाव या अनियमितताओं को बर्दाश्त नहीं करती है, यह हमेशा उनके खिलाफ खड़ी होती है। उन्होंने कहा, बीते 15 महीनों से बीआरएस सत्ताधारी पार्टी को पसीना बहा रही है और दिखा रही है कि विपक्ष को कैसे काम करना चाहिए। केसीआर एक ऐसे नेता हैं, जिन्होंने कहा था कि अगर वह तेलंगाना आंदोलन से पीछे हटते हैं, तो उन्हें पत्थर मारकर मार दिया जाना चाहिए। आज, जिनके पास एक इंच भी जमीन नहीं है, वे भी केसीआर की ईमानदारी पर सवाल उठा रहे हैं। जब समय खराब होता है, तो केंचुए भी कोबरा की तरह काम करते हैं और गांव के शेर सिनेमाई नायकों की तरह दहाड़ते हैं- हमारे पास इसे देखने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा और कांग्रेस एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।

दोनों तेलंगाना के हितों के दुश्मन हैं। मोदी ने जनधन खातों में 15 लाख रुपये जमा करने का वादा किया था, लेकिन लोगों को धोखा दिया। उन्होंने कहा कि मोदी ने हर साल दो करोड़ नौकरियों का वादा किया था, लेकिन 11 साल में उन्होंने कुछ नहीं किया। 1998 के काकीनाडा प्रस्ताव में भाजपा ने 'एक वोट, दो राज्य' की बात की थी, लेकिन सत्ता में आने के बाद उसने तेलंगाना नहीं दिया। कांग्रेस ने शुरू से ही तेलंगाना को धोखा दिया है। तेलंगाना में आप जहां भी जाते हैं, आपको किसानों की आंखों में आंसू दिखते हैं। लोग कहते हैं केसीआर के सत्ता में रहने के दौरान जीवन अच्छा था, लेकिन कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से यह असहनीय हो गया है। तेलंगाना में फसलें सूख रही हैं। रैतु बंधु के बिना किसान परेशान हैं। कर्जमाफी नहीं होने से किसान बैंकों के चक्कर लगाते-लगाते अपनी चप्पलें घिस रहे हैं। अब उन्हें केसीआर याद आ रहे हैं। उन्होंने याद दिलाया कि केसीआर ने चेतावनी दी थी कि कांग्रेस को वोट देने का मतलब रैतु बंधु को अलविदा कहना होगा। इंदिरम्मा राज्यम का मतलब पुलिस राज्य और उत्पीड़न का शासन है। बीआरएस निस्संदेह सत्ता में वापस आएगी। हम बीआरएस कार्यकर्ताओं को परेशान करने वाले किसी को भी नहीं छोड़ेंगे। भले ही वे रिटायर होकर दूसरे देश भाग जाएं, हम उन्हें वापस लाएंगे और सारा हिसाब चुकता करेंगे। चुप रहने का कोई सवाल ही नहीं है। पहले एक हिसाब था, अब से नया हिसाब है। केटीआर ने कहा कि जब भी राज्य में कोई परेशानी का सामना करता है, तो वह केसीआर को याद करता है। सरकारी कर्मचारी याद करते हैं कि कैसे केसीआर ने उनके वेतन में 73 प्रतिशत की वृद्धि की और उनका अपने जैसा ख्याल रखा। वे कांग्रेस सरकार पर भरोसा करके पांच डीए खोने का दुख जताते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कहते हैं कि महीने की पहली तारीख को वेतन देना भी बड़ी बात है। बेरोजगार युवाओं का कहना है कि कांग्रेस नेताओं की बातों में आकर वे ठगे गए। वे इस बात से परेशान हैं कि 15 महीने में एक भी नौकरी नहीं मिली।

बंडी संजय ने विपक्षी दलों पर हमला जारी

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने आज एक बार फिर कांग्रेस, बीआरएस, डीएमके, आप और सीपीएम पार्टियों पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सभी शराब चोर एक जगह बैठक कर परिसीमन के नाम पर ड्रामा कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, स्टालिन सरकार ने 1000 करोड़ रुपये का शराब घोटाला किया। केरल में भी शराब घोटाला सामने आया है। आप और बीआरएस पार्टियों के नेता पहले ही शराब घोटाला कर चुके हैं और जेल जा चुके हैं। ये सभी परिसीमन के नाम पर नाटक करने के लिए एक साथ आए हैं और इसे मोदी सरकार को जहर देने के हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। बंडी संजय देश की जीडीपी और संसद में प्रतिनिधित्व के बीच संबंध को लेकर भड़के हुए थे। उन्होंने कहा, कल चेन्नई में स्टालिन की अध्यक्षता में एक बैठक में शराब चोरों के एक गिरोह ने एक जगह बैठक की और एक अजीब प्रस्ताव पारित किया। चूंकि देश के सकल घरेलू उत्पाद में दक्षिण का हिस्सा 36 प्रतिशत है, इसलिए वे संसद में भी 36 प्रतिशत की हिस्सेदारी मांग रहे हैं। क्या यह अजीब नहीं है? देश के सकल घरेलू उत्पाद का संसद में प्रतिनिधित्व से क्या लेना-देना है? अगर ऐसा है, तो तेलंगाना सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में पिछड़े आसिफाबाद, आदिलाबाद और मुलुगु जैसे जिलों का प्रतिनिधित्व बहुत कम है। क्या उन्हें विधानसभा में प्रतिनिधित्व नहीं मिलना चाहिए? यह प्रस्ताव किस ओर जा रहा है? क्या यह दक्षिण के नाम पर राजनीति करना और परिसीमन को रोकने की साजिश करना है? आज दोपहर, करीमनगर के शुभम गार्डन में तपस उपाध्याय संगम के तत्वावधान में नवनिर्वाचित एमएलसी मलका कोमारैया और अंजी रेड्डी का सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बंडी संजय शामिल हुए और उन्होंने भाषण दिया। इस अवसर पर, शिक्षकों के संघ, तापस ने दिखाया कि हाल के एमएलसी चुनावों में जब वे इसके बारे में सोचते हैं तो क्या होता है। उन्होंने कहा कि राज्य में शिक्षक किसी भी संघ को नहीं देखेंगे और कहा कि तापस एकमात्र ऐसा संघ है जो राष्ट्रवादी विचारधारा और शिक्षकों के लिए लड़ता है। मैं चाहता हूं कि आप उस संघ में शामिल हों। तापस एकमात्र नेता हैं जो शिक्षकों के लिए लड़ते हैं, मार खाते हैं और जेल जाने में संकोच नहीं करते हैं। यही कारण है कि हमने तापस समर्थित उम्मीदवार मलका कोमारैया को टिकट दिया और उनकी जीत सुनिश्चित की। हम तापस को राज्य में नंबर एक संघ बनाएंगे।

रोजाना टहलना रक्त के थक्के बनने से रोकने में फायदेमंद : डॉक्टर

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (केआईएमएस) के विशेषज्ञों ने रविवार को नेकलेस रोड पर डीप वेन थ्रोम्बोसिस (डीवीटी) जागरूकता वॉक में भाग लेते हुए कहा कि रोजाना पैदल चलने से रक्त के थक्कों से होने वाले गंभीर स्वास्थ्य खतरों को रोकने में काफी मदद मिलती है। डीप वेन थ्रोम्बोसिस (डीवीटी) वॉक का उद्घाटन करते हुए केआईएमएस ग्रुप ऑफ़ हॉस्पिटल्स के सीएमडी डॉ. बोलिनेनी भास्कर राव ने कहा कि अमेरिका जैसे विकसित देशों में भी डीवीटी एक गंभीर समस्या है।

उन्होंने कहा कि हर साल अमेरिका में लगभग 9 लाख लोग डीवीटी से पीड़ित होते हैं, जिनमें से 1 लाख लोग अपनी जान गंवा देते हैं। यह रोकी जा सकने वाली मौतों का एक प्रमुख कारण है। समय रहते पता लगाना, प्रभावी उपचार और रोज़ाना टहलना इस समस्या से निपटने में मदद कर सकता है। नियमित रूप से टहलना ज़रूरी है, और लंबी यात्राओं के दौरान, लोगों को घूमने के लिए ब्रेक लेना चाहिए। जो लोग पहले से ही जोखिम में हैं, उन्हें कम्प्रेशन स्टॉकिंग्स पहनना चाहिए और डॉक्टर द्वारा बताई गई रक्त पतला करने वाली दवाएं लेनी चाहिए। डॉ. राव ने कहा कि कैथेटर-डायरेक्टेड थ्रोम्बोलिसिस जैसे उन्नत उपचार थक्कों को घोलने/हटाने में मदद कर सकते हैं।

इस अवसर पर केआईएमएस के वरिष्ठ वास्कुलर एवं एंडोवास्कुलर सर्जन डॉ. नरेंद्रनाथ मेदा, सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. नागेंद्र पर्वतनेनी, डॉ. फ्रांसिस श्रीधर, डॉ. जगदीश और अन्य उपस्थित थे।

अप्रैल से हर सफेद राशन कार्ड धारक को मिलेगा बढ़िया चावल : उत्तम

सूर्यापेट, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिक आपूर्ति और सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने घोषणा की है कि अप्रैल से, सफेद राशन कार्ड रखने वाले हर परिवार को बढ़िया चावल मिलने लगेगा। रविवार को सूर्यपेट जिले के पालकावेदु मंडल में जन पहाड़ में मीडिया को संबोधित करते हुए, उत्तम कुमार रेड्डी ने सड़क और भवन मंत्री कोमटि रेड्डी वेंकट रेड्डी और पूर्व मंत्री जन रेड्डी के साथ कहा कि उन्होंने पहले ही मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से इस कार्यक्रम को शुरू करने का आग्रह किया है, खासकर उनके विधानसभा क्षेत्र हुजूरनगर के लिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि तेलंगाना की 84 प्रतिशत आबादी को बढ़िया चावल मिले, जो कांग्रेस सरकार का प्राथमिक उद्देश्य है। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा, नागरिक आपूर्ति मंत्री के रूप में, यह मेरे लिए गर्व की बात है।

उन्होंने कृष्णा जल के अपर्याप्त प्रबंधन के लिए पिछली बीआरएस सरकार की आलोचना की और कहा कि वर्तमान प्रशासन इस मामले में दृढ़ रहेगा। मंत्री कोमटि रेड्डी वेंकट रेड्डी ने पूछा कि क्या बीआरएस विधायक जगदीश रेड्डी, जो एक दशक से मंत्री पद पर हैं, एसएलबीसी के स्थान के बारे में जानते हैं। उन्होंने कहा, हमने पिछली बीआरएस सरकार से एसएलबीसी परियोजना को पूरा करने का आग्रह किया था, लेकिन उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की। एसएलबीसी सुरंग मार्ग पर हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर विचार करते हुए, कोमटि रेड्डी वेंकट रेड्डी ने टिप्पणी की, इस दुर्घटना ने हमें बहुत दुख पहुंचाया है। हम यह सुनिश्चित करने के लिए उपाय करेंगे कि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों।

केटीआर के काफिले की बाइक से महिला कांस्टेबल घायल

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर के वाहन काफिले से आज एक्सीडेंट हो गया। एक महिला कांस्टेबल को बाइक ने टक्कर मार दी और वह गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे अस्पताल ले जाया गया। केटीआर ने अस्पताल में महिला कांस्टेबल से मुलाकात की। केटीआर ने उसे आश्वासन दिया कि वह उसकी मदद करेंगे। इस बीच, रविवार को केटीआर ने करीमनगर जिले का दौरा किया। तेलंगाना के गठन के बाद दस साल से सत्ता में रही भारत राष्ट्र समिति की रजत जयंती बैठक जिले के वी-कन्वेंशन सेंटर में हुई। करीमनगर विधायक गंगुला कमलाकर के तत्वावधान में संयुक्त जिला स्तरीय बैठक हुई। इस अवसर पर केटीआर, सिद्दीपेट विधायक तन्नेरू हरीश राव, पूर्व सांसद बोइनपल्ली विनोदकुमार और पार्टी करीमनगर जिला अध्यक्ष जीवी रामकृष्ण राव मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। बैठक में पार्टी के पूर्व पार्षद, पूर्व सह-विकल्प सलाहकार, मंडल अध्यक्ष, संबद्ध समितियों के प्रतिनिधि और कार्यकर्ता भी शामिल हुए।

बर्बाद फसलों के लिए मुआवजे की मांग

करीमनगर, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व बीआरएस विधायक सनके रविशंकर ने सरकार से शुक्रवार को चोप्पाडांडी निर्वाचन क्षेत्र में हुई बेमौसम बारिश के कारण नष्ट हुई फसलों के लिए 20,000 रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा देने का आग्रह किया है। रविशंकर ने शनिवार को चोपडांडी मंडल में क्षतिग्रस्त फसलों और चोपडांडी कृषि बाजार प्रांगण में भीगे धान का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि शुक्रवार शाम चोप्पाडांडी विधानसभा क्षेत्र में हुई भारी बारिश के कारण सैकड़ों एकड़ में मक्का और धान जैसी खड़ी फसलें नष्ट हो गईं। कटाई के लिए तैयार फसल असमय बारिश के कारण नष्ट हो गई।

इससे किसानों को बड़ा नुकसान होगा, जो पहले ही पानी की कमी के कारण अपनी आधी जमीन पर ही फसल उगाकर अपनी आय खो चुके हैं।

बीआरएस नेता ने मांग की कि राज्य सरकार सर्वेक्षण कराकर क्षतिग्रस्त और सूख चुकी फसलों के लिए प्रति एकड़ 20,000 रुपये मुआवजा प्रदान करे। उन्होंने यह भी मांग की कि सरकार चोपडांडी बाजार प्रांगण में बारिश में बह गए धान के लिए मुआवजा प्रदान करे।

हर राज्य परिसीमन के माध्यम से मजबूत प्रतिनिधित्व चाहता है : केशव राव

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के सलाहकार के. केशव राव ने कहा कि परिसीमन का मतलब सिर्फ संसद में सीटें बढ़ाना नहीं है, बल्कि यह हर राज्य के मजबूत प्रतिनिधित्व की मांग करने की प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि देश में राजनीतिक एकता हासिल करने के कई प्रयासों के बावजूद परिसीमन पर बहस जारी है। चेन्नई में दक्षिणी राज्यों की हाल ही में हुई बैठक के बाद रविवार को अपने आवास पर मीडिया ब्रीफिंग में केशव राव ने इस बात पर प्रकाश डाला कि हर जनगणना के बाद यह विवाद उठता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रशासन में संघवाद के क्षरण पर विशेष चिंता व्यक्त की। केशव राव ने टिप्पणी की, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संघवाद की पूरी तरह से अवहेलना की है। उन्होंने राज्यों की शक्तियों को कम करते हुए केंद्रीय अधिकार क्षेत्र का विस्तार किया है, जिससे राज्य के अधिकारों का नुकसान हुआ है। कांग्रेस नेता ने इस बात पर प्रकाश डाला कि परिसीमन के मुद्दे पर भाजपा चुप है। उन्होंने केंद्र सरकार के दृष्टिकोण की आलोचना करते हुए तर्क दिया कि असम और जम्मू-कश्मीर जैसे उत्तरी राज्यों में सीटें बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना और दक्षिण के राज्यों की उपेक्षा करना अनुचित है। उन्होंने कहा, अतिरिक्त सीटों की मांग करना राज्यों के अधिकारों को बहाल करने का एक साधन है। हालांकि, केंद्रीय मंत्री अमित शाह अपने स्तर पर इस मामले को संबोधित नहीं कर रहे हैं और इस तरह का रवैया मौजूदा मुद्दों का व्यवहार्य समाधान प्रदान नहीं करता है। परिसीमन के संबंध में, उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन एक प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं, लेकिन मुख्य व्यक्ति वास्तव में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हैदराबाद में एक सार्वजनिक बैठक की घोषणा दक्षिणी राज्यों के लिए एक महत्वपूर्ण विकास को दर्शाती है और इसमें देश भर में आगामी राजनीतिक परिदृश्य को नया रूप देने की क्षमता है।

सड़क दुर्घटनाओं में तीन लोगों की मौत

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के बाहरी इलाके गजवेल और खम्मम जिले के दम्मापेट गांव में रविवार सुबह अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

गजवेल में एक ट्रक ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी जिससे एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई तथा उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। कार में पीछे बैठी महिला सत्तम्मा की मौके पर ही मौत हो गई और उसका पति सुतारी किश्तैया गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए हैदराबाद ले जाया गया। दूसरी घटना खम्मम जिले के दम्मापेट में हुई, जहां एक महिला और उसके बेटे की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। महिला सरस्वती और उसका बेटा कृष्णा मोटरसाइकिल पर जा रहे थे, तभी एक अज्ञात वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों पीड़ित आंध्र प्रदेश के रहने वाले थे और अश्वरावपेट में अपने रिश्तेदारों के घर जा रहे थे। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

महिला की गोली मारकर हत्या

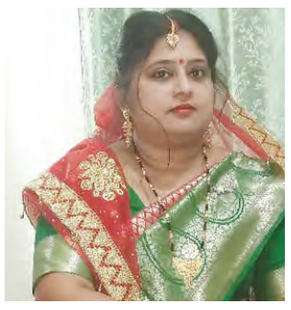

लखनऊ, 23 मार्च (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में छात्रों के दो गुटों के झगड़े का विरोध करना दंपती को भारी पड़ गया। छात्रों ने गोली मारकर महिला की हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देकर आरोपी भाग निकले। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। केस दर्ज करके आरोपियों की तलाश में जुटी है। घटना सैरपुर थाना क्षेत्र के अहलादपुर की है। यहां के निवासी श्यामजी श्रीवास्तव ने बताया कि वह मेक्लियोड फार्मा कंपनी में एरिया मैनेजर हैं। रात करीब 11.30 बजे वह और पत्नी सारिका श्रीवास्तव (43) छत पर टहल रहे थे। इसी समय उनके घर के सामने हॉस्टल और बाहर के लड़कों में लड़ाई हो रही थी। इस पर श्यामजी ने लड़कों को लड़ाई करने से मना किया। उन्होंने झगड़ा शांत कराने के उद्देश्य से कहा कि अभी पुलिस को फोन करके बुलाते हैं। इस पर लड़कों ने उनकी तरफ फायर झोंक दिया। गोली पत्नी के सीने को भेद गई। वह आनन फानन घायल पत्नी को लेकर ट्रामा सेंटर पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पप्पू यादव ने जताई मुख्यमंत्री बनने की इच्छा

तेजस्वी और लालू यादव को लेकर कही ये बात

पटना, 23 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को राजद द्वारा खलनायक बताए जाने पर आरजेडी और कांग्रेस के बीच का अंदरुनी मतभेद खुलकर सामने आने लगा है। पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने तेजस्वी यादव पर हमला बोला है। कोलकाता जाने के क्रम में किशनगंज पहुंचे यादव ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि नीतीश कुमार के साथ दो-दो बार सरकार में थे और अभी गठबंधन टूटे हुए 1 साल भी नहीं हुआ है। उस दौरान सदन में महिलाओं के खिलाफ आपत्तिजनक बयान दिया गया था, तब इन लोगों ने चुप्पी साध ली थी। तब पीएम मोदी ने भी आपत्ति जताई थी। पूर्णिया सांसद ने आगे कहा कि आरजेडी का यह कृत शर्मनाक है। राजनीति में मर्यादा बरकरार रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव ने जिससे सदन में राजनीति सीखी उसके खिलाफ ऐसे पोस्टर नहीं लगाने चाहिए। पप्पू यादव ने लालू प्रसाद यादव की बीमारी का हवाला देते हुए कहा कि वो भी कई मुद्दों पर बहक जाते है इसका मतलब उन्हें लेकर भी राजनीति की जाए?

'शर्मनाक राजनीति नहीं होनी चाहिए'

पप्पू यादव ने कहा कि मुद्दों की राजनीति होनी चाहिए न कि इस तरह की शर्मनाक राजनीति होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिला, विशेष पैकेज नहीं दिया गया,पलायन नहीं रुका इन सब मुद्दों को क्यों नहीं उठाया जा रहा है। बता दें कि शनिवार को पटना आरजेडी कार्यालय के बाहर सीएम नीतीश कुमार का पोस्टर लगाया गया था जिसमें लिखा गया था में हूं खलनायक। जिसको लेकर पूर्णिया सांसद ने आरजेडी को घेरा है।

'उन्हें भी मुख्यमंत्री बनने का शौक'

वही जब पप्पू यादव से पूछा गया कि क्या तेजस्वी यादव को इंडी गठबंधन में मुख्यमंत्री उम्मीदवार के रूप में आप पसंद करेंगे, इसपर उन्होंने दो टूक जवाब देते हुए कहा कि उन्हें भी मुख्यमंत्री बनने का शौक है। लेकिन कांग्रेस को दरकिनार करके कोई मुख्यमंत्री नहीं बन सकता।

लालू यादव पर भी कसा तंज

पप्पू यादव ने आगे कहा कि अगर वो मुख्यमंत्री बनते है तो वे तीन महीने के अंदर भ्रष्टाचार को समाप्त करेंगे, किसी भी कीमत पर दंगा नहीं होने देंगे और प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक नहीं होने देंगे। उन्होंने लालू यादव पर भी निशाना साधा और कहा कि खुद को किंग मेकर कहने वाले लोग जब यह कहते है कि हमने देवगौड़ा और गुजराल को प्रधानमंत्री बनाया तो उस वक्त 65% आरक्षण क्यों नहीं किया,निजी क्षेत्र में आरक्षण क्यों नहीं लागू करवा पाए।

अवैध असलहा फैक्ट्री का भंडाफोड़, भारी मात्रा में हथियार बरामद, 2 आरोपी गिरफ्तार

अलीगढ़, 23 मार्च (एजेंसियां)। जिले में अवैध हथियारों की तस्करी और निर्माण के खिलाफ पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। थाना क्वार्सी पुलिस टीम ने एक गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर अवैध शस्त्र फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। यह फैक्ट्री पंजीपुर गभाना बॉर्डर के पास एक बाउंड्री वॉल के पीछे संचालित की जा रही थी। पुलिस ने इस दौरान मौके से भारी मात्रा में बने और अधबने हथियार बरामद किए हैं। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के खिलाफ पहले से ही कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह पता चला है कि आरोपी अवैध हथियारों का निर्माण कर उन्हें अलग-अलग जिलों में बेचते थे। यह धंधा लंबे समय से चल रहा था और इसकी वजह से कई आपराधिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल रहा था। मौके से पुलिस ने सद्दाम (पुत्र-जमालुद्दीन) और कामरान (पुत्र-बाजखान) को हिरासत में लिया है और फैक्टी के किन लोगों से जुड़े हुए है इसकी जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने फैक्ट्री से बड़ी मात्रा में अवैध हथियार और हथियार बनाने के उपकरण बरामद किए हैं। जिसके 13 देशी तमंचे, 9 बैरल, 3 तमंचों की अधबनी बॉडी, 6 लोहे की प्लेट्स, 4 खोखा कारतूस और 1 जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। वहीं हथियार निर्माण के औजार में 6 लकड़ी के चाप, 4 ड्रिल मशीन बिट्स, 1 ड्रिल मशीन (स्क्रू के साथ), 6 डाई सूमी, 1 लोहे की कटर मशीन (हैमर के साथ), 3 ब्लेड आरी के, 2 आरी (ब्लेड के साथ), 1 लकड़ी काटने की आरी, 1 लोहे की शिकंजा मशीन, 1 लोहे का हथौड़ा, 1 लकड़ी का बट लगा हथौड़ा, 1 गोल रेती, 1 चपटी रेती, 1 प्लास, 1 साधा संड़ासी और 1 लोहे काटने की संड़ासी बरामद किए गए हैं।

चाचा ने 8 साल की भतीजी को बेचने के इरादे से अगवा किया, घटना सीसीटीवी में कैद

कानपुर, 23 मार्च (एजेंसियां)। कानपुर में एक हैरान करनेवाला मामला सामने आया है। जहां आठ साल की बच्चों को उसी के सौतेले चाचा ने अगवा कर लिया और बेचने के इरादे से अपने साथ ले गया। लेकिन बच्ची को ले जाते हुए आरोपी चाचा की तस्वीर सीसीटीवी में कैद हो गई। जिसके बाद तस्वीर साफ हुई कि लापता बच्ची कहां है और उसे कौन ले गया है? दअरसल बच्ची के गायब होने से परिवार में कोहराम मच गया, घर के बाहर खेल रही बच्ची अचानक से गायब हो गए गई। देर तक जब बच्ची का पता नहीं चला तो उसकी खोजबीन शुरू हुई। लेकिन किसी को इस बात का अंदाजा नहीं था कि बच्ची को कोई उठा ले जा सकता है। जिसके बाद पुलिस को घटना की जानकारी दी गई और पुलिस ने सतर्कता दिखाते हुए जांच शुरू कर दी। पुलिस ने पास लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगालना शुरू किया।

सीसीटीवी में बच्ची एक शख्स के साथ जाती दिखी और परिजनों ने उस शख्स की पहचान अपने परिवार के सदस्य के रूप में की जिसके बाद पता चला कि बच्ची को इसी का सौतेला चाचा अपने साथ ले गया है और पुलिस ने महज चौबीस घंटे के भीतर ही अगवा हुई बच्ची और आरोपी युवक को गिरफ्तार कर बच्ची बरामद कर ली।

सोशल मीडिया पर चल रहा माफिया अतीक का साम्राज्य, लगातार पोस्ट किए जा रहे वीडियो

प्रयागराज, 23 मार्च (एजेंसियां)। माफिया अतीक अहमद की मौत के बाद भी सोशल मीडिया पर उसका साम्राज्य कायम है। अतीक अहमद ही नहीं जेल में बंद उसके बेटे उमर और अली के नाम से दर्जनों सोशल मीडिया अकाउंट संचालित हो रहे हैं। खास बात यह है कि इन पर लगातार फोटो और वीडियो भी पोस्ट किए जा रहे हैं पर पुलिस ने चुप्पी साध रखी है। उमेश पाल हत्याकांड के मुख्य शूटर और अतीक अहमद के बेटे असद को भले ही पुलिस ने करीब दो साल पहले मुठभेड़ में ढेर कर दिया था, लेकिन शनिवार को सोशल मीडिया पर उसका वीडियो पोस्ट किया गया, जिसमें वह गाड़ी चलाते नजर आ रहा है। अतीक अहमद एमपी के नाम से चल रहे सोशल मीडिया अकाउंट से यह वीडियो पोस्ट किया गया है। वहीं एक दिन पहले अतीक के भाई अशरफ के साले और गैंगस्टर सद्दाम की वीडियो रील इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपलोड की गई थी, जिसमें यूपी में घर बैठे मर्डर करा देंगे गाना बज रहा था। इससे पहले अतीक अहमद नाम से बनाए गए इंस्टाग्राम अकाउंट पर उसके बेटे अली के कोर्ट में पेशी के दौरान आने का एक वीडियो सात मार्च को पोस्ट किया गया था। अतीक अहमद के ऑफिशियल नाम से बने एक और अकाउंट पर 24 फरवरी को अतीक व मुख्तार अंसारी का फोटो पोस्ट कर उन्हें किंग ऑफ पूर्वांचल बताया गया है। बताया जा रहा है कि सोशल मीडिया पर इन दिनों अतीक, अली और उमर के नाम पर सबसे ज्यादा सक्रिय अकाउंट इंस्टाग्राम पर हैं। ऐसे करीब 1।5 दर्जन अकाउंट सामने आए हैं। खास बात यह है कि इनमें से ज्यादातर पर अतीक व उसके परिवार से जुड़े पुराने वीडियो लगातार पोस्ट किए जा रहे हैं। कुछ ऐसे भी हैं जिनमें माफिया व उसके बेटों की कोर्ट में पेशी के दौरान के वीडियो शेयर किए जा रहे हैं।

कड़ी सुरक्षा के बावजूद पेशी पर कैसे बन रही वीडियो रील?

एक दिन पहले अशरफ के साले सद्दाम की वीडियो रील वायरल होने पर भी सवाल उठ रहे हैं। कहा जा रहा है कि कोर्ट में पेशी के दौरान कड़ी सुरक्षा के बीच आखिर कैसे वीडियो रील शूट की जा रही है। साथ ही प्राइवेट लोगों को न्यायिक हिरासत में निरुद्ध लोगों के साथ आने-जाने की अनुमति मिल रही है। वो भी तब, जबकि आरोपी कुख्यात गिरोह के सदस्य हैं। एडीसीपी नगर अभिजीत कुमार का कहना है कि ऐसे सभी अकाउंट को चिह्नित करने के लिए और उनके संबंध में आवश्यक कार्रवाई के लिए सोशल मीडिया की भली-भांति जानकारी रखने वाले पुलिसकर्मियों की एक टीम बनाई गई है। टीम अकाउंट को चिह्नित कर इसकी सूचना अफसरों को देती है और उन्हें बंद करने के संबंध में आवश्यक कार्रवाई भी करती है।

बुलंदशहर में रालोद नेता की मौत; विडियो:मॉर्निंग वॉक पर निकले थे, टहलते समय आया हार्ट अटैक

बुलंदशहर, 23 मार्च (एजेंसियां)। बुलंदशहर में राष्ट्रीय लोकदल के एक युवा नेता की टहलते हुए मौत हो गई। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। वीडियो में रालोद नेता अमित चौधरी अपने घर के बाहर सड़क पर अचानक गिरते और फिर शांत हो जाते दिख रहे हैं। यह घटना बुलंदशहर के खुर्जा क्षेत्र के मदनपुर गांव की है। रालोद नेता अमित चौधरी (28) की जान हार्ट अटैक की वजह से गई। सीसीटीवी फुटेज में वह घर के बाहर खड़े दिखाई दे रहे हैं। वह फोन पर किसी से बात कर रहे थे। इस दौरान वह दूसरी तरफ मुड़ते हैं लेकिन खुद को संभाल नहीं पाते। वीडियो में दिख रहा है कि वह एक दीवार से टेक लेने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन खड़े नहीं रह पाते और जमीन पर गिर जाते हैं। कुछ सेकेंड में अमित की मौत हो जाती है।

अवैध अन्तराष्ट्रीय ऑनलाइन गेम से 95 करोड़ की ठगी

7 गिरफ्तार, सोशल मीडिया से हो रहा था खेल

आजमगढ़, 23 मार्च (एजेंसियां)। पुलिस द्वारा कुल 95 करोड़ की आनलाइन गेम क्रिकबज़ के नाम से साइबर ठगी करने वाले अन्तर्राष्ट्रीय संगठित गैंग का पर्दाफाश किया गया है। कुल 7 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। इनके द्वारा 208 बैंक खातों में करीब 95 करोड़ रूपए साइबर ठगी के मामले में 1 करोड़ रूपए फ्रीज करने के स्तंभ 15 लाख रूपए का सामान बरामद किया। जिसमें कुल 20 हजार रूपए नगद, 51 मोबाइल फोन, 04 लैपटाप, 42 एटीएम कार्ड, 13 बैंक पासबुक, 79 सिम कार्ड, 4 चेक बुक और 1 फाइबर राउटर बरामद हुए।

2024 के नवंबर माह में ऑनलाईन जुआ सरकार द्वारा प्रतिबंधित एप्पस रेड्डी अन्ना, लोटस, महादेव से 190 करोड़ की ठगी करने वाले अन्तर्राष्ट्रीय गैंग का पर्दाफाश किया गया था। इसमें कुल 11 अभियुक्तों को रैदोपुर, थाना कोतवाली से गिरफ्तार थाना जनपद आजमगढ़ पर मु0अ0सं0 70/24 किया गया। जिसके संबंध में साइबर 318(4), 319(2), 336(3), 338, 111 बीएनएस 66C, 66डी आईटीएक्ट और 3 सार्वजनिक जुआ अधिनियम पंजीकृत किया गया था।

इसी क्रम में उपरोक्त अन्तर्राष्ट्रीय गैंग से संबंधित सदस्यों के तलाशी के अभियान में आजमगढ़ पुलिस द्वारा अवैध अन्तराष्ट्रीय ऑनलाईन गेम (क्रिकबज़) के नाम से सोशस मीडिया प्लेटफार्म व्हाट्सअप, टेलीग्राम, फेसबुक पर चैनल्स और विज्ञापन के माध्यम से लोगों को फंसाकर वेबसाइट पर लागिन कराकर, वेबसाइट पर गेम का टास्क पूरा करने का झांसा देकर पैसों को दुगुना-तीन गुना जीतने का प्रलोभन दिया। इसके बाद लोगों के साथ साइबर ठगी करके उनका सारा पैसा फर्जी खातों और फर्जी मोबाइलों के जरिए ट्रांसफर कर लेने वाले 7 अभियुक्तों को पाण्डेयपुर वारणसी से गिरफ्तार किया गया इस संगठित गैंग में भारत एवं अन्य देश जैसे श्रीलंका, यूएई के मेम्बर विभिन्न वाट्सएप्प ग्रुप से जुड़े थे। ठगी के पैसों का आदान-प्रदान करते थे। गिरफ्तार किये गए 7 अभियुक्तों में उत्तर प्रदेश से 06 और पश्चिम बंगाल से 01 हैं।

फेसबुक पर लाइव आकर महिला ने खाई नींद की गोलियां, बोली- 'मैं अब जीना नहीं चाहती

नोएडा, 23 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के नोएडा से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक महिला पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर लाइव आई। इसके बाद उसने लाइव आत्महत्या करने की कोशिश की। ये मामला नोएडा की एक सोसाइटी का है। जहां महिला ने फेसबुक पर लाइव आकर बहुत सारी नींद की गोलियां खाईं और खुदकुशी करने की कोशिश की, लेकिन उसे पुलिस ने मौके पर पहुंच कर बचा लिया। महिला फेसबुक पर लाइव थी। पुलिस ने महिला के लाइव वीडियो के आधार पर उसकी लोकेशन ट्रेस की और तुरंत मौके पर पहुंच गई। इसके बाद महिला की जान बचाई गई। पुलिस के मुताबिक थाना फेस टू की टीम ने मौके पर पहुंचकर महिला को बचाया। इसके साथ ही आरडब्ल्यूए पदाधिकारी ने कमरे का दरवाजा खोला और महिला को बचाने में मदद की, जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया।

महिला की काउंसलिंग चल रही है

पुलिस ने महिला के कमरे से बड़ी मात्रा में नशीला पदार्थ बरामद किया। पुलिस के अनुसार महिला ने इसी नशीले पदार्थ का सेवन किया, जिसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सबसे पहले महिला को तुरंत अस्पताल भिजवाया, जहां अब उसका इलाज चल रहा है और महिला फिलहाल खतरे से बाहर है। डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी के मुताबिक महिला मूल रूप से उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले की रहने वाली है। महिला की काउंसलिंग चल रही है।

बीजेपी नेता बोला-बच्चों को कौन पालता इसलिए सबको मार डाला:पत्नी के अवैध संबंध थे

सहारनपुर, 23 मार्च (एजेंसियां)। सहारनपुर के गंगोह कस्बे में शनिवार दोपहर एक खौफनाक हत्याकांड ने पूरे इलाके को हिला दिया। बीजेपी युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष योगेश रोहिला ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से अपनी पत्नी और तीन बच्चों को गोली मार दी। इस घटना में 11 साल की श्रद्धा, 6 साल के देवांश और 4 साल के शिवांश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पत्नी नेहा (31) गंभीर रूप से घायल हैं और उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि योगेश अपनी पत्नी नेहा के चरित्र को लेकर शक करता था और इसी मानसिक तनाव के कारण उसने इतना बड़ा कदम उठा लिया। घटना के बाद उसने खुद पुलिस को फोन कर बताया कि उसने अपनी पत्नी और बच्चों को गोली मार दी है।

कैसे दिया खौफनाक वारदात को अंजाम?

पड़ोसियों के अनुसार, दोपहर के समय घर से अचानक गोलियों की आवाज आई। जब वे मौके पर पहुंचे, तो देखा कि

एसएसपी बोले – आरोपी पुलिस की गिरफ्त में, हथियार जब्त

सहारनपुर के एसएसपी रोहित सिंह सजवाण ने इस हत्याकांड पर कहा, "आरोपी योगेश ने अपनी पत्नी के चरित्र को लेकर शक के कारण इस घटना को अंजाम दिया। उसने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से अपनी पत्नी और तीनों बच्चों को गोली मार दी। दो बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक बच्चे और पत्नी को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां एक और बच्चे की मौत हो गई। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, और उसकी पिस्टल जब्त कर ली गई है।"

पूरा इलाका स्तब्ध

इस खौफनाक वारदात के बाद पूरे सहारनपुर में गम और आक्रोश का माहौल है। लोग इस बात पर हैरान हैं कि एक शक ने पूरे परिवार को तबाह कर दिया। फिलहाल, पुलिस योगेश से गहन पूछताछ कर रही है और उसके फोन कॉल डिटेल, पत्नी के साथ हुए विवाद और पारिवारिक पृष्ठभूमि की जांच कर रही है। इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

'सपा सांसद की जीभ काटने वाले को एक लाख इनाम'

हिन्दूवादी संगठन ने की घोषणा, हिन्दुओं को गद्दार बताने वाले सांसद बैकफुट पर

आगरा, 23 मार्च (एजेंसियां)। सपा के राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन के हिन्दुओं को गद्दार राणा सांगा की औलाद वाले बयान के बाद सियासत गरमा गई है। आगरा में रविवार को अखिल भारत हिन्दू महासभा के कार्यकर्ताओं ने सांसद का पुतला फूंककर प्रदर्शन किया। हिन्दू महासभा से महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष मीरा राठौर ने कहा- जो भी रामजी लाल सुमन के जीभ काटकर लाएगा उसे 1 लाख रुपए कैश देंगे। सांसद का भी डीएनए टेस्ट होना चाहिए। वहीं सपा सांसद ने अपने बयान के बाद बैकफुट पर आ गए हैं। उन्होंने कहा- मेरा मकसद किसी को ठेस पहुंचाना नहीं था। सपा सांसद रामजीलाल सुमन ने शनिवार को राज्यसभा में कहा- भाजपा वालों का तकिया कलाम हो गया कि मुसलमानों में बाबर का डीएनए है तो फिर हिंदुओं में किसका डीएनए है? बाबर को कौन लाया? बाबर को भारत में इब्राहिम लोदी को हराने के लिए राणा सांगा लाया था। मुसलमान बाबर की औलाद हैं तो तुम (हिंदू) गद्दार राणा सांगा की औलाद हो।

यह हिंदुस्तान में तय हो जाना चाहिए। बाबर की आलोचना करते हैं, राणा सांगा की नहीं। देश की आजादी की लड़ाई में इन्होंने अंग्रेजों की गुलामी की थी। हिंदुस्तान का मुसलमान बाबर को अपना आदर्श नहीं मानता है। वो मोहम्मद साहब और सूफी परंपरा को आदर्श मानता है। राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन के खिलाफ अखिल भारत हिंदू महासभा ने थाना हरी पर्वत में तहरीर दी है। साथ ही 24 घंटे के अंदर मुकदमा दर्ज करने की मांग की है।

ऐसा न होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी भी दी गई है। इसके बाद हिंदूवादी संगठन ने स्पीड कलर लैब पर रामजीलाल सुमन का पुतला फूंका और उसे जूते से पीटा। हिंदू महासभा के प्रदेश अध्यक्ष युवा बृजेश भदौरिया ने कहा है कि समाजवादी पार्टी का तो इतिहास यही रहा है। मुलायम सिंह यादव ने अयोध्या में निहत्थे कार सेवकों पर गोलियां चलवाई थी। सपा पार्टी के नेता अबू आजमी ने औरंगजेब को अपना आइडल बताया है। उसी कड़ी में रामजीलाल सुमन ने राणा सांगा को गद्दार कहा है। उन्होंने कहा कि हम सब सनातनी हिंदू उनके वंशज हैं। इसीलिए हमने तहरीर दी है और पुतला फूंका है।

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो पलटने से 4 बारातियों की मौत; 5 घायल

बेगूसराय, 23 मार्च (एजेंसियां)। जिले से इस वक्त एक बड़े हादसे का मामला सामने आया है। यहां बारात से लौट रही स्कॉर्पियो वाहन डिवाइडर से टकराकर एनएच 31 पर पलट गई। इस हादसे में स्कॉर्पियो सवार चार लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि 5 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों को आनन-फानन में इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। पूरी घटना नगर थाना क्षेत्र के खतोपुर चौक के पास एनएच 31 की बताई जा रही है।

बारात से लौट रहे थे लोग

जानकारी के मुताबिक, बेगूसराय के पहाड़पुर गांव से अभिषेक कुमार की शादी को लेकर बारात साहेबपुर कमल इलाके गई थी। यहां से आज सुबह लौटते समय सुबह 4 बजे खतोपुर के पास एक स्कॉर्पियो वाहन का टायर पंचर हो गया। इसके बाद स्कॉर्पियो अनियंत्रित हो गई और डिवाइडर से टकराते हुए एनएच 31 पर पलट गई। स्कॉर्पियो की रफ्तार इतनी तेज थी कि डिवाइडर को तोड़ते हुए गाड़ी एनएच 31 पर पलटी तो वाहन आगे-पीछे से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस घटना में चार लोगों की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने सदर अस्पताल बेगूसराय में भर्ती कराया है।

अब शरीर खुद कर रहा है अपने आपको बीमार, हो रहे हैं ऑटो इम्यून रोग

कानपुर, 23 मार्च (एजेंसियां)। लोगों को अब बैक्टीरिया, वायरस के बजाय उनकी शरीर के अंदर की रासायनिक प्रतिक्रियाएं अधिक बीमार कर रही हैं। शरीर के अंदर की बिगड़ी गतिविधि ही गंभीर बीमारी बन रही है। डायबिटीज, हाइपरटेंशन, यूरिक एसिड, फैटी लिवर, गुर्दा रोग, थायरॉइड, ऑटो इम्यून रोग समेत गैर संचारी बीमारियां बढ़ गई हैं। अस्पतालों में आने वाले रोगियों के आंकड़ों की पड़ताल से पता चला कि अब गैर संचारी रोगों के रोगियों की संख्या 60 फीसदी हो गई है। 40 फीसदी रोगी संचारी रोगों के होते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि बिगड़ी लाइफ स्टाइल और खानपान के साथ बढ़ते तनाव ने रोगों का आंकड़ा बदल दिया है। हैलट, उर्सला, निजी अस्पतालों और क्लीनिकों में बैक्टीरियल वायरल संक्रमण की तुलना में मेटाबोलिक रोगों के रोगी अधिक आ रहे हैं। यह संख्या बढ़ती जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि मेटाबोलिक रोग हो गए तो फिर तकरीबन जिंदगी भर चलते हैं। बैक्टीरियल और वायरल संक्रमण दवा का कोर्स पूरा करने पर बिल्कुल ठीक हो जाते हैं।

महिला दारोगा से दुष्कर्म के प्रयास में फंसे मोहित राणा के लिए गए डीएनए सैंपल, सीओ गुंजन करेंगी मामले की जांच

मथुरा, 23 मार्च (एजेंसियां)। मगोर्रा थाने के सरकारी आवास में रहने वाली महिला दारोगा के कमरे में घुसकर उप निरीक्षक द्वारा दुष्कर्म का प्रयास करने के मामले की जांच सीओ गोवर्धन से हटा दी गई है। अब यह जांच मांट की महिला सीओ गुंजन सिंह करेंगी। जेल से आरोपित दारोगा के डीएनए सैंपल लेकर लैब भेजे गए हैं। पुलिस अब महिला दारोगा के न्यायालय में बयान दर्ज कराएगी। मगोर्रा थाना परिसर में बने सरकारी आवास में महिला दारोगा बुधवार देर रात को अपने कमरे में थी। उसी दौरान थाने में तैनात दारोगा मोहित राणा जरूरी काम का बहाना बनाकर दरवाजा खुलवाया और जबरन अंदर घुस गया। आरोप है कि उप निरीक्षक ने महिला दारोगा को पकड़कर अपने कमरे में ले जाने की कोशिश की। विरोध करने पर उसने धक्का देकर नीचे गिरा दिया और दुष्कर्म की कोशिश की। मामला एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय तक पहुंचा तो उन्होंने दुष्कर्म की धारा में मुकदमा दर्ज कराकर दारोगा को जेल भेज दिया और उनको निलंबित करके रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेज दी। इस प्रकरण की जांच पहले सीओ गोवर्धन आलोक कुमार को सौंपी गई थी। लेकिन वादी महिला होने के कारण एसएसपी ने निष्पक्ष विवेचना कराने के लिए मांट की महिला सीओ गुंजन सिंह को जांच सौंपी है। एसपी ग्रामीण त्रिगुण बिसेन ने बताया कि आरोपित उपनिरीक्षक के जेल से डीएनए सैंपल कराकर लैब भेजे गए हैं। अब महिला दारोगा के न्यायालय के समक्ष 164 के बयान दर्ज कराए जाएंगे। प्रकरण की सीओ मांट ने जांच शुरू कर दी है। जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बमबाज निकला प्रेमी, मोहल्ले वालों के डर से गर्लफ्रेंड ने की बात बंद, तो कर दिए 3 धमाके, खौफ में लोग

प्रयागराज, 23 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के कटरा इलाके में कुछ युवकों द्वारा बम फेंके जाने का मामला सामने आया है। घटना रात के समय की है। बाइक पर सवार तीन युवक अशोक साहू के घर पर एक के बाद एक तीन देसी बम फेंके। इस घटना से इलाके के लोग दहशत में आ गए। दिलचस्प बात ये है कि इसके पीछे कोई दुश्मनी नहीं, बल्कि एक लड़की का मामला सामने आया है। दरअसल, दो दिन पहले कटरा इलाके में कचहरी जाने वाली सड़क पर बाइक पर सवार तीन युवक जनरल स्टोर चलाने वाले अशोक साहू के घर के पास रुके थे। इनमें से दो युवक बाइक पर सवार थे, जबकि एक युवक सड़क पर खड़ा होकर लगातार देसी बम फेंक रहा था। बम फटने की आवाज सुनकर आस-पास के लोग डर गए थे और घरों से बाहर नहीं निकले। हालांकि, इस वारदात की तस्वीरें सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गईं।

नागपुर हिंसा के बाद अलर्ट मोड पर मुंबई पुलिस, ईद से पहले उठाया गया ये कदम

नागपुर,23 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नागपुर में बीते दिनों भड़की हिंसा के बाद मुंबई पुलिस अलर्ट मोड पर है। त्योहारों से पहले मुंबई की एमआईडीसी पुलिस की ओर से मरोल मफखान नगर इलाके के संवेदनशील इलाकों में मॉक ड्रिल और रूट मार्च किया गया। ईद और गुड़ी पड़वा पर्व से पहले मुंबई पुलिस के दंगा निरोधक दस्ते द्वारा संवेदनशील इलाकों में मॉक ड्रिल किया गया। जानकारी के अनुसार, मॉक ड्रिल का आयोजन मुंबई के अंधेरी पूर्व के संवेदनशील क्षेत्र मरोल मपखान इलाके में एमआईडीसी और अंधेरी पुलिस द्वारा किया गया। इस मॉक ड्रिल में अंधेरी और एमआईडीसी पुलिस के लगभग 60 से 70 पुलिस अधिकारी और कर्मचारी और फायर मैन मौजूद रहे। इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य था कि अगर नागपुर जैसी स्थिति बनती है तो कैसे पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित कर सकती है। बता दें कि आने वाले कुछ दिनों में रमजान, गुड़ी पड़वा और नवरात्रि जैसे त्योहार हैं। ऐसे में प्रशासन को डर है कि नागपुर में हालात फिर से बिगड़ सकते हैं। इससे निपटने के लिए पुलिस ने पहले से कमर कस ली है। वहीं नागपुर हिंसा के बाद चार इलाकों में आज सातवें दिन भी बंद लागू है। इनमें गणेशपेठ, तहसील, कोतवाली और यशोधरा नगर के चार पुलिस थाना क्षेत्रों में कर्फ्यू जारी है। यहां शाम 7 बजे से रात 10 बजे तक ढील दी गई है। जबकि नागपुर में पांच पुलिस थाना क्षेत्रों से कर्फ्यू पूरी तरह हटा लिया गया है।

दो पुलिस थाना क्षेत्रों से कर्फ्यू पहले ही हटाया जा चुका है। वहीं पांच पुलिस स्टेशनों पचपावली, शांतिनगर, लकड़गंज, सक्करदरा, इमामवाड़ा की सीमा के भीतर संचार पर प्रतिबंध पूरी तरह से हटा दिया गया बता दें कर्फ्यूग्रस्त क्षेत्रों में सभी सरकारी निजी प्रतिष्ठान पूरा तरह से बंद रहेंगे।

'उद्धव सरकार के लोगों को बचाने के लिए सबूत मिटा दिए गए', सुशांत मामले में भाजपा का बयान

मुंबई,23 मार्च (एजेंसियां)। बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की आत्महत्या मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर दी है। मामले में पांच साल बाद क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की गई है। रिपोर्ट दो मामलों में दाखिल हुई है, जिनमें से एक सुशांत को आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला है, जिसकी शिकायत सुशांत के पिता केके सिंह ने पटना में दर्ज कराई थी। दूसरा मामला ड्रग प्रिस्क्रिप्शन का है, जो सुशांत की कथित प्रेमिका रिया चक्रवर्ती ने सुशांत की बहन के खिलाफ दर्ज कराई थी। मामले में भाजपा ने तत्कालीन उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाया है। भाजपा नेता राम कदम ने कहा, 'जब पूरा देश सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की मांग कर रहा था, तब उद्धव ठाकरे सरकार ने जानबूझकर लापरवाही बरती। जब बिहार पुलिस जांच के लिए मुंबई आई, तो उन्हें भी रोक दिया गया था। क्या वजह थी?' भाजपा ने नेता बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि उद्धव ठाकरे सरकार के लोगों को बचाने के लिए सभी सबूत मिटा दिए गए। सुशांत के घर का फर्नीचर हटा दिया गया, उसकी रंगाई-पुताई की गई और उसे उसके असली मालिक को लौटा दिया गया। इन सभी बिंदुओं का क्या अर्थ है? ऐसा क्या कारण है कि दिशा सालियान के पिता को ऐसा लग रहा है कि उनकी बेटी को न्याय नहीं मिला? भाजपा नेता राम कदम ने कहा, 'इन सबके पीछे उद्धव ठाकरे सरकार और उनके करीबी लोगों को बचाने की हिमाकत है। अगर उद्धव ठाकरे ने सही समय पर केस सीबीआई को सौंप दिया होता, तो सुशांत के परिवार को न्याय जरूर मिलता। अगर आज उन्हें न्याय नहीं मिल रहा है, तो इसके लिए उद्धव ठाकरे सरकार जिम्मेदार है।'

14 जून 2020 को अपने घर में मृत मिले थे सुशांत

सुशांत सिंह राजपूत 14 जून 2020 को मुंबई के बांद्रा स्थित अपने फ्लैट में फांसी के फंदे पर झूलते पाए गए थे। मुंबई पुलिस ने इसे आत्महत्या माना था और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में भी दम घुटने से मौत की बात कही गई थी। हालांकि, सुशांत की मौत को लेकर कई साजिशों के दावे किए गए और मीडिया में यह मामला काफी चर्चा में रहा था।

पुलिस को देख निगल लिया चिट्टा घर से अमेरिकन पिस्टल बरामद

विलासपुर,23 मार्च (एजेंसियां)। भराड़ी पुलिस थाना क्षेत्र के कोट गांव में नशे के कारोबार की सूचना पर छापा मारने गई पुलिस ने एक व्यक्ति के घर से अमेरिकन पिस्टल बरामद की है। इससे पहले ही पुलिस को देखते ही आरोपी ने चिट्टा निगल लिया। पुलिस ने तुरंत आरोपी का मेडिकल टेस्ट करवाया है, ताकि उसके शरीर में नशे की मौजूदगी की पुष्टि की जा सके। आरोपी अशोक कुमार के घर से तलाशी के दौरान पुलिस ने पिस्टल को कब्जे में लेकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। अब यह जांच की जा रही है कि पिस्टल कहां से लाई गई और इसका उपयोग किस मकसद से किया जाना था। पुलिस को सूचना मिल रही थी कि कोट गांव का अशोक कुमार नशे के कारोबार में लिप्त है। इसके बाद भराड़ी थाना प्रभारी अनूप कुमार ने डीएसपी घुमारवीं से अनुमति लेकर सुबह 10 सदस्यीय टीम के साथ आरोपी के घर पर छापा मारा। जब पुलिस ने घर में प्रवेश करने की कोशिश की तो आरोपी का पिता पुलिस से उलझ गया और तलाशी से रोकने का प्रयास किया। मशक्कत के बाद पुलिस घर में दाखिल हुई और तलाशी के दौरान अशोक के कमरे में बेड की दराज से पिस्टल बरामद हुई। पुलिस जांच में पाया गया कि यह पिस्टल विदेशी थी और उस पर 'मेड इन यूएसए' लिखा हुआ था। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि इस पिस्टल में करीब 9 गोलियां एक साथ भरी जा सकती हैं। पुलिस ने जब आरोपी से लाइसेंस मांगा, तो वह कोई दस्तावेज नहीं दिखा सका। पुलिस पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह हथियार किस स्रोत से लाया गया और इसका इस्तेमाल किन उद्देश्यों के लिए किया जाना था। पिस्टल को फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है।

निगम चुनाव से पहले एमएनएस में बड़ा बदलाव राज ने अमित ठाकरे को सौंपी अहम जिम्मेदारी

मुंबई, 23 मार्च (एजेंसियां)। आगामी मुंबई नगर निगम चुनावों से पहले महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) ने पार्टी संरचना में कुछ महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। रविवार को मुंबई में मनसे की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इसमें बदलाव का ऐलान किया गया और अमित ठाकरे को अहम जिम्मेदारी दी गई है। इतने वर्षों में यह पहली बार है कि इस तरह के बदलाव किये गये हैं। पार्टी अध्यक्ष राज ठाकरे ने खुद इसकी जानकारी दी। राज ठाकरे ने कहा, "मुंबई में कुछ नए पद बनाए गए हैं। मुंबई में पहली बार एक शहर अध्यक्ष और एक उप शहर अध्यक्ष होगा। अब तक पार्टी में एक संभाग अध्यक्ष होता था। अब एक शहर अध्यक्ष और एक उप शहर अध्यक्ष होगा।" राज ठाकरे ने शहर अध्यक्ष के रूप में संदीप देशपांडे के नाम की घोषणा की। राज ठाकरे ने कहा, "कोलाबा से माहिम-शिव तक की जिम्मेदारी यशवंत किलेदार को सौंपी गई है। पश्चिमी उपनगरीय भाग कुणाल मेनकर को और पूर्वी भाग योगेश सावंत को सौंपा गया है।"राज ठाकरे ने कहा, "उन्हें क्या करना चाहिए? उन्हें कैसे काम करना चाहिए? अगले दो सप्ताह में उन्हें लिखित रूप में यह बता दिया जाएगा।" राज ठाकरे ने कहा, "एक केंद्रीय समिति नियुक्त की गई है, जो हर घटक पर कड़ी नज़र रखेगी और संवाद करेगी। केंद्रीय समिति की जिम्मेदारी बाल नांदगांवकर के पास होगी। विभाग अध्यक्ष की जिम्मेदारी नितिन सरदेसाई के पास होगी। वहीं शाखा अध्यक्ष की जिम्मेदारी अमित ठाकरे संभालेंगे।" राज ठाकरे ने बताया कि, "ठाणे में भी ऐसी ही एक केंद्रीय समिति होगी, जिसमें अविनाश जाधव, राजू पाटिल, अभिजीत पानसे, गजानन काले शामिल होंगे। यह दोनों तरफ एक पार्टी बनाने के लिए बनाई गई है। यह संरचना पूरे महाराष्ट्र में लागू की जाएगी। यह एक बदलाव है जो वर्तमान में मुंबई और ठाणे में किया जा रहा है। यह संरचना महाराष्ट्र में अप्रैल-मई के महीनों में लागू की जाएगी।"संदीप देशपांडे ने कहा, "यह एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। यह एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। बहुत बड़ा भरोसा दिखाया गया है।

गांदरबल में बड़ा हादसा कार से टकरा कर खाई में गिरी बस, 3 पर्यटकों की मौत, 14 घायल

जम्मू,23 मार्च (एजेंसियां)। कश्मीर के गांदरबल जिले के गुंड कंगन क्षेत्र के निकट एक सड़क हादसे में तीन पर्यटकों की जान चली गई, जबकि 14 अन्य घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब एक टोयोटा इटियोस कार एक बस से टकरा गई। इस दौरान बस ने नियंत्रण खो दिया और खाई में जा गिरी। हादसा इतना भीषण था कि तीन पर्यटकों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, 14 अन्य घायल हो गए, जिन्हें तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल कुछ लोगों की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत दल मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। अभी तक घायलों की पहचान नहीं हो पाई है, लेकिन अधिकारियों का कहना है कि सभी घायल यात्रियों का इलाज चल रहा है।

'रेप पीड़िता को आरोपी मत समझिए', दिल्ली हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट को लगाई कड़ी फटकार

नई दिल्ली,23 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण आदेश जारी करते हुए ट्रायल कोर्ट के रवैये पर सख्त नाराजगी जताई है। हाई कोर्ट ने कहा कि नाबालिग रेप पीड़िता को अदालत में पेश होने के लिए मजबूर करना न्यायिक असंवेदनशीलता का उदाहरण है। कोर्ट को चाहिए कि वह इंसाफ के साथ-साथ इंसानियत का भी पालन करें। जस्टिस गिरीश कथपालिया की सिंगल बेंच ने कहा, यौन हिंसा झेल चुकी एक बच्ची को बार-बार कोर्ट में बुलाना उसकी तकलीफों को बढ़ाना है। पीड़िता को आरोपी की तरह नहीं देखा जा सकता है। ट्रायल कोर्ट का आदेश न केवल कानून की भावना के खिलाफ था, बल्कि यह पीड़िता के मानसिक स्वास्थ्य के साथ भी खिलवाड़ था।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल, यह मामला दो आरोपियों से जुड़ा है, जिन पर आरोप है कि उन्होंने एक नाबालिग बच्ची को नशीला पदार्थ देकर उसके साथ गैंगरेप किया। घटना के बाद से पीड़िता मानसिक और शारीरिक रूप से बेहद कमजोर है। 18 मार्च को ट्रायल कोर्ट में सुनवाई के दौरान पीड़िता के वकील ने बताया कि उसकी तबीयत खराब है और वह अदालत में पेश नहीं हो सकती। इसके बावजूद ट्रायल कोर्ट ने उसकी बीमारी की जांच के लिए पुलिस को भेजने का आदेश दे दिया। हाई कोर्ट ने इस पर नाराजगी जताते हुए कहा क्या पीड़िता को बार-बार अपनी पीड़ा साबित करनी होगी। क्या उसके कहे पर भरोसा नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने पूछा कि आखिर पीड़िता की बीमारी की जांच के लिए एक पुरुष कांस्टेबल को क्यों भेजा गया जबकि आदेश में एसएचओ या महिला जांच अधिकारी को भेजने की बात थी। इसे हाई कोर्ट ने बेहद आपत्तिजनक और संवेदनहीन करार दिया। हाई कोर्ट ने कहा कि ट्रायल कोर्ट पर भले ही केस को जल्द निपटाने का दबाव हो, लेकिन इंसाफ की जल्दी में पीड़िता की गरिमा और मानसिक स्थिति से समझौता नहीं किया जा सकता। फास्ट ट्रैक कोर्ट का मतलब है तेज न्याय, न कि पीड़िता को फिर से तकलीफ देना।

दिल्ली हाई कोर्ट 22 अप्रैल को अगली सुनवाई

इस मामले में अब अगली सुनवाई 22 अप्रैल को होगी। आरोपी पक्ष की ओर से वकील ने जमानत याचिका पर दलीलें पेश कीं, लेकिन हाई कोर्ट ने साफ कर दिया कि इस मामले में प्राथमिकता पीड़िता की सुरक्षा और मानसिक स्थिति है।

सौरभ शर्मा और माता के खिलाफ धोखाधडी का केस दर्ज

भोपाल,23 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश परिवहन विभाग के एक पूर्व आरक्षी पर अनुकंपा के आधार पर नौकरी पाने के लिए झूठे दावा करने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पूर्व आरक्षी को हाल ही में उसके घर से करोड़ों रुपये की नकदी बरामद होने के बाद गिरफ्तार किया गया था। सौरभ शर्मा, पिछले वर्ष उस समय सुर्खियों में आया था, जब लोकायुक्त और आयकर विभाग ने उसके आवास से करोड़ों रुपये नकदी बरामद की थी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निरंजन शर्मा ने बताया कि परिवहन विभाग की शिकायत के बाद यह कार्रवाई की गयी। उन्होंने बताया कि सौरभ शर्मा और उसकी मां उमा शर्मा ने 2015 में उसके पिता की मौत के बाद अनुकंपा के आधार पर विभाग में नौकरी पाने के लिए दायर हलफनामे में झूठ बोला था। सौरभ के पिता एक सरकारी चिकित्सक थे। अधिकारी ने बताया कि सौरभ ने दावा किया था कि उसके परिवार का कोई भी सदस्य सरकारी नौकरी में नहीं है लेकिन उन्होंने यह तथ्य छिपाया कि सौरभ का बड़ा भाई छत्तीसगढ़ सरकार का कर्मचारी था। उन्होंने बताया कि सौरभ और उसकी मां के खिलाफ धोखाधड़ी व लोक सेवक को शपथ दिलाकर झूठा बयान देने के आरोप में सिरोल थाने में मामला दर्ज किया गया। अधिकारी ने बताया कि पिछले वर्ष दिसंबर में लोकायुक्त पुलिस ने सौरभ से जुड़े विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर 2।87 करोड़ रुपये नकद और कीमती धातुओं सहित करीब आठ करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की थी। उन्होंने बताया कि इसके अलावा आयकर विभाग ने भोपाल के बाहरी इलाके में एक कार से 10 करोड़ रुपये से अधिक नकद और 50 किलोग्राम से अधिक सोना जब्त किया।

मणिपुर में फिर बवाल; पूर्वी इंफाल में मैतेई और पंबेई संगठन के सदस्यों में झड़प, चार उग्रवादी हुए घायल

इंफाल,23 मार्च (एजेंसियां)। मणिपुर के पूर्वी इंफाल जिले में मैतेई संगठन अरंबाई टेंगोल के सदस्यों और प्रतिबंधित यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (पंबेई) के सदस्यों के बीच झड़प हो गई। इसमें चार उग्रवादी घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि घायल हुए चार यूएनएलएफ (पंबेई) उग्रवादियों को पुलिस हिरासत में ले लिया गया। एक अस्पताल में उनका इलाज किया गया और उनकी हालत खतरे से बाहर बताई गई है। पुलिस ने बताया कि शनिवार दोपहर को अरंबाई टेंगोल के लगभग 15-20 सदस्य कोंगपाल चिंगंगबाम लेइकाई में इरेंगबाम नंदकुमार सिंह (56) के रूप में पहचाने गए यूएनएलएफ के एक उग्रवादी के घर में घुस गए और इंफाल घाटी स्थित संगठन के उग्रवादियों पर हमला कर दिया। घर में मौजूद चार यूएनएलएफ (पंबेई) उग्रवादियों को लाठियों से पीटा गया। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों की ओर से कई राउंड फायरिंग भी हुई। चार यूएनएलएफ (पंबेई) उग्रवादियों को हिरासत में ले लिया गया। जबकि हमलावर मौके से भागने में सफल रहे।

सुरक्षा बलों ने शनिवार रात जिले के खुरई इलाके में अरंबाई टेंगोल के एक कार्यालय पर छापा मारा और तीन चार पहिया वाहन, 15 ग्राम संदिग्ध हेरोइन, आठ बुलेटप्रूफ प्लेट, तीन वायरलेस हैंडसेट, एक इंसास संगीन, दो तलवारें और अन्य आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए। अरंबाई टेंगोल के किसी भी सदस्य को अब तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। वहीं पुलिस ने कुकी-प्रभुत्व वाले चुराचांदपुर जिले में डर, दहशत और सार्वजनिक भय पैदा करने के लिए फर्जी और भड़काऊ समाचार फैलाने के लिए व्हाट्सएप समूहों और सोशल मीडिया चैनलों के खिलाफ छह प्राथमिकी दर्ज की हैं। पुलिस ने अन्य चैनलों के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी। गौरतलब है कि मई 2023 से मणिपुर में मैतेई और कुकी-जो समुदायों के बीच जातीय हिंसा में 250 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए, केंद्र सरकार ने 13 फरवरी को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया था। पूर्व मुख्यमंत्री एन। बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद राज्य विधानसभा को निलंबित रखा गया है।

चूने से गोला बनाकर घरवालों को बैठाया

बोला- बाहर नहीं निकलना फिर लड़की को कमरे में ले जाकर किया रेप; तांत्रिक अरेस्ट

रीवा,23 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के रीवा के सोहागी थाना क्षेत्र में एक युवती के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। बीमार युवती को प्रेत बाधा बताकर झाड़ फूंक करने के दौरान एक तांत्रिक ने उसे अपनी हवस का शिकार बनाया। आरोपी ने परिवार वालों को एक गोला बनाकर उसमें बैठा दिया। फिर दूसरे कमरे में ले जाकर युवती के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। सोहागी थाना क्षेत्र में हुई इस घटना के बाद आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। सोहागी थाना क्षेत्र में रहने वाली पीड़ित 20 वर्षीय युवती कुछ समय से बीमार चल रही थी, जिसे परिजनों ने समर उर्फ समरेंद्र नाम के तांत्रिक को दिखाया। इसके बाद उसे ठीक करने तांत्रिक उनके घर पहुंचा। घर पहुंचे तांत्रिक ने एक बड़ा गोला बनाया और उसके अंदर सभी घर वालों को बैठा दिया। इसके बाद युवती को झाड़ फूंक के लिए दूसरे कमरे में ले गया और शरीर से भूत निकालने का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी ने युवती के घर पहुंचने पर सबसे पहले उसके परिजनों को अपने जाल में फंसाया। उसने चूने से एक गोला बनाया और फिर सभी को उसके अंदर बैठा दिया और कहा कि वह सभी गोले के बाहर तब तक न आए, जब तक वह उनसे निकलने के लिए न कहे। साथ ही ये भी कहा कि अगर उनमें से कोई भी गोले के बाहर आया तो प्रेत बाधा की चपेट में तुम लोग भी आ जाओगे। ऐसे में सभी लोग खामोशी से गोले में खड़े रहे। इसके बाद वह युवती को कमरे में ले गया और दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। इसके बाद आरोपी तांत्रिक मौके से फरार हो गया।

ऑनलाइन गेमिंग में लगा दिया 3।26 करोड़ का सरकारी धन, आरोपी पंचायत अधिकारी गिरफ्तार

कालाहांडी, 23 मार्च (एजेंसियां)। ओडिशा के कालाहांडी जिले में ऑनलाइन गेमिंग के नाम पर करोड़ों रुपये के गबन का मामला सामने आया है। ये रुपये भी सरकारी कोष से गबन करके निकाले गए। एक निलंबित पंचायत कार्यकारी अधिकारी (पीईओ) को क्रिकेट सट्टेबाजी और ऑनलाइन गेमिंग के लिए तीन करोड़ रुपये से अधिक के सरकारी धन के गबन के आरोप में राज्य सतर्कता विभाग ने गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने इस घटना के बारे में जानकारी दी। जांच में यह भी पता चला कि पंचायत कार्यकारी अधिकारी ने अपने अधिकारी का दुरुपयोग करके यह राशि निकाली थी। इसके लिए उसने पंचायतों के सरपंचों के नकली हस्ताक्षर भी किए थे।

3।26 करोड़ रुपये का गबन

अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार पीईओ की पहचान देबानंद सागर के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि देबानंद सागर पर कालाहांडी जिले के थुमाल-रामपुर ब्लॉक के तहत तलनेगी ग्राम पंचायत और पोदापदर ग्राम पंचायत से 3।26 करोड़ रुपये के सरकारी धन का गबन करने का आरोप है। अधिकारी के मुताबिक, सागर पर अपने अधिकारों का दुरुपयोग करने और पंचायतों के सरपंच के जाली हस्ताक्षर करने का आरोप है। उन्होंने बताया कि सागर ने गबन की राशि कथित तौर पर अपने निजी बैंक खाते में भेजी थी। फिलहाल आरोपी पीईओ को गिरफ्तार कर लिया गया है।

दो पंचायतों में किया गबन

जानकारी के अनुसार देबानंद सागर ने तलनेगी ग्राम पंचायत से 1।71 करोड़ रुपये और पोडापदर ग्राम पंचायत से 1।55 करोड़ रुपये का गबन किया। उसने सरपंचों के फर्जी हस्ताक्षर करके पब्लिक फाइनेंस मैनेजमेंट सिस्टम (पीएफएम) का गलत इस्तेमाल किया। इसके अलावा उसने 15वें केंद्रीय वित्त आयोग (सीएफसी) और 5वें राज्य वित्त आयोग के खातों से पैसे एसबीआई धरमगढ़ बाजार शाखा के अपने निजी के खाते में ट्रांसफर कर लिए। आरोपी देबानंद सागर ने 4 जुलाई 2016 को तलनेगी ग्राम पंचायत में पीईओ के रूप में अपनी सरकारी सेवा शुरू की थी।

पंजाब में एचआरटीसी बसों पर हमला

खालिस्तान लिखा, भिंडरांवाले की फोटो भी लगाई, वित्त मंत्री हरपाल चीमा क्या बोले?

चंडीगढ़,23 मार्च (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में बाइकों से भिंडरांवाले के झंडे उतारे जाने के बाद पंजाब में हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) की बसों को निशाना बनाया जा रहा है। अमृतसर और होशियारपुर में अज्ञात लोगों ने स्टैंड पर खड़ी एचआरटीसी की बसों पर काले स्प्रे से खालिस्तान समर्थक नारे लिखे और शीशे तोड़ दिए। उन्होंने जरनैल सिंह भिंडरांवाले की फोटो भी लगाई। हिमाचल परिवहन की बसों के साथ तोड़फोड़ और पोस्टर चिपकाए जाने के मामले में पंजाब पुलिस को सख्त कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं। वित्तमंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि हिमाचल में पहले हुई घटना के बाद जिस कदर पंजाब में अब कुछ लोग हिमाचल रोडवेज की बसों के साथ तोड़फोड़ कर रहे हैं। उस पर पुलिस मामला दर्ज कर कार्रवाई कर रही है। चीमा ने कहा कि प्रदेश में किसी को भी कानून व्यवस्था अपने हाथ में नहीं लेने दिया जाएगा। बीते दिनों हिमाचल के सीएम ने सीएम भगवंत मान से बात की थी। हिमाचल सरकार को भी ऐसी घटनाओं पर ध्यान रखना चाहिए। चीमा ने कहा कि पंजाब डीजीपी गौरव यादव लगातार हिमाचल सरकार के साथ संपर्क में है और हिमाचल रोडवेज की बसों को नुकसान पहुंचाने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

पंजाब में बस चलाने से चालकों का इनकार

इस घटना के विरोध में हिमाचल के ड्राइवरों ने पंजाब में बसें चलाने से इनकार कर दिया। होशियारपुर में एचआरटीसी की बसों पर खालिस्तान समर्थक नारे लिखने से गुस्साए चालकों ने सवारियों को बीच रास्ते में उतार दिया। पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने कहा कि यह एक गंभीर मामला है और पुलिस आरोपियों को पकड़ने के लिए जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि किसी भी शरारती तत्व को माहौल खराब नहीं करने दिया जाएगा। इस घटना के बाद हिमाचल प्रदेश से पंजाब में आ रही बसें सवारियों को रास्ते में उतार कर ही वापस चली गईं। कांगड़ा जिले से आ रहे अखिल कुमार ने बताया कि वह सुबह बस में बैठकर अमृतसर के लिए निकला था लेकिन जब बस पठानकोट पहुंची तो वहां पर कंडक्टर और ड्राइवर ने सभी सवारियों को उतार दिया और वापस चले गए, जबकि उसने अमृतसर तक की टिकट ले रखी थी। ऐसे में उन्हें बहुत ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ा।

पूर्व पीएम हसीना के पीछे पड़े बांग्लादेशी छात्र एनसीपी ने की आवामी लीग पर बैन की मांग

ढाका,23 मार्च (एजेंसियां)। बांग्लादेशी छात्री पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनकी पार्टी के पीछे पड़ गए हैं। छात्रों के नेतृत्व वाली नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। इतना ही नहीं एनसीपी ने दावा किया कि इस पार्टी ने बांग्लादेश में ''फासीवाद की स्थापना'' की है। लिहाजा उसे चुनाव में हिस्सा लेने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिये। बांग्लादेश की सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस की खबर के अनुसार, शाहबाग में एक विरोध रैली को संबोधित करते हुए नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के सदस्य सचिव अख्तर हुसैन ने अधिकारियों से अवामी लीग का राजनीतिक दल के रूप में पंजीकरण रद्द करने के लिए कदम उठाने का आह्वान किया। हुसैन ने कहा कि लोगों ने हजारों लोगों की जान और खून की कीमत पर अवामी लीग को हराया है और पार्टी को देश में पुनः स्थापित नहीं होने दिया जाएगा।

अगस्त 2024 में बांग्लादेशी छात्रों के नेतृत्व में हुए हिंसक आंदोलन के कारण आवामी लीग पार्टी की 16 साल पुरानी सरकार गिर गई थी और पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को अपदस्थ कर दिया गया था। इसके बाद उनको देश छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा था। शेख हसीना फिलहाल भारत में शरण लिए हुए हैं। उन पर बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार ने कई मुकदमे कर रखे हैं, जिसमें उन पर देश में दर्जनों लोगों की हत्या का जिम्मेदार बताया गया है। कार्यवाहक सरकार के नेतृत्व कर रहे मोहम्मद यूनुस भारत सरकार से हसीना के प्रत्यर्पण की मांग कर रहे हैं।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 24 मार्च - 2025

न्यायपालिका की साख पर सवाल

दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के घर से 15 करोड़ कैश मिलने के मामले में तब नया मोड आ गया जब उसका वीडियो सुप्रीम कोर्ट ने जारी कर दिया है। 65 सेकेंड के वीडियो में नोटों से भरी बोरियां दिखाई दे रही हैं। घटना होली के दिन की यानी 14 मार्च की है। बंगले में आग की सूचना पर फायर ब्रिगेड पहुंची थी। वहीं दमकल कर्मचारियों को ये नोट मिले। रकम करीब 15 करोड़ बताई जा रही है। इस मामले में सीजेआई ने 3 मेंबर की जांच कमेटी बना दी है और जस्टिस वर्मा को कोई भी काम न देने को कहा गया है। उनके मोबाइल फोन की जांच करने के आदेश भी दिए गए हैं। इस मामले में जस्टिस वर्मा ने कहा है कि घटना के समय वे घर में मौजूद नहीं थे और उन्हें फंसाने की साजिश की जा रही है। जस्टिस वर्मा दिल्ली हाईकोर्ट के जजों में दूसरे सबसे वरिष्ठ हैं। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें इलाहाबाद हाई कोर्ट में वापस भेजने का प्रस्ताव रखा है। दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस ने इस मामले में पहली जांच रिपोर्ट सीजेआई खन्ना तक पहुंचा दी है। अगर रिपोर्ट में आरोपों का समर्थन किया जाता है, तो जस्टिस वर्मा को इस्तीफा देने के लिए कहा जा सकता है या फिर वे जांच पैनल का सामना कर सकते हैं। आज जब लोगों का अन्य सरकारी संस्थाओं से विश्वास उठ गया है तो न्यायपालिका को बिल्कुल साफ-सुथरा दिखने की जरूरत है। पिछले कुछ दशकों में, न्यायपालिका से जुड़े कई ऐसे मामले सामने आए हैं। कलकत्ता हाई कोर्ट के जज सौमित्र सेन ने संसद में उनके खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया के दौरान ही इस्तीफा दे दिया था। उन पर धन के दुरुपयोग का आरोप था। दिल्ली हाईकोर्ट के जज शामित मुखर्जी ने रिश्वत लेने के आरोप लगने के बाद इस्तीफा दे दिया था। सिक्किम हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस पीडी दिनाकरण ने भी भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद इस्तीफा दे दिया था। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट की जज निर्मल यादव के खिलाफ भी एक मामला सामने आया था। उनके दरवाजे पर नकदी मिली थी। यह मामला 2008 में तब सामने आया जब 15 लाख रुपये की राशि गलती से उनकी हमनाम, जस्टिस निर्मलजीत कौर के घर पर पहुंचा दी गई थी। अब सुप्रीम कोर्ट जस्टिस वर्मा के आवास पर नकदी की जांच कर रहा है। 2009 में सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने जस्टिस निर्मल यादव को क्लीन चिट दे दी थी। उनका ट्रांसफर उत्तराखंड हाई कोर्ट में कर दिया गया था, जहां से वे 4 मार्च 2011 में रिटायर हो गईं। लेकिन सीबीआई ने उनकी सेवा के अंतिम दिन उन पर चार्ज शीट दाखिल की। यह मामला अभी भी चल रहा है। जस्टिस यादव की बेगुनाही अभी तक साबित नहीं हुई है। अतीत में ऐसे मामले सामने आए हैं जहां जजों को आरोपों के बाद ट्रांसफर कर दिया गया था, लेकिन उन्हें कभी भी दोषमुक्त नहीं किया गया। इससे न्यायपालिका की छवि खराब होती है। सुप्रीम कोर्ट को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जस्टिस वर्मा के मामले में निष्पक्ष जांच हो और सच्चाई सामने आए। सुप्रीम कोर्ट को ध्यान रखना चाहिए कि लोगों का न्यायपालिका पर बहुत अधिक विश्वास है। इस विश्वास को बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए। अगर न्यायपालिका में भ्रष्टाचार होता है, तो इससे लोगों का लोकतंत्र से विश्वास उठ जाएगा।

गरीबों का अपना आदमी : डॉ. राम मनोहर लोहिया

रघु ठाकुर

50 के दशक से डॉ. लोहिया ने जिन बातों को कहना शुरू किया था वे समाज को बदलने वाली थी और भारतीय राजनीति के जड़ बन रहे चरित्र पर चोट करने वाली थी। आजादी और महात्मा गाँधी की मृत्यु के बाद विशेषतः जिस प्रकार कांग्रेस क्रमशः सत्ता लोलुप, अवसरवाद, परिवारवाद और राजनैतिक पतन के रास्ते पर जाने लगी थी और देश को गाँधी के रास्ते से भटकाने लगी थी ऐसे दौर में डॉ. लोहिया ने उन कमजोरियों को उजागर किया और उन्हें सुधारने के उपाय भी बताए। सात क्रांतियों के माध्यम से लोहिया ने कहा कि आज दुनिया को सात क्रांतियां जरूरी है :- आर्थिक-राजनैतिक-सामाजिक-लेगिंक-रंग आधारित, विषमताओं को मिटाना, विकेन्द्रीकरण-निशस्तीकरण और विश्व संसद। लोहिया प्रखर राष्ट्रवादी थे परन्तु अपने आप को विश्व नागरिक मानते थे। वे चाहते थे कि दुनिया की चुनी हुई संसद बने और दुनिया एक राजनैतिक इकाई बन जाए। लोहिया ने सिद्धांत दिया कि और करनी में एकता होना चाहिए। यानि बोली अलग और आचरण अलग इस फर्क को मिटाना जरूरी है। आमतौर पर राजनेता भाषणों में बहुत उदार और मीठे होते है, परन्तु आचरण भिन्न होते है। भारतीय राजनीति की इस फैलती महामारी के प्रति लोहिया ने देश को सावधान किया और एक अर्थ में गाँधी जी के और उनके बताए सत्य के मार्ग की ओर मोड़ने का प्रयास किया। यह वह काल था जब भारतीय राजनीति राजनैतिक दलों में आंतरिक लोकतंत्र की समाप्ति की ओर बढ़ रही थी। दलों के नेतृत्व स्वयं भू निर्णायक और निरंकुश बन रहे थे। कार्यकर्ताओं की उपेक्षा शुरू हो चुकी थी और शीर्ष व जमीन के रिश्ते टूट रहे थे। एक तरफ दलों में आंतरिक लोकतंत्र के प्रति उनकी चिंता थी और दूसरी तरफ आंतरिक लोकतंत्र का अर्थ एक प्रकार की अराजक आजादी में न बदल जाए यह भी उनकी चिंता थी। इसलिए डॉ. लोहिया ने राजनैतिक सिद्धांत गढ़ा और कहा कि की स्वतंत्रता होना चाहिए और कर्म पर नियंत्रण होना चाहिए यानी दल के भीतर कार्यकर्ता को बोलने की पूर्ण आजादी हो इस आजादी को लेकर वह नेतृत्व का कोपभाजन न बने और एक बार जो निर्णय बहुमत से हो जाए तो फिर उसका पालन हो। राजनीति और धर्म के रिश्तों को लेकर भी देश में एक प्रकार की बहस शुरू हुई थी। राजनैतिक दलों में एक धड़ा था जो मार्क्स की तर्ज पर धर्म को अफीम घोषित कर सम्पूर्णतः नकारना चाहता था और दूसरी तरफ एक जमात थी जो धर्म को पाषण पूजा-परम्पराओं और कट्टरताओं में जकड़ कर रखना चाहती थी। इस द्वन्द का मार्ग भी लोहिया ने अपने एक कथन से बताया कि, अल्पकालीन धर्म है, और धर्म दीर्घकालीन राजनीति याने लोहिया ने समाज को बदलने के लिए कम समय और कुछ समय के सिद्धांत कमोवेश स्थाई व शाश्वत नैतिक मूल्य के बीच संतुलन साधना राजनीति का प्रमुख कर्म है, निरूपित किया था। देश के सामने उपस्थित गैर बराबरियों को मिटाना- इंसान इंसान के फर्क को मिटाना, समता और सम्पन्नता को एक साथ एक बराबरी पर रखना उनका लक्ष्य था। यह राजनीति के लिए धर्म मूल्य थे और धर्म का काम एक नैतिक और सामाजिक मूल्यों पर आधारित व्यक्ति और समाज का निर्माण करना याने दीर्घकालीन राजनीति। इसलिए लोग याने समाज में प्रचलित ईश्वरीय प्रतीकों को एक नये द्रष्टिकोण से प्रस्तुत किया। जिसमें उनके उन गुणों या मूल्यों को स्वीकार कर लिया जाए जो समाज हेतु अनुकूल है और जो गैर जरूरी घटनाएं या सूचनाएं है उन्हें छोड़ दिया जाए। इसलिए लोहिया ने कहा कि, हमें क्षीर, विवेक को कसौटी बनाना चािहए। हमारे यहाँ पुरानी कहावत है ऐसा चाहिए जैसा सूप सुभाय, सार-सार को गहि रहे धोथा देय उड़ाए लोहिया ने भारतीय जीवन में घुले मिले राम, कृष्ण, शिव को इसी कसौटी पर रखकर स्वतः नास्तिक होते हुए भी उपयोगितावादी, आस्तिकता का मार्ग बताया।लोहिया ने महात्मा गाँधी के द्वारा बताई गई पंक्ति के आखिरी आदमी को उठाने की कसौटी को जमीन पर उतारा। उन्होनें 50 के दशक से ही दूरस्थ और संघन वनाचलों में रहने वाले आदिवासियों को अपने अधिकारों के लिए लोकतांत्रिक तरीके से लड़ना सिखाया। बच्चों से लेकर बड़ों तक और पूर्व से लेकर पशचिम तक के सभी वन क्षेत्रों के आदिवासी क्षेत्रों के निवासियों को अपने समतावादी आंदोलन से जोड़ा। आदिवासियों की जमीन के अधिकार-उनकी सभ्यता का संरक्षण सिखाकर लोहिया ने लगभग देश के सभी आदिवासी अंचलों में नये आदिवासी नेतृत्व को खड़ा किया। उन्होंने हिन्द किसान पंचायत के नाम से किसानों का संगठन खड़ा कराया और कृषि क्षेत्र की बुनियादी या मानवीय समस्याओं के हल को सामने रखकर दाम बांधो नीति, फसलों का उतार-चढ़ाव-शहरों और गाँव के बीच का फर्क मिटाना आदि लक्ष्य हिन्द किसान पंचायत के माध्यम से प्रस्तुत किए। और जगह-जगह जन आंदोलन खड़े किए। उन्होंने निजी क्षेत्र की लूट और संगठित क्षेत्र के भ्रष्टाचार पर ऊंगली उठायी व दोनों की कमियों और अच्छाईओं को उजागर कर संतुलित समाजवादी व्यवस्था, सरकारीकरण के बजाय सहकारीकरण का मार्ग बताया। लोहिया ने न केवल गरीबों, उपेक्षितों और वंचितों के साथ रिश्ता जोड़ा, उनकी पीड़ाओं को उकेरा, उनके हल सुझाएं-उन्हें बोलने की जबान दी और उनके आत्म विश्वास को जगाने के लिए ऐसे प्रतीक खड़े किए जो उन वंचित समाजों में उत्साह पैदा कर सके। लोहिया ने आज के छत्तीसगढ़ के वनांचल जो कि सिहावा नगरी के नाम से जाना जाता है, जो उनके काल में याने आज से लगभग 70 वर्ष पहले एक दुगर्म और अगम्य स्थान जैसा था वहाँ जाकर आदिवासियों को जमीन के अधिकार के प्रति जागरूक किया। इस आंदोलन में शहीद सुखराम नागे, समरीन बाई, विसाईन बाई, मगलूराम जैसे सेकड़ों संघर्षशील आदिवासियों नेताओं को तैयार किया और उस काल के दौरान जो आदिवासी शहरी बाबू को देखकर डरकर छुप जाता था उसे बोलना, लड़ना सिखाया उसमें आत्मविश्वास जगाया और उसे वैश्विक बराबरी से जोड़ा। लोहिया ने राय बरेली में स्व. फिरोज गाँधी के खिलाफ स्व. नंद किशोर नाई को लोकसभा का प्रत्याशी बनाया। ग्वालियर संसदीय क्षेत्र से महारानी विजया राजे सिंधिया के खिलाफ सुक्खोरानी नामक जमादारीन को खड़ा किया। प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के खिलाफ खुद खड़े हुए और एक गरीब व्यक्ति भी प्रधानमंत्री और राजा-महाराजा के खिलाफ खड़ा हो सकता है, यह आत्मविश्वास पैदा किया।देश के गरीबों के साथ किसान, मजदूरों के साथ उनका नाता इतना गहरा बन चुका था यह उस समय नज़र आया जब लोहिया बीमार होकर दिल्ली के सरकारी अस्पताल में भर्ती थे। रीवा की एक पान बेचने वाली महिला लोहिया के बीमारी के दिन से अपनी दुकान बंद कर दिल्ली पहुंची थी और तत्कालीन विलिंगडन अस्पताल के सामने फुटपाथ पर दिन-रात बैठकर लोहिया के स्वस्थ होने का इंतजार करती थी। लोहिया की मृत्यु तक वह दिल्ली में ही रही घर वापिस नहीं आई।

ऐसे कितने ही गरीबों को लोहिया के अस्पताल से वापिस आने का इंतज़ार था कि लोहिया स्वस्थ होकर वापिस आयेंगे और फिर संसद और संसद के बाहर गरीबों की आवाज उठायेंगे। यह दुर्भाग्य ही था कि उन सभी की आशा पूरी नहीं हुई। लोहिया जीवन और मौत से संघर्ष कर रहे थे। अर्ध बेहोशी की हालात में भी जब वे बोलते थे तो पूछते थे कि उ.प्र. के किसान आन्दोलन का क्या हुआ? किसानों की माँगों का क्या हुआ? ऐसा किसानों का हमदर्द कौन हो सकता है? वह हर विषमता के खिलाफ थे, इसलिये उन्होंने अपना इलाज एक सरकारी अस्पताल में कराया, जहाँ की चिकित्सा बहुत ही सामान्य स्तर की थी। लोहिया यह जानते थे कि वह जिन बातों को उठा रहे है, वे तत्कालीन समाज से बहुत आगे की है। परन्तु वह यह भी जानते थे कि आज या कल देर सवेरे समाज को इन बातों को स्वीकार करना होगा। आज से 70 वर्ष पहले नर-नारी की समानता की बात को उठाना, भारत के लिये मजबूत बनाने को सावित्री नहीं द्रौपदी चाहिये जिसमें बोलने की क्षमता हो, मुकाबला करने की क्षमता हो, साहस हो, यह लोहिया कह रहे थे।

योगीराज के 8 साल : अभूतपूर्व परिवर्तन का दौर

सुरेश गांधी

फिरहाल, 2017 में जब योगी आदित्यनाथ ने यूपी के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, तो किसी ने नहीं सोचा था कि वह इतने लंबे समय तक प्रदेश का नेतृत्व करेंगे. यह अलग बात है पार्टी की अंदुरुन्नी कलह व उठापटक के बीच विपक्ष की साजिशों के चक्रव्यूह को भेदतें हुए योगी सरकार ने न सिर्फ माफियाओं का बैंड बजाया, बल्कि सूबे को अपराधमुक्त करते हुए विकास व कल्याण के कार्यक्रमों के जरिए अग्रिम पंक्ति में ला खड़ा कर दिया है। पिछले आठ वर्षों में राज्य में 7.5 लाख से अधिक सरकारी नौकरियां सृजित की गई हैं। इस अभियान में कार्मिक विभाग ने भी अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभाते हुए युवाओं के लिए रोजगार के द्वार खोले। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) और उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) के माध्यम से पिछले आठ वर्षों में करीब 95 हजार अभ्यर्थियों का चयन किया गया, जो सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वे उत्तर प्रदेश के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले मुख्यमंत्री होने का रिकार्ड बना चुके हैं, और लगातार दो कार्यकाल पाने वाले एकमात्र यूपी के मुख्यमंत्री हैं. कहा जा सकता है योगी ने मुलायम सिंह यादव, मायावती और अखिलेश यादव को पछाड़ते हुए नया रिकॉर्ड बनाया है. पहले कांग्रेस के मुख्यमंत्री डॉक्टर संपूर्णानंद इस पद पर सबसे ज्यादा समय तक रहे हैं. इतना ही नहीं योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश के विधान भवन पर लगातार आठवीं बार ध्वजारोहण करने वाले पहले मुख्यमंत्री भी बन गए हैं. इस लिस्ट में अब क्षेत्रीय पार्टियों के नेता चौधरी चरण सिंह, मुलायम सिंह यादव, मायावती और अखिलेश यादव सीएम योगी के आस-पास भी नहीं दिखाई पड़ते. मायावती ने चार बार और मुलायम सिंह ने तीन बार शपथ ली, लेकिन फिर भी इस रिकॉर्ड को नहीं तोड़ पाए. इतना ही नहीं सीएम योगी की गिनती उन नेताओं में होती है, जिनके नेतृत्व में प्रदेश में किसी पार्टी की लगातार दूसरी बार सरकार बनी. 25 मार्च 2022 को जब योगी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली तो उन्होंने नारायण दत्त तिवारी का 37 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा था. नारायण दत्त ने वर्ष 1985 में अविभाजित उत्तर प्रदेश में दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी. वैसे तो बसपा सुप्रीमो मायावती ने चार बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली और उनका पूरा कार्यकाल सात वर्ष, 16 दिन का था. लेकिन वह लगातार नहीं था. मायावती ने अपने चार बार के कार्यकाल में आठ बार ध्वजारोहण किया. इसके अलावा मुलायम सिंह यादव तीन बार मुख्यमंत्री बने. इस दौरान मुलायम सिंह यादव का कुल कार्यकाल छह वर्ष 274 दिन का रहा था. बेशक, 25 मार्च को योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल के आठ साल पूरे होंगे. उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने कई ऐतिहासिक बदलाव और विकास देखे हैं, जिससे राज्य की दिशा में नया बदलाव आया है. बता दें, इससे पहले, आदित्यनाथ 1998 से 2017 तक लगभग दो दशकों तक भारत की संसद के सदस्य के रूप में कार्य कर चुके हैं. 26 वर्ष की आयु में, वे 1998 में सबसे कम उम्र के भारतीय सांसदों में से एक बन गए और गोरखपुर से अगले पांच लगातार कार्यकाल जीते. वे केंद्र से यूपी राज्य की राजनीति में चले गए और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में चुने गए. शुरुआत में, 2017 में, वे यूपी विधान परिषद के सदस्य बने. इसके बाद 2022 में वे गोरखपुर शहरी से चुनाव जीतकर राज्य विधान सभा के सदस्य बन गए. उन्होंने हिंदू युवा वाहिनी की स्थापना की, जो अब बंद हो चुका है हिंदू राष्ट्रवादी संगठन. उनकी छवि एक हिंदुत्व राष्ट्रवादी और एक सामाजिक रूढ़िवादी की है. जहां तक उपलब्धियों की बात है तो उनके नेतृत्व में राज्य ने कई महत्वपूर्ण योजनाओं को अपनाया. सबसे पहले, उन्होंने उत्तर प्रदेश को एक मजबूत कानून-व्यवस्था व्यवस्था बनाने पर ध्यान केंद्रित किया. प्रदेश में माफिया राज, अपराधिक गतिविधियों और भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिए कठोर कदम उठाए गए. इससे अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हुई और लोगों में विश्वास पैदा हुआ. इसके परिणामस्वरूप राज्य में कानून-व्यवस्था में सुधार हुआ, जो पहले चुनौतीपूर्ण था.इसके साथ ही, योगी सरकार ने बुनियादी ढांचे में सुधार पर भी जोर दिया. एक्सप्रेसवे, राजमार्ग, और नई सड़क परियोजनाएं राज्य के विकास की पहचान बन चुकी हैं. खासतौर पर, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे और गंगा एक्सप्रेसवे जैसी परियोजनाओं ने राज्य के विकास को गति दी है. इन परियोजनाओं के पूरा होने से न केवल प्रदेश में व्यापार और वाणिज्य को बढ़ावा मिला, बल्कि लाखों लोगों को रोजगार भी मिला. योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में निवेश आकर्षित करने के लिए कई पहल की. 'एक जिला एक उत्पाद' योजना, जो छोटे और मझोले उद्योगों को बढ़ावा देने का उद्देश्य रखती है, को सफलतापूर्वक लागू किया गया. इस योजना से विभिन्न जिलों में उत्पादों की पहचान बनी और राज्य में उद्योगों के लिए अनुकूल माहौल तैयार हुआ.इसके साथ ही, प्रदेश में निवेश के लिए उद्योगपतियों का ध्यान आकर्षित किया. प्रदेश की आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के लिए योगी सरकार ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को विशेष सुविधाएं दीं. 'स्टार्टअप राज्य' बनाने के लिए कई योजनाओं की शुरुआत की, जिससे युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़े.योगी सरकार ने राज्य में समाज के हर वर्ग के लिए कल्याणकारी योजनाओं की शुरुआत की. खासकर महिलाओं और बच्चों के लिए कई योजनाएं लागू की गईं, जैसे 'मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना', 'उज्ज्वला योजना', और 'समाजवादी पेंशन योजना'. इन योजनाओं ने करोड़ों परिवारों की जीवनशैली में सुधार किया है. इसके अलावा, योगी सरकार ने कोविड-19 महामारी के दौरान राज्य में आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने के लिए जोरदार कदम उठाए. अस्पतालों की क्षमता बढ़ाई, ऑक्सीजन संयंत्र स्थापित किए, और कोविड टीकाकरण अभियान को तेज़ी से चलाया, जिसके परिणामस्वरूप उत्तर प्रदेश ने देश में सबसे अधिक टीकाकरण हासिल किया. उत्तर प्रदेश में हर गरीब और जरूरतमंद व्यक्ति को सरकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है. प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 56 लाख से अधिक गरीबों को लाभ दिया गया है. 1 करोड़ 86 लाख रसोई गैस कनेक्शन दिए गए हैं. 2 करोड़ 65 लाख से अधिक परिवारों को पीने का पानी दिया जा रहा है. 150 लाख लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है." पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत राज्य सरकार ने अब तक 2 करोड़ 62 लाख किसानों को 75,000 करोड़ रुपये से अधिक का वितरण किया है।

साइबर ठगों ने तीन साल में की बीस गुणा बढ़ोतरी

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

मोबाईल पर नंबर मिलाते ही आजकल साईबर ठगी, डि जि ट ल अ रे स्ट , ऑ न ला इ न या ब्लेक मेलिंग से सतर्क रहने का संदेश सुनने को मिलता है। इस सबके बावजूद भारत सरकार द्वारा ठगी के जारी आंकड़ें ना केवल चेताने वाले हैं अपितु लगता है जैसे ज्यों ज्यों दवा की मर्ज बढ़ता ही गया वाले हालात बनते जा रहे हैं। मजे की बात यह है कि साइबर ठगी के इन रुपों से सबसे अधिक शिकार पढ़े लिखे और समझदार लोग ही हो रहे हैं। लाख समझाईस के बावजूद एक और ठगों के हौसले बुलंद है तो ठगी के शिकार होने वाले लोगों की संख्या और राषि में मल्टीपल बढ़ोतरी हो रही है। भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी हालिया आंकड़ों को देखे तो पिछले तीन साल में ही ठगी के नए अवतार से ठगी की राषि 20 गुणा बढ़ गई है। इस साल की शुरुआत के दो महीनों में ही 17 हजार 718 से अधिक मामलें दर्ज हो चुके हैं और 210 करोड़ 21 लाख रु. से अधिक की ठगी हो चुकी है। यह तो साल की शुरुआत के हाल है। पिछले तीन साल के आंकड़ों पर नजर ड़ाले तो हालात की गंभीरता को आसानी से समझा जा सकता है। साल 2022 में साइबर ठगी, डिजीटल अरेस्ट या इस तरह की ब्लेक मेलिंग, ऑनलाइन ठगी आदि के 39925 मामलों में 91 करोड़ 14 लाख की ठगी हुई थी जो एक साल बाद ही 2023 में बढ़कर 60676 हो गई और इसमें 339 करोड़ रु. की राशि की ठगी हो गई। मजे की बात यह है कि लाख प्रयासों के बावजूद 2024 की बढ़ोतरी तो और भी चिंतनीय रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार ही 2024 में एक लाख 23 हजार 672 मामलें दर्ज हुए और 1935 करोड़ 51 लाख रु. की ठगी हो गई। यह तो वे मामलें हैं जो पुलिस में दर्ज हुए हैं जबकि हजारों मामलें ऐसे भी होंगे जिनमें मामलें दर्ज कराए ही नहीं गए होंगे। खास बात यह है कि ठगी के केन्द्र व ठगी के तरीके से वाकिफ होने के बावजूद यह होता जा रहा है। हांलाकि झारखण्ड के जमातड़ा से ठगों के तंत्र को तोड़ दिया गया पर देश में एक दो नहीं अपितु 74 जिलों में इस तरह की ठगी करने वालों के हॉटस्पॉट विकसित हो गए। झारखण्ड, राजस्थान, हरियाणा और बिहार के केन्द्र पहले पांच प्रमुख सेंटर विकसित हो गए। ऐसा नहीं है कि साईबर या इससे जुड़ी ठगी हमारे यहां ही होती है अपितु देखा जाए तो यह आयातित ठगी का तरीका है। साईबर या यों कहें कि इस तरह की ठगी के मामलों में रशिया पहले पायदान पर है तो यूक्रेन दूसरे पायदान पर बना हुआ है। इनके बार चीन, अमेरिका, नाइजेरिया और रोमानिया का नंबर आता है। इससे एक बात तो साफ हो जाती है साइबर ठगों के सारी दुनिया में हौसले बुलंद है। लोगों की गाढ़ी कमाई को हजम करने में इन्हें विशेषज्ञता हासिल है। लोगों की कमजोरी को यह समझते हैं और उसी कमजोरी के चलते पढ़े लिखे और हौशियार लोगों को भी आसानी से ठगी का शिकार बना लेते हैं। जाल ऐसा की यह समझते हुए कि ऐसा आसानी से होता नहीं है फिर भी चक्कर में फंस ही जाते हैं और ठगों के आगे सरेण्डर होकर लुट जाते हैं। जहां तक हमारे देश की बात करें तो साइबर ठग या तो किसी तरह का लालच देकर लिंक भेजकर ठगी करते हैं तो दूसरी और ड़रा धमकाकर आसानी से ठगी का शिकार बना लेते हैं। सरकार प्रचार के सभी माध्यमों से बार बार व लगातार आगाह कर रही है कि ठगों द्वारा ड़राने वाले तरीके वास्तविक नहीं है। बैंक कभी भी बैंक डिटेल या ओटीपी ऑनलाइन नहीं मांगते पर पता नहीं कैसे ठगों के जाल में फंसकर अपनी मेहनत की कमाई लुटा बैठते हैं। ओटीपी देदेते हैं तो लिंक खोलने के लिए लाख मना करने के बावजूद लिंक खोलकर लुट जाते हैं। पुलिस अधिकारी बन कर जिस तरह से डिजिटल अरेस्ट कर ठगी का रास्ता अपनाया जा रहा है उस संबंध में अवेयरनेस अभियान के बावजूद ठगी का शिकार होने वालों की संख्या या राशि में कमी नहीं हो रही है। डिजिटल अरेस्ट में डॉक्टर, रिटायर्ड जज, प्रोफेसर, प्रशासनिक अधिकारी सहित संभ्रात वर्ग के लोगों को आसानी से जाल में फंसाकर ठगी हो रही हैं वह भी करोड़ों तक की ठगी के उदाहरण मिल रहे हैं। झूठे मामलों में परिजनों को फंसने से बचाने का झांसा देकर ठगी हो रही है। मजे की बात यह है कि इस स्तर तक ड़र या भयाक्रांत हो जाते हैं कि किसी अन्य या पुलिस से समस्या साझा करने की हिम्मत भी नहीं कर पाते और ठगी के बाद हाथ मलते रह जाते हैं। डिजिटल अरेस्ट के मामलें तो दिनों-दिन बढ़ते ही जा रहे हैं। दरअसल इसमें पुलिस, सरकारी जांच एजेंसी या प्रवर्तन निदेशालय के नकली अधिकारी बन कर इस कदर ड़रा देते हैं और मजे की बात यह कि एक दो दिन नहीं अपितु कई दिनों तक लगातार ऑडियो या वीडियो कॉल करके ठगी का शिकार बना लेते हैं। ऐसा नहीं है कि सरकारें हाथ पर हाथ धरे बैठी हो। सरकार व वित्तदायी संस्थाओं द्वारा मीडिया के माध्यम से सजग किया जा रहा है। इसके साथ ही झारखण्ड के बड़े केन्द्र जमातड़ा को लगभग समाप्त कर ही दिया है।

चिंताजनक है नागपुर दंगों में कश्मीर माड्यूल का इस्तेमाल

मनोज कुमार अग्रवाल

महाराष्ट्र के नागपुर में औरंगजेब की कब्र को मुद्दा बना कर साम्प्रदायिक हिंसा सामने आयी है, वह न सिर्फ दुर्भाग्यपूर्ण तो है ही वरन देश में धर्मांधता कट्टरवादी फिरकापरस्ती परस्पर घृणा विद्वेष से भरी हमलावर जेहादी मानसिकता के बढते खतरे का भी अलार्म है । महाराष्ट्र पुलिस को नागपुर में हुयी पत्थरबाजी तोड़फोड़ आगजनी और पुलिस पर पैट्रोल बमों से हमले में दंगाइयों द्वारा कश्मीर माड्यूल अपनाने का संकेत है। आप जानते हैं अपना देश विविधताओं से भरा एक देश है, जहां सभी धर्मों और जाति के लोग बिना किसी भेदभाव के सदियों से एक साथ प्रेम और भाईचारे से रहते आ रहे हैं। मगर अफसोस की बात है कि कुछ अराजकतत्व जान-बूझकर ऐसे कृत्यों को करते हैं, जिससे कि समाज में वैमनस्य और टकराव उत्पन्न होता है। यही कारण है कि देश में कभी-कभार दंगे होते हैं। मगर इससे भी दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि जब भी ऐसी कोई हिंसा होती है, तो देश की राजनीतिक पार्टियों द्वारा बयानबाजी शुरू कर दी जाती है, जिससे हिंसा की आग बुझने के बजाए और धधकने लगती है। मुगल शासक औरंगजेब को लेकर उठीं नफरत की लपटों में सोमवार रात सेंट्रल नागपुर झुलस गया। दर्जनों गाड़ियां स्वाहा कर दी गईं। हाथों में पत्थर लिए भीड़ ने पुलिस को भी नहीं बख्शा। स्थानीय लोगों का कहना है कि उपद्रवी घर के अंदर तक घुसे और तोड़फोड़ की। गाड़ियों को जला दिया गया। पुलिस के अनुसार शहर में हुई हिंसा के सिलसिले में कम से कम 60 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और हिंसा के दौरान 34 पुलिसकर्मी तथा पांच अन्य लोग घायल हुए हैं। हिंसा के दौरान 45 वाहनों में भी तोड़फोड़ की गई। दरअसल, सोमवार को नागपुर में हिंसा भड़कने की वजह दो अफवाहें थीं। नागपुर में बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के विरोध प्रदर्शन के बीच पहली अफवाह यह फैली कि एक धार्मिक ग्रंथ को नुकसान पहुंचाया गया है। वहीं, दूसरी अफवाह कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा ये फैलाई गई कि पवित्र चादर को आग लगा दी गई है। हालांकि, कहीं कुछ ऐसा हुआ ही नहीं था। इन अफवाहों से एक समुदाय विशेष के लोग भड़क गए और सड़कों पर उतर आए। साफ है कि औरंगजेब को लेकर पहले ही जारी तनाव की आड़ में क्या जान-बूझकर चिंगारी को भड़काया गया ? इस पर सियासत गर्म है। शिवसेना और बीजेपी नेता इसे सुनियोजित साजिश बता रहे हैं। सीएम देवेंद्र फडणवीस नागपुर हिंसा को लेकर बेहद सख्त हैं। वहीं, डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे को इसमें साजिश की बू आ रही है। उन्होंने कहा कि यह घटना पूरी प्लानिंग के तहत हुई है। पेट्रोल बम का इस्तेमाल हुआ है। नागपुर हिंसा ने महाराष्ट्र ही नहीं देश में भी सबको हिलाकर रख दिया। औरंगजेब की कब्र के बाहर प्रदर्शन को लेकर अचानक 200 से 300 लोगों की भीड़ आ धमकी। दरअसल पिछले कुछ समय से महाराष्ट्र में मुगल शासक औरंगजेब को लेकर विवाद बढ़ गया है। छत्रपति संभाजी महाराज पर बनी बॉलीवुड फिल्म छावा रिलीज के बाद जहां सुर्खियों में है, तो वहीं दूसरी तरफ राज्य हिंदूवादी संगठनों ने औरंगजेब की कब्र को हटाने की मांग की है। विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल ने कहा कि औरंगजेब की कब्र हटाने को कहा है। ऐसा नहीं होने पर बाबरी स्टाइल में कारसेवा करने की चेतावनी दी है। महाराष्ट्र विधानमंडल के बजट सत्र में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी औरंगजेब की कब्र के मुद्दे पर बोले थे। उन्होंने कहा था कि हमें भी लगता है कि औरंगजेब की कब्र हटाई जाए, कांग्रेस राज में कब्र को संरक्षण मिला, कुछ चीजें कानूनी तौर पर करनी पड़ती है। यह भी सामने आया है कि विवाद के बाद इस कब्र पर जाने वाले लोगों की संख्या में कमी आई है। इससे पहले राज्य में औरंगजेब को लेकर तब विवाद खड़ा हुआ था, जब समाजवादी पार्टी के बड़े नेता और मुंबई की मानखुर्द शिवाजीनगर से विधायक अबु आजमी ने मुगल शासक की तारीफ की थी।

नेता जी की 'जनता सेवा'

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

चुनावी मौसम आ चुका था, और मोहल्ले के नुक्कड़ से लेकर चाय की दुकानों तक सिर्फ़ एक ही चर्चा थी— इस बार असली जनसेवक मिलेगा! नेता जी ने मंच से गरजते हुए ऐलान किया, ₹हम जनता की सेवा के लिए ही राजनीति में आए हैं!₹ भीड़ में तालियाँ गूंज उठीं, नारे बुलंद हो गए। लेकिन मोहल्ले के अनुभवी काका जी मुस्कराते हुए बोले, अरे! इनकी सेवा से तो जनता ही सेवा मांगने लगेगी!₹ कुछ लोगों ने उनकी बात पर हंसी उड़ाई, मगर पुराने लोग जानते थे कि चुनावी वादों की उम्र दीवाली के दिये से भी कम होती है। नेता जी चुनाव प्रचार में जुट गए। जनता से वादों की झड़ी लगा दी—₹हर गली चमकाएंगे, हर घर में पानी पहुंचाएंगे, हर नौजवान को नौकरी दिलाएंगे। मोहल्ले की टूटी सड़कों, सूखी नलियों और लटकते बिजली के तारों को देखकर उन्होंने इतनी गहरी चिंता जताई जैसे कोई माँ अपने बीमार बच्चे को देखकर करती है। युवा जोश में आ गए, नारों से माहौल गरमा दिया—नेता जी आए हैं, बदलाव लाए हैं! सेवा की असली परिभाषा चुनाव जीतने के लिए नेता जी ने जनता के हर सुख-दुःख को अपना बना लिया। मोहल्ले में किसी का बेटा बीमार पड़ा तो नेता जी वहाँ पहुंच गए। किसी की बेटी की शादी थी तो वरमाला पकड़ने खुद मंच पर दिखे। जनता ने पहली बार खुद को खास महसूस किया। ऐसा लगा कि कोई अपना आदमी सत्ता में आ रहा है। वोटिंग का दिन आया। मोहल्ले में हर किसी ने बढ़-चढ़कर वोट डाला। बुजुर्गों ने कहा, अबकी बार अच्छे दिन आएंगे! युवाओं ने जोश में कहा,अब कुछ बदलेगा! और परिणाम आया—नेता जी प्रचंड बहुमत से जीत गए। मोहल्ले में ढोल-नगाड़े बजे, मिठाइयाँ बंटी। नेता जी ने मुस्कुराते हुए कहा,अब असली काम शुरू होगा। लेकिन जनता यह नहीं जानती थी कि असली काम किसका होगा! जीत के कुछ दिनों तक नेता जी नज़र आए, फिर धीरे-धीरे उनकी व्यस्तता बढ़ गई। अब वे जनता की सेवा कम, अपनी सेवा ज़्यादा करने लगे। नई गाड़ी खरीदी गई, आलीशान बंगले का इंटीरियर बदला गया, महंगे सूट सिलवाए गए। जनता की परेशानियाँ तो वहीं की वहीं रह गईं, मगर सोशल मीडिया पर उनकी 'जनसेवा' तेज़ हो गई। अब नेता जी अख़बारों में दिखते—कभी गरीब को कंबल ओढ़ाते, कभी किसी अस्पताल का उद्घाटन करते। मोहल्ले के लोग इंतज़ार करते रहे कि कब उनकी टूटी सड़कें बनेंगी, कब पानी आएगा, कब अंधेरे में डूबी गलियों में रोशनी होगी। पर नेता जी का काफिला तो अब बड़े नेताओं की रैलियों में दौड़ रहा था। काका जी ने एक दिन ठहाका मारते हुए कहा, देखो, नेताजी ने सेवा का वादा पूरा कर दिया! फर्क बस इतना है कि जनता को छोड़कर बाकी सबकी सेवा कर दी! मोहल्ले के लोग चुप थे, लेकिन मन ही मन उनकी बात सही लगी।

जब नेता जी पहली बार इलाके से गुज़रे, तो उनका काफिला धूल उड़ाते निकल गया। गाड़ी का शीशा बंद था। काका जी ने मज़ाक में कहा, अब नेताजी हमें पहचानेंगे भी नहीं! और सच में, पहचानने का तो सवाल ही नहीं था—नेता जी के लिए जनता अब सिर्फ़ एक नंबर थी, जिसे अगले चुनाव में फिर से जोड़ा जाना था।

गली में वही टूटी सड़कें थीं, लेकिन नेता जी का बंगला संगमरमर से सज चुका था। बिजली अभी भी आँख-मिचौली खेलती थी, लेकिन उनके ड्राइंग रूम में महंगे झूमर जगमगा रहे थे।

पापमोचनी एकादशी कल

पापमोचनी एकादशी का व्रत चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को रखते हैं। इस बार पापमोचनी एकादशी का व्रत दो दिन है। पापमोचनी एकादशी के दिन 3 शुभ योग बन रहे हैं। यह एकादशी व्रत करने से व्यक्ति को पापों से मुक्ति मिलती है। भगवान विष्णु की कृपा से व्यक्ति को मोक्ष मिलता है। इस बार पापमोचनी एकादशी का व्रत किस दिन रखना है? इस बारे में जानते हैं काशी के ज्योतिषाचार्य चक्रपाणि भट्ट से कि पापमोचनी एकादशी कब है? पापमोचनी एकादशी का मुहूर्त, पारण समय क्या है?

दृक पंचांग के अनुसार, इस बार चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 25 मार्च को सुबह 5 बजकर 5 मिनट से शुरू हो रही है। यह तिथि 26 मार्च को तड़के 3 बजकर 45 मिनट पर खत्म होगी। उदयातिथि के आधार पर एकादशी तिथि 25 मार्च मंगलवार को है। पापमोचनी एकादशी का व्रत 25 मार्च और 26 मार्च दो दिन है। दरअसल पापमोचनी एकादशी का हरिवासर 26 मार्च को सुबह 09:14 ए एम तक है। इस वजह से वैष्णव लोग पापमोचनी एकादशी का व्रत 26 मार्च को रखेंगे और बाकी अन्य लोग 25 मार्च को रखेंगे।

पापमोचनी एकादशी 2025 मुहूर्त

25 मार्च को पापमोचनी एकादशी के दिन ब्रह्म मुहूर्त 04:45 ए एम से 05:32 ए एम तक है और अभिजीत मुहूर्त 12:03 पी एम से 12:52 पी एम तक है। जो लोग 25 मार्च को पापमोचनी एकादशी का व्रत रखेंगे, वे भगवान विष्णु की पूजा सूर्योदय के साथ कर सकते हैं। उस समय में शिव योग रहेगा।

वहीं 26 मार्च को ब्रह्म मुहूर्त 04:44 ए एम से 05:31 ए एम तक है, लेकिन अभिजीत मुहूर्त नहीं है। जो 26 मार्च को पापमोचनी एकादशी का व्रत रखेंगे, वे भी सूर्योदय से पूजा पाठ कर सकते हैं। उस दिन सुबह में सिद्ध योग है।

3 शुभ योग में पापमोचनी एकादशी

25 मार्च को पापमोचनी एकादशी के दिन 3 शुभ योग बनेंगे। उस दिन शिव योग प्रातःकाल से लेकर दोपहर 2 बजकर 53 मिनट तक है। उसके बाद से सिद्ध योग प्रारंभ हो जाएगा। वहीं द्विपुष्कर योग एकादशी तिथि में 26 मार्च को 03:49 ए एम से 06:18 ए एम तक है।

वहीं 26 मार्च के पापमोचनी एकादशी व्रत पर सिद्ध योग सुबह से लेकर दोपहर में 12:26 पी एम तक है। उसके बाद से साध्य योग बनेगा। ये सभी शुभ योग माने जाते हैं। द्विपुष्कर योग में आप जो कार्य करते हैं, उसका दोगुना फल प्राप्त होता है।

पापमोचनी एकादशी पारण

यदि आप 25 मार्च को पापमोचनी एकादशी का व्रत रखते हैं तो व्रत का पारण 26 मार्च को दोपहर में 1 बजकर 41 मिनट से शाम 4 बजकर 8 मिनट के बीच कर सकते हैं। वहीं जो लोग 26 मार्च को पापमोचनी एकादशी का व्रत रखेंगे, वे व्रत का पारण 27 मार्च को 06:17 ए एम से 08:45 ए एम के बीच करेंगे।

पितरों के लिए खास है चैत्र माह की अमावस्या

पितृ पक्ष की तरह ही चैत्र महीने की अमावस्या भी पितरों की पूजा के लिए खास मानी जाती है। इस साल चैत्र अमावस्या 29 मार्च 2025 दिन शनिवार को है। इस दौरान बहुत से लोग अपने घरों में मृत पूर्वजों की याद में उनकी तस्वीर लगाते हैं और पूजा करते हैं। परंतु दिशा का सही ज्ञान नहीं होने के कारण गलत दिशा में पूर्वजों की तस्वीर लगाने से उसे घर में पितृ दोष लग सकता है। अब सवाल है कि आखिर पूर्वजों की तस्वीर लगाने की सही दिशा कौन सी है? किस दिशा में होना चाहिए उनका मुख?

कब है साल 2025 की चैत्र अमावस्या

ज्योतिषाचार्य के मुताबिक, चैत्र माह की अमावस्या तिथि 29 मार्च, 2025 शनिवार को पड़ रही है। अमावस्या तिथि पितरों को समर्पित है। इस दिन पितरों को प्रसन्न करने के लिए और उनकी आत्मा की शांति के लिए तर्पण और श्राद्ध किया जाता है। इस दिन पितरों का विधि विधान से पूजन और तर्पण करने से पूर्वजों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस दिन लोग पवित्र नदियों में स्नान करते हैं और दान-पुण्य का कार्य भी करते हैं। पंडित ऋषिकांत मिश्र बताते हैं कि, पितरों की तस्वीर ड्राइंग रूम या बेडरूम में नहीं लगना चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार, ऐसा करने से घर के सदस्यों की सेहत पर नकारात्मक असर पड़ने लगता है। इससे गृहक्लेश और रिश्तों में दरार आती है। साथ ही, घर की धन हानि भी हो सकती है।

पितरों की फोटो लगाने की दिशा

पितरों की तस्वीर लगाने के लिए दक्षिण दिशा सबसे बेस्ट मानी जाती है। दक्षिण दिशा में पितरों की तस्वीर लगाने से उनका मुख उत्तर दिशा की तरफ होता है। दरअसल, हिन्दू धर्म और वास्तु शास्त्र में दक्षिण दिशा को यमदेव की दिशा मानी गई है। ऐसा करने से घर में समृद्धि बनी रहती है।

ये काम करने की न करें गलती

ज्योतिषाचार्य के अनुसार, जिंदा व्यक्ति की फोटो दिवंगतों की तस्वीर के साथ नहीं लगाना चाहिए। ऐसा करने से जिंदा व्यक्ति की आयु कम होती है। इसके अलावा यह भी देखा गया है व्यक्ति अक्सर बीमार रहने लगता है।

काली मिर्च के इन उपायों से बरसेगा धन!

अगर आप अपने जीवन में धन संबंधी परेशानियों से जूझ रहे हैं, तो काली मिर्च के कुछ अचूक उपाय आपके लिए बेहद लाभकारी साबित हो सकते हैं। काली मिर्च एक शक्तिशाली और प्रभावशाली वस्तु है, जो धन को आकर्षित करने का कार्य करती है। काली मिर्च लगभग हर रसोई में पाई जाती है। जिस तरह यह आपके भोजन का स्वाद और आपकी सेहत को बेहतर बनाती है, ठीक उसी तरह यह आपके जीवन की हर नकारात्मकता को समाप्त कर सकती है। इसके उपाय मनोकामनाओं की पूर्ति, नजर दोष से मुक्ति और आर्थिक उन्नति के लिए बहुत कारगर माने गए हैं।

घर से बाहर जाते समय करें ये उपाय

आप किसी महत्वपूर्ण कार्य के लिए जा रहे हैं, तो घर से बाहर निकलने से पहले मुख्य दरवाजे पर काली मिर्च का एक दाना रखें और उसके ऊपर अपना दाहिना पैर रखकर बाहर निकलें। ऐसा करने से आपको अपने जरूरी काम में सफलता मिलेगी।

धन लाभ के लिए

काली मिर्च के पांच दाने लें। अपने सिर के ऊपर से सात बार घुमाएं। अब किसी चौराहे या सुनसान स्थान पर खड़े होकर चार दिशाओं में चार दाने फेंक दें। पांचवां दाना आसमान की ओर उछाल दें। इससे आपके जीवन की बाधाएं दूर होंगी, और कार्यक्षेत्र में अपार सफलता मिलेगी और आर्थिक स्थिति भी बेहतर हो जाएगी।

शनि दोष शांत करने का उपाय

शनिवार के दिन काली मिर्च को काले कपड़े में बांधकर उसमें कुछ पैसे (दक्षिणा) डालें और दान करें। इस उपाय से शनि दोष शांत होगा और भाग्य चमकेगा।

नजर दोष के लिए

थोड़ी-सी काली मिर्च को दीपक में डालकर जलाएं और इसे घर के किसी कोने में रख दें। इससे बुरी नजर का प्रभाव कम होगा और नकारात्मक ऊर्जा दूर होगी। इस प्रक्रिया को सुबह-शाम तीन दिन तक करें।

इस राशि के जातकों को शनि की ढैय्या से मिलेगी मुक्ति!

ज्योतिष दृष्टिकोण से 29 मार्च 2025 को कई दशकों की सबसे बड़ी घटना होने जा रही है। इस दिन कुंभ राशि से निकाल कर शनिदेव मीन राशि में गोचर करेंगे। इस दिन शनि अमावस्या, सूर्य ग्रहण और 6 ग्रहण का एक साथ मीन राशि में आना, यह एक बड़ी खगोलीय घटना का इशारा करता है। इस महागोचर का सभी राशियों पर सकारात्मक अथवा नकारात्मक प्रभाव पड़ने वाला है। कुछ राशियों की साडेसाती और ढैय्या खत्म होने वाली है तो कुछ राशियां इसके प्रभाव में आ जाएंगी। पिछले ढाई वर्षों से कर्क राशि शनि के प्रभाव में थी। अब यह राशि ढैय्या के प्रभाव से मुक्त होगी। आइये विस्तार से समझते हैं कि कर्क राशि के जीवन पर इस महागोचर का क्या प्रभाव पड़ेगा।

आर्थिक : शनि देव के गोचर के साथ ही कर्क राशि के जातकों की जीवन में चली आ रही आर्थिक समस्याओं का अंत होगा। पूर्व में किए गए निवेश से लाभ प्राप्त होने की उम्मीद है। पहले किसी को दिया हुआ धन वापस आ सकता है। आय के नए स्रोत बनेंगे। आर्थिक संपन्नता की वजह से मानसिक स्थिति मजबूत होगी।

व्यवसाय : व्यवसाय अथवा नौकरी में माहौल आपके लिए सकारात्मक रहेगा। अधीनस्थ कर्मचारी एवं व्यावसायिक सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होने से आपको बड़े लाभ की संभावना है। किसी बड़ी व्यावसायिक डील से मन प्रफुल्लित रहेगा। यह वर्ष कुछ नया करने का है। फिजूल की बातें और ख्याली पुलाव में समय को बर्बाद ना करें। आप अपनी मेहनत से बड़े मुकाम को हासिल करेंगे। नौकरी में प्रमोशन और अच्छे ट्रांसफर की उम्मीद की जा सकती है।

लवलाइफ/दाम्पत्य जीवन : दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। नया प्रेमी साथी मिलेगा। अगर पहले से लव अफेयर है तो रिश्ते और मजबूत होंगे। जीवनसाथी के स्वास्थ्य में सुधार होगा।

स्वास्थ्य : शनि देव की राशि परिवर्तन करने से आपके पहले से खराब चल रहे स्वास्थ्य में राहत मिलेगी। पहले से चल रही मानसिक समस्याओं से भी राहत मिलेगी। खराब स्वास्थ्य की वजह से पूर्व में निकल गए समय की भरपाई का समय आ गया है। उत्तम स्वास्थ्य मिलेगा।

उपाय : धर्मस्थान में जाकर किसी सफाईकर्मी के लिये भोजन, वस्त्र आदि दान करें। दीन हीन एवं विकलांग आदमियों को भोजन दें। उड़द दाल के पकोड़े सरसों के तेल में बनाकर गरीबों में बांटें।

कलह-क्लेश हो या आर्थिक तंगी

बस एक मोर पंख बदलेगा किस्मत

घर की सही दिशा में रखने से बरसेगी सुख-समृद्धि

अगर आप भी अपने घर में धन बढ़ाना चाहते हैं, तो वास्तु शास्त्र के अनुसार अपने घर में मोर पंख को सही दिशा और स्थान पर रख सकते हैं। दरअसल, यह उपाय करने से आपको धन लाभ के साथ-साथ सुख, समृद्धि और यश की प्राप्ति होगी।

अक्सर लोग अपने घर में सुख-शांति और समृद्धि चाहते हैं। वास्तु शास्त्र का हिंदू धर्म में बहुत महत्व है और यह घर में सुख-समृद्धि बनाए रखने में सहायक माना जाता है। हिंदू धर्म में मोर पंख को बहुत शुभ माना गया है। भगवान श्रीकृष्ण को भी मोर पंख अत्यंत प्रिय है, इसलिए कई लोग इसे अपने घर में रखते हैं। मोर पंख को घर में रखने से सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।इस टॉपिक पर वास्तु शास्त्र में कुछ महत्वपूर्ण बातें बताई गई हैं। वास्तु शास्त्र के मुताबिक मोर पंख को घर के पूर्व दिशा में रखना चाहिए। इस दिशा में रखने से घर से कलह-क्लेश दूर होते हैं और सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। इससे घर में सुख, शांति, संपदा और समृद्धि का वास होता है।

वहीं उनका कहना है कि अधिक धन लाभ के लिए मोर पंख को तिजोरी में रखना चाहिए। ऐसा करने से धन की कभी कमी नहीं होती है। इसके अलावा, बच्चों के अध्ययन कक्ष में मोर पंख रखने से उनका ध्यान पढ़ाई में केंद्रित होता है और वे बेहतर परिणाम प्राप्त करते हैं।

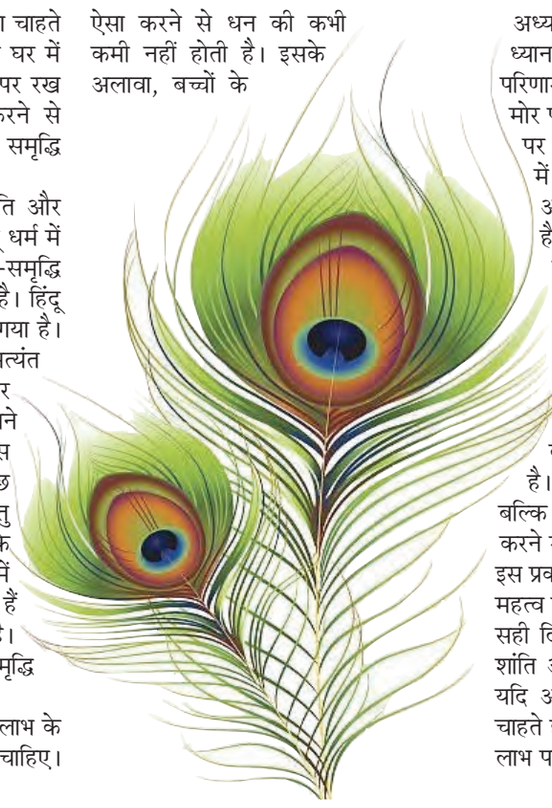

मोर पंख को पूजा घर और घर के मुख्य द्वार पर रखने से भी कई लाभ होते हैं। यह घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है और नकारात्मक शक्तियों को दूर रखता है। अगर घर में बार-बार झगड़े होते हैं या मानसिक तनाव रहता है, तो मोर पंख को सही दिशा में रखना लाभकारी साबित हो सकता है।

इसके अलावा, यदि घर में किसी सदस्य की सेहत ठीक नहीं रहती है, तो वास्तु शास्त्र के अनुसार, उनके कमरे में भी मोर पंख रखा जा सकता है। यह न सिर्फ मानसिक शांति देता है, बल्कि स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों को भी कम करने में मदद करता है।

इस प्रकार, वास्तु शास्त्र में मोर पंख का विशेष महत्व बताया गया है। इसे सही स्थान पर और सही दिशा में रखने से घर में धन, समृद्धि, शांति और सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। यदि आप भी अपने जीवन में सुख-समृद्धि चाहते हैं, तो इस आसान उपाय को अपनाकर लाभ पा सकते हैं।

घर में महिलाएं अपनाएं ये आसान ज्योतिष उपाय

महिलाओं को घर में रोटी बनाते समय गर्म तवे पर सबसे पहले कुछ नमक लेकर उसको छिड़क देना चाहिए। ऐसा करने से घर में रोज-रोज होने वाली कलह से छुटकारा मिल जाता है और घर में खुशहाली आती है।

महिलाएं जब भी घर में पोछा लगाती है तो उसे समय पानी में थोड़ा सेंधा नमक और थोड़ा फिटकरी का पाउडर अवश्य डालें। इससे घर में बरकत आती है साथ ही वास्तु दोष से छुटकारा मिलता है।

रोटी बनाने के बाद तवा, कढ़ाई आदि बर्तनों को सदैव ढक कर या छिपकर रखना चाहिए । खुले में तवा या कढ़ाई को सामने रखने से वहां अन्नपूर्णा नाराज होती है। घर में कलह और क्लेश का वातावरण बनता है। घर की स्त्री के स्वास्थ्य की समस्या शुरू हो जाती है। अक्सर घरों में देखा गया है कि नमक को प्लास्टिक या स्टील के डिब्बो में रख देते हैं। जबकि नमक को सदैव कांच के डिब्बे में रखना चाहिए। उसमें दो लौंग डालने इससे घर से हर प्रकार की नकारात्मक ऊर्जा दूर हो जाती है। एवं बीमारियां परेशानियां समाप्त हो जाती हैं।

कुछ लोग घर में बैठकर बिस्तर पर अथवा उल्टे हाथ से खाना खाते हैं साथ ही कुछ लोग खाने के नीचे अखबार का प्रयोग करते हैं। यह तीनो तरीके धन के लिए खराब माने गए हैं। इससे घर की बरकत रुक जाती है और धन की समस्या का सामना करना पड़ता है। सूर्यास्त के समय मोहल्ले की औरतें घर की दहलीज में खड़े होकर बातें ना करें। ऐसा करने से उन्हें घोर पाप लगता है। साथ ही घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश हो जाता है। जिससे बीमारियां, परेशानियां, प्रत्येक कार्य में रुकावट और दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

बदलाव से पहले मिलते हैं नीम करोली बाबा से जुड़े संकेत

संकेतों की भाषा और उनका अर्थ

अगर आपको बार-बार सपनों में बाबा नीम करौली जी के दर्शन हो रहे हैं, सोशल मीडिया स्क्रॉल करते हुए आपको नीम करोली बाबा से जुड़ी वीडियो और तस्वीरें दिख रही हैं और आपके आसपास के लोग कैंची धाम की चर्चा कर रहे हैं तो समझ जाइए आपको बाबा का बुलावा आया है। यह मात्र संयोग नहीं है, बल्कि आपके जीवन में कोई बड़ा परिवर्तन आने वाला है। बाबा आपको कुछ कहना चाह रहे हैं।

संकेत मिल रहे हैं, तो क्या करें?

अगर आपको बाबा के संकेत मिल रहे हैं, तो उन्हें अनदेखा न करें। इसका अर्थ है कि आप उनके विशेष भक्तों में से एक हैं। बाबा के नाम का स्मरण करते रहें। ऑफिस से छुट्टी लें अगर अपना व्यापार करते हैं तो कुछ समय के लिए ब्रेक लें और परिवार के साथ कैंची धाम जाएं। मान्यता है कि जो भी भक्त सच्ची श्रद्धा के साथ जाता है उसकी हर मनोकामना पूर्ण होती है।

बाबा के पांच प्रमुख संदेश

धैर्य की परीक्षा

अगर आपके जीवन में बार-बार परेशानियां आ रही हैं, तो यह एक संकेत हो सकता है। बाबा कहते हैं कि जब जीवन में एक के बाद एक कठिनाइयां आती हैं, तो यह आपके धैर्य की परीक्षा होती है। जो व्यक्ति धैर्यवान होता है, वह किसी भी कठिनाई को पार कर सकता है। परेशानियां इसलिए आ रही हैं ताकि आप धैर्य की सीख को आत्मसात कर सकें और एक अद्भुत व्यक्तित्व का निर्माण कर सकें।

सेवा ही सच्चा धर्म है

अगर आपको बार-बार बाबा किसी भी जरिए से बाबा के दर्शन हो रहे हैं, तो यह एक संकेत हो सकता है कि आपको दूसरों की सेवा करनी चाहिए। कई भक्तों ने बताया कि उन्हें स्वप्न में बाबा के दर्शन हुए और उसके बाद उनके जीवन में सेवा का मार्ग खुल गया। बाबा कहते हैं कि "सबमें भगवान हैं, उनकी सेवा ही सच्चा भजन है।"

अहंकार का त्याग

बाबा हमेशा कहते थे-"मैं कुछ नहीं, सब हनुमान जी कर रहे हैं।" अगर आपको बाबा से जुड़े संकेत मिल रहे हैं, तो इसका मतलब हो सकता है कि वे आपको अहंकार त्यागकर विनम्र बनने की सीख दे रहे हैं। कई बार जब हम किसी बड़े कार्य को सफलतापूर्वक पूरा करते हैं, तो हमें लगता है कि यह हमारी बुद्धिमत्ता और क्षमता का परिणाम है। लेकिन बाबा हमें सिखाते हैं कि सेवा ही सच्चा धर्म है, न कि अहंकार।

प्रेम और करुणा

बाबा प्रेम को सर्वव्यापी मानते थे। अगर आपको बाबा से जुड़े संकेत मिल रहे हैं, तो यह समय है कि आप अपने जीवन में प्रेम और करुणा को बढ़ाएं। सफलता का अर्थ यह नहीं है कि किसी को दुखी करके आगे बढ़ा जाए, बल्कि विनम्रता, प्रेम और करुणा के साथ जीवन जीना ही सच्ची सफलता है।

समर्पण और भक्ति

अगर आपके जीवन में बार-बार बाबा का नाम आ रहा है, उनकी छवियां, कथाएं, या धाम की महिमा सुनने को मिल रही है, तो इसका अर्थ है कि आपको अपने मन को भगवान के चरणों में समर्पित करना चाहिए। जो व्यक्ति ईश्वर का नाम लेकर चलता है, उसे जीवनभर ईश्वर की छत्रछाया और आशीर्वाद प्राप्त होता रहता है।

मन्नारा चोपड़ा ने लता मंगेशकर के गाने 'अजीब दास्तां' को गाकर पीट दी रेढ़

इंटरनेट यूजर्स के कान से निकल गया खून

'बिग बॉस 17' में अपनी पर्नसालिटी दिखाने के बाद 'लाफ्टर शेफ्स 2' में सुदेश लहरी के साथ जोड़ी में नजर आ रही मन्नारा चोपड़ा एक एक्ट्रेस हैं। लेकिन अब वह सिंगर बन गई हैं। वैसे तो वह अक्सर गाती दिखाई दी हैं लेकिन अब सोशल मीडिया पर उन्होंने अपना नया गाना शेयर किया है, जो कुछ खास कमाल नहीं कर पा रहा है। 20 मार्च को उसके आने का ऐलान किया था। और अब वह उनके यूट्यूब चैनल पर रिलीज हो गया है, जिस पर मिले-जुले रिएक्शन्स मिल रहे हैं।

मन्नारा चोपड़ा ने एक गाना गाया है, जिसका नाम 'अजीब दास्तां है ये', जो पुराने और क्लासिक गाने का रीक्रिएशन है। साल 1960 में आई फिल्म 'दिल अपना और प्रीत पराई' के उस ओरिजनल सॉन्ग को लता मंगेशकर ने गाया था। फिल्म में राज कुमार, मीना कुमारी और नादिरा थे। अब इसे सारेगामा के लेबल के साथ एक्ट्रेस ने अपने यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया है, जिसे 3 घंटे में भी 4 हजार व्यूज नहीं मिले हैं।

मन्नारा चोपड़ा का नए गाने पर लोगों का रिएक्शन

मन्नारा चोपड़ा ने न्यूयॉर्क में अलग-अलग जगहों पर इसे शूट किया है और वहां की सड़कों पर वह रेड ड्रेस में उस गाने को अपने स्टाइल में गा रही हैं। जिस पर लोगों ने रिएक्ट किया है। एक यूजर ने लिखा, 'ये इनका छिपा हुआ टैलेंट है। प्लीज इसे छिपा हुआ ही रहने दीजिए।'

एक ने लिखा, 'अगर ओवरएक्टिंग एक ओलंपिक स्पोर्ट होता तो मन्नारा को उसेन बोल्ट से ज्यादा गोल्ड मेडल मिलते।' एक ने लिखा, 'क्या ही बवासीर गा दी है।' एक ने लिखा, 'अच्छा गाना मार दी।' एक ने लिखा, 'ओवरएक्टिंग की दुकान।'

रश्मिका के सामने एयरपोर्ट पर किया 'जोहराजबी' पर डांस

रश्मिका मंदाना अपना आगामी फिल्म 'सिकंदर' के ट्रेलर लॉन्च के सिलसिले में मुंबई पहुंचीं। इस दौरान एक प्रशंसक ने एयरपोर्ट पर उनके सामने फिल्म के गाने 'जोहराजबीं' पर डांस किया। अब सोशल मीडिया पर यह वीडियो वायरल हो रहा है। रश्मिका ने फैन की इसके लिए प्रशंसा भी की।

डांस वीडियो हो रहा वायरल

रश्मिका मंदाना जैसे ही एयरपोर्ट पर पहुंची। 'सिकंदर' के गाने 'जोहराजबीं' में सलमान खान द्वारा पहने गए काले रंग के कुर्ते में उनका एक प्रशंसक रश्मिका से मिलने आ पहुंचा और उसी गाने के डांस स्टेप्स करके दिखाए। रश्मिका ने फैन की तारीफ भी की और एक स्माइल देते हुए आगे बढ़ीं।

जींद में बॉलीवुड एक्टर श्रेयस तलपड़े-आलोक पर एफआईआर

करोड़ों की ठगी कर फरार कंपनी से जुड़ा नाम, लाखों लोगों ने किया निवेश

जींद समेत हरियाणा के कई जिलों में सोसाइटी बनाकर इसमें रुपए निवेश करवा करीब 86 लाख रुपए के फ्रॉड का मामला सामने आया है। हालांकि फ्रॉड की रकम करोड़ों में है, लेकिन अभी कुछ लोगों द्वारा ही शिकायत की गई है। बालीवुड एक्टर्स श्रेयस तलपड़े, आलोक नाथ इस सोसाइटी के ब्रांड एंबेसडर रहे हैं। अब कंपनी बंद हो गई है।

सॉफ्टवेयर से लेकर तमाम रिकार्ड को डिलीट कर दिया गया है। लोगों के दस्तावेज कंपनी ने अपने पास रखे हुए थे।

जुलाना थाना पुलिस ने श्रेयस, आलोक समेत दुबई, मुंबई में बैठे 9 लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी का मामला दर्ज किया है। इससे पहले सोनीपत में भी बालीवुड एक्टर्स श्रेयस तलपड़े, आलोक नाथ के खिलाफ केस दर्ज हो चुका है। सोनीपत में इस सोसाइटी ने 50 करोड़ से ज्यादा की ठगी की है।

जींद के जुलाना पुलिस को दी शिकायत में गोहाना के छापरा गांव निवासी जसवीर ने बताया कि सितंबर 2016 से ह्यूमन वेलफेयर क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड ने हरियाणा के विभिन्न जिलों में काम शुरू किया था।

सोसाइटी में इंदौर से नरेंद्र नेगी, दुबई से समीर अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, परीक्षित पारसे, मुंबई से आरके सेठी, राजेश टैगोर, संजय मोडगिल, श्रेयस तलपड़े, आलोक नाथ ने मिलकर सोसाइटी में शुरू में फिक्सड डिपॉजिट (एफडी) और आवर्ती जमा(आरडी) जैसी योजनाएं शुरू की। शुरुआत में सोसाइटी ने निवेशकों को आकर्षित करने के लिए और विश्वास बढ़ाने के लिए काफी प्रचार किया तथा ज्यादा ब्याज तथा मुनाफा दिया।

परमीश वर्मा ने 'कनेडा' से डिजिटल डेब्यू किया

बोले- ऑस्ट्रेलिया में मेरे साथ भेदभाव हुआ था, जैस्मीन ने बताया- कनाडा में क्यों बसते हैं पंजाबी

पंजाबी इंडस्ट्री के मशहूर सिंगर, एक्टर और डायरेक्टर परमीश वर्मा ने अब ओटीटी प्लेटफॉर्म पर क्राइम-थ्रिलर सीरीज 'कनेडा' से डेब्यू किया है। यह वेब सीरीज OTT प्लेटफॉर्म Jio Hotstar पर स्ट्रीम हो चुकी है।

हाल ही में इस सीरीज को लेकर परमीश वर्मा, जैस्मीन बाजवा और आदार मलिक ने बताया कि यंग ऐज में जब वे ऑस्ट्रेलिया गए तो उनके साथ बहुत भेदभाव हुआ था। जैस्मीन ने बताया कि कनाडा में पंजाबी क्यों बसते हैं।

जैस्मीन- मेरे लिए बहुत ही इमोशनल जर्नी रही है। इस सीरीज में हरलीन की भूमिका निभा रही हूं। यह किरदार मेरे दिल के बहुत ही करीब रहने वाला है।

हर एक्टर के अंदर यह चाह होती है कि उसे अच्छा मौका मिले। जब ऐसे सेंसिटिव टॉपिक पर आपको जिम्मेदारी दी जाती है कि उसका एक पहलू लोगों तक लेकर जाएं, तो मेरे लिए बहुत बड़ा गिफ्ट रहा है।

परमीश वर्मा- कनेडा मेरी और मेरी लाइफ के लिए एक स्कूल की तरह है। मैं किसी एक्टिंग इंस्टीट्यूट में एक्टिंग सीखने नहीं गया। अपने सीनियर एक्टर के साथ काम करने के दौरान मुझे काफी कुछ सीखने को मिला है।

इस सीरीज की शूटिंग के दौरान मैंने जो कुछ भी सीखा है वह मेरी लाइफ में हमेशा के लिए बस चुका है। 15 साल के बाद भले ही इस सीरीज में मेरे काम को ना याद किया जाए, लेकिन यहां से जो सीखा है वह जिंदगी भर मेरे साथ रहेगी।

आदार मलिक- मेरे लिए तो यह बहुत ही स्पेशल प्रोजेक्ट हो गया था। इसका टॉपिक यह है कि इंडिया से कैसे लोग कनाडा में सेटल हो गए हैं। जब इस सीरीज का ऑफर आया तब मैं उसी वक्त यूके सेटल हो रहा था। स्क्रिप्ट में वह सारी बातें लिखी थी। जिससे मैंने खुद को बहुत रिलेट किया। यह शो मेरे लिए बहुत मायने रखता है।

फिल्म की शूटिंग के लिए ऋषिकेश पहुंचे वरुण-पूजा

गंगा आरती में हुए शामिल

बॉलीवुड स्टार वरुण धवन और पूजा हेगड़े इन दिनों अपनी नई फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं।

हालांकि वरुण धवन कई प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' की शूटिंग के बाद उन्होंने 'है जवानी तो इश्क होना है' का पहला शेड्यूल शुरू कर दिया है।

वरुण धवन की पोस्ट

बॉलीवुड स्टार वरुण धवन और पूजा हेगड़े शुक्रवार को अपनी नई फिल्म की शूटिंग के लिए ऋषिकेश पहुंचे। पवित्र स्थान पर शूटिंग शुरू करने से पहले वरुण और पूजा को परमार्थ निकेतन आश्रम में गंगा आरती में भाग लेते हुए देखा गया।

वे दोनों खुशी-खुशी भक्तिमय माहौल में डूबे रहे। वरुण धवन ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर ऋषिकेश में अपने पहले शेड्यूल की कई तस्वीरें शेयर की हैं।

तस्वीरें शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, 'ऋषिकेश में हमारे शेड्यूल की शानदार शुरुआत धन्य।'

लैंगिक भेदभाव पर पूजा हेगड़े ने कहा किस बात पर लड़ना चाहती हैं

हिंदी भाषा के साथ-साथ तमिल और तेलुगु भाषा की फिल्मों में भी काम किया है

"फिल्म बनाना एक सामूहिक प्रयास है, इसमें सबकी भागेदारी होती है। फिल्म के सेट पर अभिनेत्रियों को लैंगिक भेदभाव का सामना करना पड़ता है। कई बार तो हमें पोस्टर पर क्रेडिट तक नहीं दिया जाता है।"

यह कहना है अभिनेत्री पूजा हेगड़े का, जिन्होंने हिंदी भाषा के साथ-साथ तमिल और तेलुगु भाषा की फिल्मों में भी काम किया है। फिल्मफेयर के साथ अपनी हालिया बातचीत में पूजा ने इंडस्ट्री में लैंगिक भेदभाव और बड़े-बड़े स्टार्स के साथ अपने काम करने के अनुभव को साझा किया।

बातचीत के दौरान पूजा ने किसी मेल स्टार के साथ काम करने के दौरान आने वाली परेशानियों पर खुलकर बात करते हुए कहा, "यह सभी उद्योगों में है। किसी में काफी बड़े स्तर पर है, तो किसी में छोटे स्तर पर है। ये छोटी-छोटी बातें हैं, जैसे- पुरुष अभिनेता की वैनिटी वैन सेट के पास में खड़ी होती है, जबकि हम लोगों को अपने लहंगे और ड्रेसेज को उठाकर दूर तक चलना पड़ता है। कभी-कभी मैं सोचती हूं, सुनो यार, हमारे बारे में सोचो। हम इतने भारी कपड़ों में हैं और हमें अपनी वैन्स तक पहुंचने के लिए खुद को घसीटना पड़ता है।"

पूजा ने आगे लैंगिक भेदभाव को लेकर कहा, "यह जटिल लैंगिक भेदभाव है। यह भी हो सकता है कि आपका नाम फिल्म के पोस्टर पर न हो। कई बार आपको श्रेय तक नहीं दिया जाता, जबकि भले ही वो एक लव स्टोरी ही क्यों न हो। हम सभी को ये एहसास होना चाहिए कि फिल्म बनाना एक सामूहिक प्रयास है।

मैंने कई बड़े स्टार्स के साथ काम किया है, जिन्होंने कई दशकों की मेहनत से ये अधिकार कमाया है। लेकिन मुझे कई ऐसे सेट पर भी दूसरे दर्जे का एहसास कराया गया है, जहां तकनीकी रूप से मैं बड़ी स्टार थी।"

मलाइका से ब्रेकअप के बाद अर्जुन कपूर का मजाकिया अंदाज

सिंगल होना सबके लिए फायदेमंद

मलाइका अरोड़ा से रिश्ता टूटने के बाद से एक्टर अर्जुन कपूर सिंगल हैं। और अब वो सिंगल होने के फायदे बताते नजर आ रहे हैं।

दरअसल, एक्टर शोशा रील अवॉर्ड को होस्ट कर रहे थे। इस दौरान अभिनेता को इस बात पर मजाक करते हुए देखा गया कि कैसे अकेले रहना उनके और बाकी सभी के लिए फायदेमंद है। सिंगल स्टेट्स पर चुटकी लेते हुए अर्जुन कहते हैं- 'आज मैं अकेला ही सही। अकेले से याद आया लेकिन अकेले रहने में कोई बुराई नहीं है। ये सिर्फ मेरे लिए नहीं आप सबके लिए भी फायदेमंद है। मुझे दो होस्ट के पैसे मिलेंगे और आपको बकवास कम सुननी पड़ेगी।

बता दें कि मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर ने साल 2018 में दुनिया के सामने अपने रिश्ते को स्वीकार किया था। उसके बाद से वो अक्सर एक-दूसरे के साथ सोशल मीडिया पर वेकेशन की फोटो डालते नजर आते थे। दोनों आठ साल तक एक-दूसरे को डेट किया।

फैंस उनकी शादी की उम्मीद लगाकर बैठे थे। तभी साल 2004 में दोनों का ब्रेकअप हो गया। मलाइका-अर्जुन कभी अपने ब्रेकअप पर खुलकर कुछ नहीं कहा लेकिन कई मौकों पर इशारों-इशारों में ये साफ हो गया कि दोनों की राहें अलग हो चुकी हैं। लेकिन ब्रेकअप के बाद भी दोनों एक-दूसरे के साथ अच्छा बॉन्ड शेयर करते हैं।

वर्क फ्रंट की बात करें तो अर्जुन कपूर हाल ही में फिल्म 'मेरे हसबैंड की बीवी' में नजर आए थे। उनकी ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास नहीं कर पाई।

जल्द ही एक्टर 'नो एंट्री' के सीक्वल में नजर आएंगे। इसमें अर्जुन के साथ दिलजीत दोसांझ और वरुण धवन भी दिखेंगे। बोनी कपूर इस फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं।

अनुराग कश्यप पर एकता कपूर ने कसा तंज

फिल्म प्रोड्यूसर एकता कपूर ने भारतीय कंटेंट क्वालिटी के स्टैंडर्ड को लेकर उठ रहे सवाल पर अपना पक्ष रखा है। एकता ने बिना नाम लिए डायरेक्टर अनुराग कश्यप, हंसल मेहता पर तंज कसा है। साथ ही, 'सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव' और 'द बकिंघम मर्डर' जैसी फिल्मों के नहीं चलने के पीछे ऑडियंस को जिम्मेदार ठहराया है। एकता ने इंस्टाग्राम पर बिना किसी का नाम लिए लिखा- 'जब इंडियन क्रिएटर्स यह कहते हैं कि इंडियन कंटेंट इंटरनेशनल टीवी सीरीज और फिल्मों के टक्कर का नहीं है, तो मुझे आश्चर्य होता है। एकता ने हाल की फिल्मों का जिक्र करते हुए लिखा- जब 'सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव' और मेरे दोस्त हंसल मेहता की फिल्म 'द बकिंघम मर्डर' थियेटर में नहीं चल पाई तो क्या हम असली दोषियों को जिम्मेदार ठहरा सकते हैं? ये फिल्में ऑडियंस की वजह से नहीं चल पाईं।

चहल से तलाक पर धनश्री ने पहली बार दिया रिएक्शन

इशारों में बताया अपना जवाब, म्यूजिक वीडियो को प्रमोट करने पहुंची थीं

क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा का तलाक हो चुका है। तलाक के बाद वो मुंबई में पहली बार एक इवेंट में नजर आईं। इस दौरान पैपराजी ने उनसे तलाक पर रिएक्शन लेना चाहा। लेकिन वो कुछ भी कहने से बचती दिखीं।

दरअसल, धनश्री टी सीरीज के ऑफिस अपने नए म्यूजिक वीडियो को प्रमोट करने पहुंची थीं। वहां मौजूद पैप्स को पोज देते समय उनसे पूछा गया कि चहल संग तलाक पर वो कुछ कहना चाहेंगी? इस पर उन्होंने मुस्कुरा के इशारों में ना कहा। फिर वो पैप्स से कहती नजर आईं कि गाना सुनो पहले।

पैप्स भी धनश्री के गाने की तारीफ करते हैं और बताते हैं कि उनका गाना ट्रेंड हो रहा है। इसपर धनश्री भगवान का शुक्रिया करती हैं। बता दें कि चहल और धनश्री के तलाक़ पर 20 मार्च को फाइनली मुहर लग गया। उसी दिन धनश्री का नया म्यूजिक वीडियो लॉन्च हुआ, जिसके बोल एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर पर है।

इसके अलावा उन्होंने इंस्टाग्राम पर फैंस का क्रिप्टिक कैप्शन वाला पोस्ट शेयर किया है।

कैप्शन में गाने की बात करते हुए कहा गया है कि 'लाइफ इमिटेटिंग आर्ट' मतलब जीवन कला की नकल है। इस पर फैंस ये कयास लगा रहे हैं कि गाना तलाक की असली वजह की तरफ इशारा कर रहा है। चहल और धनश्री की दोस्ती कोरोना के दौरान हुई थी। चहल ने वर्मा को डांस सीखने के लिए अप्रोच किया था, जिसके बाद दोनों में दोस्ती और प्यार हो गया। 11 दिसंबर 2020 को उन्होंने शादी की और ढाई साल तक साथ रहे। 2022 से वो अलग रहने लगे।

गणेश आचार्य बोले- अल्लू अर्जुन ने मेरे लिए जो किया

वो बॉलीवुड में किसी ने नहीं किया, इंडस्ट्री में बताई गंदगी

कोरियोग्राफर-डायरेक्टर गणेश आचार्य ने बॉलीवुड स्टार्स ही नहीं, बल्कि साउथ के स्टार्स को भी कोरियोग्राफ किया है। उन्होंने 'पुष्पा' और 'पुष्पा 2' में अल्लू अर्जुन को कोरियोग्राफ किया था, और उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। गणेश आचार्य ने कहा है कि बॉलीवुड के विपरीत साउथ के लोग तकनीशियनों को अधिक सम्मान देते हैं। यह बात उन्होंने भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया के यूट्यूब चैनल से बातचीत में कही। उन्होंने यह भी कहा कि बॉलीवुड में बहुत ईगो फैला हुआ है, जोकि नहीं होना चाहिए।

गणेश आचार्य ने कहा कि बॉलीवुड के किसी भी कलाकार ने आज तक उनकी तारीफ नहीं की है। उन्होंने कहा कि बॉलीवुड स्टार्स को अल्लू अर्जुन से सीखना चाहिए कि कैसे सबको साथ लेकर चला जाता है। गणेश आचार्य ने अल्लू अर्जुन को कई गानों में कोरियोग्राफ किया है और पहले भी काफी बार साथ काम कर चुके हैं।

गणेश आचार्य से भारती ने पूछा कि आप साउथ में गाने करने जाते हो तो मजा आता है? उन्होंने कहा, 'बहुत मजा आता है। क्या तकनीशियनों की रिस्पेक्ट है। मैंने 'पुष्पा 2' के गाने किए, पांच-दस दिन काम किया उन पर तो अल्लू अर्जुन ने मुझे खुद फोन किया। तारीफ की कि आपकी वजह से हुआ है।'

शादी के बाद करियर : उड़ान या उलझन ?

सोचिए, एक लड़की ने अपने करियर के लिए दिन-रात मेहनत की, डिग्रियाँ लीं, अनुभव जुटाया और फिर... शादी हुई! और शादी के बाद? अक्सर वही होता है, जो पीढ़ियों से होता आया है—करियर या तो ठहर जाता है या धीरे-धीरे गुमनाम हो जाता है। हमारे समाज में शादी को महिलाओं के जीवन का मील का पत्थर माना जाता है। लेकिन सवाल यह है कि यह मील का पत्थर करियर की सड़क को आगे बढ़ाने का काम करता है या उस पर एक बड़ा ब्रेक लगा देता है?

हमारे समाज में शादी को महिलाओं के जीवन का टर्निंग पॉइंट माना जाता है। लेकिन सवाल यह है कि यह टर्निंग पॉइंट आगे बढ़ाने के लिए होता है या पीछे धकेलने के लिए? कई बार परिवार, समाज और खुद महिलाओं की भी यह सोच बन जाती है कि शादी के बाद करियर प्राथमिकता नहीं रह जाता।

कई बार महिलाओं को यह सोचने पर मजबूर कर दिया जाता है कि करियर और शादी साथ नहीं चल सकते। परिवार, समाज और कभी-कभी खुद महिलाएँ भी मान लेती हैं कि शादी के बाद करियर कम प्राथमिकता वाला हो जाता है। क्या यह सही है? या यह सिर्फ एक सामाजिक धारणा है जिसे बदलने की जरूरत है?

कितनी बार हमने सुना है कि शादी के बाद महिलाएँ करियर छोड़कर घर संभालने में लग जाती हैं?

अगर शादी से पहले वे एक शानदार कॉर्पोरेट जॉब में थीं, तो शादी के बाद यह सवाल उठता है—अब ऑफिस और घर दोनों कैसे मैनेज करोगी? और इसका हल अक्सर यही निकलता है—करियर छोड़ दो! शादी के बाद परिवार और समाज अक्सर महिलाओं से यह अपेक्षा करता है कि वे करियर की बजाय घरेलू जिम्मेदारियों को प्राथमिकता दें। यह सोच क्यों है? क्या पुरुषों से भी यही अपेक्षा की जाती है?

महिलाओं के सपने और करियर किसी 'सेल' में रखे सामान की तरह डिस्काउंट पर चले जाते हैं— तुम्हारा पैशन बाद में, पहले परिवार!पति की जॉब ज्यादा जरूरी है, तुम्हारी तो बस टाइमपास थी!घर पर रहोगी तो बच्चों को बेहतर परवरिश मिलेगी!

मॉमी ट्रैक: करियर का ब्रेक या परमानेंट स्टॉप?

मातृत्व आते ही महिलाओं के करियर को मॉमी ट्रैक पर डाल दिया जाता है। यानी, प्रोमोशन की रेस से बाहर, साइड रोल में डाल दिया जाता है। वर्कप्लेस पर भी उन्हें कम महत्व दिया जाता है, क्योंकि माना जाता है कि अब वे फुल टाइम करियर के लिए उतनी प्रतिबद्ध नहीं रहेंगी। मातृत्व के बाद कई महिलाओं को नौकरी छोड़ने के लिए मजबूर किया जाता है, जबकि पुरुषों के करियर पर इसका असर नहीं पड़ता। क्या यह लैंगिक असमानता का एक रूप नहीं है? क्या कंपनियाँ अधिक लचीली नीतियाँ अपनाकर महिलाओं को सपोर्ट कर सकती हैं? यही सवाल अगर महिलाओं से पूछा जाता है, तो यह खुद ही बता देता है कि समस्या कहाँ है। शादी और करियर को एक साथ संतुलित करने वाली महिलाओं के उदाहरण भी मौजूद हैं। क्या यह संभव नहीं कि शादी करियर के लिए नया सहयोग और समर्थन लेकर आए? कई कपल्स मिलकर एक-दूसरे के करियर को आगे बढ़ाने का काम करते हैं। क्या यह एक नए नजरिए की जरूरत नहीं है?

रिपोर्ट के अनुसार, भारत में सिर्फ 20% महिलाएँ कार्यबल में बनी रहती हैं, जबकि स्नातक स्तर पर उनकी भागीदारी पुरुषों के बराबर होती है। शादी के बाद लगभग 47% भारतीय महिलाएँ अपना करियर छोड़ देती हैं। शादीशुदा महिलाओं की कमाई 15-20% तक कम हो जाती है। 85% भारतीय महिलाओं का मानना है कि शादी और बच्चों के कारण उन्हें करियर में बाधाएँ झेलनी पड़ती हैं। भारत में 30 वर्ष से ऊपर की महिलाओं की कार्यबल भागीदारी सिर्फ 18% रह जाती है, जबकि पुरुषों के लिए यह संख्या 78% है।

परिवारों को यह समझना होगा कि शादी का मतलब महिलाओं के करियर का अंत नहीं होता। पुरुषों को घर और बच्चों की जिम्मेदारी में बराबर भागीदारी निभानी चाहिए। कंपनियों को महिलाओं के लिए अधिक फ्लेक्सिबल जॉब ऑप्शंस देने चाहिए। करियर और शादी को विरोधी ध्रुवों की तरह देखने की बजाय उन्हें साथ ले चलने की जरूरत है। पुरुषों को भी घर और बच्चों की जिम्मेदारी में बराबर भागीदार बनना चाहिए। कंपनियों को फ्लेक्सिबल वर्किंग ऑप्शंस देने चाहिए, ताकि महिलाएँ आसानी से दोनों भूमिकाएँ निभा सकें।

शादी का मतलब किसी भी महिला के करियर का दी एंड नहीं होना चाहिए। बल्कि यह एक ऐसा पड़ाव होना चाहिए जहाँ से वह अपनी निजी और प्रोफेशनल ज़िंदगी को संतुलित तरीके से आगे बढ़ा सके। अगली बार जब कोई कहे—शादी के बाद करियर का क्या? तो जवाब होना चाहिए—जो पहले था, वही रहेगा—बस और बेहतर!

प्रियंका सौरभ

मनमानी फीस नहीं वसूल पाएंगे कोचिंग सेंटर्स

राजस्थान कोचिंग सेंटर्स (कंट्रोल एंड रेगुलेशन) बिल 2025 विधानसभा में पेश किया गया। राज्य में कोचिंग करने वाले स्टूडेंट्स की बढ़ती सुसाइड और कोचिंग सेंटर्स की मनमानी को रोकने के लिए ये बिल लाया गया है। हालांकि इस बिल को लेकर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं।

राजस्थान कोचिंग सेंटर्स (कंट्रोल एंड रेगुलेशन) बिल 2025 को लेकर कई सवाल भी खड़े हो रहे हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह है कि बिल में केंद्र की गाइडलाइंस को बिल में जगह नहीं दी गई है।

कुछ पेरेंट्स एसोसिएशन्स ने सवाल खड़े करते हुए कहा है कि ये मजबूत बिल नहीं है। केंद्र सरकार ने कोचिंग सेंटर्स को फायदा पहुंचाने के लिए ऐसा कमजोर बिल पेश किया है।

केंद्र सरकार की जनवरी 2024 की गाइडलाइंस के अनुसार कोचिंग सेंटर्स को नियमों का उल्लंघन पहली बार करने पर 25,000 रुपए और दूसरी बार करने पर 1 लाख रुपए जुर्माना भरना होगा। वहीं, राजस्थान सरकार के बिल में पहली बार जुर्माना 2 लाख रुपए और दूसरी बार जुर्माना 5 लाख रुपए है। लोगों का कहना है कि दोनों के अलग प्रावधान होने की वजह से कहीं ऐसा न हो कि कोचिंग सेंटर्स बीच का कोई बचने का रास्ता निकाल ले। केंद्र की गाइडलाइंस के अनुसार 16 साल से कम उम्र के बच्चे कोचिंग सेंटर्स में एडमिशन नहीं ले सकते। लेकिन राज्य सरकार के बिल में एज लिमिट को लेकर कोई प्रावधान नहीं है।

कई बार स्टूडेंट्स कोचिंग सेंटर्स से मिसिंग हो जाते हैं और कई दिन बाद ये बात पेरेंट्स तक पहुंचती है। बिल के एक पुराने वर्जन में कोचिंग सेंटर्स के लिए स्टूडेंट्स की बॉयोमेट्रिक अटेंडेंट लेने का नियम जोड़ा गया था। लेकिन विधानसभा में पेश बिल से ये नियम गायब है।बिल के ड्राफ्ट वर्जन में कहा गया था कि कोचिंग सेंटर्स को नेशनल हॉलीडेज, त्योहारों और डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर द्वारा घोषित छुट्टियों को लेकर राज्य सरकार के नियमों का पालन करना होगा।

लेकिन विधानसभा में पेश बिल में कहा गया है कि कोचिंग सेंटर्स को फेस्टिवल के अनुसार बच्चों को छुट्टियां देने का प्रयास करना चाहिए। साथ ही नेशनल और लोकल हॉलीडेज का भी कोई जिक्र बिल में नहीं है।

कोचिंग सेंटर्स को फीमेल और डिफरेंटली एबल्ड स्टूडेंट्स को एडमिशन देने के लिए स्पेशल प्रावधान बनाने चाहिए। कोचिंग सेंटर्स की बिल्डिंग्स राइट्स ऑफ पर्सन्स विद डिसएबिलिटी एक्ट 2016 के अनुसार होनी चाहिए। ये दोनों पॉइंट्स ड्राफ्ट में शामिल थे लेकिन अब बिल से हटा दिए गए हैं। शिक्षा मंत्रालय ने 2024 में कोचिंग इंस्टीट्यूट्स के लिए गाइडलाइंस जारी की थीं। इसके तहत कोचिंग इंस्टीट्यूट्स 16 साल से कम उम्र के बच्चों को एडमिशन नहीं दे सकते। भ्रामक वादे करना और अच्छे नंबरों की गारंटी देने पर भी पाबंदी लगा दी गई। स्टूडेंट्स की आत्महत्या के बढ़ते मामलों, क्लासेज में आग की घटनाओं और कोचिंग सेंटर्स में सुविधाओं की कमी को देखते हुए शिक्षा विभाग ने यह गाइडलाइंस जारी की थीं। इसके बाद भ्रामक विज्ञापनों को लेकर भी केंद्र सरकार गाइडलाइंस जारी कर चुकी है। इसके अनुसार कोचिंग सेंटर्स 100% सिलेक्शन और 100% नौकरी देने का दावा नहीं कर सकते।

राज्य में दो महीने के अंदर 7 स्टूडेंट सुसाइड

राजस्थान सरकार का ये फैसला कोटा में बढ़ते स्टूडेंट सुसाइड के दौरान आया है। कोटा में इस साल अब तक 7 स्टूडेंट्स सुसाइड कर चुके हैं।

शुभांशु शुक्ला 'इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन' जाने वाले पहले भारतीय होंगे

सुनीता विलियम्स की धरती पर वापसी के बाद देश के अंतरिक्ष इतिहास में पहली बार कोई भारतीय इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा करेगा। इंडियन एयरफोर्स के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला इसी साल आईएसएस जाएंगे। उन्हें एनएएसए के आगामी एक्सिओम मिशन-4 (एएक्स-4) के लिए पायलट के रूप में चुना गया है। शुभांशु स्पेसएक्स के ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट के जरिए आईएसएस) की यात्रा करेंगे। ये मिशन अमेरिकी स्पेस एजेंसी नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन यानी एनएएसए के केनेडी स्पेस सेंटर, फ्लोरिडा से लॉन्च किया जाएगा। ये स्पेस मिशन 14 दिनों तक चलेगा।

शुभांशु शुक्ला मूल रूप से उत्तर प्रदेश के लखनऊ के रहने वाले हैं। इनकी की शुरुआती पढ़ाई-लिखाई अलीगंज, लखनऊ के सिटी मॉन्टेसरी स्कूल से पूरी हुई। 12वीं के बाद उन्होंने नेशनल डिफेंस एकेडमी (एनडीए) का एंट्रेंस एग्जाम क्लियर किया और यहीं से ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल की। एनडीए भारत में सशस्त्र बलों (थल सेना, नौसेना और वायुसेना) के लिए ऑफिसर कैडेट्स को प्रशिक्षण देने वाली एक प्रमुख संस्था है। ये ट्रेनिंग के साथ-साथ एकेडमिक डिग्री भी देती है, जो जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), नई दिल्ली से एफिलिएटेड होती है। शुभांशु को 17 जून, 2006 को भारतीय वायुसेना के फाइटर विंग में शामिल किया गया। वे एक अनुभवी फाइटर और टेस्ट पायलट हैं।

उनके पास 2,000 घंटे से अधिक का फ्लाइंग एक्सपीरियंस है। उन्होंने सुखोई-30 एमकेआई, मिग-21, मिग-29, जगुआर, हॉक, डोर्नियर और एक-32 जैसे लड़ाकू विमानों को उड़ाया है। साल 2019 में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (आईएसआरओ) ने उन्हें भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन, गगनयान के लिए 4 अंतरिक्ष यात्रियों में से एक के रूप में चुना। अन्य तीन में ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर, ग्रुप कैप्टन अजित कृष्णन, और ग्रुप कैप्टन अंगद प्रताप शामिल हैं। गगनयान मिशन में शामिल होने के बाद उन्होंने रूस के यूरी गागरिन कॉस्मोनॉट ट्रेनिंग सेंटर में 2019-2021 के बीच कठिन एस्ट्रोनॉट ट्रेनिंग ली। फिर भारत वापस लौटकर शुभांशु ने बेंगलुरु में आईएसआरओ के एस्ट्रोनॉट ट्रेनिंग फैसिलिटी सेंटर में भी ट्रेनिंग ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 27 फरवरी, 2024 को 1,800 करोड़ रुपए के 3 स्पेस इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन करने के लिए केरल के तिरुवनंतपुरम स्थित विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर (वीएसएससी) पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने देश के पहले मैन्ड स्पेस मिशन गगनयान का रिव्यू किया। साथ ही गगनयान मिशन पर भेजे जाने वाले एस्ट्रोनॉट्स के नामों का ऐलान भी किया और उन्हें एस्ट्रोनॉट विंग्स दिए। 27 फरवरी 2024 को शुभांशु शुक्ला को एक्सिओम मिशन 4 (एएक्स-4) के लिए आधिकारिक तौर पर चयन की घोषणा हुई। यह घोषणा भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (आईएसआरओ) और एक्सिओम स्पेस के बीच सहयोग के तहत की गई थी।

पीएम इंटर्नशिप योजना: टॉप कंपनियों में काम का मौका

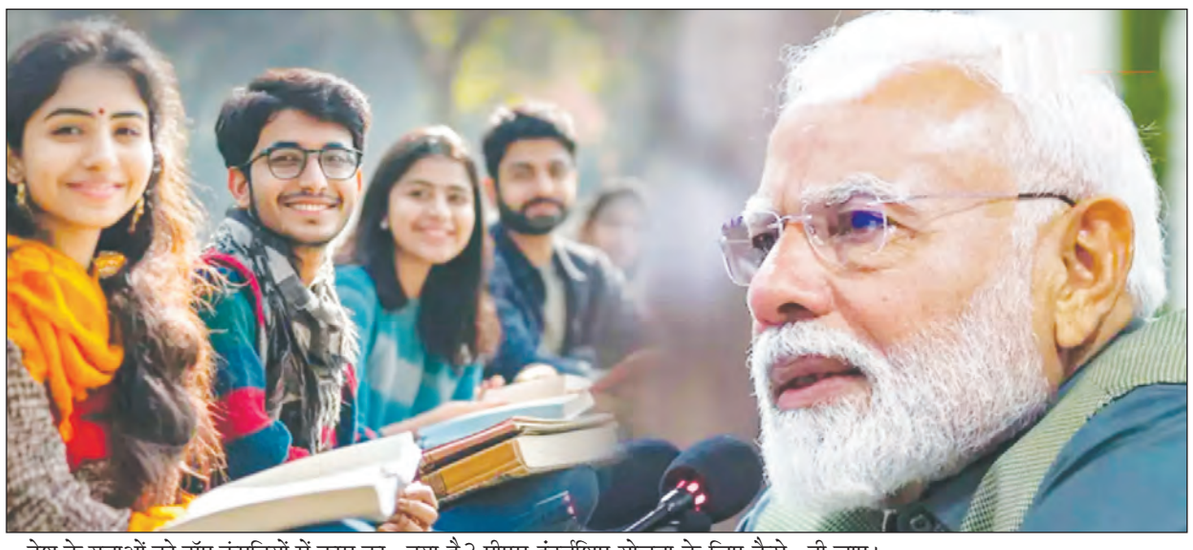

देश के युवाओं को टॉप कंपनियों में काम का असली अनुभव दिलाने के लिए केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना चला रखी है। यह योजना युवाओं का न सिर्फ अपना कौशल विकास करने का मौका दे रही है बल्कि इसके जरिए भविष्य में उनके लिए रोजगार की संभावनाएं भी बढ़ सकती हैं।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के लिए आवेदन करने के लिए महज कुछ ही दिन बचे हैं। ऐसे में अगर आपने अभी भी अप्लाई नहीं किया है तो मौका मत छोड़िए। इस योजना के लिए आवेदन करने की आखिरी तारीख बढ़ाकर 31 मार्च कर दी गई है। पीएम इंटर्नशिप योजना क्या है? पीएम इंटर्नशिप योजना के लिए कैसे अप्लाई कर सकते हैं? पीएम इंटर्नशिप योजना में कितना पैसा मिलता है? आइए जानते हैं सभी सवालों के जवाब।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना केंद्र सरकार की एक सराहनीय पहल है। इसके जरिए युवाओं को देश की टॉप-500 कंपनियों में इंटर्नशिप का मौका देना है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को काम का असली अनुभव प्रदान करना है ताकि वे व्यावहारिक जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना करना सीख सकें। इस योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार का लक्ष्य है कि 5 साल के भीतर 1 करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप दी जाए।

आवेदक भारत का नागरिक होना चाहिए

आवेदन की अंतिम तारीख तक उम्र 21 से 24 साल के भीतर हो

आप कहीं नौकरी न कर रहे हों या फिर रेगुलर पढ़ाई न कर रहे हों

ऑनलाइन या ओपन लर्निंग से पढ़ने वाले अप्लाई कर सकते हैं

आवेदक के परिवार की सालाना कमाई 8 लाख से ज्यादा नहीं होनी चाहिए

आवेदकखुद या माता-पिता या पति-पत्नी में से कोई सरकारी नौकरी में नहीं होना चाहिए।

बेस्ट फ्रेंड भी लेना चाहेगी सेम पीस जब आप पहनकर निकलेंगी ये स्टाइलिश

कुर्ता पैंट को एवरग्रीन ड्रेस माना जाता है। कॉलेज जाना हो या आउटिंग पर, ऑफिस जाना हो या फिर शॉपिंग करने। हर जगह ये ड्रेस फिट हो जाती हैं।

अगर आप भी ऑल इन वन ड्रेस की तलाश कर रही हैं, तो इन पर एक नजर जरूर डाल लें। यह सभी देखने में जितनी खूबसूरत हैं, इनका फैब्रिक उतना ही कंफर्टेबल है। स्ट्रेट कुर्ता पैंट सेट को एडवांस और ट्रेडिशनल फैशन का एक परफेक्ट कॉम्बो माना जाता है।

इसके पीछे सबसे बड़ी वजह इनका लेटेस्ट डिजाइन और वर्सेटाइल कलर के साथ कंफर्ट फैब्रिक है।

यहां पर हम गोस्त्रिकी ब्रैंड के कुर्ता पैंट सेट लाएं हैं, जो सिंपल और एथनिक हैं। इनको पहनने के बाद आपको तड़क भड़क की जगह गर्लिश लुक मिल सकता है। यह सभी प्रिंटेड वर्क में आ रहे हें। इन्हें हाई क्वालिटी के विस्कोस रेयॉन जैसे फैब्रिक से बनाया गया है।

यह फ्लोरल प्रिंटेड वर्क किया गया स्ट्रेट कुर्ता सेट है, जिसके साथ में मैचिंग का प्लाजो मिल रहा है। यह कुर्ता काफ लेंथ में आता है और इसमें राउंड नेक दिया गया है।

स्लीवलेस डिजाइन वाला यह पलाज़ो के साथ स्ट्रेट कुर्ता रेयोन फैब्रिक से बना है। इसमें साइज के लिए ढेर सारे ऑप्शन दिए गए हैं।

यह कुर्ता सेट अलग- अलग साइज विकल्प में दिया जा रहा है। इसे आप ऑफिस कॉलेज या फिर किसी पार्टी में भी पहनकर जा सकती हैं। इसे यूजर्स ने अच्छी रेटिंग भी दी हुई है।

सरकारी नौकरी:एसएससी ने 106 पदों पर निकाली भर्ती; एज लिमिट 50 साल

सैलरी 40 हजार से ज्यादा

कर्मचारी चयन आयोग ने जूनियर सचिवालय सहायक/लोअर डिवीजन क्लर्क और सीनियर सचिवालय सहायक/अपर डिवीजन क्लर्क भर्ती के लिए आवेदन शुरू किए हैं। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट ssc.gov.in. पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं।

वैकेंसी डिटेल्स :

सीनियर सचिवालय सहायक/अपर डिवीजन क्लर्क : 70

जूनियर सचिवालय सहायक/लोअर डिवीजन क्लर्क : 36

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :

पद के अनुसार कोई भी स्थायी या रेग्युलर अस्थायी ग्रुप 'सी' कर्मचारी जिसकी ग्रेड सैलरी 1800 रुपए हो, आवेदन कर सकता है। 12वीं पास होना जरूरी है।

सैलरी :

जूनियर सचिवालय सहायक/लोअर डिवीजन क्लर्क - 19,900 से 63,200 रुपए

सीनियर सचिवालय सहायक/अपर डिवीजन क्लर्क - 25,500 से 81,100 रुपए

एज लिमिट :

सीनियर सचिवालय सहायक/अपर डिवीजन क्लर्क : अधिकतम 50 साल, जूनियर सचिवालय सहायक/लोअर डिवीजन क्लर्क : अधिकतम 45 साल, रिजर्व कैटेगरी को सरकारी नियमों के अनुसार उम्र में छूट दी जाएगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :

रिटन एग्जाम के बेसिस पर

ऐसे करें आवेदन :

ऑफिशियल वेबसाइट ssc.gov.in पर जाएं।

होमपेज पर आवेदन लिंक पर क्लिक करें। जरूरी डिटेल्स दर्ज करें। मांगे गए डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें। फॉर्म सब्मिट करें। इसका प्रिंटआउट **लेकर रखें।**

आवेदन भेजने का पता :

आवेदन भरने के बाद इस पते पर भेजें

"क्षेत्रीय निदेशक, कर्मचारी चयन आयोग (उत्तरी क्षेत्र), ब्लॉक संख्या 12, सी.जी.ओ. कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003" ।

क्या 'कन्फ्यूजन' अमेरिका की पॉलिसी का हिस्सा?

चौंकाने वाली इमेज बनाए रखना चाहते हैं ट्रंप, मंदी आए तो आए

नई दिल्ली,23 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ (शुल्क) को लेकर आक्रामक आर्थिक नीति कई विरोधाभासी विचारों से भरी है। उनके सलाहकार भी अलग-अलग बातें कर रहे हैं। एक तरफ, उनका कहना है कि दूसरे देश अमेरिका को लूट रहे हैं और उन्हें रोकना जरूरी है। दूसरी तरफ, वे कनाडा, मेक्सिको और चीन के साथ ड्रग्स की लड़ाई की बात कर रहे हैं। कुछ लोगों का यह भी मानना है कि टैरिफ से देश के 36 ट्रिलियन डॉलर के कर्ज को कम करने में मदद मिलेगी। लेकिन, इन सब बातों के बीच अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर ट्रंप के टैरिफ का असर दिख रहा है। कनाडा, मेक्सिको और चीन से आने वाले सामानों पर भारी शुल्क लगाने से अनिश्चितता बढ़ गई है। इससे व्यापार में निवेश और लोगों का भरोसा कम हुआ है। शेयर बाजार में भी लगातार उतार-चढ़ाव हो रहा है। इस वजह से फेडरल रिजर्व (अमेरिकी केंद्रीय बैंक) भी ब्याज दरों को कम करने से हिचकिचा रहा है। वह इंतजार कर रहा है कि ट्रंप आगे क्या कदम उठाते हैं और उसका अर्थव्यवस्था पर क्या असर होता है।ट्रंप और उनके सलाहकार अपनी आर्थिक रणनीति को स्पष्ट करने के बजाय अनिश्चितता को ही अपनी नीति का हिस्सा मान रहे हैं। व्हाइट हाउस के नेशनल इकोनॉमिक काउंसिल के डायरेक्टर केविन हैसेट ने सीएनबीसी पर कहा कि 2 अप्रैल तक कुछ अनिश्चितता रहेगी। ट्रंप से जब पूछा गया कि क्या वह कारोबारियों को अपनी नीति के बारे में स्पष्ट जानकारी देंगे तो उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि कंपनियों को निश्चितता की जरूरत है। उन्होंने फॉक्स न्यूज पर मारिया बार्टिरोमो को बताया कि वह ऐसा कहते हैं, यह कहना अच्छा लगता है। लेकिन, सालों से बड़े वैश्विक खिलाड़ी अमेरिका को लूट रहे हैं। वे अमेरिका से पैसा निकाल रहे हैं। हम सिर्फ कुछ पैसा वापस ले रहे हैं। हम अपने देश के साथ न्याय करेंगे।ट्रंप ने मंदी की संभावना से भी इनकार नहीं किया है। अर्थशास्त्रियों और विश्लेषकों का कहना है कि इस अनिश्चितता के कारण मंदी की आशंका बढ़ सकती है। फेडरल रिजर्व ने भी इस अनिश्चितता पर ध्यान दिया है। उसने ब्याज दरों को स्थिर रखा है। अमेरिका की अर्थव्यवस्था के लिए ज्यादा महंगाई और धीमी ग्रोथ का अनुमान लगाया है। फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने कहा कि अनिश्चितता बहुत ज्यादा है।रेटिंग एजेंसी फिच ने चेतावनी दी है कि ट्रंप की ओर से शुरू किए गए वैश्विक व्यापार युद्ध से वैश्विक विकास कम होगा। अमेरिकी उत्पादन धीमा होगा। साथ ही, कीमतें बढ़ेंगी और फेडरल रिजर्व की ब्याज दर में कटौती में देरी होगी।फिच के मुख्य अर्थशास्त्री ब्रायन कूल्टन ने कहा कि टैरिफ में ग्रोथ से अमेरिकी उपभोक्ताओं के लिए कीमतें बढ़ेंगी, वास्तविक मजदूरी कम होगी और कंपनियों की लागत बढ़ेगी। नीतिगत अनिश्चितता बढ़ने से व्यापार निवेश पर असर पड़ेगा।इस अनिश्चितता का मुख्य कारण यह है कि ट्रंप टैरिफ को व्यापार में सुधार के बजाय नीतिगत मुद्दों को सुलझाने के लिए एक हथियार के रूप में देखते हैं। वह अपनी सौदेबाजी की ताकत बढ़ाने के लिए अप्रत्याशित बने रहना चाहते हैं। सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज के आर्थिक सुरक्षा और प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष नवीन गिरिशंकर ने कहा कि ट्रंप 2.0 की शुरुआत में रणनीतिक तालमेल और प्रभावी समन्वय की कमी है।

डीएमके सरकार के आरोपों के बीच, वित्त मंत्री का बयान- पीएलआई योजना के तहत तमिलनाडु को मिला बड़ा फायदा

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)।तमिलनाडु की डीएमके सरकार तीन भाषा नीति और परिसीमन के मुद्दे पर केंद्र सरकार पर हमलावर है। डीएमके सरकार का कहना है कि केंद्र द्वारा राज्य की अनदेखी की जा रही है। इस बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का बड़ा बयान सामने आया है। वित्त मंत्री ने बताया है कि केंद्र सरकार की पीएलआई योजना के तहत तमिलनाडु को बड़ा फायदा मिला है और इलेक्ट्रोनिक्स और ऑटोमोबाइल सेक्टर के बड़े प्रोजेक्ट राज्य को मिले हैं। चेन्नई में शनिवार की शाम को चेन्नई सिटिजन फोरम द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में वित्त मंत्री ने तमिलनाडु सरकार द्वारा केंद्र सरकार पर फंडिंग के मामले में राज्य की अनदेखी करने के आरोपों पर कहा कि 'तमिलनाडु, पीएलआई योजना के सबसे बड़े लाभार्थी राज्यों में से एक है। केंद्र सरकार ने पीएलआई योजना के तहत इलेक्ट्रोनिक्स पार्ट्स बनाने वाली और ऑटोमोबाइल सेक्टर की 27 कंपनियों को मंजूरी दी थी, इनमें से सात कंपनियां तमिलनाडु की हैं।'वित्त मंत्री ने बिना किसी का नाम लिए राज्य सरकार के उन दावों को खारिज कर दिया कि उन्हें केंद्र से केंद्रीय कर में बेहद कम हिस्सा मिला है। वित्त मंत्री ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि राज्य सरकार ने किस गणना के आधार पर यह बात कही है, लेकिन मैं इतना कह सकती हूं कि बीते 10 वर्षों में केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं से राज्य को काफी फायदा हुआ है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि 'देश के दो बड़े इलेक्ट्रोनिक पार्ट्स बनाने वाले क्लस्टर में से एक तमिलनाडु में और एक गुजरात में बनाया जा रहा है। इसके लिए 1100 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। साथ ही ऑटोमोबाइल सेक्टर में केंद्र की पीएलआई योजना के तहत मंजूर 82 आवेदनों में से 46 तमिलनाडु के मंजूर किए गए हैं।'

सोना या चांदी... आगे कौन देगा ज्यादा रिटर्न

क्या चमक रहेगी बरकरार? डिमांड और सप्लाई में अंतर

नई दिल्ली,23 मार्च (एजेंसियां)। सोने ने बीते कुछ समय में शानदार रिटर्न दिया है। यही कारण है कि आजकल हर तरफ सोने की ही चर्चा है। लेकिन, सोने का एक करीबी साथी है - चांदी। चांदी को उतनी चर्चा नहीं मिल रही है, जबकि यह भी 2025 में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली संपत्ति बनने की दौड़ में पीछे नहीं है। पिछले एक साल में सोने में 40% से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। वहीं, चांदी में लगभग 34% का इजाफा हुआ है। अभी चांदी लगभग 33 डॉलर प्रति औंस पर है। भारत में चांदी का स्पॉट प्राइस लगभग 1 लाख रुपये प्रति किलो है। सोने का भाव लगभग 3,030 डॉलर प्रति औंस है। भारत में यह कीमत 88,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के आसपास है। इन शानदार रिटर्न को देखते हुए लगातार यह सवाल पूछा जा रहा है कि इन दोनों कीमती धातुओं - सोना और चांदी - की कीमतों में बढ़ोतरी के पीछे क्या कारण है? क्या यह चमक बरकरार रहेगी? दोनों में किसमें पैसा लगाना ज्यादा फायदेमंद होगा? आइए, यहां ऐसे सभी सवालों के जवाब जानते हैं।चांदी में तेजी का कारण यह है कि लगातार पांचवें साल चांदी की मांग उसकी सप्लाई से ज्यादा है। अनुमान है कि 2025 में वैश्विक चांदी की मांग 1.20 अरब औंस पर स्थिर रहेगी, जबकि कुल वैश्विक चांदी की सप्लाई 3% बढ़कर 1.05 अरब औंस हो जाएगी। यह पिछले 11 सालों में सबसे ज्यादा है। इसलिए डिमांड और सप्लाई में अंतर है। यह अंतर चांदी की कीमतों के लिए अच्छी खबर है। चांदी की कीमतें बढ़ने के दो बड़े कारण बताए जा रहे हैं। पहला, औद्योगिक गतिविधियों में तेजी। दूसरा, चांदी में निवेश करने में लोगों की बढ़ती दिलचस्पी। चांदी का बाजार अपेक्षाकृत छोटा है। इसका सालाना कारोबार लगभग 30 अरब डॉलर है। ऐसे में सप्लाई में थोड़ा सा बदलाव भी मांग और कीमत पर बड़ा असर डालता है। औद्योगिक क्षेत्र में ग्रीन टेक्नोलॉजी (पर्यावरण के अनुकूल तकनीक) की वजह से चांदी की मांग बढ़ी है। लेकिन, सप्लाई सीमित है। इसलिए, चांदी तेजी से बदलती अर्थव्यवस्था में एक अच्छा विकल्प है।इसे जानने के लिए एक आसान तरीका है - सोने-चांदी के अनुपात पर नजर रखना। सोने-चांदी का अनुपात सोने और चांदी की कीमतों के बीच का संबंध बताता है। यह बताता है कि एक औंस सोने की कीमत के बराबर होने के लिए कितने औंस चांदी की जरूरत है। सोने-चांदी का अनुपात 1980 के दशक के आखिर से काफी बढ़ गया है। उस समय यह अनुपात औसतन 70:1 होता था।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मीन	मे	मीन....	05-52 बजे
चंद्र-	धनु	मे	मेष---	07-26 बजे
मंगल	मिथुन	मे	वृष---	09-12 बजे
बुध-	मीन	मे	मिथुन..	11-12 बजे
गुरु-	वृष	मे	कर्क....	13-24 बजे
शुक्र-	मीन	मे	सिंह---	15-36 बजे
शनि-	कुंभ	मे	कन्या---	17-44 बजे
राहु-	मीन	मे	तुला----	19-48 बजे
केतु-	कन्या	मे	वृश्चिक...	21-58 बजे
			धनु......	00-11 बजे
			मकर...	02-18 बजे
			कुंभ....	04-08 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य • उत्तरायण • ऋतु • बसंत
महावीर निर्वाण संवत -2051, हिजरी सन -1444
कलियुग अवधि-432000
सूर्योदय - 06-22
सूर्यास्त - 18-23
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत-1955885125
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- दशमी 05-05 तक उपरान्त एकादशी
मास - चैत्र कृष्ण ,सोमवार 24 March
नक्षत्र - उत्तराषाढ़ा 04-26 तक उपरान्त श्रवण
योग - परिघ 16-44 तक उप शिव
करण- वणिज 17-28 तक उप विष्टी
विशेष:-
व्रत-त्योहार - दशामाता व्रत

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 07:49 से 09:20 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	06:22 - 07:49	शुभ	चंचल	18:23 - 19:55	शुभ
काल	07:49 - 09:20	अशुभ	रोग	19:55 - 21:24	अशुभ
शुभ	09:20 - 10:51	शुभ	काल.	21:24 - 22:53	अशुभ
रोग	10:51 - 12:22	अशुभ	लाभ.	22:53 - 00:22	शुभ
उत्पात	12:22 - 13:53	अशुभ	उत्पात	00:22 - 01:51	अशुभ
चंचल.	13:53 - 15:25	शुभ	शुभ	01:51 - 03:20	शुभ
लाभ	15:25 - 16:56	शुभ	अमृत	03:20 - 04:49	शुभ
अमृत.	16:56 - 18:23	शुभ	चंचल	04:49 - 06:22	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आपका झुकाव आज कुछ हद तक आध्यात्मिकता की और रहेगा । आप किसी धार्मिक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं या किसी तीर्थ की यात्रा कर सकते हैं । प्रेरणात्मक साहित्य पढ़ें या किसी महान नायक की जीवनी पढ़ें,हो सकता है कि इसमें से आपको अपने जीवन के लिए कुछ बहुत अच्छा हासिल हो जाए । किसी गंभीर या कडवी स्थिति से बचने की कोशिश करना ही बेहतर रहेगा ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज आप महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपने सम्बन्धियों से बात कर सकते हैं । प्यार से बातचीत करें और नम्र बने रहें । अगर आप अभी स्थिति को नही संभाल पा रहें हैं तो अभी इसे छोड़ दें । अगर मूड हल्का करना चाहते हैं तो शाम को किसी समारोह में भाग लें । आध्यात्मिकता और विश्वास पर फोकस करने से आपको सहायता मिलेगी ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आप आज किसी मनोरंजक व्यक्ति के साथ सम्बन्ध स्थापित करेंगे । उसके साथ मजेदार बातचीत से समय अच्छा गुजरेगा । इस आदमी से सीखने और प्रेरणा लेने की कोशिश करें । इससे आपको और लोगों की मन स्थिति समझने में भी मदद मिलेगी । परिवार की यात्रा में अगर अपनी मनपसंद जगह जाना है तो योजना बनाने के समय सबसे आगे रहें ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आप घर और ऑफिस दोनों स्थानों पर शान्तिपूर्ण माहौल बनाने की कोशिश करेंगे । आपका यह अनुभव मजेदार रहेगा और आप इससे प्रेरित भी होंगे । हालांकि अपनी निजी बातें किसी के साथ भी ना बाँटें ,और कोई भी कडवा पाठ सीखने के लिए भी खुद को तैयार रखें । आप अपनी किसी शारीरिक या मानसिक स्वास्थ्य के किसी एक पहलू पर पिछले कई दिनों से कोई फैसला नही ले पा रहे ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
यदि आप आज थोड़े से धीरज और सहनशीलता के साथ काम लें तो आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा हो सकता है,लेकिन धीरज बनाये रखना ही सबसे बड़ी चुनौती है । समय भी आपको रेंगता सा अनुभव होगा और आप जिस गति से चाहते हैं,उससे काम नहीं हो पायेंगे । अगर आप जल्दी भी मचाएंगे तो सब गड़बड़ हो जाएगा । खुद को शांत रख पाने की किसी क्रिया के साथ दिन की शुरुआत करें ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज आप काल्पनिक से मूड में हैं । अलग अलग भूमिकाएं निभाने और कल्पनाओं में आपको बहुत मजा आता है। आप अपने लिए हर कहीं रोमांस ढूँढ लेते हैं । आपकी सपनों की एक दुनिया है जिसे आपको सच करने का मौका मिल सकता है । आप आज अपनी भावनाओं के वश में होकर संबंधों या करियर में कुछ असंभव सा हासिल करना चाहेंगे हालाँकि बड़े फैसले लेने के लिए यह समय ठीक नही है ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज अपने अपने ही भीतर शक्ति का नया-अद्वितीय श्रोत ढूँढ लेंगे और आपको यह अनुभव होने लगेगा कि आप अपने जीवन में जिन समस्याओं से अब जूझ रहे हैं ,उनसे निपटने के लिए आपको किसी भी बाह्य मदद की जरुरत नही है । आप आसानी से खुद ही सब कर सकते हैं,इस बात का अनुभव आपको आज हो जाएगा ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आपको अपने कामों को पूरा करने के लिए बहुत कम साधन उपलब्ध होंगें और इससे आपके काम में बाधा पहुचेगी । इससे परेशान न हों,आपको दिन के अंत तक अपनी पसंद का काम और साधन दोनों ही मिल जायेंगे । आप प्रकृति से ही मेहनती हैं और आप जिम्मेदारियों के साथ साथ स्वतंत्रता का भी आनंद लेंगे ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आप दृढ निश्चय वाले इंसान हैं और आप एक बार कोई काम शुरू कर दें तो पूरी मेहनत से उसे पूरा करते हैं। आप औरों के कहने पर नही जाते, आप वह भी करने की क्षमता रखते हैं जो दुसरे कभी नही कर सकते ,इसीलिए आप उनसे आगे हैं । अपना यह नजरिया हमेशा बनाये रखें तो आप उन मंजिलों पर भी पहुँच सकते हैं जो दुसरे सोच भी नही सकते ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज आपके मुख्य शब्द आराम और राहत रहेंगे । आप पिछले कुछ दिनों से बहुत मेहनत कर रहे हैं और अब इस मेहनत का आनंद लेने की बारी है ,बहुत बड़ी पार्टी ना रखें । छुट्टी का दिन शांति से बिताएं । अपने किसी विशेष प्रियजन से बात कर लेने से आपको बहुत संतुष्टि मिलेगी । आज आपको वैकल्पिक चिकित्सा के फायदों के बारे में पता चलेगा ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
बिजनेस सम्बन्धी किसी मीटिंग में आपके मनमुताबिक मोड़ आने की सम्भावना है । आप आज शांत किन्तु दृढ हैं । आपने खूब सोच समझकर फैसले लिए हैं । कार्यस्थल पर सकारात्मक बदलाव होंगें । किसी पुराने दोस्त से मुलाकात संभव है । घर पर शांत और संतुष्ट बने रहेंगे । बोद्धिक उन्नति होगी ,प्रियजनों की और से कोई खुश कर देने वाली खबर मिलेगी ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आप सृजनात्मक ऊर्जा से भरपूर हैं ,अपनी कल्पनाशक्ति का उपयोग करें । इससे आपको ख़ुशी और सौभाग्य दोनों मिलेंगे । दिल की ना सुनें ,अपने दिमाग की सुनें । तर्कशक्ति से काम लें । अपनी ऊर्जा को सही जगह पर लगायें । निवेश के लिए अच्छा दिन है । अधिक सावधानी की बजाय अपने आप को थोडा ढीला छोड़ दें,राहत मिलेगी ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

जिसने देखा देखता रह गया... 46,000 रुपये में बिका अंडा, ऐसा क्या है इसमें खास?

नई दिल्ली,23 मार्च (एजेंसियां)। अंडे के शौकीनों के लिए दिलचस्प खबर है। हाल ही में नीलामी में एक अंडा 420 पाउंड (लगभग 46,000 रुपये) में बिका। इसकी खासियत है कि यह बिलकुल गोल अंडा है। इंग्लैंड में समरसेट और डेवोन सीमा के पास फेंटन फार्म में एक एग हैंडलर एलिसन ग्रीन को पिछले साल दिसंबर में एक अनोखा अंडा मिला। अपने करियर में 4.2 करोड़ से ज्यादा अंडे संभालने के बाद उन्होंने कभी भी ऐसा गोलाकार अंडा नहीं देखा था। बीबीसी के अनुसार, इस अंडे की नीलामी की गई और इससे मिली रकम एक चैरिटी को दी गई। एलिसन ग्रीन को यह अंडा फेंटन फार्म में मिला। उन्होंने अपने करियर में पहली बार ऐसा अंडा देखा था। यह अंडा बिलकुल गोल था। बीबीसी के अनुसार, इस अंडे को नीलामी में 420 पाउंड में बेचा गया। नीलामी

से मिली रकम डेवोन रेप क्राइसिस को दान कर दी गई। यह संस्था यौन हिंसा और दुर्व्यवहार से पीड़ित लोगों की मदद करती है। एलिसन ग्रीन ने 'द गार्जियन' को दिए इंटरव्यू में कहा, 'यह बहुत आश्चर्यजनक था क्योंकि अंडे एक खास तरीके से लुढ़कते हैं और यह अंडा बिलकुल अलग था - यह बस अलग दिख रहा था। अब यह ऐसी चीज है जो किसी और के पास नहीं है। एलन मस्क के पास भी गोल अंडा नहीं है, है ना? उम्मीद है, यह बहुत सारे पैसे में बिकेगा।'

पूरी तरह गोल नहीं होते अंडे

एलिसन ग्रीन ने बीबीसी को बताया, 'जब हर कोई बोली लगा रहा था तो मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मैं अपने बच्चों में से किसी एक को स्पोर्ट्स रेस में देख रही हूं। यह बहुत शानदार था। कमरे में भी लोग बोली लगा रहे थे और जिन सभी ने बोली लगाई, मैं उनकी बहुत आभारी हूं।'यह अंडा इसलिए खास है क्योंकि अंडे आमतौर पर पूरी तरह से गोल नहीं होते हैं। यह अंडा एलिसन ग्रीन को मिला, जिन्होंने अपने करियर में लाखों अंडे संभाले हैं। उन्होंने पहले कभी ऐसा अंडा नहीं देखा था। अंडे की नीलामी से मिली रकम एक अच्छी संस्था को दान कर दी गई।

आईपीओ कैलेंडरः अगले हफ्ते आईपीओ मार्केट में होगी हलचल, 4 आईपीओ खुलेंगे; 5 होंगे लिस्ट

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार में मचा कोहराम पिछले हफ्ते थमता दिखा। दलाल स्ट्रीट लाल से हरा होता दिखा। पिछले पांच महीनों से लगातार हो रही गिरावट के बीच बीते हफ्ते मार्केट में थोड़ा रिकवरी देखने को मिली। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को सेंसेक्स 557.45 अंकों के उछाल के साथ 76,905.51 पर बंद हुआ। इससे मार्केट में रौकन फिर से लौटती दिख रही है। वहीं, अगले हफ्ते पिछले कुछ सप्ताह से सुस्त पड़े आईपीओ बाजार में भी हलचल देखने को मिलेगी। आने वाले कारोबारी सप्ताह में एसएमई कैटेगरी के 4 आईपीओ मार्केट में दस्तक देंगे और 5 आईपीओ की लिस्टिंग होनी है। आइए हम आपको उन आईपीओ के बारे में बताते हैं, जो कि आगामी सप्ताह में शेयर बाजार में एंट्री लेंगे। कंपनी आईपीओ के जरिए 30.75 करोड़ रुपये है जुटा चाहती है। यह आईपीओ मार्केट में 24 मार्च को ओपन होगा और 26 मार्च तक निवेशक इसमें बोली लगा सकेंगे। यह एक एसएमई कैटेगरी का आईपीओ होगा।

इसमें मिनिमम निवेश 1.5 लाख रुपये का होगा। आईपीओ का इश्यू साइज 73.81 करोड़ रुपये है। इस आईपीओ में 25 मार्च से बोली लगा सकते हैं और 27 मार्च तक इस आईपीओ में निवेश किया जा सकता है। अहिंसा नेचुरल्सके आईपीओ की लिस्टिंग 2 अप्रैल होगी। एटीसी एनर्जीज़ कंपनी अपने आईपीओ के जरिए 63.76 करोड़ रुपये है। यह आईपीओ भी सब्सक्रिप्शन के लिए 25 मार्च को ओपन होगा और इसमें 27 मार्च तक बोली लगाई जा सकती है। इस आईपीओ में मिनिमम निवेश 1,41,600 रुपये करना होगा। आइडेंटिक्सवेब लिमिटेड का आईपीओ मार्केट में 26 मार्च को खुलेगा और इस आईपीओ में 28 मार्च तक बोली लगाई जा सकती है।

क्या गर्मियों में मिलता रहेगा सस्ता प्याज या हो जाएगा महंगा? क्या है प्लान

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)।आने वाली गर्मियों में प्याज कहीं महंगा तो नहीं हो जाएगा? गर्मियों में प्याज की डिमांड बढ़ जाती है, ऐसे में इसकी सप्लाई और कीमतों को नियंत्रण में रखना काफी अहम होता है। लेकिन अब सरकार ने प्याज के एक्सपोर्ट को देश से आसान बना दिया है, तो क्या गर्मियों में प्याज के दाम स्थिर बने रहेंगे? भारत में अभी प्याज के एक्सपोर्ट करने पर ड्यूटी लगती है। इसकी दर 20 प्रतिशत है। अब सरकार ने 1 अप्रैल से प्याज के एक्सपोर्ट पर लगने वाली इस 20 प्रतिशत ड्यूटी को वापस लेने का फैसला किया है।

क्यों किया सरकार ने ये फैसला?

20 प्रतिशत की एक्सपोर्ट ड्यूटी को वापस लेने के फैसले के बारे में सरकार के आधिकारिक बयान में कहा गया है कि यह कदम किसानों के हितों की रक्षा के लिए उठाया गया है। इसके हिसाब से कंज्यूमर डिपार्टमेंट से पत्र मिलने के बाद ही रेवेन्यू डिपार्टमेंट ने 20 प्रतिशत निर्यात शुल्क को वापस लेने का नोटिफिकेशन जारी किया है। सरकार ने प्याज के एक्सपोर्ट पर सितंबर 2024 में ये ड्यूटी लगाई थी।उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय का कहना है, "यह फैसला प्याज के किसानों को उनकी उपज पर फायदा दिलाने के लिए किया गया है। वहीं आम कंज्यूमर्स के लिए प्याज की कीमतें भी वाजिब बनाए रखने की दिशा में ये सरकार की प्रतिबद्धता को दिखाता है। रबी की फसल के दौरान प्याज की अच्छी आवक की उम्मीद है। इसलिए प्याज के थोक और रिटेल प्राइस में गिरावट आई है।"

टैक्स के बावजूद हुआ खूब एक्सपोर्ट

सितंबर 2024 से एक्सपोर्ट ड्यूटी लागू होने के

बावजूद देश में चालू वित्त वर्ष में 18 मार्च तक प्याज का निर्यात 11.65 लाख टन पर पहुंच गया। सितंबर 2024 में प्याज का मासिक निर्यात 0.72 लाख टन से था, जो बढ़कर इस साल जनवरी में 1.85 लाख टन हो गया। रबी फसल की सप्लाई बढ़ने की वजह से महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश जैसे प्रमुख उत्पादक राज्यों में प्याज की कीमतों में गिरावट आई है। एशिया में प्याज के सबसे बड़े थोक बाजारों महाराष्ट्र के लासलगांव और पिंपलगांव में 21 मार्च को कीमतें क्रमशः 1,330 रुपये प्रति क्विंटल और 1,325 रुपये प्रति क्विंटल थीं। मंत्रालय का कहना है कि पिछले महीने अखिल भारतीय स्तर पर प्याज की कीमतों में औसतन 39 प्रतिशत की गिरावट आई है। इसी तरह प्याज के रिटेल प्राइस में बीते महीने में एवरेज 10 प्रतिशत की गिरावट आई है।आने वाले महीनों में देश के अंदर प्याज की कीमतें नियंत्रण में बने रहने की उम्मीद है।

कृषि मंत्रालय का अनुमान है कि इस साल रबी फसल के दौरान प्याज का उत्पादन 227 लाख टन होगा, जो पिछले साल के 192 लाख टन से 18 प्रतिशत अधिक है। भारत के कुल उत्पादन में 70-75 प्रतिशत हिस्सा रखने वाला रबी फसल का प्याज अक्टूबर-नवंबर में खरीफ फसल की सप्लाई शुरू होने तक बाजार में कीमतों को स्थिर बनाए रखने के लिए जरूरी होता है।

अब बांग्लादेश में लोग चखेंगे मुजफ्फरनगर के गुड़ की मिठास

भेजा गया 30 मीट्रिक टन जीआई-टैग वाला गुड़

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर से 30 मीट्रिक टन जीआई- टैग वाला गुड़ पड़ोसी देश बांग्लादेश में एक्सपोर्ट किया गया है। बता दें कि मुजफ्फरनगर एशिया की सबसे बड़ी गुड़ मंडी के रूप में मशहूर है। मुजफ्फरनगर की गुड़ मंडी में हर साल लाखों टन के गुड़ का कारोबार होता है। यहां के गुड़ की खासियत यह है कि इसे बिना किसी केमिकल के इस्तेमाल के बनाया जाता है इसलिए ये नैचुरली मीठे होते हैं और पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के बयान में कहा गया, यह पहल किसान उत्पादक संगठनों और किसान उत्पादक कंपनियों के जरिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश से बांग्लादेश को गुड़ के सीधे निर्यात की शुरुआत का प्रतीक है। 30 जनवरी, 2025 को बासमती एक्सपोर्ट डेवलपमेंट फाउंडेशन और एपीडा के तत्वाधान में इस खेप को हरी झंडी दिखाई गई, जो वैश्विक बाजार में कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। बृजनंदन एग्रो फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी (एफपीसी) में 545 सदस्य हैं, जिनमें दो महिला निदेशक भी हैं। यह एफपीओ गुड़, गन्ना उत्पाद, बासमती चावल और दालों के निर्यात में सक्रिय है। बीईडीएफ से मिले प्रशिक्षण और तकनीकी सहायता से इसके सदस्य अंतरराष्ट्रीय उत्पादन और निर्यात मानकों को पूरा करने में सक्षम हुए हैं। मंत्रालय ने जानकारी दी कि यह एपीईडीए के समर्थन से यह कृषि निर्यात में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के एफपीओ की सफलता की तीसरी कहानी है। इससे पहले 2023 और 2024 में नीर आदर्श ऑर्गेनिक फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड की तरफ से लेबनान और ओमान को बासमती चावल का एक्सपोर्ट किया गया था। भौगोलिक संकेत या जीआई टैग को किसी भी वस्तु या उत्पाद के लिए खास माना जाता है। किसी अनोखे गुण या विशेषता के लिए जाने जाने वाले वस्तु को सरकार की तरफ से यह टैग दिया जाता है।

एक दो नहीं पूरे तीन फीसद बढ़ गया डीए, सरकार ने किया बड़ा ऐलान

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)।देश भर में केंद्रीय कर्मचारियों की ओर से महंगाई भत्ते के बढ़ाई जाने की मांग काफी दिनों से की जा रही है। ऐसी उम्मीद है कि सरकार इस पर फैसला भी ले सकती है। इसी बीच केंद्र सरकार ने तो नहीं, त्रिपुरा की राज्य सरकार ने अपने सरकारी कर्मचारियों का डीए बढ़ाने का फैसला किया किया है। सरकार ने 1, 2 नहीं बल्कि पूरे 3 प्रतिशत डीए, बढ़ाने की घोषणा की है। जब से 8वें वेतन आयोग को लेकर केंद्र सरकार की ओर से मंजूरी मिली है। तभी से यह अटकलें तेज हो गई है कि सरकार कर्मचारियों के डीए में भी बढ़ोतरी करेगी, जिससे उनकी सैलरी में इजाफा देखने को मिलेगा और कर्मचारियों की पेंशन भी बढ़ेगी। हालांकि, केंद्र से पहले त्रिपुरा का सरकार ने राज्य के सरकारी कर्मचारियों के डीए को 30 प्रतिशत से बढ़ाकर 33 प्रतिशत कर दिया है। यह डीए कर्मचारियों को अगले महीने यानी अप्रैल 2025 से मिलने लगेगा।प्रदेश के

मुख्यमंत्री माणिक साहा ने विधानसभा में डीए बढ़ाने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि मैं 1 अप्रैल 2025 से सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए 3 प्रतिशत डीए बढ़ाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि इसके लिए सरकार 300 करोड़ रुपये अतिरिक्त खर्च करेगी।त्रिपुरा के पहले भी देश कई अन्य राज्यों ने भी डीए में बढ़ोतरी करने का ऐलान किया है। महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और झारखंड राज्यों ने पहले ही कर्मचारियों के डीए बढ़ा दिया है।देश के कई राज्यों ने डीए बढ़ाने का फैसला तो किया है। लेकिन केंद्रीय कर्मचारियों का डीए अभी नहीं बढ़ा है। कर्मचारियों को उम्मीद थी कि सरकार होली से पहले उनका डीए बढ़ाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सरकार कर्मचारियों का डीए साल में दो बार बढ़ाती है।

क्या सीएम नीतीश कुमार वाकई बीमार हैं?

पटना, 23 मार्च (एक्सक्लूसिव डेस्क)। बिहार के सीएम नीतीश कुमार की अजीब हरकतों ने उनकी तबीयत पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। 20 मार्च को पटना के एक कार्यक्रम में राष्ट्रगान बजने के दौरान ही वो हंसी-ठिठोली करते दिखे। प्रधान सचिव दीपक कुमार ने हाथ देकर सावधान मुद्रा में रहने का इशारा किया तो नीतीश पत्रकारों को प्रणाम करने लगे। पूर्व सीएम रबड़ी देवी ने कहा कि अगर नीतीश का दिमाग खराब है, तो उन्हें गद्दी छोड़कर अपने बेटे को सीएम बनाना चाहिए। 74 साल के नीतीश कुमार क्या वाकई अस्वस्थ हैं, अगर पद छोड़ते हैं तो बिहार की राजनीति में क्या असर होगा और नेताओं के रिटायरमेंट की उम्र क्यों नहीं होती; इसकी पडताल करती रिपोर्ट।

पिछले कुछ वक्त से नीतीश कुमार की अटपटी हरकतें चर्चा में रहीं हैं। सबसे लेटेस्ट तो 20 मार्च की ही घटना है। जब नीतीश कुमार ने पाटलिपुत्र खेल परिसर में राष्ट्रगान को शुरू होने से पहले रुकवा दिया। नीतीश ने मंच से इशारों में कहा, 'पहले स्टेडियम का चक्कर लगाकर आते हैं, फिर शुरू कीजिएगा।' सीएम का संकेत मिलते ही मंत्री विजय चौधरी ने राष्ट्रगान बंद करा दिया। फिर से राष्ट्रगान शुरू हुआ, लेकिन नीतीश अजीब हरकतें करते रहे।

15 मार्च 2025 को पटना में होली मिलन समारोह के दौरान नीतीश कुमार बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद के पैर छूने के लिए झुके। हालांकि सांसद ने मुख्यमंत्री को रोक दिया। पास खड़े जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने भी सीएम का हाथ पकड़ा। इसके बाद नीतीश कुमार ने रविशंकर को गले लगा लिया। नीतीश कुमार रविशंकर प्रसाद से 4 साल बड़े हैं।

नीतीश कुमार ने 2 बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पैर छूने की कोशिश की थी। पहली बार 7 जून 2024 को, जब दिल्ली में लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद एनडीए की बैठक हुई थी। दूसरी बार 13 नवंबर 2024 को जब पीएम मोदी दरभंगा एम्स के शिलान्यास कार्यक्रम में आए थे। इस दौरान अपना भाषण खत्म कर सीएम अपनी कुर्सी की ओर जा रहे थे। बीच में रुके और पीएम मोदी के पैर छू लिए।

30 जनवरी 2025 को पटना में भी बापू के लिए श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ। यहां नीतीश महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के बाद ताली बजाने लगे। विधानसभा स्पीकर नंदकिशोर यादव ने उन्हें रोका।

30 नवंबर 2024 को विधानसभा के शीतकालीन सत्र के आखिरी दिन नीतीश कुमार सदन में भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी के ब्रेसलेट से खेलने लगे। सीएम का ये अंदाज देखकर मंत्री अशोक चौधरी भी अपनी हंसी नहीं रोक पाए। 15 अक्टूबर 2024 को गांधी मैदान में दशहरा पर रावण वध समारोह का आयोजन हुआ। इसमें नीतीश ने रावण पर चलाने के लिए दिए गए तीर-धनुष को फेंक दिया। 21 सितंबर 2024 को नीतीश कुमार मंत्री अशोक चौधरी के कंधे पर सिर रखकर उनसे लिपट गए थे। सीएम ने कहा था- 'हम इनसे बहुत प्रेम करते हैं।'

नीतीश कुमार के व्यवहार पर बिहार की राजनीति में हंगामा मचा है। उनके इस तरह के व्यवहार को विपक्ष ने मानसिक बीमारी बताया और इस्तीफे की मांग की। बिहार विधानसभा में भी हंगामा हुआ... लालू यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा, 'राष्ट्रगान का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान। बिहारवासियों, अब भी कुछ बचा है?'

राबड़ी देवी ने विधानसभा में कहा, 'अगर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का दिमाग खराब है, तो उनको गद्दी छोड़नी चाहिए और अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाना चाहिए। बेटा नहीं बनता तो किसी दूसरे अपने को कुर्सी सौंप दें।'

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा- 'बिहार के लिए कल काला दिवस था। मोदी के लाडले सीएम ने राष्ट्रगान का अपमान किया है। लाडले सीएम पर पीएम क्या कहेंगे? भारत माता की जय करने वाले बीजेपी के दोनों डिप्टी सीएम गायब हैं। सीएम नीतीश कुमार को रिटायरमेंट ले लेना चाहिए। राष्ट्रगान को अपमान करने वाले को तीन साल की सजा होती है।'

जनसुराज के प्रशांत किशोर ने कहा कि नीतीश कुमार का मानसिक स्वास्थ्य ठीक नहीं है। यह बात पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह भी जानते हैं, लेकिन वोट के लालच में कुछ नहीं कर रहे हैं। नवंबर 2023 में बीजेपी नेता सुशील कुमार मोदी ने विधानसभा में कहा था कि नीतीश किसी गंभीर मानसिक बीमारी के शिकार हैं। ऐसे शख्स के भरोसे पूरा बिहार छोड़ा हुआ है। सीनियर जर्नलिस्ट और पॉलिटिकल एक्सपर्ट रशीद किदवई का कहना है, 'नीतीश की छवि बेहद कसे हुए और सधे नेता की रही है। वो बहुत सोच-समझकर बोलते रहे हैं। उनके पुराने भाषणों में एक हनक होती थी। अब उनकी पब्लिक स्पीच टुकड़ों में होती है। अगर लिखा हुआ भाषण नहीं है, तो उन्हें वाक्य पूरा करने में तकलीफ होती है। पिछले कुछ समय से लगातार उनके बदले व्यवहार को देखकर मन में स्वास्थ्य को लेकर कई तरह के सवाल आते हैं।'

हाल के कुछ महीनों से नीतीश कुमार की सुरक्षा पहरा बहुत सख्त होता है। नीतीश के साथ ज्यादातर समय विजय कुमार चौधरी दिखते हैं। प्रगति यात्रा के दौरान उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी उनके साथ कई मौकों पर दिखे। नीतीश कुमार जैसे ही बोलना शुरू करते, सम्राट चौधरी कहते, 'चलिए ना सर, हो गया।'

टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज के प्रोफेसर रहे पुष्पेंद्र कहते हैं, हम लोग जब नौकरी के लिए जाते हैं, PhD आदि के लिए अप्लाई करते हैं तो हमें अपनी मेंटल फिटनेस का सर्टिफिकेट देना होता है। यहां एक मुख्यमंत्री है, जो एक स्टेट चला रहे हैं, उनकी मेडिकल फिटनेस शक के दायरे में है। हर बिहारी को अपने मुख्यमंत्री की मानसिक दशा के बारे में जानने का अधिकार है। इस पर मेडिकल बुलेटिन जारी होना चाहिए।

बढ़ती उम्र भी याद्दाश्त भूलने का पड़ाव हो सकती है। हालांकि देश की राजनीति में कई ऐसे नेता हैं जो नीतीश से ज्यादा उम्र के हैं और स्वस्थ हैं। नीतीश की हालत पर अंदाजा लगाकर कोई भी टिप्पणी करना उचित नहीं लगता। बीजेपी की ओर से नीतीश कुमार की सेहत को लेकर कोई भी बयान सामने नहीं आया है, क्योंकि बिहार में सत्ता में रहने के लिए बीजेपी को नीतीश के सहारे की जरूरत है। तभी तो विपक्ष के छोटे से मुद्दे को भुनाने वाली बीजेपी राष्ट्रगान के अपमान पर खामोश है। अगर बीजेपी नीतीश के स्वास्थ्य को लेकर बयान देगी तो जेडीयू का वोट बैंक बंट सकता है। इसका नुकसान आने वाले चुनाव में हो सकता है।'

दुनिया के ज्यादातर देशों की तरह भारत में राजनीति से रिटायर होने की कोई तय उम्र सीमा नहीं है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 84 में संसद सदस्य बनने के लिए जरूरी योग्यताओं के बारे में बताया गया है। लोकसभा का चुनाव लड़ने के लिए कम से कम 25 साल और राज्यसभा का चुनाव लड़ने के लिए कम से कम 30 साल की उम्र होनी चाहिए। भारतीय संविधान में राजनीति से रिटायर होने की कोई तय उम्र सीमा नहीं है।

सांसद, विधायक, प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति आदि पदों पर काम कर रहे लोगों के लिए रिटायरमेंट की अधिकतम आयु सीमा नहीं है। कार्यकाल खत्म होने पर उनका पद चला जाता है, लेकिन चुनाव जीतकर वे फिर से इसी पद पर आ सकते हैं। कोई व्यक्ति कितनी भी बार चुनाव जीतकर अलग-अलग या उसी राजनीतिक पद पर बना रह सकता है।

राजनीति को भारत में एक 'सेवा' के रूप में देखा जाता है, न कि नौकरी के रूप में, जिसके लिए रिटायरमेंट की उम्र तय हो। सरकारी नौकरियों में 60 या 65 साल की उम्र सीमा होती है, लेकिन निर्वाचित पदों को इससे अलग रखा गया है। नेताओं का मानना है कि अनुभव और लोकप्रियता के आधार पर वे जीवनभर सेवा कर सकते हैं। यह दलील दी जाती है कि उम्र अनुभव का प्रतीक है और इसे सीमित करना लोकतांत्रिक स्वतंत्रता पर अंकुश हो सकता है।

भारत में कई नेता हैं, जो 80 साल से ज्यादा उम्र के होने के बावजूद राजनीति में सक्रिय हैं। इनमें 83 साल के अध्यक्ष शरद पवार, 82 साल के कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, 91 साल के सांसद एचडी देवगौड़ा और 86 साल के फारूक अब्दुल्ला जैसे नेता शामिल हैं।

108 एंबुलेंस सेवा के कर्मचारियों की दयनीय स्थिति पर भड़के बाबूलाल मरांडी

सरकार से कर दी बड़ी मांग

रांची, 23 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने एक बार फिर से राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर हेमंत सरकार पर निशाना साधा है. बाबूलाल ने 108 एंबुलेंस सेवा के कर्मचारियों की दयनीय स्थिति के संबंध में राज्य सरकार से जवाब मांगा है. उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा कि 108 एंबुलेंस कर्मचारी आर्थिक तंगी, वेतन में कटौती और अस्थायी नौकरी जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं.

बाबूलाल मरांडी का पोस्ट

बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा है, "राज्य सरकार 108 एंबुलेंस सेवा को आपातकालीन स्वास्थ्य सेवा की रीढ़ बताती है, लेकिन इसके कर्मचारियों की स्थिति दयनीय है. झारखंड के 108 एंबुलेंस कर्मचारी आर्थिक तंगी, वेतन में कटौती और अस्थायी नौकरी जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं." उन्होंने आगे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर निशाना साधते हुए कहा कि, " वे एयर एंबुलेंस का सब्जबाग दिखाने बजाय आपातकालीन 108 एंबुलेंस सेवा को सुदृढ़ करें, ताकि दूरदराज और दुर्गम क्षेत्रों में भी मरीजों को तत्काल इलाज की सुविधा मिल सके."

सत्ता पक्ष के विधायक ने भी उठायी आवाज

विधानसभा सत्र के 15 वें दिन, 21 मार्च 2025 को सत्ता पक्ष के विधायक मनोज कुमार यादव ने भी 108 एंबुलेंस कर्मचारियों के

समस्याओं को सदन में रखा था. उन्होंने कहा था कि, एंबुलेंस सेवा ठप रहने के कारण मरीज खास कर वाहन दुर्घटना में घायल लोगों की जान जोखिम में है. एंबुलेंस सेवा समय पर नहीं उपलब्ध होने से कई घायलों की असमय मौत हो जा रही है. उन्होंने सरकार से मांग की थी कि शीघ्र अस्पताल में 108 एंबुलेंस सेवा हो, जिससे दुर्घटना में घायल मरीजों को तुरंत अस्पताल तक पहुंचाया जा सके. मालूम हो अपनी मांगो को लेकर 108 एंबुलेंस कर्मचारी बीते कई दिनों से हड़ताल पर हैं. जिसके कारण राज्य में 108 एंबुलेंस सेवा बाधित है. 108 एंबुलेंस कर्मचारियों ने सरकार से कम वेतन, समय पर भुगतान और उचित सुविधाओं की मांग की है.

'नक्सली हताश, क्योंकि उनके खिलाफ अभियान तेज और मजबूत हो रहा'

सीएम सोरेन की दो टूक

रांची, 23 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रविवार को कहा कि नक्सली हताश हैं, क्योंकि उनके खिलाफ अभियान तेज हो गया है। यह अभियान सिर्फ तेज ही नहीं हुआ, बल्कि मजबूत भी हो रहा है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों की ओर से राज्य में नक्सलियों के खिलाफ अभियान ताकतवर हो रहे हैं।

सीएम सोरेन और राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने सीआरपीएफ के एक जवान के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित की।

जवान बीते दिन पश्चिमी सिंहभूम जिले में आईईडी विस्फोट के दौरान घायल हो गया था और बाद इलाज के दौरान उन्होंने इम तोड़ दिया था। रांची में सीआरपीएफ की 133 बटालियन के मुख्यालय में शहीद जवान के सम्मान में पुष्पांजलि समारोह आयोजित किया गया।

'अभियान जारी रहेंगे'

पत्रकारों से बात करते हुए सीएम सोरेन ने कहा, 'जवान का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। नक्सली हताश हैं, क्योंकि उनके खिलाफ अभियान मजबूत हो रहे हैं... अभियान जारी रहेंगे।'

पुलिस ने बताया कि नक्सल विरोधी अभियान के दौरान पश्चिमी सिंहभूम जिले के छोटानागरा थाना क्षेत्र के वनग्राम मारंगपोंगा जंगल के पास आईईडी विस्फोट हुआ था। इसमें सीआरपीएफ की 193 बटालियन के सब-इंस्पेक्टर सुनील कुमार मंडल और एक अन्य जवान पार्थ प्रतिम डे घायल हो गए थे। उन्हें इलाज के लिए रांची ले जाया गया। बाद में एसआई मंडल ने राज्य की राजधानी के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

भोरमदेव महोत्सव की तैयारियां जोरों पर

26 और 27 मार्च को आयोजन,सीएम, विधानसभा अध्यक्ष समेत मंत्री होंगे शामिल

कबीरधाम, 23 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक भोरमदेव महोत्सव की तैयारी जारी है। यह महोत्सव 26 और 27 मार्च को आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रदेश की समृद्ध संस्कृति, लोककला और परंपराओं का भव्य प्रदर्शन किया जाएगा। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने बताया कि भोरमदेव महोत्सव के शुभारंभ व समापन अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा समेत सांसदों और अन्य जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाना प्रस्तावित है। महोत्सव के दोनों दिनों में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की उपस्थिति भी रहेगी। इस लिहाज से महोत्सव स्थल पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है। महोत्सव को भव्य बनाने के लिए विशेष मंच निर्माण, आकर्षक साज-सज्जा, रोशनी की उत्तम व्यवस्था और उच्च कोटि के साउंड सिस्टम पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कलेक्टर वर्मा ने सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और आगंतुकों के बैठने की उत्तम व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। महोत्सव के दौरान बॉलीवुड, लोक कलाकारों की विशेष प्रस्तुतियां, पारंपरिक नृत्य-संगीत, हस्तशिल्प प्रदर्शनी और स्थानीय व्यंजनों के स्टॉल मुख्य आकर्षण होंगे। मैकल पर्वत श्रृंखला की सुरम्य वादियों में स्थित भोरमदेव मंदिर, अपनी अद्भुत शिल्पकला और स्थापत्य के कारण 'छत्तीसगढ़ का खजुराहो' कहा जाता है। यह मंदिर हजार वर्षों से अधिक समय से आस्था, संस्कृति और विरासत का केंद्र बना हुआ है। भोरमदेव महोत्सव न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह पर्यटन को भी बढ़ावा देने में सहायक है। ऐसे में इस ऐतिहासिक आयोजन को यादगार बनाने के लिए प्रशासन, जनप्रतिनिधि और स्थानीय नागरिक पूरी तन्मयता से तैयारियों की जा रही है।

पश्चिमी सिंहभूम में आईईडी विस्फोट

सीआरपीएफ सब इंस्पेक्टर बलिदान; एक सुरक्षाकर्मी घायल

रांची, 23 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले में हुए आईईडी विस्फोट में घायल सीआरपीएफ के एक सब-इंस्पेक्टर बलिदान हो गए और एक अन्य जवान घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक, धमाका छोटानागर थाना क्षेत्र के वनग्राम मरंगपोंगा वन क्षेत्र में उस वक्त हुआ, जब अर्धसैनिक बल की टुकड़ी एक अभियान पर निकली थी। चाईबासा पुलिस ने बताया कि सब इंस्पेक्टर सुनील कुमार मंडल का इलाज के दौरान निधन हो गया। वहीं हेड कांस्टेबल पार्थ प्रतिम डे का इलाज जारी है।

जिला पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने बताया कि बताया कि विस्फोट की चपेट में आने से सीआरपीएफ की 193वीं बटालियन के सब-इंस्पेक्टर सुनील कुमार मंडल और

हेड कांस्टेबल पार्थ प्रीतम डे घायल हो गए थे। दोनों को बेहतर इलाज के लिए एयरलिफ्ट कर रांची लाया गया, लेकिन गंभीर रूप से घायल एसआई मंडल को बचाया नहीं जा सका। हादसे की जांच की जा रही है। सारंडा वन क्षेत्र में कई नक्सली कमांडर अपने दस्तों के साथ छिपे हुए हैं। सुरक्षाबलों से बचने और उन्हें निशाना बनाने के लिए इन माओवादियों ने जगह-जगह जमीन पर आईईडी बिछा कर रखी है। इस पर पैर या हल्का दबाव पड़ते ही विस्फोट हो जाता है। सुरक्षाबलों का यहां तलाशी अभियान चल रहा था। इस दौरान दो जवान आईईडी की चपेट में आ गए।

सीआरपीएफ के शिविर से 600 मीटर दूरी पर धमाका

दावा है कि यह धमाका अर्ध सैनिक बल के शिविर से मात्र 600 मीटर की दूरी पर हुआ। इस कैंप की स्थापना पिछले महीने ही की गई थी। चार दिन पहले भी ठीक ऐसे ही एक धमाके में सीआरपीएफ की 134वीं बटालियन के एक सब-इंस्पेक्टर घायल हुए थे।

शिक्षिका से 1.34 लाख की मांगी रिश्वत

कोटा बीईओ हटाए गए, क्लर्क निलंबित

रायपुर, 23 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर स्थित कोटा ब्लॉक के बीईओ और क्लर्क के खिलाफ कार्रवाई की गई है। शिक्षक की मृत्यु के बाद उसके रुके वेतन को निकालने के एवज में बीईओ और क्लर्क एक लाख 34 हजार रुपये की मांग कर रहे थे। इस पर जांच के बाद भ्रष्टाचार का आरोप सही पाए जाने पर कोटा बीईओ विजय टांडे पद से हटा दिया गया है। वहीं क्लर्क को निलंबित कर दिया गया है। कलेक्टर बिलासपुर अवनीश शरण ने कोटा विकासखंड में भ्रष्टाचार के आरोपों की पुष्टि होने पर सख्त कार्रवाई करते हुए कोटा के खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) विजय पांडे को पद से हटा दिया है और उनके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। साथ ही, मामले में संलिप्त लिपिक एकादशी पोर्ते को निलंबित कर दिया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी बिलासपुर ने यह कार्रवाई कलेक्टर के निर्देश पर की है।

कोटा विकासखंड की शिक्षिका नीलम भारद्वाज ने दो सप्ताह पहले कलेक्टर के कर्मचारी जनदर्शन में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि उनके स्वर्गीय शिक्षक पति के देहांत के बाद उनके स्वत्वों के भुगतान के लिए 1.24 लाख की रिश्वत मांगी जा रही है। शिक्षिका के अनुसार, इस मामले की जानकारी बीईओ को भी दी गई थी, लेकिन उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की। कलेक्टर अवनीश शरण ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए तत्काल मामले की जांच के आदेश दिए।

जांच में शिक्षिका के आरोप सही पाए गए। रिपोर्ट में स्पष्ट हुआ कि बीईओ विजय पांडे और लिपिक एकादशी पोर्ते ने मिलकर जानबूझकर शिक्षिका को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया और बिना रिश्वत के स्वत्वों का भुगतान नहीं किया जा रहा है।

राइस मिल में अचानक लगी आग, मचा हड़कंप, दमकल टीम ने पाया काबू

दुर्ग, 23 मार्च (एजेंसियां)। दुर्ग के जेवरा सिरसा चौकी क्षेत्र चिखली स्थित नारायण राइस मिल में रविवार की सुबह आग लग गई। आग की सूचना राइस मिल के मालिक ने पुलिस और जिला अग्निशमन की दी। जिसके बाद फायर ब्रिगेड की चार गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाने का प्रयास किया जा रहा है। इस आग से राइस मिल मालिक को लाखों का नुकसान हुआ है।

जिला अग्निशमन अधिकारी कमांडेंट नागेंद्र सिंह ने बताया कि रविवार की सुबह आग लगने की सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम को रवाना किया। फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। जिला दमकल विभाग के चार दमकल गाड़ियों को भेजकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया। आग लगाने का कारण अज्ञात बताया जा रहा हैं। इस आग से राइस मिल मालिक को लाखों का नुकसान हुआ है आग से धान और बारदाने जलकर खाक हो गए।

झारखंड में तेज हवाओं के साथ बारिश

वज्रपात का अलर्ट

रांची, 23 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड की राजधानी रांची समेत गुमला, लोहरदगा और खूंटी में बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई. रविवार को कोल्हान और संताल परगना को छोड़ कर अन्य इलाकों में मौसम साफ रहने की उम्मीद है. कहीं-कहीं दोपहर बाद बादल छाये रह सकते हैं और वज्रपात की आशंका है. मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है.

मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद के अनुसार रविवार को कोल्हान और संताल परगना में तेज हवाओं के साथ गर्जन, वज्रपात और बारिश हो सकती है. मौसम विभाग ने इन इलाकों में येलो अलर्ट जारी किया है. रविवार से अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी होगी. दो से तीन दिनों में अधिकतम तापमान 35 से 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की उम्मीद है. जिससे गर्मी व उमस से जनजीवन प्रभावित हो सकता है.

राजधानी रांची में दिनभर धूप और शाम में ओलावृष्टि

राजधानी रांची में सुबह में बूंदाबांदी के बाद दिन भर खिली हुई धूप रही, जबकि शाम चार बजे अचानक मौसम बदल गया और आकाश में बादल छा गये. इसके बाद ओलावृष्टि के साथ बारिश शुरू हो गयी.

एक घंटे तक यह स्थिति बनी रही. गुमला व लोहरदगा में भी ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान हुआ है.

मौसम विभाग के अनुसार, सबसे अधिक गुमला में 15 मिमी बारिश हुई, जबकि रांची में 10 मिमी बारिश हुई. पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक बारिश सरायकेला खरसांवा में 85.6 मिमी, सिमडेगा (कुरडेग) में 69.9 मिमी, रांची में 45 मिमी, जमशेदपुर में 40 मिमी, गुमला में 38 मिमी, लोहरदगा में 32 मिमी, खूंटी में 45 मिमी, लाहेतार में 37 मिमी, रामगढ़ में 25 मिमी, चाईबासा में 38 मिमी बारिश रिकॉर्ड किया गया.

तीन सड़क हादसे, दो लोगों की मौत, तीन घायल, एक मृतक की नहीं हो सकी पहचान

उज्जैन, 23 मार्च (एजेंसियां)। उज्जैन जिले के बड़नगर में तीन सड़क दुर्घटनाओं के मामले सामने आए हैं। दो हदसों में दो लोगों की मौत हुई है, जबकि तीसरे हादसे में एक बालक सहित तीन लोग घायल हुए हैं। एक मृतक की पहचान अब तक नहीं हो पाई है। बड़नगर थाना क्षेत्र के रूनिजा रोड पर उज्जैन से बदनावर के बीच चलने वाली शकील बस और एक कार के बीच टक्कर हो गई। हादसे में कार में सवार दीपक पिता खुमानसिंह सिसौदिया (30), सपना पति शक्तिपालसिंह राठौर (29) और शिवांश पिता रामसिंह मंडलोई (10) निवासी कानवन जिला धार घायल हो गए। कार में सवार कुछ अन्य लोगों को मामूली चोटें आईं है। पुलिस ने बस चालक के खिलाफ लापरवाही का मामला दर्ज किया है।

इजराइली हवाई हमले में हमास के पॉलिटिकल लीडर की मौत

पत्नी की भी जान गई; सीजफायर के बीच लेबनान में इजराइल ने हमले किए

तेल अवीव, 23 मार्च (एजेंसियां)। इजराइल के हवाई हमले में हमास के टॉप पॉलीटिकल लीडर सलाह अल-बर्दावील और उनकी पत्नी की मौत हो गई है। हमास ने रविवार सुबह इसकी पुष्टि की है। हमला दक्षिणी गाजा के खान युनिस शहर में हुआ था। पिछले हफ्ते मंगलवार को इजराइल ने सीजफायर तोड़ते हुए गाजा में दोबारा हमले शुरू किए थे। इन हमलों में लगभग 600 फिलिस्तीनियों की मौत हो चुकी है। इजराइली सेना ने कहा कि वह गाजा सिटी के तीन इलाकों में नए हमले की योजना बना रही है और फिलिस्तीनियों को वहां से निकलने की चेतावनी दी गई है। इजराइल ने हमास की कैद में मौजूद 59 बंधकों की रिहाई तक गाजा में हमले तेज करने का आदेश दिया है। इन बंधकों में से 24 जिंदा है। इससे पहले दोनों के बीच 19 जनवरी को सीजफायर हुआ था। इसमें बंधकों की रिहाई डील हुई थी।

हिजबुल्लाह से सीजफायर के बीच लेबनान में इजराइल का हमला

इजराइल ने शनिवार रात लेबनान में कई जगहों पर हवाई हमले किए। इन हमलों में 7 लोगों की मौत हो गई है। इजराइल ने यह हमला लेबनान से दागे गए रॉकेट के जवाब में किया। पिछले 4 महीने से हिजबुल्लाह के साथ जारी सीजफायर के बाद इजराइल का यह पहला बड़ा हमला था। हिजबुल्लाह ने बयान जारी कर बताया कि उसने इजराइल पर रॉकेट नहीं दागे हैं और सीजफायर का पालन कर रहा है। इजराइली सेना (आईडीएफ) ने बताया कि लेबनान बॉर्डर के पास मेटुला शहर से 6 रॉकेट दागे गए थे। इनमें से 3 इजराइल में दाखिल हुए, जिन्हें हवा में ही नष्ट कर दिया गया। आईडीएफ के मुताबिक हमलावरों की पहचान नहीं हो पाई है, लेकिन उसने हिजबुल्लाह के कमांड सेंटर और दर्जनों रॉकेट लॉन्चर्स को निशाना बनाया है।

नेतन्याहू ने जवाबी कार्रवाई का आदेश दिया

रिपोर्ट के मुताबिक रॉकेट हमलों के जवाब में इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सेना को लेबनान में जवाबी कार्रवाई करने के लिए कहा है। इसके लिए दर्जनों ठिकानों को निशाना बनाने का आदेश दिया गया है। वहीं लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने भी सेना को जरूरी कदम उठाने के लिए कहा है। हालांकि नवाफ साफ किया कि देश वापस जंग नहीं चाहता है। लेबनान की सरकारी समाचार एजेंसी एनएनए के मुताबिक, इजराइली हमले में दक्षिणी लेबनान के टूलिन गांव में पांच लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक बच्चा भी शामिल है, जबकि 10 अन्य घायल हुए।

सितंबर 2024 में हिजबुल्लाह-इजराइल में जंग छिड़ी थी

हमास के 7 अक्टूबर, 2023 के हमले के बाद हिजबुल्लाह ने इजराइल पर मिसाइल, ड्रोन और रॉकेट हमले शुरू कर दिए थे। सितंबर में यह टकराव जंग में बदल गया, जब इजराइल ने बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए और हिजबुल्लाह के कई सीनियर नेताओं को मार गिराया। इस संघर्ष में लेबनान में 4,000 से अधिक लोगों की मौत हो गई, जबकि लगभग 60,000 इजराइली विस्थापित हुए। युद्धविराम समझौते के तहत इजराइल को जनवरी के अंत तक लेबनान के सभी इलाकों से हटना था, लेकिन इस समय सीमा को बढ़ाकर 18 फरवरी कर दिया गया। हालांकि, इजराइल ने अभी भी लेबनान की 5 जगहों पर मौजूदगी बनाई हुई है।

अमेरिका के न्यू मेक्सिको पार्क में चलीं ताबड़तोड़ गोलियां, 3 लोगों की मौत

लास क्रूसेस, 23 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका में गोलीबारी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। यहां आए दिन किसी न किसी शहर में फायरिंग की घटनाएं लोगों के बीच दहशत और मौत का कारण बन रही हैं। ताजा मामला न्यू मेक्सिको के लास क्रूसेस शहर से जुड़ा है, जहां एक पार्क में गोलीबारी की घटना में तीन लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस और अग्निशमन दल घटना के बाद रात शहर के 'यंग पार्क' में पहुंचे। पार्क में कार शो आयोजित किया गया था और उसमें लगभग 200 लोग इकट्ठा हुए थे। पुलिस ने बताया कि इस कार शो के लिए अनुमति नहीं ली गई थी। उसने बताया कि पीड़ितों का पहले घटनास्थल पर ही इलाज किया गया और फिर उन्हें उपचार के लिए अस्पतालों में भेजा गया। लास क्रूसेस पुलिस प्रमुख जेरेमी स्टोरी ने बताया कि पार्क के एक बड़े हिस्से में 50 से 60 खोखे बिखरे हुए मिले हैं, जिससे प्रतीत होता है कि कई लोगों ने कई अग्नेयास्त्रों से गोलीबारी की।

पुलिस को संदेह है कि ये दो गुटों के बीच गोलीबारी की घटना है जिसमें तीन लोग मारे गए और 15 लोग घायल हो गए। मृतकों में 19 साल के दो युवक और 16 साल का एक किशोर शामिल है। पुलिस ने मृतकों और घायलों के नाम फिलहाल उजागर नहीं किए हैं। शहर के इस पार्क में हालांकि अवैध कार शो होना कोई नयी बात नहीं है लेकिन पहले क्षेत्र में पुलिस की मौजूदगी अधिक रहती थी। लास क्रूसेस के दमकल विभाग के प्रमुख माइकल डेनियल ने बताया कि घायलों को तीन स्थानीय अस्पतालों और एल पासो के 'यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर' में भर्ती कराया गया। लास क्रूसेस सिटी काउंसलर जोहाना बेनकोमो और मेयर प्रो टेम जोहाना बेनकोमो ने इंस्टाग्राम पर एक 'पोस्ट' में इस घटना पर दुख व्यक्त किया।

बलोच विद्रोहियों के हमले से दहल उठा पाकिस्तान

चार पुलिसकर्मियों को घेर कर मारा, 4 पंजाबी मजदूरों की भी हत्या

बलूच, 23 मार्च (एजेंसियां)। बलूचिस्तान के नोशकी जिले में बलूच विद्रोहियों ने पाकिस्तानी सुरक्षा बलों पर बड़ा हमला किया है। पाकिस्तानी मीडिया आउटलेट एआरवाई न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इस हमले में कम से कम चार पुलिसकर्मियों की मौत हो गई है। अधिकारियों के मुताबिक, गोलीबारी की यह घटना गरीबाबाद इलाके में हुई, जहां हथियारबंद हमलावरों ने पुलिस की गश्ती वैन को घेरकर फायरिंग की। इस हमले में चार सुरक्षाकर्मी मारे गए। हमलावर वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गए। रिपोर्ट के अनुसार, मौके पर पहुंचे सुरक्षाबलों ने शवों को स्थानीय अस्पताल भेज दिया। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए निर्दोष लोगों की मौत पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने हमले को कायराना कृत्य करार दिया और कहा कि बलूचिस्तान में शांति और विकास प्रक्रिया को बाधित करने के ऐसे प्रयास कभी सफल नहीं होंगे। बुगती ने चेतावनी दी, जो लोग निर्दोष लोगों की जान लेते हैं, उन्हें इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। नोशकी में यह हाल ही में हुआ दूसरा बड़ा हमला है। इससे पहले, बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने पाकिस्तानी सेना के काफिले पर हमला किया था और सैनिकों से भरी बस को विस्फोट से उड़ा दिया था। विद्रोहियों ने 90 सैनिकों के मारे जाने का दावा किया, हालांकि पाकिस्तानी अधिकारियों ने केवल 7 सैनिकों की मौत की पुष्टि की। बलूचिस्तान के कलात जिले में शनिवार को हमलावरों ने पंजाब के चार मजदूरों की गोली मारकर हत्या कर दी। रिपोर्ट के अनुसार, मजदूर एक स्थानीय जमींदार के लिए ट्यूबवेल खोद रहे थे, जब उन पर हमला हुआ। सभी मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि हमलावर फरार होने में कामयाब रहे। हाल के दिनों में अलगाववादी विद्रोही समूहों ने बलूचिस्तान में हमले तेज कर दिए हैं। बीते हफ्ते, बलूच विद्रोहियों ने क्वेटा से पेशावर जा रही जाफर एक्सप्रेस ट्रेन को कब्जे में ले लिया था, जिसमें 200 से अधिक लोगों को बंधक बना लिया गया था

दक्षिण कोरिया के 20 से ज्यादा जंगलों में भड़की आग

बिजिंग, 23 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के बाद अब दक्षिण कोरिया के जंगलों में आग भड़क गई है। दक्षिण कोरिया के 20 से ज्यादा जगहों के जंगल आग की चपेट में है। इनमें दक्षिण-पूर्वी कोरिया प्रायद्वीप में फैली आग ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। इस भीषण आग में दो दमकल कर्मियों की मौत हो गई है। आग की लपटों में घिरे दक्षिण कोरिया के जंगलों का वीडियो सामने आया है। वीडियो में आग की स्थिति बहुत भयावह है। वीडियो में देखा जा सकता है कि पूरा का पूरा जंगल आग की लपटों से घिरा है। देश के विभिन्न हिस्से के जंगलों में फैली आग ने स्थानीय निवासियों के साथ अधिकारियों की चिंता बढ़ा दी है। आग बुझाने के प्रयासों में जुटे फायरफाइटर्स और राहत कर्मियों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। इस दौरान भारी धुंआ और तेज हवा ने आग को और भी फैलने में मदद की, जिससे दमकल कर्मियों को आग पर काबू पाना बेहद कठिन हो गया है। दक्षिण ग्योंगसांग प्रांत में शुक्रवार को शुरू हुई आग ने दोपहर तक 275 हेक्टेयर यानी 680 एकड़ क्षेत्र को अपनी जद में ले लिया। इस आग को काबू करने की कोशिश में जुटे दो दमकलकर्मियों की जान चली गई। अधिकारियों के मुताबिक, 200 से अधिक लोगों को अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा।

अप्रवासियों के निर्वासन में बाइडन से काफी पीछे ट्रंप

जो के मुकाबले राष्ट्रपति का आंकड़ा औसतन 20 हजार कम

वॉशिंगटन, 23 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक ओर अप्रवासियों को देश से निर्वासित करने पर जोर दे रहे हैं। लेकिन अमेरिका से अब तक निर्वासित किए गए लोगों का आंकड़ा पूर्व राष्ट्रपति बाइडन के कार्यकाल से काफी कम है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने कार्यकाल के पहले महीने में 37660 लोगों को निर्वासित किया। जबकि बाइडन प्रशासन ने अपने अंतिम वर्ष में मासिक तौर पर 57700 लोगों को निष्कासन किया था। ट्रंप प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि आने वाले महीनों में निर्वासितों की संख्या में इजाफा होगा। ट्रंप प्रशासन ने अप्रवासियों की गिरफ्तारी और निष्कासन के लिए नए रास्ते खोले हैं। डीएचएस की प्रवक्ता ट्रिसिया मैकलॉघलिन ने कहा कि अवैध आव्रजन बढ़ने से बाइडन के समय में निर्वासितों की संख्या में इजाफा हुआ था। सीमा सुरक्षा अधिकारी टॉम होमन ने बताया कि ट्रंप के कार्यकाल के पहले तीन सप्ताह में आईसीई ने लगभग 14 000 लोगों को गिरफ्तार किया। यह संख्या पिछले साल के औसत से दोगुनी है। बताया गया मत गिरफ्तारियां प्रतिदिन लगभग 800-1200 तक बढ़ गईं। इसके बाद हिरासत केंद्र भर जाने तथा अधिकारियों द्वारा स्वदेश लौटने वाले शहरों को लक्ष्य बनाने के कारण इसमें कमी आ गई। फरवरी के आंकड़ों के अनुसार 19,000 बंदियों को आईसीई ने गिरफ्तार किया। जबकि लगभग 22,000 को अमेरिकी सीमा अधिकारियों ने हिरासत में लिया। गिरफ्तार किए गए 19,000 लोगों में से लगभग 2,800 का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं था। यह आंकड़ा जनवरी के मध्य में ट्रंप के पदभार ग्रहण करने से पहले 858 से अधिक था।

अब ट्रंप ने बिना आपराधिक रिकॉर्ड वाले प्रवासियों की गिरफ्तारी को आसान बनाने और अंतिम निर्वासन आदेश लोगों को हिरासत में लेने के लिए नए नियम बनाए हैं। ट्रंप प्रशासन गिरफ्तारी और जांच में सहायता के लिए आईसीई की जांच शाखा, न्याय विभाग, आईआरएस और विदेश विभाग से एजेंटों को भी बुला रहा है। बताया जा रहा है कि ये जांच एजेंट उन नियोक्ताओं पर नकेल कसने में मदद करेंगे जो बिना कानूनी दर्जे के श्रमिकों को काम पर रखते हैं तथा ऐसे लोगों पर भी जो अंतिम निर्वासन आदेश प्राप्त कर चुके हैं अप्रवासन अध्ययन केंद्र की नीति निदेशक जेसिका वॉन ने कहा कि ये सभी कठिन मामले हैं। कार्यस्थल संचालन के मामले में बहुत सारी योजनाएं बनानी होंगीं और उससे पहले कुछ जांच करनी होंगी। साथ ही इसमें बहुत समय लगेगा। शुरुआती कुछ महीनों में यह एक सुपरटैंकर को घुमाने जैसा होगा। राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद ही डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका से करीब 1.1 करोड़ अवैध अप्रवासियों को निर्वासित करने की बात कही थी। इसके बाद अमेरिकी सेना ने लैटिन अमेरिकी देशों में अवैध अप्रवासियों को लेकर छह उड़ानें भरी। ट्रंप ने अप्रवासियों पर शिकंजा कसने के लिए सेना का भरपूर इस्तेमाल किया। सैन्य उड़ानें निर्वासितों को लेकर ग्वाटेमाला, होंडुरास, पनामा, इक्वाडोर, पेरू और भारत समेत कई देशों में लेकर गईं।

विदेश विभाग ने घोषित किए आतंकी संगठन

बुधवार को अमेरिकी विदेश विभाग ने वेनेजुएला के ट्रेन डे अरागुआ और सात अन्य आपराधिक गिरोहों और कार्टेलों को आतंकी संगठन घोषित किया था। अमेरिकी आव्रजन कानून के तहत आतंकी घोषित किए गए कथित गिरोह के सदस्यों और समूहों से जुड़े लोगों को आसानी से निर्वासित किया जा सकता है।

इजराइल अमेरिका ने मिलकर दहलाए अरब के तीन देश, ईद से पहले मौत का मंजर

गाजा, 23 मार्च (एजेंसियां)। इजराइल ने एक बार फिर गाजा पर बमबारी शुरू कर दी है इस बार की बमबारी से लग रहा है कि इजराइल फिलिस्तीन पर कोई भी रहम खाने के मूड में नहीं है। इजराइल ने गाजा के साथ-साथ एक और देश को निशाना बनाया है, वहां भी इजराइल के हमलों से मलबे का ढेर लग गया है। अमेरिका ने भी एक मुस्लिम देश को तबाह करने की ठान ली है। इजराइल ने हमास के साथ-साथ हिजबुल्लाह के साथ हुआ सीजफायर तोड़ते हुए शाम को दक्षिणी और पूर्वी लेबनान में विभिन्न स्थानों को अपने हवाई हमले से निशाना बनाया गया। साथ ही अमेरिका ने यमन पर अपनी बमबारी शनिवार को भी जारी रखी। अमेरिका ने शनिवार रात यमन में कई जगहों पर हमले किए जिनमें यमन के खास शहर होदेइदाह का एयरपोर्ट भी शामिल है। इजराइल अपने हमलों से गाज में पिछले एक हफ्ते में करीब 700 जानें ले चुका है। लेबनान में भी इजराइल ने खूनी खेल खेलना शुरू कर दिया है। इजराइली सेना ने वादी जिबकिन, वादी अल-शौमरियाह, श्रीफा, फ्रुन और घंडौरिया के शहरों के बीच की घाटी और डेर क़ानून अल-नहर और वादी सिन्या के शहरों के बाहरी इलाकों पर हवाई हमले किए। इसके अलावा, इजराइली हवाई हमलों ने इक्लिम अल-तुफ़ा में ऊंचाई वाले क्षेत्रों को निशाना बनाया गया है। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुरुआती जानकारी में बताया कि इजराइली हवाई हमले में एक व्यक्ति शहीद हो गया और 17 अन्य घायल हैं। पिछले दो हफ्तों से अमेरिका यमन पर हमले कर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 17 मार्च को यमन पर सैन्य कार्रवाई का आदेश दिया, जो कि गाजा के नरसंहार के खिलाफ यमनी हूतियों के रुख के जवाब में किया गया है। रात अमेरिका ने पश्चिमी यमन के तटीय शहर होदेदाह के दक्षिण में होदेदाह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को तीन अलग-अलग हवाई हमलों में निशाना बनाया, जबकि उत्तर-पूर्वी यमन में मंजर निदेशालय को पांच हवाई हमलों में निशाना बनाया गया।

पाकिस्तान में नमाज पढ़ना भी गुनाह, 50 से ज्यादा अहमदियों पर एफआईआर दर्ज

फैसलाबाद, 23 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में अहमदिया समुदाय के 50 से अधिक लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। उन पर आरोप है कि उन्होंने जुमे की नमाज अदा की, जो उनके लिए प्रतिबंधित है। कट्टरपंथी संगठन तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) ने कई शहरों में अहमदियों के इबादत स्थलों को घेरकर उन्हें नमाज पढ़ने से रोका। पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ बढ़ते अत्याचार एक बार फिर चर्चा में हैं। पंजाब प्रांत में अहमदिया समुदाय के 50 से अधिक लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। उन पर आरोप है कि उन्होंने जुमे की नमाज अदा की, जो उनके लिए प्रतिबंधित है। इस कार्रवाई के बाद पाकिस्तान में धार्मिक स्वतंत्रता पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। मामला पंजाब प्रांत का है, जहां कट्टरपंथी संगठन तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) ने कई शहरों में अहमदियों के इबादत स्थलों को घेर लिया ताकि वे नमाज न पढ़ सकें। फैसलाबाद में जुमे की नमाज के दौरान अहमदियों पर हमला भी किया गया। इस घटना के बाद पुलिस ने 8 नामजद अहमदियों समेत 50 से ज्यादा लोगों के खिलाफ पाकिस्तान पेनल कोड (पीपीसी) की धारा के तहत मामला दर्ज किया। एफआईआर मोहम्मद अमानुल्लाह नामक व्यक्ति की शिकायत पर दर्ज की गई। आरोप लगाया गया कि अहमदी समुदाय के लोग खुद को मुसलमान बताते हुए इस्लाम का अपमान कर रहे हैं। पाकिस्तान में 1974 में अहमदियों को गैर-मुस्लिम घोषित किया गया था, जिसके बाद से उन्हें इस्लामी रीति-रिवाजों को अपनाने की इजाजत नहीं है। हाल के वर्षों में उन पर हमले और प्रतिबंध और अधिक बढ़ गए हैं। जमात-ए-अहमदिया पाकिस्तान (जेएपी) के प्रवक्ता आमिर महमूद ने बताया कि पिछले एक महीने में 33 जगहों पर अहमदियों को नमाज पढ़ने से रोका गया है। उन्होंने सरकार से अहमदियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और कट्टरपंथियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिरकार एक कट्टरपंथी संगठन के इशारे पर निर्दोष अहमदियों के खिलाफ झूठे मुकदमे क्यों दर्ज किए जा रहे हैं? जेएपी के अनुसार, पंजाब के कई अन्य जिलों जैसे करतारपुर, गुजरात और सियालकोट में भी अहमदियों के पूजा स्थलों को घेर लिया गया। धार्मिक चरमपंथी संगठनों ने यहां जुमे की नमाज रोकने की कोशिश की। पाकिस्तान में अहमदियों के खिलाफ नफरत कोई नई बात नहीं है, लेकिन हालिया घटनाओं ने उनकी धार्मिक स्वतंत्रता पर और अधिक संकट खड़ा कर दिया है। जेएपी का कहना है कि यह कार्रवाई पाकिस्तान के संविधान के अनुच्छेद 20 का स्पष्ट उल्लंघन है,

चाइना के माल की कोई गारंटी नहीं श्रीलंका में चीन का बना एक और विमान ध्वस्त; सुरक्षा पर उठे सवाल

कोलंबो, 23 मार्च (एजेंसियां)। श्रीलंकाई वायुसेना का चीन निर्मित एक और प्रशिक्षण विमान ध्वस्त हो जाने से इसकी सुरक्षा को लेकर सवाल पैदा हो गया है। वारियापोला क्षेत्र में शुक्रवार को चीन निर्मित के-8 प्रशिक्षण विमान क्रैश हो जाने के बाद सेवा में अन्य विमानों की सुरक्षा और संचालन तैयारी को लेकर गंभीर चिंता पैदा हो गई है।

कब-कब हुईं दुर्घटनाएं

इससे पहले 15 दिसंबर, 2020 को श्रीलंकाई वायुसेना का एक पीटी-6 विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसमें प्रशिक्षु पायलट की मौत हो गई। सात अगस्त, 2023 को पीटी-6 उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें पायलट और फ्लाइट इंजीनियर दोनों की मौत हो गई। मुख्य प्रशिक्षक पायलट और प्रशिक्षु पायलट दुर्घटना से पहले विमान से बाहर निकल गए। वर्तमान में दोनों का कुरुनेगला टीचिंग अस्पताल में इलाज चल रहा है। श्रीलंकाई वायुसेना के कमांडर एयर मार्शल बंडू एदिरिसंघे ने दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए सात सदस्यीय विशेष जांच समिति गठित की है।

श्रीलंका समेत कई देशों की सेना की सेवा में सिंगल-इंजन काराकोरम-8 (के-8) जेट प्रशिक्षक विमान चीन, मिस्त्र, पाकिस्तान, जिंबाब्वे और श्रीलंका समेत कई देशों की सेना की सेवा में है।

सितंबर 2018 में सूडानी सेना से संबंधित के-8 क्रैश हो गया था। बोलीविया में भी यह विमान एक आवासीय क्षेत्र में क्रैश हो गया और इस वर्ष जनवरी में पाकिस्तानी वायुसेना का पीके-8 मुश्शाक क्रैश हो गया।

पहले डिज्नीलैंड घुमाया, फिर चाकू खरीदकर मां ने काट दिया 11 साल के बेटे का गला

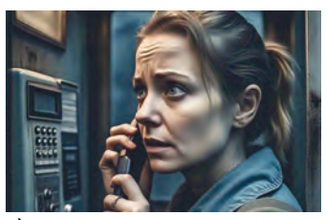

कैलिफोर्निया, 23 मार्च (एजेंसियां)। कैलिफोर्निया में भारतीय मूल की एक महिला सरिता रामाराजू (48) पर अपने 11 वर्षीय बेटे की गला रेतकर हत्या करने का आरोप लगाया गया है। घटना से पहले सरिता अपने बेटे के साथ डिज्नीलैंड में तीन दिन की छुट्टियां मना रही थी। पुलिस के मुताबिक ये दर्दनाक घटना 19 मार्च को कैलिफोर्निया के सांता एना स्थित एक होटल में हुई। जानकारी के अनुसार सरिता 2018 में अपने पति प्रकाश राजू से तलाक लेने के बाद कैलिफोर्निया छोड़कर चली गई थी। अदालत के आदेशानुसार बेटे की कस्टडी उसके पिता के पास थी, लेकिन सरिता को उससे मिलने का अधिकार मिला हुआ था। इसी दौरान उसने अपने बेटे के साथ तीन दिनों के लिए डिज्नीलैंड जाने का प्लान बनाया और एक होटल में ठहरी थी।

हत्या के बाद खुदकुशी की कोशिश

19 मार्च को जब सरिता को अपने बेटे को उसके पिता के पास वापस पहुंचाना था, उसने उसी दिन सुबह 9:12 बजे पुलिस को फोन कर बताया कि उसने अपने बेटे की हत्या कर दी है और खुद आत्महत्या करने के लिए गोलियां खा ली हैं। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो उसने देखा कि बच्चा बिस्तर पर मृत पड़ा था और उसके चारों ओर डिज्नीलैंड की यादगार वस्तुएं रखी हुई थीं।

हत्या के लिए खरीदा गया नया चाकू

पुलिस जांच में सामने आया कि सरिता ने हत्या के लिए एक बड़ा चाकू खरीदा था, जो घटनास्थल से बरामद हुआ। ऐसा प्रतीत होता है कि बच्चे की हत्या कई घंटों पहले ही की जा चुकी थी। सरिता को जहरीला पदार्थ खाने के बाद हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। ऑरेंज काउंटी के जिला अटॉर्नी कार्यालय के मुताबिक सरिता और उसके पूर्व पति के बीच पिछले साल से बेटे की कस्टडी को लेकर कानूनी विवाद चल रहा था। अंततः अदालत ने बच्चे का संरक्षण उसके पिता को सौंप दिया था। जिला अटॉर्नी टॉड स्पिट्जर ने इस घटना पर दुख जाहिर करते हुए कहा 'माता-पिता की बाहें बच्चों के लिए सबसे सुरक्षित जगह होनी चाहिए, लेकिन सरिता ने अपने बेटे को प्यार से गले लगाने के बजाय उसकी जान ले ली।' अगर सरिता रामाराजू दोषी पाई जाती है तो उसे अधिकतम 26 साल की सजा हो सकती है। फिलहाल पुलिस इस मामले की गहराई से जांच कर रही है और अदालत में जल्द ही इस पर सुनवाई होगी।

अमेरिका: वर्जिनिया के स्टोर में फायरिंग, भारतीय बाप-बेटी को मारा

वर्जिनिया, 23 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के वर्जिनिया प्रांत से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक डिपार्टमेंटल स्टोर में काम कर रहे 24 साल की भारतीय महिला और उसके 56 साल के पिता की गोली मारकर हत्या कर दी है। यह घटना गुरुवार को अर्कांमैक काउंटी के एक स्टोर में हुई, जानकारी के मुताबिक स्टोर खुलने के फोरन बाद पिता बेटी पर हमला हुआ। पुलिस ने दोहरे हत्याकांड के आरोपी 44 साल जॉर्ज फ्रेज़ियर डेवोन व्हार्टन को गिरफ्तार किया है। खबरों के मुताबिक आरोपी गुरुवार की सुबह जल्दी स्टोर पर शराब खरीदने के लिए पहुंचा और पूछा कि रात में स्टोर क्यों बंद था। इसके बाद उसने पिता-पुत्री पर फायरिंग कर दी। प्रदीप पटेल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी बेटी उर्मी हॉस्पिटल में जिंदगी से जंग हार गई। आरोपी व्हार्टन पर फर्स्ट-डिग्री हत्या और अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है, जिसमें गंभीर अपराध और हथियार कानून शामिल हैं। अगल वह दोषी सिद्ध होता है, तो उसकी सख्त कानूनी सजा का सामना करना पड़ सकता है। इस दुखद घटना ने मेहसाणा में पटेल के रिश्तेदारों को सदमे में डाल दिया है। प्रदीप पटेल के चाचा चंदू पटेल ने मीडिया से कहा कि वे लगभग 6-7 साल पहले अमेरिका गए थे। उन्होंने कहा, "हमें स्थानीय मीडिया रिपोर्टों और एक वायरल वीडियो से पता चला कि उन्हें गोली मार दी गई। हमने उनकी बेटी से बात की और उसने हमें सब कुछ बताया।" इस दोहरे हत्याकांड ने अमेरिका में भारतीय समुदाय को ठेस पहुंचाई है और उनकी सुरक्षा को लेकर कई सवाल खड़े किए हैं। यह घटना नॉर्थ कैरोलिना में एक सुविधा स्टोर चलाने वाले 36 साल की भारतीय मूल के मैनंक पटेल की डकैती के दौरान गोली मारकर हत्या किए जाने के कुछ महीनों बाद हुई है।

ऊर्जा राज्य मंत्री का नेता प्रतिपक्ष पर तीखा हमला

बोले- बिजली आपूर्ति को लेकर झूठी फिक्र न दिखाएं

जयपुर, 23 मार्च (एजेंसियां)। ऊर्जा राज्य मंत्री हीरालाल नागर ने नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली पर तीखा हमला करते हुए कहा कि नेता प्रतिपक्ष बिजली आपूर्ति को लेकर झूठी फिक्र ना दिखाएं। नागर ने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार ने प्रदेश की बिजली उत्पादन व आपूर्ति क्षमता को अपनी अकर्मण्यता से बर्बाद कर दिया था। इसलिए राजस्थान की जनता ने प्रदेश में भाजपा सरकार बनाकर कांग्रेस पार्टी को बिजली सा झटका दिया।

मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि भाजपा सरकार ने इस बार रबी के सीजन में बिना बैंकिंग के बिजली की निर्बाध आपूर्ति की है, जबकि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने 2023 के सितम्बर माह में रबी सीजन की मांग को पूरा करने के लिए अन्य राज्यों से बैंकिंग के जरिए बिजली उधार ली थी,

जिसका खामियाजा बिजली उपभोक्ताओं को पिछले वर्ष गर्मी के सीजन में भुगतना पड़ा।

मंत्री नागर ने कहा कि वर्ष 2018 से 2023 तक प्रदेश के बिजलीघर कोयले के लिए तरसते रहे। प्रदेश की कांग्रेस सरकार छत्तीसगढ़ राज्य में अपनी ही पार्टी की सरकार होने के बावजूद आवंटित कोल ब्लॉक से कोयले का खनन चालू नहीं करवा पाई, जबकि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार को पीईकेबी कोल ब्लॉक से कोयले का खनन प्रारंभ करने में सफलता मिली।

ऊर्जा राज्य मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय राज्य के थर्मल बिजली घर अपनी कुल क्षमता के मात्र 50 प्रतिशत पर ही बिजली उत्पादन करते रहे। थर्मल यूनिटों को बार-बार मेंटेनेंस का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने गुणवत्तापूर्ण कोल आपूर्ति तथा बेहतर रखरखाव के जरिए अब तक का सर्वश्रेष्ठ पीक विद्युत उत्पादन हासिल किया है। उन्होंने कहा कि 1 फरवरी, 2025 को 7160 मेगावाट का उच्चतम विद्युत उत्पादन हासिल किया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय किसान भाइयों को चार घंटे ही बिजली मिलती थी।

मंत्री नागर ने कहा कि राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए मार्च माह में केन्द्रीय सार्वजनिक उपक्रमों के साथ एमओयू किए गए, वहीं राइजिंग राजस्थान समिट में भी ऊर्जा क्षेत्र में सर्वाधिक राशि के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के शासनकाल में पीएम कुसुम-सी में चार मेगावाट क्षमता का एक प्लांट स्थापित हुआ, जबकि हमारी सरकार के कार्यकाल में प्रदेश में कुसुम-ए और कुसुम-सी में लगभग 650 मेगावाट के विकेनद्रित सोलर प्लांट स्थापित किए गए हैं।

कौन थे राणा सांगा जिनको सांसद ने बताया गद्दार

कितने युद्ध लड़े थे, कितने हारे, आज कहां हैं उनके वंशज

जयपुर, 23 मार्च (एजेंसियां)। यूपी से राजस्थान तक राणा सांगा को लेकर नया विवाद शुरू हो गया है। यूपी के सपा सांसद ने उनको गद्दार बताया है। राजस्थान के बीजेपी नेताओं ने इस बारे में माफी मांगने का दबाव बनाया है। इस बीच आपको बताते हैं राणा सांगा के बारे में.... आखिर वे कौन थे, कितनी लड़ाईयां लड़ी थी, कितनी जीती थीं, आज उनके वंशज कहां है...।

दरअसल राणा सांगा का असली नाम महाराणा संग्राम सिंह था। उनके पिता का नाम राजा रायमल था। वे महाराणा प्रताप के दादा थे। इतिहासकारों के अनुसार उन्होनें अपने जीवन काल में करीब सौ युद्ध लड़े और आखिरी वाले युद्ध को छोड़कर उन्होनें सभी युद्ध जीते थे। उनका जन्म राजस्थान के मेवाड़ में हुआ था।

इतिहासकारों की मानें तो

उनको आखिरी युद्ध के बाद जहर देकर मारा गया था। जिस समय उनकी मौत हुई थी उस सयम उनकी उम्र करीब 45 से 46 साल के आसपास ही थी।

बताया जाता है कि मुगल शासक बाबर ने अपनी पुस्तक बाबरनामा में उनकी वीरता का जिक्र किया था। महाराणा सांगा की मौत के बाद भी मुगल और राजपूत राजाओं में संघर्ष जारी रहा जिसे आगे उनके पोते महाराणा प्रताप ने बढ़ाया।

राणा सांगा देश के इतिहास के ऐसे भारतीय योद्धा थे जिनका एक हाथ, एक पैर, एक आंख, कान कटने के बाद भी वे लगातार युद्धों में शामिल होते रहे। यही कारण है कि उनकी प्रतिमा भी इसी तरह की बनाई गई है। उनके शरीर पर 80 गहरे घाव थे।

बात वर्तमान की करें तो राणा सांगा, महाराणा प्रताप के वंशज अब भी हैं। वे उदयपुर पूर्व राजघराने के सदस्य हैं। हाल ही में उनके वंशज में से एक राजघराने के पूर्व सदस्य अरविंद सिंह मेवाड़ का देहांत हुआ है।

उनके भाई महेन्द्र सिंह भी कुछ दिनों पूर्व शांत हो गए थे। वर्तमान में लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ और विश्वराज सिंह मेवाड़ वंश को संभाल रहे हैं। लक्ष्यराज सिंह होटल्स की चेन संभाल रहे हैं और विश्वराज सिंह भाजपा से विधायक हैं। उनकी पत्नी महिमा सिंह भी भाजपा से सांसद हैं।

पेपर लीक मामले में दौसा विधायक ने भजनलाल सरकार की तारीफ की

कांग्रेस के दोगले कार्यकर्ताओं पर बरसे बैरवा

दौसा, 23 मार्च (एजेंसियां)। दौसा से कांग्रेस विधायक दीनदयाल बैरवा ने पेपर लीक मामले में भाजपा सरकार की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कार्रवाई को सही भी बताया है। पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए दीनदयाल बैरवा ने कहा कि पेपर लीक हर सरकार के समय होते हैं। इससे युवाओं को नुकसान पहुंचता है और भविष्य खराब होता है। प्रदेश सरकार का निर्णय ठीक है, लेकिन मगरमच्छों को पकड़ा जाना चाहिए।

विधायक दीनदयाल बैरवा ने कहा कि कार्यकर्ताओं की वजह से संगठन मजबूत है। जो कार्यकर्ता मजबूती और सक्रियता से संगठन के साथ कार्य कर रहा है, उनको निश्चित ही आगे लाया जाएगा।

विधायक दीनदयाल बैरवा ने आगे कहा कि संगठन के साथ कुठाराघात करने वाले दोगले लोगों को बाहर किया जाना चाहिए। इसको लेकर शीर्ष नेतृत्व बहुत गंभीर है। कई लोग कांग्रेस की चापलूसी करते हैं और बगावत भी करते हैं, ऐसे नेताओं की छंटनी की जाएगी।

दौसा शहर के लालसोट रोड स्थित चौधरी धर्मशाला में दौसा नगर, ब्लॉक, ए व बी लवाण और नांगल मण्डल की बैठक जिलाध्यक्ष रामजीलाल ओढ़ की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इसमें प्रदेश प्रभारी हरिओम महर ने कहा कि संगठन में सक्रिय कार्यकर्ताओं को आगे लाना होगा। ऐसे कार्यकर्ता जिनके पास संगठनों में पद है और उनकी भूमिका निष्क्रिय है, उनके स्थान पर तत्काल प्रभाव से सक्रिय कार्यकर्ता को स्थान दिया जाएगा।

हाथ जोड़े खड़ी थी सरपंच, मंत्री मदन दिलावर ने कार में बैठे-बैठे कही ऐसी बात कि थर-थर कांपने लगी, खुश हो गए लोग

कोटा, 23 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के पंचायती राज एवं शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने अचानक कोटा जिले के मंडाना गांव का निरीक्षण किया। बिना किसी पूर्व सूचना के पहुंचे मंत्री ने ग्रामीणों से बातचीत की और स्थानीय समस्याओं की जानकारी ली। इस दौरान सबसे बड़ी शिकायत गांव में सफाई व्यवस्था की बदहाली को लेकर सामने आई, जिस पर उन्होंने अधिकारियों और पंचायत प्रतिनिधियों को कड़ी चेतावनी दी।

गांव में कचरे के ढेर देख मंत्री हुए नाराज

गांव में प्रवेश करते ही मंत्री ने गलियों और सार्वजनिक स्थलों पर फैली गंदगी को देखा। लोगों ने बताया कि कई दिनों से सफाई नहीं की गई और कचरा उठाने की कोई नियमित व्यवस्था नहीं है। स्थानीय नागरिकों का कहना था

कि सफाईकर्मी कभी-कभी ही आते हैं, जिससे हालात बिगड़ते जा रहे हैं। सूचना पाते ही सरपंच संतोष देवी भी वहां पहुंची और मंत्री के सामने हाजिर हुई। मंत्री ने उनको सफाई करने के निर्देश दिए और कहा कि आठ दिन के अंदर-अंदर सब कुछ सही हो जाना चाहिए, नहीं तो गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे।

अधिकारियों से मांगा जवाब

स्थिति को गंभीरता से लेते हुए मंत्री ने मौके पर ही ग्राम पंचायत और विकास अधिकारियों से जवाब-तलब किया। उन्होंने पूछा कि सफाई कार्यों के लिए स्वीकृत बजट कहां खर्च किया जा रहा है और क्यों सफाई व्यवस्था चरमराई हुई है।

निरीक्षण के दौरान पता चला कि सफाईकर्मियों को निर्धारित वेतन से काफी कम भुगतान किया जा रहा है। इस पर मंत्री ने गंभीर नाराजगी जताई और पंचायत अधिकारियों को आदेश दिया कि सफाईकर्मियों को पूरी तनख्वाह मिले ताकि वे ईमानदारी से अपने कार्य को अंजाम दें।

आठ दिन में व्यवस्था सुधारने की चेतावनी

मंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि आगामी आठ दिनों में सफाई व्यवस्था में सुधार नहीं दिखा, तो पंचायत और संबंधित विभागों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि गांव की नालियों की मरम्मत करवाई जाए नियमित कचरा उठाने की व्यवस्था की जाए और सफाई व्यवस्था पर सख्त निगरानी रखी जाए। मंत्री के इस दौरे के बाद ग्रामीणों में उम्मीद जगी है कि अब गांव की साफ-सफाई पर ध्यान दिया जाएगा और उन्हें बेहतर स्वच्छता सुविधाएं मिलेंगी। मंत्री के एक्शन के बाद से गांव के लोग खुश हैं।

ला-नीना की वजह से बदलेगा मौसम का मिजाज

अजमेर, 23 मार्च (एजेंसियां)। ग्लोबल वार्मिंग का मौसम पर असर नजर आने लगा है। राजस्थान में जून तक लगातार मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। मार्च में तापमान में बढ़ोतरी का दौर जारी है। अप्रेल से जून तक तेज गर्मी की संभावना है। हालांकि, ला-नीना की वजह से प्रदेश में अगले तीन महीने तक मौसम का मिजाज बदलेगा। पश्चिमी विक्षोभ में होने वाली उथल-पुथल से प्रदेश में कहीं बारिश तो कहीं ओले गिरने की संभावना है। साल 2025 की शुरुआत से ग्लोबल वार्मिंग का मौसम पर असर दिख रहा है। इस बार हिमालय क्षेत्र में बर्फबारी भी देरी से हुई है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार प्रशांत महासागर में ला-नीना की गति सामान्य होने से मौसम प्रभावित होगा। पश्चिमी विक्षोभ में होने वाली उथल-पुथल से अप्रेल से जून के मध्य बेमौसम बरसात, ओलावृष्टि होने की संभावना है। इस दौरान तापमान में भी उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

साधु की बेरहमी से हत्या: बाहर निकल आई पेट की आंतें, सामने आई हत्या की यह वजह

दौसा, 23 मार्च (एजेंसियां)। डिडवाना कस्बे के पंचमुखी हनुमान मंदिर के संत परशुराम दास की हत्या के मामले में हिरासत में लिए गए आरोपी को लालसोट पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। थानाधिकारी श्रीकृष्ण मीणा ने बताया कि महात्मा परसराम दास डिडवाना पंचमुखी हनुमान मंदिर पर पूजा अर्चना करता था।

करीब 5-7 माह से राजेन्द्र उर्फ शिवदास महाराज पुत्र भगवानसहाय निवासी लालावाला भी मंदिर में बनी अलग कुटिया में रहकर पूजा अर्चना करता था। पूजा अर्चना की बात को लेकर परसराम दास के पेट में चाकू से वार कर शिवदास महाराज अपने वाहन से भाग गया। इसके बाद कांस्टेबल बनेसिंह की अहम भूमिका के साथ पुलिस टीम ने आरोपी को एक घंटे बाद ही डिटेन कर लिया। पूछताछ के बाद उसे गिरफ्तार भी कर लिया है।

साधुओं के बीच हुए विवाद में एक वृद्ध साधु की हत्या के बाद मिले तथ्यों से यह जाहिर होता है कि आरोपी ने इस घटना को पूरी तरह सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया। ग्रामीणों ने बताया कि हत्या का आरोपी शिवपाल वृद्धि साधु परशुराम दास महाराज को काफी परेशान करता रहता था एवं उसकी कार्यशैली से भी काफी परेशान थे।

उन्होंने इस बारे में कई बार स्थानीय ग्रामीणों को भी जानकारी दी लेकिन समय रहते कोई कदम नहीं उठाया गया, इसके चलते संत परशुराम दास को जान गंवानी पड़ी है। इसके अलावा यह भी जानकारी मिली है कि हां आरोपी ने घटना से पूर्व मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे को भी बंद कर दिया।

इससे जाहिर होता है कि उसने अपनी करतूत को छुपाने के लिए पहले ही योजना बनाते हुए में सीसीटीवी कैमरे को बंद कर दिया। सीसीटीवी बंद करने के बाद आरोपी संत ने परशुराम दास पर चाकू से निर्ममता पूर्वक वार कर दिया। इससे उनके पेट की आंतें ही बाहर निकल आई। घटना के बाद आरोपी कार से भाग छूटा, लेकिन लालसोट पुलिस ने सजगता दिखाते हुए उसे करीब एक घंटे के दौरान ही सवाई माधोपुर रोड पर दबोच लिया।

एडिशनल एसपी दिनेश अग्रवाल ने बताया कि प्रथम दृष्टा जानकारी मिली है कि इन दोनों संतों के बीच आरती के दौरान कुछ विवाद हुआ है। इसके बाद आरोपी संत शिवपाल ने चाकू से संत परशुराम दास पर वार कर दिया। जिससे गंभीर रूप से घायल होकर दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि इस बात की संभावना है कि दोनों संतों के बीच मंदिर में वर्चस्व को लेकर लडाई थी। इसके चलते यह घटना हुई है।

अनुसंधान के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों का पता चलेगा। उन्होंने बताया कि मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज देखने पर यह पता चला है कि आरोपी ने घटना से पहले सीसीटीवी कैमरे को भी बंद कर दिया। जिससे ही यह जाहिर होता है कि आरोपी ने इस बारे में पहले से ही विचार किया होगा।

आरसीए एडहॉक कमेटी पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप

सदस्यों ने खुद के लिए खरीदे महंगे आईफोन

जयपुर, 23 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल शुरू होने से ठीक पहले राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) की एडहॉक कमेटी पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे हैं। कमेटी के सदस्यों पर आरसीए के फंड का दुरुपयोग करने, खुद के लिए महंगे आईफोन खरीदने और अनावश्यक रूप से महंगे समारोह आयोजित करने के आरोप हैं।

कमेटी के सदस्यों ने कथित रूप से आरसीए के पैसों से 2 लाख रुपये के महंगे आईफोन खरीदे। इसके अलावा, उन्होंने फंड का उपयोग कर महंगे सूट भी सिलवाए। आरसीए के पास खुद का लक्जरी होटल होने के बावजूद बाहरी महंगे होटलों में समारोह आयोजित किए गए,

जिससे अनावश्यक खर्च बढ़ा। एक समारोह में 35 लाख रुपये खर्च करने की जानकारी सामने आई है, जबकि पुरस्कार राशि केवल 5 लाख रुपये थी।

सदस्यों पर फर्जी टीए-डीए लेने का भी आरोप है। नियमों के अनुसार, एडहॉक कमेटी का काम केवल तीन माह में चुनाव कराना होता है, लेकिन एक साल बीत जाने के बाद भी चुनाव नहीं कराए गए। साथ ही, राजस्थान का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों को कार्यक्रमों में निमंत्रण नहीं भेजा गया और साधारण सभा की बैठक भी नहीं बुलाई गई, जो कि वित्तीय मामलों को प्रमाणित करने के लिए आवश्यक होती है।

पहले भी खिलाड़ियों के चयन को लेकर एडहॉक कमेटी पर भ्रष्टाचार के आरोप लग चुके हैं। अब इन नए आरोपों ने राजस्थान के क्रिकेट समुदाय में आक्रोश फैला दिया है। क्रिकेट प्रेमियों और खिलाड़ियों ने सरकार से इस मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। उनका कहना है कि आरसीए के फंड का सही उपयोग सुनिश्चित किया जाना चाहिए ताकि राजस्थान में क्रिकेट का विकास हो सके।

मादक पदार्थ तस्कर के विरुद्ध पुलिस का बड़ा एक्शन

एक करोड़ रुपये की संपत्ति को किया फ्रीज

जालौर, 23 मार्च (एजेंसियां)। जिले में अवैध मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ पुलिस की सख्त कार्रवाई जारी है। इसी कड़ी में भीनमाल पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी में लिप्त आरोपी भजनलाल विश्नोई की करीब एक करोड़ रुपये की संपत्ति को फ्रीज कर बड़ी कार्रवाई की है। फ्रीज की गई संपत्तियों में तीन मंजिला आलीशान मकान और कृषि भूमि शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि ये संपत्तियां अवैध मादक पदार्थ तस्करी से अर्जित की गई थीं। भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के सक्षम प्राधिकरण के आदेश पर यह कार्रवाई की गई।

पुलिस अधीक्षक ज्ञानचंद यादव के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोटाराम गोदारा और वृताधिकारी अन्नराजसिंह के सुपरविजन में थानाधिकारी रामेश्वर भाटी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। इस टीम ने आरोपी भजनलाल की संपत्तियों की जांच कर उन्हें चिन्हित किया। पुलिस के मुताबिक, चारणियों की ढाणी, पुनासा निवासी भजनलाल विश्नोई के खसरा नंबर 515 व 517 पर स्थित तीन मंजिला आवासीय मकान की कीमत 58.58 लाख रुपये आंकी गई है। इसके अलावा, उसके पिता केसाराम के नाम 4.90 हेक्टेयर में से 1.63 हेक्टेयर कृषि भूमि को भी फ्रीज किया गया है।

पुलिस अधीक्षक ज्ञानचंद यादव ने स्पष्ट किया कि अवैध मादक पदार्थ तस्करी के मामलों में लिप्त अपराधियों की संपत्तियों को जब्त करने की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। आरोपी भजनलाल की संपत्ति को एनडीपीएस एक्ट की धारा 68 एफ (1) के तहत जब्त करने के लिए सक्षम प्राधिकरण एवं प्रशासक, एनडीपीएस अधिनियम, नई दिल्ली को रिपोर्ट भेजी गई थी। 28 फरवरी 2025 को सक्षम प्राधिकरण ने संपत्ति फ्रीज करने के आदेश जारी किए।

पहले एक साथ की शराब पार्टी

फिर ईगो में दोस्त का गला रेत कर हत्या

जोधपुर, 23 मार्च (एजेंसियां)। झालामंड स्थित मोती मार्केट में शुक्रवार रात प्रॉपर्टी डीलर व वकील चंदनसिंह (33) की हत्या का मुख्य कारण आपसी ईगो था। ईगो में ही एक दोस्त ने दूसरे दोस्त का मर्डर करवा दिया। मुख्य आरोपी व चंदनसिंह का दोस्त मुकेश हुड्डा अब तक फरार है। चंदनसिंह ने अपने दोस्त मुकेश को 3000 रुपए उधार दे रखे थे। शुक्रवार रात को चंदनसिंह की स्कॉर्पियों में शराब पार्टी के दौरान चंदन ने मुकेश से उधारी लौटाने को कहा तो मुकेश ने बाद में देने की बात कही। मुकेश कुछ कमाता नहीं है। तीन हजार रुपए नहीं देने पर चंदन, मुकेश का मोबाइल फोन अपने साथ ले आया और कहा कि जब पैसे आएंगे, तभी मोबाइल मिलेगा। यह बात मुकेश को अखर गई। उसने आधी रात को ही नशे की हालत में रातानाडा भास्कर सर्कल से फोन पर अपने दो तीन दोस्तों को बुलाया।

मुकेश के दोस्त ऑटो में बैठकर झालामण्ड मोती मार्केट के पास पहुंचे। इधर, मुकेश ने चंदनसिंह को फोन करके अपनी उधारी लेने और मोबाइल वापस करने के लिए घर से बुलाया। चंदन के मोती मार्केट पहुंचने पर मुकेश के हमलावर दोस्तों ने उस पर हमला कर दिया और उसके गले में चाकू से वार करने पर खून की धार निकल पड़ी और एम्स ले जाते समय उसने दम तोड़ दिया था।

एडवोकेट ने कोर्ट परिसर में महिला वकील को पीटा

दनादन मारे थप्पड़; फिर जमकर बरसाए लात-घूंसे

भरतपुर, 23 मार्च (एजेंसियां)। पैसों के लेन-देन को लेकर एक वकील की ओर से शुक्रवार को महिला वकील के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। महिला वकील आरबीएम अस्पताल में भर्ती है। हालांकि महिला वकील ने घटना की कोई भी शिकायत पुलिस को नहीं दी है। महिला वकील का आरोप है कि जब उसकी पिटाई की गई तो उसे किसी ने नहीं बचाया। मुझे लात-घूसों और थप्पड़ों से बुरी तरह पीटा गया। महिला वकील शीतल शर्मा (35) निवासी गांधी नगर थाना सेवर ने बताया कि वह पहले कोर्ट में गोपाल मथुरिया के बस्ते पर बैठकर प्रेक्टिस करती थी, जिस भी क्लाइंट का ऑनलाइन पेमेंट आता था वह मेरे खाते में आता था। मैं उन पैसों का हिसाब गोपाल मथुरिया को कर दिया करती थी। अगस्त 2024 को मैंने उसका बस्ता छोड़ दिया और अपना अलग बस्ता डकैती कोर्ट के सामने बना लिया।

शीतल ने बताया कि शुक्रवार दोपहर अपराह्न करीब 3 बजे वकील गोपाल मथुरिया अचानक मेरे पास आया और कहने लगा कि मेरा हिसाब करो। मैंने उससे कहा कि मैंने तुम्हारा हिसाब पहले ही कर दिया। इतने में ही गालियां देने लगा और पीटने की धमकी देने लगा। शीतल ने गोपाल मथुरिया को अपने बस्ते पर जाने के लिए कहा। इसके बाद भी वह गालियां देता रहा। शीतल इसके बाद गोपाल मथुरिया की शिकायत करने के लिए बार एसोसिएशन में जाने लगी, आरोप है कि तभी गोपाल मथुरिया ने शीतल के बाल पकड़ लिए और उसको लात-घूसों से पीटने लगा। काफी देर तक कोर्ट में मौजूद लोग तमाशा देखते रहे। कुछ देर बाद 1-2 वकील शीतल को बचाने के लिए आए। इसके बाद दोनों का बीच-बचाव कराकर शीतल को घर भेज दिया। शीतल का कहना है कि रात को अचानक तबियत खराब हुई। इसके बाद परिजनों ने मुझे उसे आरबीएम अस्पताल में भर्ती कराया।

इस मामले में अधिवक्ता गोपाल मथुरिया ने बताया कि मेरे साथ महिला अधिवक्ता ने बाहर से बदमाशों को बुलवाकर मारपीट कराई।

तेलंगाना की आध्यात्मिक उत्कृष्टता दिखाने के लिए मंदिरों का विकास : पोंगुलेटी

मंत्री ने उत्सव के लिए तैयार हो रहे मिथिला स्टेडियम का अवलोकन किया

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अयोध्या के दक्षिण में स्थित भद्राचलम में, सीता राम के कल्याण उत्सव को तेलुगु राज्यों के करोड़ों लोग भक्तिभाव से देखते हैं, और उत्सव को भव्य तरीके से आयोजित करने के लिए पर्याप्त व्यवस्था की जाती है। राज्य के राजस्व, आवास और सूचना नागरिक संबंध मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने अधिकारियों को ऐसा करने का आदेश दिया। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी अप्रैल के पहले सप्ताह में श्रीराम नवमी महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे और चूंकि इस बार उम्मीद से अधिक भक्तों के शामिल होने की संभावना है, इसलिए अधिकारियों को बड़े पैमाने पर व्यवस्था करने का आदेश दिया गया है ताकि किसी को असुविधा न हो। मंत्री ने स्थानीय आरडीओ कार्यालय में व्यवस्थाओं पर महबूबाबाद के सांसद पोरिका बलराम नाइक, जिला कलेक्टर जितेश वी. पाटिल, आईटीडीए पीओ राहुल के साथ समीक्षा बैठक की। मंत्री ने आरएंडबी, बिजली, आरडब्ल्यूएस, स्वच्छता, स्वास्थ्य, परिवहन, अग्निशमन, उत्पाद शुल्क और अन्य विभागों के अधिकारियों से नवमी के लिए की जा रही व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। इससे पहले उन्होंने नवमी समारोह के लिए तैयार किये जा रहे मिथिला स्टेडियम का निरीक्षण किया। उन्होंने जिलाधिकारी व अधिकारियों को कई निर्देश दिये। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि उनकी सरकार तेलंगाना की आध्यात्मिक उन्नति को दर्शाने के लिए मंदिरों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि संयुक्त खम्मम जिले के अलावा तेलंगाना के सभी जिलों और अन्य राज्यों से बड़ी संख्या में भक्तों के शामिल होने की संभावना है।

अधिकारियों को तदनुसार व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री एनुमुला रेवंत रेड्डी श्रीराम नवमी समारोह में शामिल होंगे। मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि तीन दिनों में माडा सड़कों के विस्तार के लिए आवश्यक भूमि अधिग्रहण के लिए धन का भुगतान किया जाएगा, और माडा सड़कों के विस्तार का उद्घाटन समारोह श्रीराम नवमी पर मुख्यमंत्री द्वारा आयोजित किया जाएगा। अधिक गर्मी के मौसम के कारण, अधिक ताजे पानी केंद्र और छाछ वितरण केंद्र स्थापित किए जाने चाहिए। उन्होंने मंदिर के स्नानघर व आसपास के क्षेत्रों को समय-समय पर साफ-सुथरा रखने का आदेश दिया। मुख्यमंत्री रेवंत सहित मंत्री, विधायक, अन्य जन प्रतिनिधि, राज्य स्तरीय अधिकारी और विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे, उन्होंने यह सुनिश्चित करने की सलाह दी कि पार्किंग के लिए कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि समारोह में शामिल होने वाले सभी मेहमानों के लिए सभी आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की जाए। यथासंभव अधिक से अधिक प्राथमिक उपचार केंद्र बनाने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि कल्याणम के बाद स्वामी के दर्शन करने आने वाले भक्तों को बिना किसी समस्या के दर्शन भाग्य दिया जाना चाहिए। यातायात बाधित किये बिना कार्यवाही की जाये। मंत्री पोंगुलेटी ने कहा कि अग्नि दुर्घटनाओं को रोकने के लिए पहले से ही दमकल गाड़ियां उपलब्ध करायी जानी चाहिए और नवमी समारोह भव्यता के साथ मनाया जाना चाहिए। इस बैठक में स्थानीय आरडीओ दामोदर, विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी शामिल हुए।

कुकटपल्ली में डीजल टैंकर में लगी आग

पास की कार जलकर खाक

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार सुबह कुकटपल्ली में एक खुले पार्किंग यार्ड में एक डीजल टैंकर में भीषण आग लग गई। रिपोर्टों के अनुसार, जिस टैंकर में कुछ मात्रा में डीजल संग्रहित किया गया था, वह आईडीपीएल चेरुवु के पास एक खुली जमीन पर खड़ा था, तभी अचानक टैंकर में आग लग गई। भीषण आग के कारण पास में खड़ी एक कार भी पूरी तरह जलकर खाक हो गई। सूचना पर दो दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जब आग लगी, तब डीजल टैंकर चालक टैंकर से डीजल को बैरल में खाली कर रहा था। हालांकि पुलिस दावों की पुष्टि कर रही है।

दम्मापेटा में अलग-अलग घटनाओं में दो की मौत

कोत्तागुडेम, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के दम्मापेटा मंडल में रविवार को अलग-अलग घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई। मंडल के मुष्टीबंदला गांव में हुई सड़क दुर्घटना में एक ट्रक और मिनी ट्रक की आमने-सामने की टक्कर में नागालैंड के एक चालक की मौत हो गई। दुर्घटना में तीन अन्य घायल हो गए। परकलागांडी गांव में एक अन्य घटना में 23 वर्षीय युवक कोंडरू शिवा ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। उसने अपने घर में फांसी लगा ली। उसके इस कदम के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

सीपी ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा आयुक्त सुधीर बाबू आईपीएस ने उप्पल राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में शुरू हुई 18वीं संस्करण टाटा आईपीएल 2025 क्रिकेट प्रतियोगिता के संचालन से संबंधित सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। इस मौके पर स्टेडियम के आसपास के सीसीटीवी की प्रबंधन व्यवस्था की जांच की गयी। बड़ी संख्या में दर्शकों की उपस्थिति को देखते हुए सुरक्षा विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए सतर्क रहने की सलाह दी गई है। मैच खत्म होने के बाद, अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए उचित सावधानी बरतने की सलाह दी गई है कि जब सभी दर्शक बाहर जा रहे हों तो कोई हाथापाई या भगदड़ न हो।

आदिलाबाद में आवेदक दफ्तरों के चक्कर लगाने को मजबूर

आदिलाबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भूमि नियमन योजना (एलआरएस) के तहत मकानों के नियमितीकरण के लिए शुल्क का भुगतान करने के लिए आवेदक नगर पालिकाओं और अन्य विभागों के कार्यालयों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। सरकार ने 31 मार्च तक की समय सीमा के साथ शुल्क पर 25 प्रतिशत की छूट की पेशकश करते हुए इस योजना की घोषणा की थी। आवेदकों को उनके आवेदनों की स्थिति जानने में मदद करने के लिए एक ऑनलाइन आधारित प्रणाली बनाई गई है। हालांकि, आवेदक 2020 में दायर अपने आवेदनों की स्थिति जानने और अपनी शंकाओं को दूर करने के लिए नगर पालिकाओं में हेल्प डेस्क पर भीड़ लगा रहे हैं। वे इन कार्यों को पूरा करने में कम से कम तीन दिन लगा रहे हैं।

आवेदकों को भूमि की प्रकृति और वर्गीकरण जानने के लिए आदिलाबाद, मनचेरियल और अन्य नगर निकायों में शहर के विभिन्न हिस्सों में स्थित नगरपालिका, राजस्व और सिंचाई विभागों के कार्यालयों में जाना पड़ता है। उन्हें शुल्क का भुगतान तभी करने की अनुमति है जब इन विभागों के अधिकारी फील्ड विजिट करके और रिकॉर्ड की पुष्टि करके आवेदन को मंजूरी देते हैं। इसी तरह, आवेदकों को मी सेवा केंद्रों पर जाकर भूमि के दस्तावेज अपलोड करने की आवश्यकता होती है।

कथित तौर पर मी-सेवा केंद्रों द्वारा उन्हें ठगा जा रहा है, जो इस काम को करने के लिए 150 से 200 रुपये तक लेते हैं। उन्होंने अधिकारियों से प्रक्रिया में तेजी लाने और शोषण को रोकने के लिए केंद्रों पर कीमतों का चार्ट प्रदर्शित करने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया।

नगर नियोजन अधिकारियों ने बताया कि आदिलाबाद शहर में 14,472 पात्र आवेदकों के मुकाबले 709 आवेदनों पर कार्रवाई की गई, जिससे 20 मार्च तक सरकार को 1.88 करोड़ रुपये की आय हुई। 2020 में 22,369 लोगों ने 1,000 रुपये का शुल्क देकर एलआरएस के लिए आवेदन किया। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ दिनों से इस प्रक्रिया में तेजी आई है।

मंचेरियल कस्बे में अब तक कुल 14,692 आवेदनों की तुलना में करीब 300 आवेदनों को मंजूरी दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि आवेदनों को तेजी से निपटाने और आवेदकों की शिकायतों को दूर करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने एलआरएस के सर्वर में गड़बड़ियों के लिए घर के स्थलों को नियमित करने की प्रक्रिया को क्रियान्वित करने में देरी को जिम्मेदार ठहराया।

करदाता के घर पर ताला लगाने पर नगर निगम अधिकारियों की आलोचना

मंचेरियल, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मंचेरियल नगर निगम के कर्मचारियों को शनिवार को संपत्ति कर न चुकाने पर एक घर को कथित तौर पर बंद करने के लिए आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। घटना का एक वीडियो क्लिप रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो गया। प्रबंधक विजय कुमार के नेतृत्व में नगर निगम के चार कर्मचारियों ने कथित तौर पर एक करदाता के घर पर ताला लगा दिया क्योंकि उसने 5 साल से संपत्ति कर का भुगतान करने में देरी की थी। गुस्साए करदाता ने कर्मचारियों से बहस की और फिलहाल कर का भुगतान करने में असमर्थता जताई। उसने कर्मचारियों से कहा कि वह 31 मार्च तक कर का भुगतान कर देगा, जो कि अंतिम तिथि है।

पता चला है कि कर्मचारी करदाताओं को परेशान कर रहे थे, क्योंकि समय-सीमा तेजी से नजदीक आ रही थी। उन्होंने हाल ही में शहर में एक करदाता के घर के सामने धरना दिया, जिससे उसे और उसके परिवार के सदस्यों को शर्मिंदगी उठानी पड़ी। चेन्नूर और जिले के अन्य नगर निकायों में जबरन संपत्ति कर वसूलने के लिए अधिकारियों की आलोचना की गई।

राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम ने मनाया विश्व जल दिवस

पेद्दापल्ली, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (रामागुंडम और तेलंगाना) ने विश्व जल दिवस मनाया। इस अवसर पर जल संरक्षण और जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। एनटीपीसी (आरएंडटी) के कार्यकारी निदेशक चंदन कुमार सामंत ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (ईपीटीआरआई) के मुख्य वैज्ञानिक एवं तकनीकी सलाहकार डॉ.एन रवींद्र ने ज्ञानवर्धक जागरूकता व्याख्यान दिया।

उन्होंने 'जल का महत्व और विश्व जल दिवस का महत्व' पर बात की और टिकाऊ जल प्रबंधन और संरक्षण प्रथाओं की आवश्यकता पर बल दिया। समारोह के एक भाग के रूप में, एनटीपीसी आरएंडटी के कर्मचारियों, सीआईएसएफ कर्मियों, कर्मचारियों के जीवनसाथियों और संविदा कर्मियों के लिए जल संरक्षण पर एक ऑनलाइन सुझाव लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई।

60 लाख रुपये का गांजा जब्त

कोत्तागुडेम में दो गिरफ्तार

कोत्तागुडेम, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बर्गमपाड पुलिस ने दो गांजा तस्करों को गिरफ्तार कर 60 लाख रुपये मूल्य का 121 किलोग्राम गांजा जब्त किया है। पलोंचा डीएसपी सतीश कुमार ने कहा कि बर्गमपैड मंडल के सरापाका के आरोपी वानकुडोथ साई कुमार और एपी के एएसआर जिले के कुनावरम मंडल के पोलीपाका के पेदामुट्यम वामशी को शनिवार को बर्गमपैड के बाहरी इलाके सम्मक्का-सरलम्मा गदेलु में वाहन अनुभाग के दौरान गिरफ्तार किया गया था। आरोपियों ने ओडिशा के कालीमेला में एक डीलर से यह पदार्थ खरीदा और नाव में गोदावरी नदी पार करके तेलंगाना में तस्करी की। डीएसपी ने बताया कि इसके बाद उन्होंने गांजा को एक कार में भरकर कोत्तागुडेम के पास येलंडू चौराहे पर पांच गांजा व्यापारियों के गिरोह को सौंप दिया।

केटीआर ने की फसल ऋण माफी के यू-टर्न पर कांग्रेस की आलोचना

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाया कि उसने कर्जमाफी के अपने वादे से मुकरकर तेलंगाना के किसानों के साथ धोखा किया है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मांग की कि वह इस विश्वासघात के लिए तेलंगाना के लोगों से माफी मांगें।

सरकार द्वारा 2 लाख रुपये से अधिक के ऋण माफ़ी न दिए जाने की घोषणा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए रामाराव ने चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रहने के लिए कांग्रेस को फटकार लगाई। उन्होंने याद दिलाया कि कांग्रेस के नेता मंदिरों में गए, देवताओं से प्रार्थना की, हर कसम खाई और हर झूठ बोला, जिसमें पूर्ण फसल ऋण माफ़ी लागू करने का वादा किया गया था।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं ने वोट जीतने के लिए किसानों को धोखा दिया है, लेकिन सत्ता में आने के बाद उन्होंने अपना रुख बदल दिया है। उन्होंने चुनाव से पहले सभी किसानों के लिए ऋण माफी का वादा किया था, लेकिन अब वे इसे प्रति परिवार एक तक सीमित कर रहे हैं।

4 साल की बच्ची के सिर पर बीयर की बोतल से वार, मौत

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के उपनगर पोचारम में शनिवार को मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित एक संदिग्ध व्यक्ति द्वारा शराब की बोतल से हमला करने के बाद चार साल की बच्ची की मौत हो गई। रिया कुमारी नाम की यह बच्ची एक निर्माण स्थल के पास सड़क पर खेल रही थी, तभी हेमराज नाम के संदिग्ध ने बच्ची के सिर पर बीयर की बोतल से हमला कर दिया। बच्ची के सिर में गंभीर चोटें आईं और उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां देर रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। हेमराज को लोगों ने पकड़ लिया और उसकी पिटाई करने के बाद पुलिस को सौंप दिया। पीड़ित लड़की के माता-पिता निर्माण मजदूर के रूप में काम करते हैं और वे अपनी बच्ची को अपने साथ कार्य स्थल पर ले गए थे, जहां यह घटना घटी। हमलावर को पुलिस ने इलाज के लिए गांधी अस्पताल में भर्ती कराया क्योंकि जनता ने उसकी बुरी तरह पिटाई कर दी थी।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर डेविड वार्नर ने की हैदराबाद उड़ान में देरी की आलोचना

एयरलाइन ने दिया जवाब

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर डेविड वॉर्नर ने विमान के प्रस्थान में देरी के लिए एयर इंडिया की आलोचना की है।

क्रिकेटर ने दावा किया कि विमान ने बोर्डिंग की व्यवस्था की थी, लेकिन उनके पास कोई पायलट नहीं था। बेंगलुरू से हैदराबाद की यात्रा कर रहे क्रिकेटर ने कहा कि पायलट के न होने के कारण उन्हें कई घंटों तक इंतजार करना पड़ा। क्रिकेटर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि एयरइंडिया, हम बिना पायलट वाले विमान में सवार हुए और घंटों विमान में इंतजार किया। आप यात्रियों को क्यों विमान में चढ़ाएंगे, यह जानते हुए कि आपके पास उड़ान के लिए कोई पायलट नहीं है। आरोपों का जवाब देते हुए एयर इंडिया ने देरी के लिए बेंगलुरू में चुनौतीपूर्ण मौसम की स्थिति को जिम्मेदार ठहराया।

एयरलाइनों ने एक्स पर जवाब दिया कि प्रिय श्री वार्नर, आज बेंगलुरू में मौसम की चुनौती के कारण सभी एयरलाइनों में डायवर्जन और देरी हुई। आपकी उड़ान का संचालन करने वाला चालक दल इन व्यवधानों से प्रभावित पहले के असाइनमेंट पर फंस गया था, जिसके कारण प्रस्थान में देरी हुई। हम आपके धैर्य और हमारे साथ उड़ान भरने के लिए आपके चयन के लिए आभार व्यक्त करते हैं। क्रिकेटर जो रॉबिनहुड के साथ टॉलीवुड में अपनी शुरूआत कर रहे हैं, कथित तौर पर 23 मार्च को निर्धारित फिल्म के ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम में भाग लेने के लिए हैदराबाद जा रहे थे। फिल्म में नितिन और श्रीलीला मुख्य भूमिकाओं में हैं।

डीएई हाउसिंग कालोनी में मना बिहार दिवस

हैदराबाद , 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। डीएई हाउसिंग कालोनी में बिहार दिवस का आयोजन किया गया। बिहार स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। बिहार दिवस के मुख्य अतिथि के रूप में नाभिकीय ईंधन हैदराबाद के अधिकारी सुनील कुमार पाठक रहे। इस अवसर पर विनय कुमार, राम शरण झा, एस के झा मिधानी के भूतपूर्व सीएमडी शामिल होकर पूरे बिहार वासी को संबोधित किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से सदाकत अंसारी, आशीष कुमार, नितिन कांत, सुधांश, प्रेमजीत आनंद, सकिंदर, सुदामा, लोकेश, नंद किशोर यादव राम लाल, रणधीर, गुड्डू कुमार, शौकत अली, धीरेन्द्र सिंह, राहुल कुमार, पप्पू एवं नीतीश मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

सनातन धर्म की रक्षा के लिए बजरंग सेना को किया जा रहा है मजबूत

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सनातन धर्म और सामुदायिक कल्याण के लिए बजरंग दल को लगातार मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। इसके तहत समर्पित व्यक्तियों को बजरंग सेना तेलंगाना से लगातार जोड़ा जा रहा है। आज बजरंग सेना के एक औपचारिक समारोह में नए सदस्यों को बड़ी संख्या में जोड़ा गया। प्रदेश अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव और बजरंगसेना तेलंगाना राज्य के महासचिव ठाकुर विकास सिंह ने नए सदस्यों को बधाई देते हुए उनका खांडुवा भेंट कर सम्मान किया। समारोह के दौरान नए सदस्य गोविंदा, शिवा, चंदू, नंदू पाटिल, महादेव, सचिन, अनिल, कृष्णा, राकेश का सम्मान किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव ने विश्वास व्यक्त किया कि नए सदस्य संगठन की मजबूती के लिए सकारात्मक योगदान देंगे। ठाकुर विकास सिंह ने सदस्यों को आगामी कार्यक्रमों और सामुदायिक सेवा गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

कुमराम भीम के नाम पर पुरस्कारों की अधयक्षता करना आदिवासी समुदाय के लिए गौरव की बात है: सांसद

कुमरमभीम आसिफाबाद,23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। संयुक्त आदिलाबाद संसदीय क्षेत्र के सांसद गेदाम नागेश ने कहा कि कुमराम भीम के नाम पर फिल्मी हस्तियों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करना आदिवासी समुदाय के लिए गर्व की बात है। रविवार को जिला केंद्र के प्रेमला गार्डन में भारत सांस्कृतिक अकादमी-हैदराबाद, आदिवासी सांस्कृतिक परिषद कुमराम भीम आसिफाबाद ओम साईं तेजा आर्ट्स और नवज्योति सांस्कृतिक संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से कुमराम भीम राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर जिला कलेक्टर वेंकटेश दोत्रे, जिला एसपी. डी.वी. श्रीनिवास राव, जिला अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय निकाय) दीपक तिवारी, पूर्व चुनाव आयुक्त, सेवानिवृत्त पार्थसारथी, कागजनगर की उपजिलाधिकारी श्रद्धा शुक्ला, आसिफाबाद क्षेत्र की विधायक कोवलक्ष्मी, प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता साईकुमार और बाबू मोहन, मिमिक्री कलाकार शिवा रेड्डी, नागबाला सुरेश कुमार और कुमराम भीम के पोते सोनेराव ने भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए सांसदों ने कहा कि फिल्म कलाकारों को कुमराम भीम के नाम पर राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करना गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि वह एक महान व्यक्ति थे, जिन्होंने निजाम शासकों को चुनौती देकर भूमि, समृद्धि और मुक्ति के लिए लड़ाई लड़ी और वह फिल्म अभिनेता और संवाद सम्राट साई कुमार को उनके नाम पर पुरस्कार प्रदान करते हुए बहुत खुश हैं। जिला मुख्यालय पर जिला कलेक्टर ने कहा कि कुमराम भीम के नाम पर राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया जाना जिले के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि इस जिले में कई उच्च स्तरीय आदिवासी कलाकार हैं और हाल ही में गुसाडी ने गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में स्थान प्राप्त किया है।

एलबी नगर में एक व्यक्ति की चाकू मारकर हत्या

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एलबी नगर में शनिवार रात एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई। पीड़ित बी महेश (30) को हमलावरों ने चाकू और डंडों से घेरकर हमला किया। उसे गंभीर चोटें आईं और उसकी मौत हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

कारखाना स्थित अनुभव गार्डन में होली महोत्सव पर रंगारंग गैर नृत्य व योग काग के ढुंढोत्सव कार्यक्रम में उपस्थित आयोजक टिपुबाई-मंगलाराम काग, सुमित्रा-धनराज काग, पवन, अनिता काग, मांगीलाल, भोलाराम चोयल, समाज के गणमान्य सोहनलाल परिहार, मांगीलाल सोयल, चेनाराम चोयल, मोहनलाल सोलंकी, पंडित नन्दकिशोर शर्मा व प्रवासी समाज बन्धु।

राम मनोहर लोहिया समता न्यास, हैदराबाद, बद्रीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट और अग्रवाल सेवा दल द्वारा श्रीलिंगमपल्ली में समाजवादी नेता डॉ. राम मनोहर लोहिया की 115वीं जयंती के उपलक्ष्य में मेगा मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। अवसर पर टी. गोपाल सिंह, अध्यक्ष, लोहिया विचार मंच, हैदराबाद, शंकरलाल यादव, घनश्याम यादव भी उपस्थित थे।

दुर्घटना में एक की मौत, दो घायल

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार रात नरसिंगी ओआरआर मार्ग पर दो कारों के बीच हुई सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। रिपोर्ट के अनुसार, यह दुर्घटना आधी रात के बाद ओआरआर एग्जिट नंबर 18 के पास हुई। दुर्घटना में कार चला रहे आनंद नामक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग घायल हो गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। हादसे में मारे गए आनंद के शव को पोस्टमार्टम के लिए ओजीएच मोर्चरी भेज दिया गया है। मामला दर्ज कर लिया गया है। आशंका है कि यह दुर्घटना कार चालक द्वारा तेज गति से वाहन चलाने के कारण हुई। पुलिस दुर्घटना की सटीक जानकारी प्राप्त करने के लिए सड़क पर लगे निगरानी कैमरों की फुटेज की जांच कर रही है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

'मैं जब तक चाहूं सीएसके के लिए खेल सकता हूं'

आईपीएल से संन्यास पर धोनी का बड़ा बयान

चेन्नई, 23 मार्च (एजेंसियां)। सीजन से पहले सीएसके के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को लेकर कई सवाल उठ रहे थे कि क्या सीजन-18 धोनी का आखिरी आईपीएल सीजन होगा? क्या धोनी आईपीएल से भी संन्यास लेंगे? इससे ही मिलता-जुलता अब एमएस धोनी ने जवाब दिया है।

सीएसके के लिए खेलने पर क्या बोले धोनी?

धोनी इस बार आईपीएल 2025 के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। उनकी उम्र 43 साल हो चुकी है और धोनी एक ओर आईपीएल सीजन खेलने के लिए तैयार हैं। वहीं अब सीएसके बनाम मुंबई इंडियंस मैच से पहले धोनी ने जियो हॉटस्टार पर कहा " मैं जब तक चाहूं सीएसके के लिए खेल सकता हूं – यह मेरी फ्रेंचाइजी है। अगर मैं व्हीलचेयर पर भी हूं, तो वे मुझे घसीट कर ले जाएंगे। "

साल 2019 में धोनी ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था, लेकिन तबसे धोनी आईपीएल खेल रहे हैं। धोनी के बयान से लग रहा है कि अभी उन्होंने आईपीएल से संन्यास लेने का कोई मन नहीं बनाया है।

धोनी को लेकर क्या बोले कप्तान गायकवाड़

वहीं चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने धोनी को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा "अगर आप देखें तो सचिन तेंदुलकर भी 50-51 की उम्र में भी उतनी ही शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं। इसलिए, मुझे लगता है कि अभी भी वे कई साल खेल सकते हैं। "

ईशान किशन के तूफान में उड़ी राजस्थान रॉयल्स

सनराइजर्स हैदराबाद ने जीता मैच

हैदराबाद, 23 मार्च (एजेंसियां)। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने आईपीएल 2025 में जीत के साथ शुरुआत की है. टूर्नामेंट के दूसरे मैच में उसने राजस्थान रॉयल्स की टीम को बुरी तरह हराया. ईशान किशन इस जीत के सबसे बड़े हीरो रहे. पहले बैटिंग करने के दौरान उन्होंने महज 47 गेंद में 225 के स्ट्राइक रेट 107 रन ठोक दिए थे. इस दौरान उन्होंने 6 छक्के और 11 चौके लगाए. उनकी इस तूफानी पारी की बदौलत हैदराबाद की टीम ने 287 रनों का विशाल लक्ष्य रखा था. इसके जवाब में राजस्थान रॉयल्स की टीम 242 रन बना सकी. इस तरह एसआरएच ने इस मैच को 44 रनों के अंतर से जीत लिया. संजू सैमसन और ध्रुव जुरेल ने विस्फोटक पारी खेलकर मैच को अपनी तरफ खींचना चाहा, लेकिन इस काम में वो सफल नहीं हो सके.

सैमसन-जुरेल नहीं दिला सके जीत

287 रन चेज कर रही राजस्थान रॉयल्स की टीम के लिए शुरुआत अच्छी नहीं रही थी. उसने दूसरे ही ओवर में यशस्वी जायसवाल और रियान पराग के तौर पर 2 झटके लग गए. सिमरजीत सिंह ने दोनों बल्लेबाजों आउट करके दबाव बना दिया. इसके बावजूद संजू सैमसन ने एक छोर से छक्के-चौके लगाते रहे. तभी 5वें ओवर में नीतीश राणा भी मोहम्मद शमी का शिकार हो गए. इसके बाद ध्रुव जुरेल क्रीज पर और सैमसन के साथ इस विशाल चेज की जिम्मेदारी संभाली. दोनों ने ताबड़तोड़ रन बनाने शुरू किए और शतकीय साझेदारी से जल्दी ही टीम को पटरी पर ला दिया.

लेकिन 14वें ओवर में 111 रनों की ये साझेदारी टूट गई. सैमसन 37 गेंद में 178 के स्ट्राइक रेट से 66 रन बनाकर हर्षल पटेल का शिकार हो गए. उनके जाने के 2 गेंद बाद ही जुरेल भी 35 गेंद में 200 के स्ट्राइक रेट से 70 रन बनाकर आउट हो गए. एडम जैम्पा ने उनका शिकार कर लिया. दोनों के पवेलियन लौटने के बाद राजस्थान की गाड़ी फिर से पटरी फिर से उतर गई. शिमरन हेटमायर और शुभम दुबे ने भी अंत कुछ बड़े शॉट लगाए लेकिन अपनी टीम को जीत तक नहीं पहुंचा सके. हेटमायर ने 23 गेंद में 182 के स्ट्राइक रेट से 42 रन बनाए. उन्होंने इस पारी में 1 चौका और 4 छक्के जड़े. वहीं शुभम ने 4 छक्के और 1 चौके की मदद से 11 गेंद में 34 रन ठोके. इस तरह पूरी टीम 20 ओवर में 242 रन तक ही पहुंच सकी.

हैदराबाद के बल्लेबाजों ने दिखाया दम

राजस्थान रॉयल्स के लिए इस मैच में कप्तानी कर रहे रियान पराग ने टॉस जीतकर सनराइजर्स हैदराबाद की टीम को पहले बैटिंग के लिए बुलाया था. एसआरएच की ओर से अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड ने विस्फोटक शुरुआत की. दोनों ने मिलकर पहले 3 ओवर में ही 45 रन ठोक दिए. हालांकि, इसके बाद अभिषेक 11 गेंद में 218 के स्ट्राइक रेट से 24 रन बना दिए. इस दौरान उन्होंने 5 चौके लगाए. उनके जाने के बाद ईशान किशन ने एंट्री की और इस फ्रेंचाइजी के लिए पहली बार खेलते हुए धमाका कर दिया.

किशन ने हेड के साथ चौके-छक्के बरसाने शुरू किए और महज 35 गेंद में 85 रनों की साझेदारी कर डाली. 10वें ओवर में हेड 31 गेंद में 216 के स्ट्राइक रेट से 67 रन बनाकर तुषार देशपांडे का शिकार हो गए. लेकिन किशन ने अपनी तूफानी बैटिंग जारी रखी और 45 गेंद में शतक ठोक दिया. वो अंत तक नाबाद रहे और 47 गेंद में 106 रनों की पारी खेली और जीत के सबसे बड़े हीरो साबित हुए. उनके अलावा नीतीश रेड्डी ने 15 गेंद में 30 रन और हेनरिक क्लासेन ने 14 गेंद में 34 रनों का अहम योगदान दिया. इस तरह हैदराबाद ने पहली पारी में 286 रन बनाए. इस विशाल स्कोर के दबाव में राजस्थान रॉयल्स बिखर गई और SRH ने आसानी से ये मुकाबला जीत लिया.

इतने सालों में कौन कंट्रोल कर पाया है

माही पर मुंबई इंडियंस के कप्तान सूर्यकुमार यादव

चेन्नई, 23 मार्च (एजेंसियां)। टीम के नियमित कप्तान हार्दिक पंड्या यह मुकाबला नहीं खेल पाएंगे। उन पर पिछले सीजन में धीमी ओवर गति के चलते एक मैच का प्रतिबंध लगा है। उनकी गैरमौजूदगी में स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव टीम की कमान संभालेंगे। यह मैच रविवार को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा।

मैच से पहले हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब सूर्यकुमार यादव से पूछा गया कि वह 'अनकैप्ड' एमएस धोनी को कैसे कंट्रोल करेंगे, तो उन्होंने पहले सवाल को गलत समझ लिया। उन्होंने हंसते हुए कहा, किसे कंट्रोल करूं? अंपायर्स को? जब रिपोर्टर ने दोबारा सवाल दोहराया, तो सूर्यकुमार खुद भी हंस पड़े और मजेदार अंदाज में बोले, इतने सालों में किसी ने धोनी को कंट्रोल कर पाया है क्या?

इसके बाद सूर्यकुमार ने चेन्नई में खेलने को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर की और धोनी से जुड़ी अपनी यादों को साझा किया। उन्होंने कहा, चेन्नई आना और धोनी को ड्रेसिंग रूम से बाहर आते देखना हमेशा एक खास अनुभव होता है। उनसे बहुत कुछ सीखने को मिलता है और जब भी मौका मिलता है, हम उनसे बातचीत करते हैं। इस बार उनके खिलाफ कप्तानी करना एक रोमांचक चुनौती होगी।

एमएस धोनी क्यों माने जाएंगे 'अनकैप्ड' खिलाड़ी?

आईपीएल 2025 में एमएस धोनी को अनकैप्ड खिलाड़ी के रूप में गिना जाएगा। बीसीसीआई ने एक पुराने नियम को फिर से लागू किया है, जिसके तहत कोई भी खिलाड़ी जिसने पिछले पांच सालों में अंतर्राष्ट्रीय मैच नहीं खेला है, वह अनकैप्ड की श्रेणी में आएगा। धोनी ने आखिरी बार 2019 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में भारत के लिए मैच खेला था और 2020 में संन्यास ले लिया था। इस कारण अब वह आईपीएल में अनकैप्ड माने जाएंगे। दरअसल मुंबई इंडियंस के कप्तान सूर्यकुमार यादव से इसी के संदर्भ में सवाल किया गया था।

हार्दिक पंड्या को आईपीएल 2024 में मुंबई इंडियंस की धीमी ओवर गति के तीसरे उल्लंघन के कारण बीसीसीआई ने एक मैच के लिए बैन किया था। हालांकि, वह आईपीएल इतिहास के आखिरी कप्तान होंगे, जिन्हें इस नियम के तहत प्रतिबंध झेलना पड़ा। बीसीसीआई ने हाल ही में इस नियम को बदल दिया है और अब कप्तानों को धीमी ओवर गति के लिए सिर्फ डिमेरिट पॉइंट्स दिए जाएंगे।

बीसीसीआई के एक अधिकारी के अनुसार, अगर कोई खिलाड़ी लेवल 1 नियम का उल्लंघन करता है, तो उसकी 25 से 75 फीसदी मैच फीस काटी जाएगी और डिमेरिट पॉइंट्स दिए जाएंगे, जो अगले तीन साल तक गिने जाएंगे।

लेवल 2 उल्लंघन पर चार डिमेरिट पॉइंट्स मिलेंगे। हर चार डिमेरिट पॉइंट्स पर मैच रेफरी 100 प्रतिशत फाइन या अन्य सजा दे सकते हैं। हालांकि, धीमी ओवर गति के कारण अब सीधा मैच बैन नहीं लगाया जाएगा। आईपीएल 2025 के इस बड़े बदलाव के बाद अब कप्तानों को अपनी ओवर गति को लेकर ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं होगी, लेकिन लगातार उल्लंघन करने पर भविष्य में उन्हें कड़ी सजा झेलनी पड़ सकती है।

सुनील गावस्कर समेत इन भारतीय क्रिकेटरों के सम्मान में रखे गए हैं सड़कों के नाम

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। भारत में क्रिकेट की फैन फॉलोइंग का कोई जवाब नहीं है। साथ ही भारत अपने खिलाड़ियों के नाम पर सड़कों का नाम रखकर उनको सम्मानित भी करता आ रहा है। आज हम उन तीन खिलाड़ियों के बारे में आपको बताने जा रहे हैं जिनको यह अनूठा सम्मान मिला।

सुनील गावस्कर

केरल के कासरगोड में सुनील गावस्कर म्युनिसिपल स्टेडियम रोड 'लिटिल मास्टर' की शानदार बल्लेबाजी को एक ट्रिब्यूट है। उनकी वैश्विक प्रतिष्ठा और उपलब्धियां युवा क्रिकेटरों को प्रेरित करती हैं।

रविचंद्रन अश्विन

रविचंद्रन अश्विन अपनी कुशल स्पिन गेंदबाजी के लिए मशहूर है। टेस्ट क्रिकेट में रिकॉर्ड तोड़ परफॉर्मेंस देने के बाद रविचंद्रन अश्विन अपने गृह नगर चेन्नई का नाम रोशन करते हैं। इसी वजह से

स्थानीय सरकार ने उनके योगदान को चिन्हित करने के लिए एक सड़क का नाम रविचंद्रन अश्विन स्ट्रीट रखा है।

अनिल कुंबले

अनिल कुंबले अपने रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन की वजह से इतिहास की किताब में अपना नाम स्वर्ण अक्षरों में लिखवा चुके हैं। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में एक पारी में 10 विकेट लिए थे।

बेंगलुरु में अधिकारियों ने उनकी कुशलता और उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए अनिल कुंबले रोड और अनिल कुंबले सर्किल का नाम रखा है।

इन क्रिकेट दिग्गजों के नाम पर सड़कों का नाम रखना सम्मान को दर्शाता है साथ ही नए युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करता है। भारत के हर शहर और हर गली और हर कोने में भारत के समृद्ध क्रिकेट इतिहास की भावना है।

जिम्नास्ट प्रणति नायक का शानदार प्रदर्शन

एफआईजी विश्व कप में कांस्य पदक जीता

नई दिल्ली, 23 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय जिम्नास्ट प्रणति नायक ने तुर्की के अंताल्या में एफआईजी कलात्मक जिम्नास्टिक एपरेट्स विश्व कप के वॉल्ट फाइनल में कांस्य पदक हासिल किया। टोक्यो ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करने वाली 29 वर्षीय प्रणति ने वॉल्ट फाइनल में कुल 13.417 का स्कोर बनाया तथा जयला हैंग (13.667) और क्लेयर पीज (13.567) की अमेरिकी जोड़ी के पीछे तीसरे स्थान पर रहीं।

प्रणति ने वॉल्ट क्वालिफिकेशन में 13.317 का स्कोर बनाया था। उन्होंने कहा, 'साल की शुरुआत पदक के साथ करना शानदार अहसास है। इससे मेरा

आत्मविश्वास बढ़ा है। मैंने पिछले साल भी जीत हासिल की थी, इसलिए मैं वाकई बहुत खुश हूं।' उन्होंने कहा, 'मेरी नजरें अब एशिया चैंपियनशिप और विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने पर हैं, यही इस साल का लक्ष्य है।'

प्रणति ने पिछले साल पेरिस ओलंपिक से पहले काहिरा में एफआईजी अपैरटस विश्व कप की महिला वॉल्ट स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। उन्होंने 2019 (उलनबटेर) और 2022 (दोहा) में एशियाई चैंपियनशिप में वॉल्ट कांस्य पदक भी जीते। प्रणति वॉल्ट में अंतरराष्ट्रीय पदक जीतने वाली तीसरी भारतीय जिमनास्ट हैं, उनसे पहले दीपा करमाकर (2018 मर्सिन गोल्ड, 2018 कॉटबस कांस्य) और अरुणा रेड्डी (2018 मेलबर्न में विश्व कप) ने पदक जीता है। उन्होंने 2014 और 2018 राष्ट्रमंडल खेलों के साथ-साथ 2014 और 2018 एशियाई खेलों में भी भाग लिया। इसके अलावा उन्होंने 2014, 2017 और 2019 विश्व चैंपियनशिप में भी देश का प्रतिनिधित्व किया।

आईपीएल शुरू होते ही बदल गई एलएसजी टीम

लखनऊ, 23 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 की शुरुआत 22 मार्च से हो गई है. इस सीजन में फिलहाल एक ही मैच खेला गया है. लेकिन एक टीम को अपने स्क्वॉड में बदलाव करना पड़ा है. दरअसल, लखनऊ सुपर जायंट्स का एक स्टार तेज गेंदबाज चोट के चलते इस सीजन से बाहर हो गया है. लखनऊ सुपर जायंट्स ने इस खिलाड़ी को ऑक्शन से पहले रिटेन किया था. ऐसे में एलएसजी को अपनी टीम में एक नए खिलाड़ी को शामिल करना पड़ा है. बीसीसीआई ने भी इस रिप्लेसमेंट को मंजूरी दे दी है.

लखनऊ सुपर जायंट्स में बड़ा बदलाव

लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज मोहसिन खान घुटने के

लिगामेंट में चोट से जूझ रहे हैं. वह इस चोट की वजह से पिछले तीन महीनों से किसी भी क्रिकेट मैच का हिस्सा नहीं बने हैं. वहीं, लखनऊ सुपर जायंट्स के ट्रेनिंग कैंप में भी गेंदबाजी करते समय उनकी पिंडली में खिंचाव आ गया था. ऐसे में वह आईपीएल 2025 के सीजन से बाहर हो गए हैं. एलएसजी ने उनकी जगह ऑक्शन में अनसोल्ड रहे मुंबई के ऑलराउंडर शार्दूल ठाकुर को अपनी टीम में शामिल किया है.

आईपीएल की ओर से जारी प्रेस रिलीज में कहा गया, 'लखनऊ सुपर जायंट्स ने बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहसिन खान की जगह शार्दुल ठाकुर को टीम में शामिल किया है, जो चोट के कारण टाटा इंडियन प्रीमियर लीग के 18वें सीजन से बाहर हो गए हैं. अनुभवी ऑलराउंडर ठाकुर को रजिस्टर्ड अवेलेबल प्लेयर पूल से उनके रिजर्व प्राइस 2 करोड़ रुपए पर साइन किया गया है. भारत के लिए तीनों फॉर्मेट में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले ठाकुर के पास आईपीएल का बहुमूल्य अनुभव है, उन्होंने पांच फ्रेंचाइजी के लिए 95 मैच खेले हैं.'

शार्दूल ठाकुर के लिए बड़ा मौका

शार्दूल ठाकुर को आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में कोई खरीददार नहीं मिला था. लेकिन लखनऊ सुपर जायंट्स ने उन्हें एक बड़ा मौका दे दिया है. बता दें, वह पिछले कुछ दिनों ले ही लखनऊ की टीम के साथ जुड़े हुए थे, ऐसे में माना जा रहा था कि कभी भी उनकी टीम में एंट्री हो सकती है.

लखनऊ के अभी भी 2 और गेंदबाजों पर सीजन से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है. मयंक यादव और आकाश दीप भी अभी तक टीम से नहीं जुड़े हैं. ये खिलाड़ी इस समय सेंटर ऑफ एक्सिलेंस में हैं.

भारत-रूस-उज्बेकिस्तान बेल्ट कुश्ती की 2028 में फिर भारत करेगा मेजबानी

रोहतक, 23 मार्च (एजेंसियां)। भारत-रूस-उज्बेकिस्तान बेल्ट कुश्ती 2025 का धमाकेदार आगाज हुआ। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच तीन देशों के पहलवानों के बीच मुकाबले शुरू हुए। पाथवे ग्लोबल एलायंस की ओर से एमडीयू के खेल परिसर में आयोजित दो दिवसीय प्रतियोगिता का शुभारंभ बश्कोर्तोस्तान गणराज्य रूस के उप प्रधानमंत्री रुसलान टैगिरोविच खाबीबोव और यहीं के खेल मंत्री राजेश भग्हा ने किया।

समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए रूस के उपप्रधान मंत्री रुसलान टैगिरोविच खाबीबोव ने कहा कि अगले साल 2026 में इस प्रतियोगिता को उज्बेकिस्तान में आयोजित किया जाएगा। इसके बाद 2027 में रूस में आयोजित होगी। वर्ष 2028 में फिर से भारत इस प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा। जितने भी देश बेल्ट रेसलिंग खेल रहे हैं, वे सभी इसमें भाग लेंगे। इस संबंध में भारत सरकार से बात कर रहे हैं। बातचीत में पूरा सहयोग मिलने की उम्मीद है, इसलिए बड़े टूर्नामेंट के लिए दोबारा भारत आएंगे। उन्होंने भारतीय खाने की सराहना करते हुए कहा कि भोजन लजीज रहा। इसका सेवन कर स्वाद आ गया। उन्होंने अंत में जय भारत, जय उज्बेकिस्तान व जय रूस का नारा भी लगाया।

पाकिस्तान के खिलाफ 2 गेंद से ये रिकॉर्ड तोड़ने से चूके फिन एलेन

फिर भी कर दिया बड़ा कारनामा

खेल डेस्क, 23 मार्च (एजेंसियां)। T20 क्रिकेट में न्यूजीलैंड के फिन एलेन की गिनती उन बल्लेबाजों में होती है, जो अपनी आक्रमकता और स्ट्राइक रेट के लिए जाने जाते हैं. अपने इसी हुनर की नुमाइश न्यूजीलैंड के इस ओपनर ने पाकिस्तान के खिलाफ चौथे T20 में की और नतीजा ये हुआ कि बस 2 गेंद से एक बड़ा रिकॉर्ड टूटते-टूटते रह गया. 1 गेंद बाकी रहते भी फिन एलेन कमाल कर देते तो उस कीर्तिमान की बराबरी कर लेते. अब ऐसा तो नहीं हुआ पर पाकिस्तान के खिलाफ फिर भी उन्होंने एक बड़े कारनामें को अंजाम खूब दिया.

टी20 में अपना दूसरा तेज अर्धशतक जड़ा

सबसे पहले तो पाकिस्तान के खिलाफ चौथे T20 इंटरनेशनल में फिन एलेन की बल्लेबाजी पर एक नजर डाल लीजिए. उन्होंने 250 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की और सिर्फ 20 गेंदों में ही 50 रन जड़ दिए. 6 चौके और 3 छक्के से सजी उन्होंने अपनी फिफ्टी बस 19 गेंदों में पूरी की, जो कि उनके टी20 इंटरनेशनल करियर का दूसरा सबसे तेज अर्धशतक रहा.

18 गेंदों पर फिन एलेन ने जड़ा था सबसे तेज अर्धशतक

पाकिस्तान के खिलाफ फिन एलेन अगर इसी अर्धशतक को 2 गेंद और पहले लगा देते तो वो अपने जमाए सबसे तेज टी20 इंटरनेशनल अर्धशतक के रिकॉर्ड को तोड़ देते. टी20 इंटरनेशनल में फिन एलेन का सबसे तेज अर्धशतक 18 गेंदों पर दर्ज है, जो कि उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ साल 2021 में लगाए थे. जबकि पाकिस्तान के खिलाफ चौथे T20 में फिन एलेन ने अर्धशतक पूरा करने के लिए 19 गेंदों का सामना किया.

फिन एलेन की पारी की बदौलत न्यूजीलैंड ने खड़ा किया अच्छा टोटल

फिन एलेन भले ही अपने सबसे तेज अर्धशतक का रिकॉर्ड नहीं तोड़ सके. पर न्यूजीलैंड के नजरिए से उनकी पारी बेहद कमाल की रही. इस धमाकेदार पारी की बदौलत कीवी टीम चौथे टी20 में पाकिस्तान के सामने एक अच्छा टोटल खड़ा किया. फिन एलेन अपनी टीम के टॉप स्कोरर में से भी एक रहे.

पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच 5 मैचों की टी20 सीरीज खेली जा रही है. पहले दो टी20 न्यूजीलैंड ने जीते हैं. वहीं तीसरा टी20 मुकाबला पाकिस्तान की टीम जीतने में कामयाब रही थी. सीरीज कौन जीतेगा इस सवाल के जवाब के नजरिए से चौथा T20 बेहद खास और दिलचस्प है.

मंत्रियों ने सीएम को श्रीराम नवमी तिरुकल्याण ब्रह्मोत्सवम के लिए आमंत्रित किया

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को 'श्रीराम नवमी तिरुकल्याण ब्रह्मोत्सवम' के लिए आमंत्रित किया गया है। बंदोबस्ती मंत्री कोंडा सुरेखा, उप-मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव, बंदोबस्ती प्रमुख सचिव शैलजा रामअय्यर, भद्राचलम श्री सीता रामचंद्र स्वामी मंदिर के पुजारियों और अधिकारियों के साथ रविवार को यहां उनके आवास पर मुख्यमंत्री से मुलाकात की और उन्हें दिव्य विवाह के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री ने श्री रामवाणी ब्रह्मोत्सव का पोस्टर जारी किया। इस अवसर पर रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों से भूमि अधिग्रहण और मंदिर के विकास से संबंधित अन्य विवरणों के बारे में जानकारी ली।

उन्होंने अधिकारियों को भूमि अधिग्रहण और आवश्यक धनराशि का पूरा विवरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, बंदोबस्ती आयुक्त श्रीधर, भद्राचलम मंदिर ईओ रमादेवी और अन्य भी मौजूद थे।

सीएम ने राजकुमार रहीम आगा खान को बधाई दी

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शिया इस्माइली मुस्लिम समुदाय के 50वें वंशानुगत इमाम और आगा खान विकास नेटवर्क (एकेडीएन) के अध्यक्ष के रूप में सम्मानजनक कार्यभार संभालने वाले राजकुमार रहीम आगा खान को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने हार्दिक बधाई व्यक्त की। उन्होंने याद दिलाया कि तेलंगाना में ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण, शिक्षा और सतत विकास के लिए एकेडीएन के प्रयास अमूल्य हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि राजकुमार रहीम आगा खान के नेतृत्व में राज्य में एकेडीएन का योगदान और मजबूत होगा। मुख्यमंत्री ने मानवता की सेवा में उनकी बड़ी सफलता की कामना की।

एयर-कंडीशनर निर्माताओं से बीईई ने फाइव-स्टार-रेटेड मॉडल को अपनाने में तेजी लाने का आग्रह किया

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। इस गर्मी में भारत में रिकॉर्ड तोड़ बिजली की मांग के साथ, केंद्र सरकार ऊर्जा-कुशल शीतलन समाधानों के लिए अपने प्रयासों को तेज कर रही है। भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय के ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) ने एयर-कंडीशनर निर्माताओं से बीईई फाइव-स्टार-रेटेड मॉडल को अपनाने में तेजी लाने का आग्रह किया है, जिसमें बिजली की खपत कम करने और ग्रिड स्थिरता सुनिश्चित करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया है।

भारत में एयर-कंडीशनिंग की मांग बढ़ रही है, अध्ययनों से पता चलता है कि स्थापित एयर-कंडीशनर (एसी) का लगभग 30 प्रतिशत आठ साल से अधिक पुराना है। ये पुराने मॉडल आधुनिक ऊर्जा-कुशल इकाइयों की तुलना में 40-50 प्रतिशत अधिक बिजली की खपत करते हैं। वास्तव में, कई विशेषज्ञों का अनुमान है कि पुराने एसी को बीईई 5-स्टार-रेटेड मॉडल से बदलने से महत्वपूर्ण लाभ मिल सकते हैं: (i) 60 प्रतिशत तक ऊर्जा की बचत, घरों और व्यवसायों के लिए बिजली के बिल में कमी, (ii) बिजली की अधिकतम मांग में कमी, ग्रिड स्थिरता और ऊर्जा सुरक्षा में वृद्धि और (iii) प्रमुख जलवायु प्रभाव, सालाना लाखों टन सीओ2 उत्सर्जन में कटौती है।एसी इकाइयों को अपग्रेड करने के अलावा, सरल व्यवहार परिवर्तन से भी पर्याप्त ऊर्जा बचत हो सकती है।

एयर-कंडीशनर को कम तापमान के बजाय 24ओसी पर सेट करने से सालाना 10 बिलियन केडब्ल्यूएच तक की बचत हो सकती है, जिससे ऊर्जा लागत में हजारों करोड़ की कमी आएगी। तत्काल आवश्यकता और तात्कालिकता को पहचानते हुए, बीईई ने ऊर्जा-कुशल शीतलन को बढ़ावा देने के लिए उद्योग के नेतृत्व में आंदोलन का आह्वान किया है।

तदनुसार, बीईई के सचिव मिलिंद देवरे ने एयर कंडीशनिंग निर्माताओं को एक पत्र संबोधित किया है और उपभोक्ताओं को बीईई 5-स्टार-रेटेड मॉडल पर स्विच करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान पर निर्माताओं से सहयोग मांगा है। यह पहल कंपनियों को यह भी प्रोत्साहित करती है: (ए) जिम्मेदार कूलिंग पर संदेश को बढ़ाने के लिए ब्रांड एंबेसडर का लाभ उठाएं, (बी) उपभोक्ताओं को शिक्षित करने के लिए डिजिटल मार्केटिंग और सोशल मीडिया का उपयोग करें, (सी) ऊर्जा-कुशल एसी के लाभों को उजागर करने वाले ई-कॉमर्स प्रचार और इन-स्टोर पहलों को बढ़ावा दें।

जैसे-जैसे गर्मी बढ़ती है, सरकार का कार्रवाई का आह्वान एसी निर्माताओं के लिए चुनौती और अवसर दोनों प्रस्तुत करता है।

निश्चित रूप से, रणनीतिक उद्योग सहयोग के साथ, भारत उपभोक्ता बचत और ग्रिड स्थिरता सुनिश्चित करते हुए अधिक टिकाऊ, ऊर्जा-कुशल भविष्य की ओर बढ़ सकता है।

उन्होंने विशेष रूप से तेजी से ऊर्जा और रिपोर्टों के अनुसार 2031 तक हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन सिटी में लगभग 1.3 करोड़ की जनसंख्या वृद्धि का उल्लेख किया, जहां पांच सितारा एसी के प्रवेश की काफी संभावनाएं हैं।

स्वतंत्रता सेनानी कृष्णा भारती का निधन

बचपन का दस महीना जेल में बीता था

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। स्वतंत्रता सेनानियों के परिवार से आने वाली गांधीवादी और स्वतंत्रता सेनानी पासला कृष्णा भारती (92) का रविवार को हैदराबाद के स्नेहपुरी कॉलोनी स्थित उनके आवास पर निधन हो गया। पश्चिम गोदावरी जिले के प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी पासला कृष्णमूर्ति और अंजलक्ष्मी की दूसरी बेटी कृष्णा भारती जीवन भर गांधीवादी रहीं और गांधीजी द्वारा बताए गए मूल्यों पर चलती रहीं। उन्होंने कई शैक्षणिक संस्थानों को धन मुहैया कराया और दलितों में शिक्षा का प्रसार करने का काम किया। उन्होंने गौशालाओं को भी दान दिया। कृष्णा भारती के चार भाई और तीन बहनें हैं। जुलाई 2022 में भीमावरम में आयोजित अल्लूरी सीताराम राजू प्रतिमा अनावरण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कृष्णा भारती को सम्मानित किया। उन्होंने उनके चरणों में श्रद्धांजलि अर्पित की और उनका आशीर्वाद लिया। कृष्णमूर्ति दंपत्ति को ब्रिटिश सरकार द्वारा लगाए गए कठोर प्रतिबंधों की अवहेलना करते हुए भीमावरम उप-कलेक्टर के कार्यालय पर झंडा फहराने के लिए जून 1932 में कठोर कारावास की सजा सुनाई गई थी। इस घटना को दक्षिण बारडोली विद्रोह के रूप में जाना जाता है। अंजलक्ष्मी अपने कारावास के समय छह महीने की गर्भवती थीं, लेकिन ब्रिटिश सरकार ने कोई दया नहीं दिखाई। उन्होंने जेल में कृष्णा भारती को जन्म दिया। कृष्णा भारती के बचपन के पहले 10 महीने जेल में बीते। कृष्णमूर्ति दंपत्ति ने पदमारा विपरु गांव में अपनी पूरी संपत्ति स्वतंत्रता संग्राम के लिए बलिदान कर दी।

टीजीपीएससी अध्यक्ष बुर्रा वेंकटेशम ने केरल में प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीजीपीएससी) अध्यक्ष बुर्रा वेंकटेशम तिरुवनंतपुरम में केरल लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया। उनके साथ आयोग के सदस्य, प्रो. एन.यादैया और श्रीमती पी. रजनी कुमारी ने भाग लिया। कार्यशाला में 19 राज्यों के लोक सेवा आयोगों के अध्यक्षों के साथ-साथ विभिन्न राज्य लोक सेवा आयोगों के 60 प्रतिनिधि सार्वजनिक सेवा भर्ती में दक्षता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता बढ़ाने में प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी भूमिका का पता लगाने के लिए एकत्रित हुए हैं। कार्यशाला में भर्ती प्रक्रियाओं में उन्नत तकनीकी समाधानों का एकीकरण, निर्बाध परीक्षाओं के लिए कंप्यूटर-आधारित परीक्षण (सीबीटी), बायोमेट्रिक

प्रमाणीकरण प्रतिरूपण को रोकने के लिए, कार्यालय स्वचालन और डिजिटल मूल्यांकन तेजी से प्रसंस्करण के लिए, बढ़ी हुई सुरक्षा और दक्षता के लिए परीक्षा प्रबंधन प्रणाली, उम्मीदवार की पहचान के लिए आधार, दस्तावेज़ सत्यापन के लिए डिजिलॉकर, डेटा सुरक्षा के लिए ब्लॉकचेन तकनीक और एआई-संचालित पहल जैसे सुरक्षित प्लेटफ़ॉर्म को अपनाने पर चर्चा हुई।

प्रतिनिधि कार्यान्वयन में चुनौतियों का समाधान भी कर रहे हैं और इन तकनीकों के निर्बाध निष्पादन को सुनिश्चित करने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं और विचारों का आदान-प्रदान कर रहे हैं। कार्यशाला में बोलते हुए बुर्रा वेंकटेशम ने प्रौद्योगिकी में नवाचारों को अपनाने के महत्व पर प्रकाश डाला और एक मजबूत, पारदर्शी और कुशल सार्वजनिक भर्ती के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के लिए राज्य पीएससी की सामूहिक प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। अध्यक्ष ने यह भी घोषणा की कि टीजीपीएससी सक्रिय रूप से विषय के आधार पर वर्गीकृत विशेषज्ञों का एक राष्ट्रीय-स्तरीय भंडार विकसित कर रहा है। यह सूचीबद्ध निर्देशिका जून 2025 तक सभी पीएससी को उपलब्ध करा दी जाएगी, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञ संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित होगा। प्रौद्योगिकी के कार्यान्वयन से महत्वपूर्ण कानूनी चुनौतियां सामने आती हैं।

अध्यक्ष टीजीपीएससी ने घोषणा की कि इन चुनौतियों का प्रभावी ढंग से समाधान करने के लिए, टीजीपीएससी, एनएएलएसएआर के सहयोग से, जून 2025 में हैदराबाद में कानूनी मुद्दों पर एक व्यापक कार्यशाला आयोजित कर रहा है। यह कार्यशाला कानूनी मामलों और पीएससी द्वारा सामना किए जाने वाले अन्य न्यायिक मामलों को संभालने पर विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान करेगी, जिससे कानूनी जटिलताओं के लिए एक सुव्यवस्थित दृष्टिकोण सुनिश्चित होगा।

महत्वपूर्ण रूप से अध्यक्ष ने यह भी घोषणा की कि टीजीपीएससी दिसंबर 2025 में हैदराबाद में प्रतिष्ठित "राज्य पीएससी के अध्यक्षों की राष्ट्रीय सम्मेलन बैठक" की मेजबानी करेगा। इसके साथ ही, टीजीपीएससी इस वर्ष दो प्रमुख राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों की मेजबानी करेगा- जून में कानूनी चुनौतियों पर कार्यशाला और दिसंबर में राष्ट्रीय सम्मेलन- देश भर में पीएससी को आकार देने वाली प्रमुख चर्चाओं में अपने नेतृत्व को मजबूत करेगा।

आईआईएमसी 24 और 27 मार्च को आयोजित करेगा ऑनलाइन टैलेंट टेस्ट

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय प्रबंधन एवं वाणिज्य संस्थान (आईआईएमसी) कॉलेज केपी की 21वीं सदी आईएएस अकादमी के सहयोग से 24 मार्च को ऑनलाइन वाणिज्य प्रतिभा परीक्षण और 27 मार्च को प्रबंधन प्रतिभा परीक्षण आयोजित करेगा। आईआईएमसी कॉलेज के प्रिंसिपल कुरा रघुवीर ने बताया कि कॉमर्स और मैनेजमेंट विषयों में छात्रों के ज्ञान का आकलन करने के उद्देश्य से आयोजित इस परीक्षा में 150 बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे। छात्रों को परीक्षा पूरी करने के लिए एक घंटे का समय दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके लिए कोई पंजीकरण शुल्क नहीं है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक टेस्ट में शीर्ष तीन प्रदर्शन करने वालों को क्रमश: 3,000 रुपये, 2,000 रुपये और 1,000 रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा।

बिजली कटौती के नाम पर हो रही है ठगी

हैदराबाद, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। घोटालेबाज लोगों को ठगने और आसानी से पैसा कमाने के लिए नए-नए तरीके अपना रहे हैं। सबसे नया तरीका बिजली आपूर्ति में कटौती की धमकी देना है। आपके मोबाइल पर एक संदेश आता है, प्रिय महोदय, पिछले महीने का बिल अपडेट न होने के कारण आज शाम 7.30 बजे के बाद आपकी बिजली आपूर्ति में कटौती की जाएगी। तुरंत एक नंबर पर कॉल करने के लिए बोला जाता है। रात में बिजली आपूर्ति में कटौती की संभावना से परेशान होकर, संदेश प्राप्त करने वाला व्यक्ति तुरंत एक उत्तर संदेश भेजेगा जिसमें बकाया राशि और अन्य विवरण पूछे जाएंगे। दूसरी तरफ से आपको बताया जाएगा कि वे आपसे व्हाट्सएप कॉल पर बात करेंगे। आपको बातचीत में उलझाकर, घोटालेबाज एक ऐप बनाएगा जिसके माध्यम से वह आपकी मोबाइल स्क्रीन को अपनी स्क्रीन पर देखेगा। यहां तक कि आपको किसी को भी ओटीपी नंबर न बताने की चेतावनी देते हुए, वह आपके बैंक खाते से पैसे अपने खाते में ट्रांसफर करवा लेगा। कल ही एक व्यक्ति इस तरह की धोखाधड़ी का शिकार हो गया और उसके बैंक खाते से 30,000 रुपये निकल गए। सावधान रहें कि बिजली विभाग के अधिकारी बिजली आपूर्ति बंद करने के बारे में ऐसे संदेश नहीं भेजेंगे। अगर आपको ऐसे संदेश मिलते हैं, तो आप अपने बिल पर दिए गए फ़ोन नंबर पर संपर्क कर सकते हैं, लेकिन घबराएं नहीं।

पावरग्रिड POWERGRID

सार्वजनिक सूचना

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने कर्नूल पवन ऊर्जा क्षेत्र (3000 मेगावाट)/सौर ऊर्जा क्षेत्र (1500 मेगावाट) में नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से बिजली की निकासी के लिए 765 केवी डी/सी कर्नूल-III पीएस – कर्नूल (नई) ट्रांसमिशन लाइन का निर्माण पूरा कर लिया है। विद्युत अधिनियम, 2003 के प्रावधानों और उसके तहत बनाए गए नियमों के अनुसार, आम जनता की जानकारी के लिए यह बताया जाता है कि उपरोक्त लाइन 28.03.2025 या उसके बाद के किसी भी दिन से चार्ज की जाएगी। यह लाइन आंध्र प्रदेश राज्य के निम्नलिखित गांवों से होकर गुजर रही है:

क्र.सं.	गांवों के नाम	तहसील/मंडल	जिला
01	गुट्टापाडु, ओर्वाकल, हुसैनपुरम, ब्राह्मणपल्ले, सकुनाला, थिप्पायापल्ले, कलवा	ओर्वाकल	कर्नूल
02	तालमुदिपि	मिड्थुर	नांदयाल
03	गनी, चेन्नक्कपल्ले, दुरवेसी, रसुल्लादा, थिरुपाडु, तिर्पिाडु, बुजानुरु, चिंदुकुरु, कोरटामाड्डी, मनचलकट्टा, गाडिगेरेवुला, गादिवेमुला, बुग्गनपल्ले, सुब्बारायुनी कोट्टूरु, मामलबोनिपल्ली, ग्रांडहिवेमुला, के. बोल्लावरम	गदिवेमुला	नांदयाल
04	पोलुरु, मुनागला, गुंटानाला, मितनाला	नांदयाल	नांदयाल
05	कोवलुरु, कोंडाजुटुरु, चिलकला, नेरवादा, बालापनूर, गोरकल्लु, एस. कोथुर, कोथुर, अनुपुर, मद्दुर, बुपनपाडु, थोगारचेडु, गग्गातुर	पन्यम	नांदयाल
06	अप्पलापुरम, तंगुतुर, रायपाडु, गुलामनाबीपेटा, विटालापुरम, नंदवरम, काइपा	बनगनपल्ले	नांदयाल
07	सौडरडिन, अमाडाला, चिंताकुंटला, पेद्दा कोपरला, वलमपाडु, चिन्ना कोपरला, बिजिनिवेमुला, जोलादरासी, एम गोविंदिन्ने	कोइलाकुंटला	नांदयाल
08	मुक्कमल्ला, कमलापुरी, बोंदालादिन्ने, मुदिगेदु, अल्वाकोंडा, मुच्चालापुरी, मंगपल्ले, रेड्डीपल्ले, गिद्दलुरु, दत्तपुरम, रामबद्दुनिपल्ले, पेरुसोमुआला, कनाला, अकुमल्ला, वसंतपुरम, होश्रमनादिन्ने, नटला कोट्टूरु	संजमाला	नांदयाल
09	कोटापाडु, नंदीपाडु, तिम्मनायुनिपेटा	कोलिमिगुंडला	नांदयाल

सभी आम जनता से अपील की जाती है कि वे उक्त ट्रांसमिशन लाइन और उसके टावरों से दूर रहें और 28.03.2025 को या उसके बाद इन टावरों पर न चढ़ें और न ही ऐसी किसी लाइन को छुएं। ऐसा कोई भी कार्य गंभीर बिजली का झटका या दुर्घटना का कारण बन सकता है जो जानलेवा हो सकता है। इस अपील के उल्लंघन के किसी भी कार्य के परिणामस्वरूप दुर्घटना या जान-माल की हानि के लिए पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड या उसके कर्मचारी जिम्मेदार नहीं होंगे।

हस्ता०/-
वरिष्ठ महाप्रबंधक
पावरग्रिड, नांदयाल

SR-I/PR/Advt-07/Public Notice-04/24-25/Lalit

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
साइट ऑफिस: विला नंबर-103, नंदी पैराडाइज, क्रांति नगर, नंदयाल (मंडल और जिला), आंध्र प्रदेश-518501
क्षेत्रीय मुख्यालय: दक्षिणी क्षेत्र-I, 6-6-8/32 और 395E, कवडीगुडा, सिकंदराबाद-500080
पंजीकृत कार्यालय: बी-09, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016.
टेलीफोन- 011-26560112, 26560121, www.powergrid.in CIN: L40101DL1989GOI038121
एक महारत्न पीएसयू

किसान ने की आत्महत्या

मेदक, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। घटते भूजल स्तर, सूखती धान की फसल और विफल बोरवेल ने शनिवार को कौडीपल्ली मंडल के कुशांगड्डा थांडा में एक किसान को आत्महत्या के लिए मजबूर कर दिया। वह देवुला नायक (50) था, जिसके पास गांव में साढ़े चार एकड़ जमीन थी। उसने गांव के एक जमींदार से चार एकड़ जमीन किराए पर ले रखी थी।

भूजल स्तर में गिरावट के कारण उनके खेत में बोरवेल सूख जाने के कारण वे धान के खेतों की सिंचाई नहीं कर सके। फसलों को बचाने के लिए हताशा में, किसानों ने विभिन्न स्रोतों से पैसे उधार लेकर तीन बोरवेल खोदे। हालांकि, तीनों बोरवेल फेल हो गए। जब उनका कर्ज 3 लाख रुपये तक पहुंच गया, तो नायक, जिन्हें यासांगी की फसल पर मुनाफा मिलने की कोई उम्मीद नहीं थी, ने अपनी जान लेने का फैसला किया। नायक शुक्रवार को अपने घर से निकल गया। शनिवार को उसके परिवार के सदस्यों ने उसे राजीपेट के जंगलों के बाहरी इलाके में एक पेड़ से लटका हुआ पाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

एसिड टैंकर लीक के कारण तलडा में आधी रात को ट्रैफिक जाम

खम्मम, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के तलडा मंडल में अंबेडकर नगर के पास धान काटने की मशीन से बचने की कोशिश में एक लॉरी एसिड टैंकर से टकरा गई, जिसके कारण खम्मम-तलडा मुख्य मार्ग पर दो घंटे से अधिक समय तक यातायात बाधित रहा। शनिवार की मध्य रात्रि में हुई इस घटना में टैंकर से हाइड्रोक्लोरिक एसिड लीक हो गया और मुख्य सड़क पर फैल गया, जिससे सड़क पर धुआं भर गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर रविवार तड़के क्षतिग्रस्त टैंकर और लॉरी को हटाकर यातायात सुचारू किया।

कैब ड्राइवर्स का आज से नो एसी कैंपेन

हैदराबाद,23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कैब ड्राइवर्स ने तेलंगाना के हैदराबाद में राजीव गांधी इंटरनैशनल एयरपोर्ट पर सवारी का बहिष्कार कर रखा है। अब हैदराबाद में कैब चालकों ने ओला, उबर, रैपिडो और अन्य कैब एग्रीगेटर्स के अनुचित दरों के विरोध में आंदोलन बड़ा करने का फैसला लिया है। कैब ड्राइवर्स 24 मार्च से 'नो एसी अभियान' शुरू करने जा रहे हैं। कैब ड्राइवर्स का यह फैसला यात्रियों के लिए मुसीबत बन सकता है।

हैदराबाद में कैब ड्राइवर्स ओला, उबर, रैपिडो जैसे कैब एग्रीगेटर्स के खिलाफ 24 मार्च से यह अभियान शुरू कर रहे हैं। कैब ड्राइवर्स का आरोप है कि कैब एग्रीगेटर्स उनसे अनुचित कीमतें वसूल रहे हैं, जिससे वे लोग घाटे में हैं। एक्स पर एक पोस्ट में, तेलंगाना गिग एंड प्लेटफॉर्म वर्कर्स यूनियन (टीजीपीडब्ल्यूयू) ने कहा, 'हैदराबाद में कैब ड्राइवर 24 मार्च से 'नो एसी कैम्पेन' शुरू करेंगे।

कैब ड्राइवर्स ने एयरपोर्ट पर सवारी का बहिष्कार किया है।

24 मार्च से 'नो एसी अभियान' शुरू करने का फैसला लिया।

एग्रीगेटर्स के खिलाफ आंदोलन बढ़ाने की योजना बनाई गई।

तेलंगाना गिग एंड प्लेटफॉर्म वर्कर्स यूनियन चाहता है कि कैब-एग्रीगेटर्स सरकार के अनिवार्य प्रीपेड टैक्सी किराए के समान एक समान किराया लागू करें। यह ईंधन लागत, मैंटीनेंस और चालक की सेवाओं के लिए फायदेमंद है। कैब ड्राइवर्स यात्रियों के लिए कैब में नो एसी कैंपेन का नोटिस भी चस्पा करेंगे, ताकि कोई विवाद न हो।

यूनियन ने अप्रैल 2024 में भी इसी तरह का 'नो एसी कैंपेन' चलाया था। तर्क दिया गया था कि ड्राइवर 10-12 रुपये प्रति किलोमीटर कमाएंगे, जबकि एयर कंडीशनर के साथ कैब चलाने की लागत 16-18 रुपये प्रति किलोमीटर थी।

टीजीपीडब्ल्यूयू के अध्यक्ष शेख सलाहुद्दीन ने कहा कि संघ विभिन्न तरीकों से कैब एग्रीगेटर्स के प्रस्तावित अनुचित मूल्य निर्धारण के खिलाफ प्रदर्शन करेगा। इसी कड़ी में 'नो एसी अभियान' भी शामिल है।

कैब असोसिएशन ने कहा कि एग्रीगेटर्स और प्री-पेड टैक्सियों के लिए जाने वाले किराए में लगभग 300-400 रुपये का अंतर था। चूंकि, कैब चालकों को अक्सर वापसी यात्रा के लिए हवाई अड्डे पर तीन से चार घंटे इंतजार करना पड़ता है, और वे जिस एप्लिकेशन के साथ काम कर रहे हैं, उसके लिए किराए से 30 प्रतिशत कमीशन का भुगतान करते हैं, इसलिए उनके पास अक्सर कम कमाई होती है।

असोसिएशन ने कहा कि 'नो एसी कैंपेन' के बाद, कई कैब चालकों ने भी अपने वाहनों को सड़क परिवहन प्राधिकरण (आरटीए) को सौंपने की योजना बनाई है। असोसिएशन ने सरकार से हस्तक्षेप करने और कैब एग्रीगेटर्स के लिए मूल्य निर्धारण नीतियों को विनियमित करके और समान और उचित शुल्क लागू करके कैब चालकों को राहत प्रदान करने का आग्रह किया है।

ग्रामीणों ने विद्युत सबस्टेशन पर दिया धरना

गुणवत्तापूर्ण बिजली की मांग को लेकर आंदोलन

निर्मल, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अनियमित बिजली आपूर्ति के विरोध में रविवार को कुभीर मंडल के सोनारी गांव में बिजली सबस्टेशन परिसर में निवासियों ने धरना दिया। गांव के लोगों ने आरोप लगाया कि बिजली आपूर्ति में कटौती आम बात हो गई है, जिससे उन्हें असुविधा होती है। उन्होंने एनपीडीसीएल के अधिकारियों पर सोनारी की अनदेखी करते हुए दूसरे गांवों को बिजली देने का आरोप लगाया। उन्होंने याद दिलाया कि उन्होंने 20 साल पहले सब-स्टेशन बनाने के लिए जमीन दान की थी।

ग्रामीणों ने मांग की कि उनके गांव में 24 घंटे निर्बाध बिजली मिले। उन्होंने शिकायत की कि अधिकारी अज्ञात कारणों से बिजली आपूर्ति में पक्षपात कर रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों से अनुरोध किया कि वे उनके आरोपों की जांच करें और उन कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करें जो उनके गांव में बिजली की अनियमित आपूर्ति के लिए जिम्मेदार हैं।

करंट लगने से व्यक्ति की मौत

मुलुगु, 23 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एतुरूनगरम मंडल के चिन्नाबोइनपल्ली के जंगलों में जंगली जानवरों के शिकार के लिए बिजली का जाल लगाते समय शनिवार को एक व्यक्ति की करंट लगने से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, एतुरूनगरम मंडल मुख्यालय निवासी मृतक तुम्मा गंगैया (55) दो अन्य लोगों- एड्डु लोकेश और एल लक्ष्मीनारायण के साथ शुक्रवार रात जंगल में बिजली का जाल बिछाने गए थे। ऐसा करते समय गंगैया बिजली के तारों के संपर्क में आ गया और उसे जोरदार झटका लगा।

स्थापना:1983 ||श्री आईमाता प्रसादाता|| पंजीकृत सं.1941/83
सीरवी समाज तेलंगाना पारसीगुटा हैदराबाद
जागरण
आज सोमवार दि.24.03.2025 रात्रि 9.30 बजे से
(भजन गायकार: नैनारामजी एंड पार्टी)
(विशेष: जागरण के मध्य बोलियां लगायी जाएगी)
:शुभस्थल: श्री आईमाताजी मंदिर (बडेर) पारसीगुटा
कल मंगलवार दि.25.03.2025 प्रात: 9.15 बजे से
भैल बधावा एवं रंगारंग गैर नृत्य
शुभस्थल: सीरवी शिक्षा समिति प्लॉट, अलियाबाद
प्रात: 11.15 बजे भोजन-प्रसादी
: निवेदन: समाज बन्धुओं व भक्तों से निवेदन है सपरिवार समय पर पधारकर कार्यक्रम का लाभ लेवे।
नोट: तीनों कमिटियों के सदस्य समय पर जरुर पधारे
निवेदक: कार्यकारिणी समिति सीरवी समाज तेलंगाना पारसीगुटा हैदराबाद
: अध्यक्ष : मोहनलाल हाम्बड़ 9948177436
शिक्षा समिति अध्यक्ष: लाबूराम पंवार
सचिव: चेलाराम भायल
: सचिव : नारायणलाल काग 9849722490
महिला मंडल अध्यक्षा: सुशीला देवड़ा
सचिव: निर्मला देवड़ा
P.Solankey

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.